## अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

# वार्षिक विवरण २०२२-२३

The **RISING SUN** symbolizes bright future and vital energy as a new era dawns for Medical Innovation through research in all spheres of life and also portrays preservation and nurturing of health.
The **12 RAYS OF SUN** are representation of 12 districts of Himachal Pradesh which this institute would serve.

**STAFF OF CADUCEUS**, the traditional symbol of Medical Profession
Wings of staff of Caduceus symbolizes freedom of innovation in Medical Education and Research to its faculty and students

**MOTIF** is a unique local social & cultural identity of the Himachal Pradesh, usually seen being used in Himachali Handlooms like Shawls, Caps etc. The intense colours of these portray enthusiasm for life

**CIRCULAR RING** signifies the Continuity, Consistency and Community Involvement. The Maroon colour represents Ambition & Passion of the members of the Institute.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR

सर्वे सन्तु निरामयाः

**RIBBON** signifies Hope and Strength and the Golden Yellow colour potrays optimism. The Sanskrit saying translates into **"LET ALL BE FREE FROM ILLNESS"**

Visuals of Himachal Pradesh are incomplete without **SNOWCLAD MOUNTAINS**, which have become the identity of the State and is reflected in the name too..
The peaks of mountains represents the height of academic and medical care the institute determines to provide.

The **BOOK** is representation of Learning and Knowledge imparted through this Institute

The local geographical identity of the District Bilaspur is the famous **BHAKRA DAM**, often termed as "Temple of Resurgent India" and huge **GOBIND SAGAR LAKE**. The Dam symbolizes the institute as storehouse of knowledge with ability to harness the potential of intelligence (water) and channelizing the energy of the youth for benefit of the society. The huge Gobind Sagar lake is representation of the vastness of the Medical Knowledge.

डॉ. मनसुख मांडविया

**Dr. Mansukh Mandaviya**

माननीय केंद्रीय मंत्री

**Hon'ble Union Minister**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक, भारत सरकार

**Health and Family Welfare and Chemicals and Fertilizers, Govt. of India**

डॉ. भारती प्रविण पवार

**Dr. Bharati Pravin Pawar**

माननीय राज्य मंत्री

**Hon'ble Minister of State**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार

**Health and Family Welfare, Govt. of India**

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

**Prof. S. P. Singh Baghel**

माननीय राज्य मंत्री

**Hon'ble Minister of State**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार

**Health and Family Welfare, Govt. of India**

# परिचय

एम्स-बिलासपुर की स्थापना, केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के पाँचवे चरण के अन्तर्गत की गई है। एम्स-बिलासपुर एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसका उद्देश्य सामान्य रूप से देश में सस्ती एवं विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल की उपलब्धता में असंतुलन को सुधारना तथा वंचित राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए अधिक सुविधाएँ उपलब्ध करना है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 03 जनवरी 2018 को इस परियोजना को 3 चरणों में विकसित करने की मंजूरी दी।इस महत्वाकांक्षी परियोजना के चरण 1 का निर्माण, हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के कोठीपुरा गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-205 (शिमला-कांगड़ा/शिमला-घुमारवीं रोड) पर लगभग 247 एकड़ भूमि पर किया गया है। अस्पताल भवन में 750 बिस्तरों सहित सभी आधुनिक सुविधाएँ मौज़ूद हैं।

एम्स बिलासपुर का शिलान्यास 03 अक्टूबर 2017 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री 'श्री नरेंद्र मोदी जी' द्वारा किया गया था और उसके पश्चात् 21 जनवरी 2019 को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री 'श्री जे पी नड्डा जी' एवं हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री 'श्री जय राम ठाकुर जी' ने भूमि पूजन किया।

संस्थान को 05 अक्टूबर 2022 को, भारत के माननीय प्रधान मंत्री 'श्री नरेंद्र मोदी जी' द्वारा राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया गया और आज यह स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में तथा विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ और चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने की भारत की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ा है।एम्स-बिलासपुर तेज़ी से एक अग्रणी संस्थान बनने के दिशा में है, जो न केवल व्यापक चिकित्सा देखभाल के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है बल्कि अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार एवं स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की अगली पीढ़ी के प्रशिक्षण को भी बढ़ावा दे रहा है।

बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के मनोहर परिदृश्यों के बीच स्थित, एम्स-बिलासपुर एक स्वस्थ और अधिक समृद्ध भारत की दृष्टि का प्रतीक है। संस्थान अपनी स्थापना के उपरान्त से, स्वास्थ्य सेवाओं के उच्चतम मानकों को प्रदान करने, चिकित्सा अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ाने और ऐसे स्वास्थ्य पेशेवरों को तैयार करने के लक्ष्य के प्रति समर्पित रहा है जो न केवल शैक्षिक रूप से कुशल हैं, बल्कि दयालु और समर्पित भी हैं।

एम्स -बिलासपुर, लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने, चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने और एक स्वस्थ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

# अध्यक्ष का संदेश

मुझे एम्स-बिलासपुर के अध्यक्ष के रूप में अपनी पहली वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त खुशी हो रही है। एम्स-बिलासपुर एक अत्याधुनिक संस्थान है जो हिमालय के मनोरम परिदृश्यों के बीच स्थित है। अभी कुछ महीने पहले ही मैंने इस संस्थान का अध्यक्ष पद ग्रहण किया है। संस्थान के संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों के अटूट समर्पण, प्रतिबद्धता तथा उत्कृष्ट योगदान ने मुझे विनम्र और प्रेरित किया है। भारत सरकार द्वारा इस प्रतिष्ठित संस्थान के नेतृत्व का दायित्व मुझे सौंपना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जो हमारे दृष्टिकोण में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक है।

अपनी स्थापना के पश्चात्, संस्थान ने तीव्र गति से प्रगति की है, जिसका मैं स्वयं साक्ष्य हूँ। संस्थान ने नैदानिक कार्य, शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान एवं सामुदायिक भागीदारी के क्षेत्र में विकास किया है। डॉ. प्रमोद गर्ग ने इस संस्थान के पिछले अध्यक्ष के रूप में असाधारण काम किया है तथा संस्थान को अपनी प्रारंभिक अवस्था से एक पूर्ण कार्यात्मक संस्थान तक पहुँचाया है। उनके नेतृत्व में, एम्स-बिलासपुर ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं । स्वास्थ्य देखभाल, अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता ही हमेशा लक्ष्य रहा।

सभी चुनौतियों के बावजूद, पिछला वर्ष, एम्स-बिलासपुर परिवार के असाधारण कार्य एवं अटूट लचीलेपन का प्रमाण रहा है। यह वर्ष संस्थान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है। इस वर्ष संस्थान पूर्ण रूप से कार्यात्मक हो गया तथा माननीय प्रधानमंत्री 'श्री नरेन्द्र मोदी जी' ने इसका औपचारिक उद्घाटन कर इसे राष्ट्र सेवा में समर्पित किया।

इस संस्थान की सफलता के मूल में हमारे कार्यकारी निदेशक डॉ. वीर सिंह नेगी जी का असाधारण नेतृत्व है। उनकी अद्वितीय विशेषज्ञता, अथक प्रयासों एवं रणनीतिक मार्गदर्शन ने एम्स बिलासपुर को उसकी वर्तमान स्थिति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में संस्थान प्रगति की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगा। एम्स-बिलासपुर देश में सस्ती तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रहा है तथा माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण को चरितार्थ कर रहा है।

यह वार्षिक रिपोर्ट इस संस्थान द्वारा पिछले वर्ष किए गए उल्लेखनीय कार्यों का प्रमाण है। मैं इस संस्थान से जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और भविष्य को लेकर आशान्वित हूं।

**डॉ रणदीप गुलेरिया**

अधक्ष्य, एम्स बिलासपुर

# निदेशक समीक्षा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर की स्थापना भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणमंत्रालय द्वारा 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के पाँचवे चरण के अंतर्गत की गई है। एम्स-बिलासपुर राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान है, जिसकी स्थापना का मुख्य प्रयोजन, देश में सस्ती एवं विश्वसनीय तृतीयक स्वास्थ्य सुविधाओं में फैली विसंगतियों एवं असमानताओं को दूर करना है। मानव सेवा की भावना से प्रेरित, एम्स-बिलासपुर, चिकित्सा क्षेत्र के उच्चतम मानकों को अपना आधार मानकर, स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दे रहा है। मरीज़ को सहानुभूतिपूर्ण एवं गुणकारी उपचार प्रदान करना संस्थान अपना दायित्व समझता है। गंभीर बीमारियों की जटिलताओं को समझना एवं उनका सही उपचार करना संस्थान की नीति का एक अभिन्न अंग है। चिकित्सा सेवाओं के अतिरिक्त, एम्स-बिलासपुर अनुसंधान एवं चिकित्सा विज्ञान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

**लक्ष्य वक्तव्य**

- चिकित्सक शिक्षा के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण एवं स्वतंत्र विचारों को प्रोत्साहित करके उत्कृष्टता का केन्द्र स्थापित करना।
- बहु-विषयक सहयोगात्मक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत करना।
- देश को, विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश की जनता को, उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना।

एम्स-बिलासपुर का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री 'श्री नरेन्द्र मोदी जी' के कर-कमलों द्वारा 5 अक्टूबर 2022 को किया गया। आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित, एम्स-बिलासपुर विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध करवा रहा है, जैसे-आंतरिक रोगी सेवा, उन्नत नैदानिक सेवा, आपातकालीन सेवा, ऑपरेशन थिएटर, प्रसूति सेवा आदि। अपने औपचारिक उद्घाटन के पश्चात्, एम्स-बिलासपुर ने 6 माह की छोटी सी अवधि में एक लाख से अधिक रोगियों का इलाज किया है। रोगी देखभाल के अतिरिक्त, एम्स-बिलासपुर ने चिकित्सक शिक्षा, अनुसंधान एवं सामुदायिक सेवा गतिविधियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

**नैदानिक सेवाएँ**

मुख्य अस्पताल भवन में सेवाओं का शुभारंभ इस वर्ष की विशेष उपलब्धि रही है।पूर्व में आयुष ब्लॉक में दी जा रही बाह्यरोगी सेवाएँ, अगस्त 2022 से मुख्य अस्पताल भवन (ब्लॉक बी) में प्रदान की जा रही हैं। एम.आर.आई., डिजिटल रेडियोग्राफी उपकरण, प्रयोगशाला एवं रक्त भंडारण इकाई जैसी सुविधाओं के साथ अब सीटी स्कैन की उपलब्धता से नैदानिक सेवाओं में विस्तार हुआ है।यह सभी सेवाएँ डायग्नोस्टिक ब्लॉक (अस्पताल ब्लॉक सी)

में प्रदान की जा रही हैं। आपातकालीन एवं ट्रॉमा सेवाओं को अस्पताल ब्लॉक डी में सितम्बर 2022 के तीसरे सप्ताह में शुरू किया गया।

ज़रूरतमंदों को मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए संस्थान को ''प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' तथा ''हिमकेयर स्वास्थ्य बीमा योजना'' के अधीन सूचीबद्ध किया गया है।इन योजनाओं से अब तक 1894 रोगियों को लाभ हुआ है। एम्स-बिलासपुर ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएँ और उपभोग्य वस्तुएँ उपलब्ध करवाने हेतु संस्थान परिसर के भीतर एक 'अमृत फार्मेसी' एवं एक 'जन औषधि केन्द्र' की स्थापना की है, जहाँ पर एक ही छत के नीचे जेनेरिक एवं जीवनरक्षक ब्रांडेड दवाओं की किफायती दरों पर उपलब्धता है जिससे आर्थिक रूप से कमज़ोर एवं वंचित रोगियों को 60 प्रतिशत तक की बचत होती है। सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं में, एम्स-बिलासपुर ने डायलिसिस सेवाएँ शुरू की हैं।गुर्दों की बीमारी से पीड़ित रोगियों को संस्थान 'जीवन रक्षक देखभाल' प्रदान कर रहा है। संस्थान अब तक 488 हेमोडायलिसिस चक्र आयोजित कर चुका है।

वर्तमान समय में, अस्पताल 350 बिस्तरों के साथ बाह्यरोगी, आंतरिक रोगी, आपातकालीन, प्रसव, आई.सी.यू. एवं ऑपरेशन थिएटर की सेवाएँ प्रदान कर रहा है।निकट भविष्य में, बाल चिकित्सा एवं नवजात शिशु आई.सी.यू. तथा प्रत्यारोपण सेवाओं को शामिल किया जाएगा। रेडियोथेरेपी सेवा शीघ्र ही आरंभ कर दी जाएगी। दुर्घटना एवं आघात सेवाएँ संस्थान की प्राथमिकता रहेंगी। मरीज़ों को हेली-टैक्सी सेवा, 'उन्नत ट्रॉमा सेंटर' तथा एक 'बहु-अंग प्रत्यारोपण सुविधा' प्रदान करना संस्थान की प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। शीघ्र ही दुर्गम एवं अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में रोगी के नमूनों और दवा हस्तांतरण के लिए 'ड्रोन तकनीक' के उपयोग की कल्पना को मूर्तरूप प्रदान किया जाएगा।

संस्थान एलोपैथी, आयुर्वेद, युनानी, होम्योपैथी और योग थेरेपी के साथ एकीकृत समग्र देखभाल स्थापित करने की प्रक्रिया में है। ये सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी, जिसके लिए 30 बिस्तरों की क्षमता का एक समर्पित आयुष ब्लॉक जल्द ही शुरू किया जाएगा।

**सामाजिक सहभागिता**

एम्स-बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के दुर्गम एवं कठिन भूगौलिक क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता एवं उनके विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान ने जिला लाहौल-स्पिति के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।इस ज्ञापन के अधीन, केलांग जैसे जनजातीय एवं अत्यधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में बहु-विशिष्ट आउटरीच शिवर आयोजित किए जा चुके हैं।इन शिवरों में, विशेष एवं सुपर-स्पेशलिटी बाहारोगी परामर्श प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से 537 मरीज़ लाभान्वित हुए। किन्नौर जिले के साथ भी ऐसा ही समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं पर कोविड महामारी का अभूतपूर्व प्रभाव पड़ा। एम्स-बिलासपुर ने पीड़ित मानवता की भलाई के लिए एकजुट होकर कार्य किया तथा यह भी सुनिश्चित किया कि नियमित सेवाएँ सुचारू रूप से चलती रहें। संस्थान ने कोविड काल में ई-संजीवनी ओ.पी.डी. पोर्टल पर टेलीपरामर्श सेवाएँ प्रदान करना शुरू की थी जो जून 2022 तक चलती रही। जून 2022 में, सेवाओं को चिकित्सा अधिकारियों से 'विशेष परामर्श' के लिए ई-संजीवनी हब में अपग्रेड किया गया, जिसके अंतर्गत 6969 परामर्श प्रदान किए गए।

**शिक्षण एवं प्रशिक्षण**

एम्स-बिलासपुर, विज्ञान एवं स्वास्थ्य उपचार के क्षेत्र में कार्य करने वाले चिकित्सकों और विज्ञान के अग्रणियों को कुशल एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।अक्टूबर 2022 से प्रतिवर्ष 40 बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स), 10 बीएससी (एमएलटी), 5 बीएससी (डायलिसिस टेक्नोलॉजी) के साथ नर्सिंग और संबंद्ध स्वास्थ्य विज्ञान महाविद्यालय शुरू किया गया है। छात्रों को शिक्षण के आधुनिक तरीकों का उपयोग करके पढ़ाया जा रहा है, और भविष्य में, अत्याधुनिक सिमुलेशन और कौशल लैब में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

संस्थान ने जनवरी 2023 में प्री-क्लिनीकल विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और नेफ्रोलॉजी में एक अति-विशिष्ट डिग्री प्रोग्राम जुलाई 2023 सत्र में शुरू किया है। निकट भविष्य में अन्य शाखाओं में अति-विशिष्ट एवं पीएचडी पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है।

**अनुसंधान**

एम्स-बिलासपुर उच्च कोटी के अनुसंधान प्रयासों से मानवता को चुनौती देने वाली गंभीर बीमारियों के समाधान विकसित करने के लिए कटिबद्ध है। संस्थान ने अनुसंधान प्रयासों में उत्कृष्टता बनाए रखी है जिसके परिणामस्वरूप संस्थान ने 2022-23 में कई वित्त पोषित परियोजनाएँ प्राप्त कीं।ये परियोजनाएँ चिकित्सा विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करती हैं और चिकित्सा ज्ञान एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर बल देती हैं।संस्थान छात्रों में अनुसंधान के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। एम्स-बिलासपुर मरीज़ों की देखभाल के लिए नवीन एवं किफायती स्वास्थ्य देखभाल तकनीक विकसित करने के लिए विभिन्न तकनीकी एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा है।एम्स-बिलासपुर और आईसीएमआर-आरएमआरसी फील्ड स्टेशन केलांग, अत्यधिक ऊँचाई पर होने वाली बीमारियों पर अनुसंधान के लिए सहयोग कर रहे हैं।राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून (एनआईईपीवीडी) के साथ एम्स-बिलासपुर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अंतर्गत दोनों संस्थान दृष्टिबाधितों के जीवन को बेहतर एवं आसान बनाने के लिए सहयोग कर रहे हैं।रोगियों की सेवा एवं उनका सर्वश्रेष्ठ इलाज का दायित्व एम्स-बिलासपुर पूरी कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ निभा रहा है। रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए संस्थान निरन्तर प्रयासरत है। इस परिवर्तनशील समय में, चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले बदलाव और चुनौतियों का सामना करने के लिए संस्थान प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है। इस निरन्तर बदलती दुनिया की स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं का सामना करने के लिए संस्थान पूरी तरह से तैयार है।

**सारांश**

एम्स-बिलासपुर अभी अपने प्रारंभिक चरण में है। इसके लिए संस्थान से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की आवश्यकता है। अपनी स्थापना के बाद से, इतने कम समय में, संस्थान की प्रगति को देखकर हर्ष होता है।

आने वाले वर्षों में, संस्थान स्वयं को तृतीयक चिकित्सा देखभाल, शिक्षाविदों और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा और चिकित्सा संस्थानों में नेतृत्व की भूमिका निभाएगा।

**सर्वे सन्तु निरामया।**

**प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी**

कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

एम्स-बिलासपुर

# विषय-वस्तु


| क्रम संख्या | विषय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| I | संस्थान और उसकी समितियाँ | xii |
| II | एम्स-बिलासपुर राष्ट्र को समर्पित | 01 |
| III | भर्ती अनुभाग | 03 |
| IV | विधि अनुभाग | 05 |
| V | अभियांत्रिकी अनुभाग | 07 |
| VI | संपदा अनुभाग | 12 |
| VII | **अस्पताल सेवाएँ** | 13 |
| 1. | बाह्य रोगी सेवाएँ | 13 |
| 2. | आपातकालीन सेवाएँ | 14 |
| 3. | शल्य-चिकित्सा कक्ष | 15 |
| 4. | आंतरिक रोगी सेवाएँ | 16 |
| 5. | ब्लड बैंक सेवाएँ | 18 |
| 6. | डायलिसिस सेवाएँ | 18 |
| 7. | अस्पताल संक्रमण नियंत्रण गतिविधियाँ | 18 |
| 8. | प्रयोगशाला सेवाएँ | 21 |
| 9. | रेडियोलॉजी सेवाएँ | 24 |
| 10. | फार्मेसी | 25 |
| 11. | टीकाकरण क्लिनिक | 26 |
| 12. | डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र | 28 |
| 13. | नर्सिंग सेवाएँ | 30 |
| VIII | **शैक्षणिक कार्यक्रम** | 33 |
| 1. | चिकित्सा शिक्षा इकाई | 37 |
| 2. | परामर्श कार्यक्रम | 39 |
| 3. | छात्रावास अनुभाग | 40 |
| 4. | परीक्षा अनुभाग | 41 |
| 5. | छात्र कल्याण गतिविधियाँ - आईसीसीडब्ल्यू | 43 |
| IX | **अनुसंधान** | 45 |
| 1. | संस्थागत आचार समिति | 45 |
| X | **विभागीय वार्षिक रिपोर्ट** | |
| 1. | अनेस्थिसियोलॉजी | 47 |
| 2. | शरीर रचना | 50 |
| 3. | जीव रसायन | 53 |
| 4. | जलन और प्लास्टिक सर्जरी | 58 |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | कार्डियलजी | 59 |
| 6. | कार्डियोथोरेसिक शल्य - चिकित्सा | 60 |
| 7. | सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा | 62 |
| 8. | दंत चिकित्सा | 69 |
| 9. | त्वचा विज्ञान | 72 |
| 10. | अंतःस्रावी और चयापचय | 77 |
| 11. | ओटो-राइनो-लैरिंजोलॉजी तथा सिर एवं गर्दन की सर्जरी (ईएनटी) | 79 |
| 12. | फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी | 83 |
| 13. | सामान्य दवा | 85 |
| 14. | जनरल सर्जरी | 90 |
| 15. | अस्पताल प्रशासन | 92 |
| 16. | मेडिकल ऑन्कोलॉजी | 94 |
| 17. | सूक्ष्म जीव विज्ञान | 96 |
| 18. | नियोनेटोलॉजी | 101 |
| 19. | नेफ्रोलॉजी | 103 |
| 20. | तंत्रिका-विज्ञान | 105 |
| 21. | न्यूरोसर्जरी | 112 |
| 22. | प्रसूति एवं स्त्री रोग | 113 |
| 23. | नेत्र विज्ञान | 123 |
| 24. | हड्डी रोग | 124 |
| 25. | विकृति विज्ञान | 126 |
| 26. | बालचिकित्सा | 129 |
| 27. | बाल चिकित्सा सर्जरी | 132 |
| 28. | औषध विज्ञान | 133 |
| 29. | शरीर क्रिया विज्ञान | 135 |
| 30. | मनोरोग चिकित्सा | 140 |
| 31. | रेडियोलोजी | 141 |
| 32. | रेडियोथेरेपी | 143 |
| 33. | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी | 144 |
| 34. | ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन और रक्त केंद्र | 146 |
| 35. | मूत्रविज्ञान | 147 |
| 36. | नर्सिंग कॉलेज | 148 |
| **XI** | **सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ** | 151 |
| **XII** | **मीडिया में एम्स बिलासपुर** | 161 |
| **XIII** | **वित्तीय वर्ष 2022-23 के वार्षिक खाते** | 165 |

## संस्थान निकाय

| क्र. स. | सदस्य का नाम | | पद का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | **प्रो. (डॉ.) प्रमोद गर्ग**<br>कार्यकारी निदेशक, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फ़रीदाबाद | 1-12-2022 पर्यंत | अध्यक्ष |
| | **प्रो. (डॉ.) रणदीप गुलेरिया**<br>चेयरमैन, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन, रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन, मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम | 2-12-2022 उपरांत | |
| 2. | **श्री अनिल बलूनी**<br>संसद सदस्य, राज्य सभा, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 3. | **श्री सुरेश कश्यप**<br>संसद सदस्य, लोकसभा, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 4. | **श्री रतन लाल कटारिया**<br>संसद सदस्य, लोकसभा, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 5. | **श्री. राजेश भूषण**<br>आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 6. | **डॉ. सुनील कुमार**<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली | 17-04-2022 पर्यंत | सदस्य |
| | **डॉ. अतुल गोयल**<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली | 18-04-2022 उपरांत | |
| 7. | **श्री आशीष श्रीवास्तव**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 24-09-2022 पर्यंत | सदस्य |
| | **श्री जयदीप कुमार मिश्रा**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 25-09-2022 उपरांत | |
| 8. | **श्री राम सुभाग सिंह**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 12-07-2022 पर्यंत | सदस्य |
| | **श्री आरडी धीमान**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 13-07-2022 उपरांत<br>31-12-2022 पर्यंत | |
| | **श्री प्रबोध सक्सैना**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 1-01-2023 उपरांत | |
| 9. | **प्रो. एस पी बंसल**<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर | | सदस्य |
| 10. | **प्रो. गंगाधर**<br>महासचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन | | सदस्य |
| 11. | **प्रो. अरविंद राजवंशी**<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स रायबरेली | | सदस्य |
| 12. | **डॉ. अजय दुसेजा**<br>हेपेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ | | सदस्य |
| 13. | **डॉ. आदर्श चौधरी**<br>चेयरमैन, जीएल सर्जरी, इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलरी साइंसेज, गुरुग्राम | | सदस्य |
| 14. | **डॉ. अक्षय चन्द्र धारीवाल**<br>सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 15. | **प्रो. प्यूश साहनी**<br>प्रोफेसर एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 16. | **प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा**<br>निदेशक, आईआईटी मंडी | | सदस्य |
| 17. | **प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी**<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर | | सदस्य-सचिव |

## शासन निकाय

| क्र. स. | सदस्य का नाम | | पद का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | **प्रो. (डॉ.) प्रमोद गर्ग**<br>कार्यकारी निदेशक, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फ़रीदाबाद<br>गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली के प्रोफेसर<br>पूर्व एसोसिएट डीन (अनुसंधान) एम्स, नई दिल्ली | 1-12-2022 पर्यत | अध्यक्ष |
| | **प्रो. (डॉ.) रणदीप गुलेरिया**<br>अध्यक्ष, आंतरिक चिकित्सा, श्वसन एवं निद्रा चिकित्सा संस्थान<br>मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम | 2-12-2022 उपरांत | |
| 2. | **श्री सुरेश कश्यप**<br>संसद सदस्य, लोकसभा, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 3. | **श्री राजेश भूषण**<br>आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 4. | **डॉ. सुनील कुमार**<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली | 17-04-2022 पर्यत | पदेन सदस्य |
| | **डॉ. अतुल गोयल**<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली | 18-04-2022 उपरांत | |
| 5. | **श्री आशीष श्रीवास्तव**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 24-09-2022 पर्यत | सदस्य |
| | **श्री जयदीप कुमार मिश्रा**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 25-09-2022 उपरांत | |
| 6. | **श्री राम सुभाग सिंह**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 12-07-2022 पर्यत | सदस्य |
| | **श्री आरडी धीमान**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 13-07-2022 उपरांत<br>31-12-2022 पर्यत | |
| | **श्री प्रबोध सक्सैना**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 1-01-2023 उपरांत | |
| 7. | **प्रो. अरविंद राजवंशी**<br>निदेशक एम्स, रायबरेली | | सदस्य |
| 8. | **प्रो. प्यूश साहनी**<br>प्रोफेसर एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 9. | **डॉ. आदर्श चौधरी**<br>अध्यक्ष, जीएल सर्जरी, पाचन एवं हेपेटोबिलरी विज्ञान संस्थान | | सदस्य |
| 10. | **डॉ. अजय दुसेजा**<br>हेपेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ | | सदस्य |
| 11. | **प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी**<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर | | सदस्य सचिव |

## स्थायी वित्त समिति

| क्र. स. | सदस्य का नाम | | पद का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | **श्री. राजेश भूषण**<br>आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | | अध्यक्ष |
| 2. | | | उपाध्यक्ष (रिक्त) |
| 3. | **डॉ. सुनील कुमार**<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली | 17-04-2022 पर्यंत | सदस्य |
| | **डॉ. अतुल गोयल**<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली | 18-04-2022 उपरांत | |
| 4. | **श्री आशीष श्रीवास्तव**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 24-09-2022 पर्यंत | सदस्य |
| | **श्री जयदीप कुमार मिश्रा**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 25-09-2022 उपरांत | |
| 5. | **प्रो. प्यूश साहनी**<br>प्रोफेसर और प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 6. | **डॉ. एस पी बंसल**<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर | | सदस्य |
| 7. | **प्रो.अरविंद राजवंशी**<br>निदेशक, एम्स, रायबरेली | | सदस्य |
| 8. | **डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल**<br>सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 9. | **प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी**<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर | | सदस्य सचिव |

## स्थायी चयन समिति

<table>
<tr><th>क्र. स</th><th colspan="2">सदस्य का नाम</th><th>पद का नाम</th></tr>
<tr><td>1.</td><td colspan="2">प्रो. प्यूश साहनी<br>प्रोफेसर एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली</td><td>अध्यक्ष</td></tr>
<tr><td>2.</td><td colspan="2">प्रो. अरविंद राजवंशी<br>निदेशक, एम्स- रायबरेली</td><td>उपाध्यक्ष</td></tr>
<tr><td rowspan="2">3.</td><td>डॉ. सुनील कुमार<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली</td><td>17-04-2022 पर्यत</td><td rowspan="2">सदस्य</td></tr>
<tr><td>डॉ. अतुल गोयल<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली</td><td>18-04-2022 उपरांत</td></tr>
<tr><td>4.</td><td colspan="2">डॉ. आदर्श चौधरी<br>अध्यक्ष, जीएल सर्जरी, पाचन एवं हेपेटोबिलरी विज्ञान संस्थान, गुरुग्राम</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>5.</td><td colspan="2">डॉ. एस पी बंसल<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>6.</td><td colspan="2">प्रो. गंगाधर<br>महासचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>7.</td><td colspan="2">डॉ. अजय दुसेजा<br>हेपेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>8.</td><td colspan="2">डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल<br>सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>9.</td><td colspan="2">प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स-बिलासपुर</td><td>सदस्य सचिव</td></tr>
</table>

## स्थायी शैक्षणिक समिति

<table>
<tr><th>क्र. स</th><th colspan="2">सदस्य का नाम</th><th>पद का नाम</th></tr>
<tr><td>1.</td><td colspan="2">प्रो.अरविंद राजवंशी<br>निदेशक, एम्स-रायबरेली</td><td>अध्यक्ष</td></tr>
<tr><td>2.</td><td colspan="2">प्रो. प्यूश साहनी<br>प्रोफेसर एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली</td><td>उपाध्यक्ष</td></tr>
<tr><td>3.</td><td colspan="2">श्री अनिल बलूनी<br>संसद सदस्य, राज्य सभा, नई दिल्ली</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td rowspan="2">4.</td><td>डॉ. सुनील कुमार<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली</td><td>17-04-2022 पर्यंत</td><td rowspan="2">सदस्य</td></tr>
<tr><td>डॉ. अतुल गोयल<br>महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली</td><td>18-04-2022 उपरांत</td></tr>
<tr><td>5.</td><td colspan="2">डॉ. एस पी बंसल<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>6.</td><td colspan="2">डॉ. अजय दुसेजा<br>हेपेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>7.</td><td colspan="2">डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल<br>सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>8.</td><td colspan="2">प्रो. गंगाधर<br>महासचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>9.</td><td colspan="2">प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर</td><td>सदस्य सचिव</td></tr>
</table>

## स्थायी संपदा समिति

| क्र.स | सदस्य का नाम | | पद का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | **श्री सुरेश कश्यप**<br>संसद सदस्य | | अध्यक्ष |
| 2. | **डॉ. आशीष श्रीवास्तव**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 24-09-2022 पर्यंत | उपाध्यक्ष |
| | **श्री जयदीप कुमार मिश्रा**<br>आईएएस, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | 25-09-2022 उपरांत | |
| 3. | **श्री राम सुभाग सिंह**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 12-07-2022 पर्यंत | सदस्य |
| | **श्री आरडी धीमान**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 13-07-2022 उपरांत<br>31-12-2022 पर्यंत | |
| | **श्री प्रबोध सक्सैना**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 1-01-2023 उपरांत | |
| 4. | **डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल**<br>सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 5. | **प्रो.अरविंद राजवंशी**<br>निदेशक एम्स-रायबरेली | | सदस्य |
| 6. | **डॉ. एस पी बंसल**<br>कुलपति, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर | | सदस्य |
| 7. | **डॉ. अजय दुसेजा**<br>हेपेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ | | सदस्य |
| 8. | **प्रो. प्यूश साहनी**<br>प्रोफेसर एवं प्रमुख, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 9. | **प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी**<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर | | सदस्य सचिव |

## मानव संसाधन उप समिति

| क्र.स. | सदस्य का नाम | | पद का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | **डॉ. अजय दुसेजा**<br>हेपेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ | | अध्यक्ष |
| 2 | **प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा**<br>निदेशक आईआईटी, मंडी | | उपाध्यक्ष |
| 3 | **श्री. राजेश भूषण**<br>आईएएस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली | | सदस्य |
| 4 | **श्री राम सुभाग सिंह**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 12-07-2022 पर्यत | सदस्य |
| | **श्री आरडी धीमान**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 13-07-2022 उपरांत<br>31-12-2022 पर्यत | |
| | **श्री प्रबोध सक्सैना**<br>आईएएस, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला | 1-01-2023 उपरांत | |
| 5 | **प्रो. (डॉ.) वीर सिंह नेगी**<br>कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर | | सदस्य सचिव |

## प्रशासन

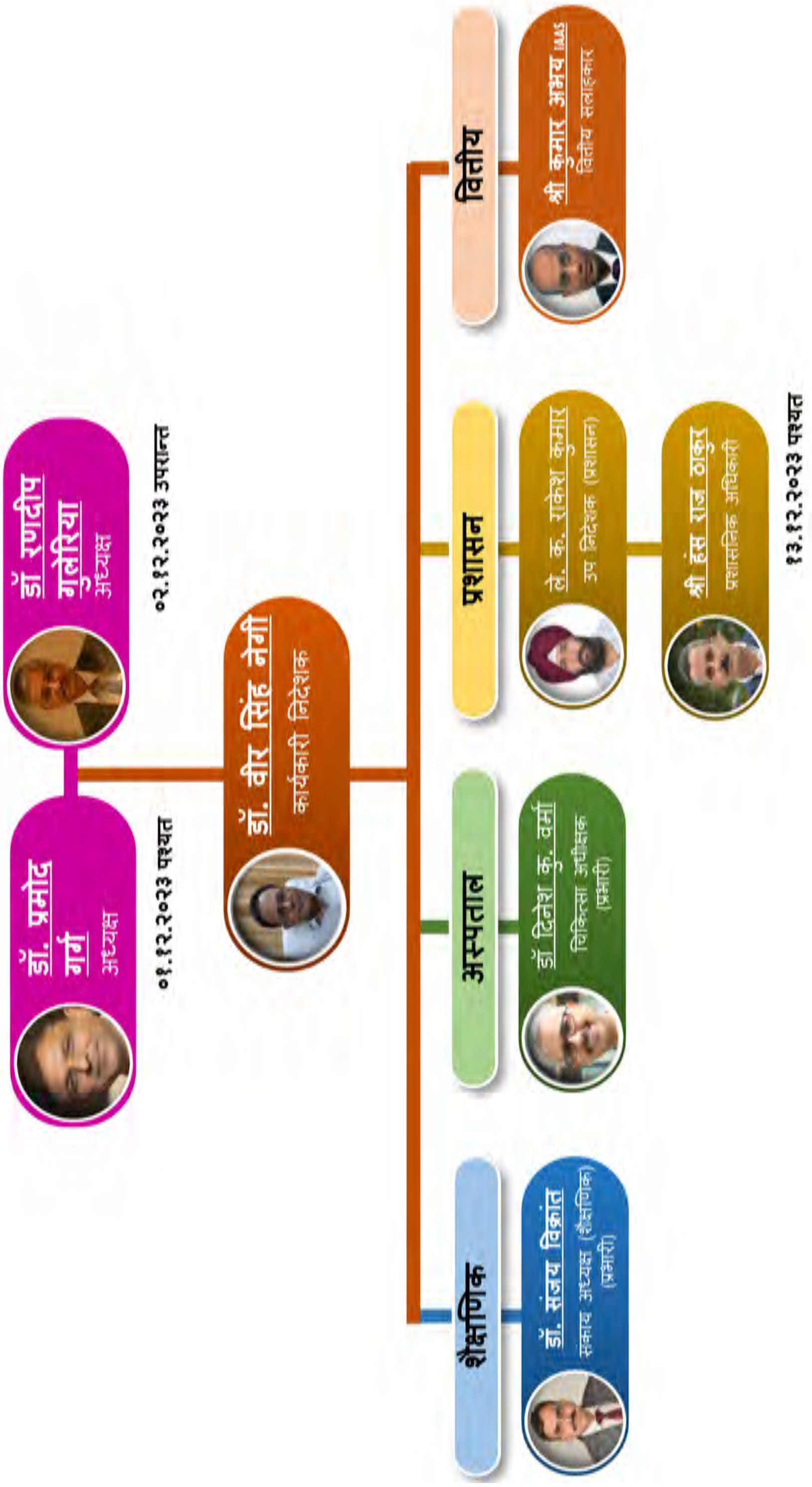
डॉ. प्रमोद गर्ग
अध्यक्ष
०१.१२.२०२३ पश्यत
डॉ रणदीप गुलेरिया
अध्यक्ष
०२.१२.२०२३ उपरान्त
डॉ. वीर सिंह नेगी
कार्यकारी निदेशक
शैक्षणिक
अस्पताल
प्रशासन
वित्तीय
डॉ. संजय विक्रांत
संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक)
(प्रभारी)
डॉ दिनेश कु. वर्मा
चिकित्सा अधीक्षक
(प्रभारी)
ले. क. राकेश कुमार
उप निदेशक (प्रशासन)
श्री हंस राज ठाकुर
प्रशासनिक अधिकारी
१३.१२.२०२३ पश्यत
श्री कुमार अभय IAAS
वित्तीय सलाहकार

# लोकार्पण

## “एम्स-बिलासपुर राष्ट्र की सेवा में समर्पित”

### 5 अक्टूबर 2022

एम्स-बिलासपुर का औपचारिक उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ''श्री नरेन्द्र मोदी जी'' के कर-कमलों द्वारा 5 अक्टूबर 2022 को किया गया। इस सुअवसर पर, संस्थान में पहले से उपलब्ध बाह्य रोगी सेवाओं के अतिरिक्त, आपातकालीन, आपरेशन थिएटर एवँ आंतरिक रोगी सेवाओं का शुभारंभ किया गया।

*माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वागत*

*माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राष्ट्र को संस्थान समर्पित करते हुए*

*एम्स बिलासपुर केप्रतिरूप का निरीक्षण करते मोदी जी और अन्य गणमान्य व्यक्ति*

*एम्स बिलासपुर केशिक्षकों और कर्मचारियों का अभिवादन स्वीकार करते मोदी जी*

## भर्ती अनुभाग

एम्स बिलासपुर में भर्ती प्रक्रिया में सक्षम प्राधिकारी की सहायता के लिए 4 सितंबर 2021 को संस्थान में भर्ती अनुभाग का गठन किया गया। बड़ी संख्या में लंबित भर्तियों और कम कर्मचारियों वाली प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए एम्स बिलासपुर में भर्ती (नियमित/संविदा/प्रतिनियुक्ति) और पदोन्नति प्रक्रिया में सहायता के लिए संकाय सदस्यों को नामित किया गया।

| क्र. | नाम | सौंपी गई जिम्मेदारी |
|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रबल जोशी | परियोजना कक्ष |
| 2. | डॉ. प्रबल जोशी | संकाय प्रभारी भर्ती / पदोन्नति |
| 3. | डॉ. लोकेश राणा | कनिष्ठ रेजिडेंट/वरिष्ठ रेजिडेंट भर्ती |
| 4. | डॉ. लक्ष्मी कुमारी सांख्यान | नर्सिंग भर्ती / पदोन्नति |
| 5. | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर | गैर-चिकित्सा गैर-नर्सिंग भर्ती/ पदोन्नति |
| 6. | डॉ. नवनीत शर्मा | प्रतिनियुक्ति भर्ती |
| 7. | डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता | सलाहकार भर्ती |
| 8. | श्रीमती किरण मिश्रा | नर्सिंग भर्ती / पदोन्नति |

**मौजूदा जनशक्ति**

| क्र. | पद | पद का नाम |
|---|---|---|
| 1. | **परियोजना कक्ष पद (04)** | कार्यकारी निदेशक- 01 पद |
| | | उप निदेशक (प्रशासन) - 01 पद |
| | | अधीक्षण अभियंता (सिविल) - 01 पद |
| | | कार्यकारी अभियंता (सिविल) - 01 पद |
| 2. | **संकाय (90)** | प्राध्यापक- 05 पद |
| | | अतिरिक्त प्राध्यापक 07 पद |
| | | संबंद्ध प्राध्यापक 16 पद |
| | | सहायक प्राध्यापक - 62 पद |
| 3. | **प्रतिनियुक्ति (06)** | लेखा अधिकारी- 01 पद |
| | | सहायक प्रशासनिक अधिकारी- 02 पद |
| | | प्राध्यापक सह प्रधानाचार्य ( नर्सिंग महाविद्यालय) - 01 पद |
| | | नर्सिंग अधीक्षक 01 पद |
| | | निजी सहायक 01 पद |
| 4. | **नर्सिंग (379)** | नर्सिंग अधिकारी- 379 पद |
| 5. | **गैर-संकाय पद (05)** | स्टोरकीपर- 02 पद |
| | | आशुलिपिक- 01 पद |
| | | पुस्तकालय परिचारक श्रेणी- द्वितीय- 01 पद |
| | | कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक- 01 पद |
| 6. | **अनुबंध (06)** | सलाहकार (कानूनी) - 01 पद |
| | | सलाहकार (लेखा) - 01 पद |
| 7. | **आउटसोर्स (183)** | - |

**भर्ती योजना**

चिकित्सा संकाय, नर्सिंग संकाय, वरिष्ठ रेजिडेंट, कनिष्ठ रेजिडेंट, प्रतिनियुक्ति पदों, सुरक्षा और स्वच्छता सेवाओं और सामान्य और तकनीकी जनशक्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

| भर्ती योजना | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र.** | **पद का नाम** | **विज्ञापन की तिथि** | **आवेदन की अंतिम तिथि** | **आवेदन की जांच** | **परीक्षा** | **साक्षात्कार/ दस्तावेज़ सत्यापन** | **परिणाम की घोषणा** | **कार्यभार ग्रहण की तिथि** |
| **संकाय पद** | | | | | | | | |
| 1 | मेडिकल फैकल्टी (90) पद | 08.10.22 | 15.02.23 | - | - | 26.05.23 से 28.05. 23 | 02.06.23 | जून 23 |
| **गैर-संकाय पद** | | | | | | | | |
| 1 | वरिष्ठ रेजिडेंट | 17.06. 22 | 06.07.22 | - | - | 24.07.23 | 24.07.23 | 23 जुलाई |
| | | 01.09. 22 | 12.09.22 | - | - | 14.09. 22 | 21.09. 22 | सितम्बर 22 |
| | | 24.09.22 | 07.10.22 | - | - | 08.10.22 | 08.10.22 | 22 अक्टूबर |
| | | 12.10.22 | 08.11.22 | - | - | 09.11.22 | 09.11.22 | 22 नवंबर |
| | | 22.11.22 | 11.12.22 | - | - | 14.12.22 | 16.12.22 | 22 दिसम्बर |
| | | 23.12.22 | 08.01.23 | - | - | 17.01.23 | 18.01.23 | 23 जनवरी |
| | | 28.01.23 | 13.02.23 | - | - | 15.02.23 | 21.02.23 | फ़रवरी 23 |
| 2 | कनिष्ठ रेजिडेंट | 17.06.22 | 06.07.22 | - | 24.07. 23 | 24.07.23 | 24.07.23 | 23 जुलाई |
| | | 24.09.22 | 08.10.22 | - | | 09.10.22 | 09.10.22 | 22 अक्टूबर |
| | | 01.02.23 | 20.02.23 | - | - | 23.02.23 | 20.03.23 | 23 मार्च |
| 3 | पीजीआईए मईआर-चंडीगढ़ द्वारा विज्ञापित नियमित पद (ग्रुप-बी और सी) | 14.02.23 | 17.03.23 | | 19.05. 23 और 28.07. 23 | 22.06.23 और 29.08.23 | 14.06.23 | 23 जून |
| 4 | प्रतिनियुक्ति | 11.10.22 | 11.08.23 | 23 सितंबर | - | 23 अक्टूबर | 23 अक्टूबर | अक्तूबर 23 |

## कानूनी अनुभाग

**कानूनी सलाहकार:** श्री अरविंद कुमार नड्डा

### 1. एंटी रैगिंग कमेटी:

एम्स बिलासपुर में एंटी रैगिंग कमेटी का गठन वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार 23 अक्टूबर 2021 को किया गया था।

| क्र. | नाम | नियुक्ति | टिप्पणियां |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. वीर सिंह नेगी | संरक्षक | |
| 2. | डॉ. संजय विक्रांत | सभापति | |
| 3. | डॉ. रूपाली पारलेवार | उपाध्यक्ष | |
| 4. | पंजीयक(शैक्षिक) | सदस्य सचिव | रिक्त |
| 5. | डॉ. अनुराधा शर्मा | सदस्य | कार्यवाहक सदस्य-सचिव |
| 6. | डॉ. चित्रेश कुमार | सदस्य | |
| 7. | डॉ. ज्योति गुप्ता | सदस्य | |
| 8. | डॉ. जसबीर सिंह | सदस्य | |
| 9. | डॉ. लक्ष्मी सांख्यान | सदस्य | |
| 10. | सभी वार्डन | सदस्य | |
| 11. | उप निदेशक (प्रशासन) पदेन | सदस्य | |
| 12. | जनसंपर्क अधिकारी | सदस्य | रिक्त |
| 13. | मुख्य सुरक्षा अधिकारी | सदस्य | रिक्त |
| 14. | a) श्री अवि कुकरेजा (2020 बैच)<br>b) मिस पूर्वा (2020 बैच)<br>c) प्रथम वर्ष के छात्र (पुरुष और महिला 2021 बैच) | सदस्य | |
| 15. | मुख्य आयुक्त या उनके प्रतिनिधि | सदस्य | उप-मण्डलीय दण्डाधिकारी ;बिलासपुर सदर |
| 16. | पुलिस अधीक्षक या उनके प्रतिनिधि | सदस्य | पुलिस उपाधीक्षक;बिलासपुर सदर |
| 17. | श्री विशाल सिंह ठाकुर | सदस्य | स्थानीय मीडिया प्रतिनिधि |
| 18. | श्री कश्मीर सिंह | सदस्य | गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि |
| 19. | a) श्री नरेंद्र कुमार<br>b) श्री सुनील गोयल<br>c) श्री ऋषिलाल | सदस्य | छात्रों के माता-पिता |

प्राप्त शिकायतें: 1

## 2. महिलाओं के लिए आंतरिक शिकायत समिति (ICCW):

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 (पोश अधिनियम) की धारा 4 के अनुसरण में संस्थान ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए आईसीसीडब्ल्यू का गठन किया है।

| क्र. | नाम | नियुक्ति | मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. रूपाली पारलेवार | सभापति | फोन नंबर- 8108499919<br>ईमेल: rupalifulzele@gmail.com |
| 2. | डॉ. संजय विक्रांत | सदस्य | फोन नंबर - 9418072808<br>ईमेल: sanjayvikrant@rediffmail.com |
| 3. | डॉ. सुमिता शर्मा | सदस्य | फोन नंबर - 9557534348<br>ईमेल: dr.sumita.biochem@aiimsbilaspur.edu.in |
| 4. | डॉ. मीनल म. ठाकरे | सदस्य | फोन नंबर - 8146665598<br>ईमेल: meenalvikas@gmail.com |
| 5. | डॉ. सुश्रुति कौशल | सदस्य | फोन नंबर - 9805657709<br>ईमेल: dr.sushruti.obg@aiimsbilaspur.edu.in |
| 6. | श्री अरविंद कुमार नड्डा | सदस्य | फोन नंबर - 9418125101<br>ईमेल: arvindnadda@gmail.com |
| 7. | लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश कुमार | सदस्य सचिव | फोन नंबर - 8130856524<br>ईमेल: ddaaiimsawantipora@gmail.com |
| 8. | श्रीमती बृज बाला सांख्यान | सदस्य | फोन नंबर - 9418163512<br>ईमेल: brijsankhyan@gmail.com |

समिति को इस वर्ष 03 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

**आरटीआई अनुभाग**

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5 के अनुसरण में निम्नलिखित अधिकारियों को प्रथम अपीलीय प्राधिकारी, आरटीआई सेल के नोडल अधिकारी, एम्स बिलासपुर और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/नामित अधिकारियों के रूप में नामित किया गया है: –

**प्रथम अपीलीय प्राधिकारी**

लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश कुमार, उप निदेशक (प्रशासन)

**आरटीआई सेल के नोडल अधिकारी**

डॉ विक्रांत कंवर, सहायक प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन विभाग

**केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी**

| क्र. | अधिकारियों का नाम और पदनाम | शाखा/अनुभाग |
|---|---|---|
| 1. | श्री हंस राज ठाकुर<br>प्रशासनिक अधिकारी | स्थापना, लेखा और सामान्य प्रशासन |
| 2. | डॉ. मोहम्मद कौसर<br>सहायक प्राध्यापक, अस्पताल प्रशासन विभाग | हॉस्टल सहित स्टोर और एमएस ऑफिस |
| 3. | डॉ. आशीष शर्मा<br>अतिरिक्त प्राध्यापक, न्यूरोलॉजी विभाग | आवासीय आवास और शिक्षाविदों सहित संपत्ति |

संस्थान में प्राप्त आरटीआई की कुल संख्या 49 है।

## अभियांत्रिकी अनुभाग

| क्र. | नाम | पद | नियमित/प्रतिनियुक्ति |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री विवेक एस मोरे | अधीक्षण अभियंता-सिविल | प्रतिनियुक्ति पर |
| 2. | श्री आशीष पटयाल | अधिशासी अभियंता-सिविल | प्रतिनियुक्ति पर |

विवरणी को चार मुख्य शिर्षकों में विभाजित किया गया है-नागरिक(सीविल), विद्युतीय, एचवीएसी(हीटींग,वेंटिलेशन एवं एयर कंडीशनिंग) तथा संपदा एवं प्रशासन। इसमें मुख्य रूप से उपरोक्त अवधि के दौरान अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किए गए कार्यों/गतिविधियों का विवरण शामिल है।

### A. विद्युतीय

1. एचपीएसईबीएल के मासिक बिजली बिलों को खाता अनुभाग में अग्रेषित करने के लिए अंतर-कार्यालय कार्य।
2. सामान्य रूप से एम्स बिलासपुर और विशेष रूप से अस्पताल क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डीजी सेट के बफर टैंक और ओवरफ्लो टैंक के अंदर भरने के लिए ईंधन स्टेशन से डीजल की खरीद।
3. स्टॉक प्रविष्टि और डीजी लॉगबुक का रखरखाव।
4. डीजल खरीद बिलों और वाहक शुल्क बिलों की जांच और सत्यापन।
5. एम्स बिलासपुर में सभी चालू लिफ्टों के अंदर लिफ्ट प्रमाणपत्रों की फिक्सिंग का अनुपालन सुनिश्चित किया गया।
6. ओईएम (मित्सुबिशी) के माध्यम से आपातकालीन लिफ्ट संचालन को समझने के लिए सुरक्षा अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 10 गैर-कार्यरत लिफ्टों का संचालन सुनिश्चित किया गया। लिफ्ट से संबंधित शिकायतों पर ध्यान दिया गया। लिफ्ट में हर प्रकार की ख़राबी को दूर किया गया तथा संचालित-लिफ्टों के लाइसेंस नवीकृत किए गए।
7. अनुमोदन प्राप्त करने के लिए समन्वय किया गया। डीजी सेट एनओसी से संबंधित और दो संख्या 20000 लीटर यूजी एचएसडी टैंक से संबंधित सीसीओई अनुमोदन प्राप्त करने के लिए अपेक्षित समर्थन और सहयोग प्रदान करना।
8. आवासीय क्वार्टरों और विभिन्न विक्रेताओं [अर्थात् टीसीआईएल, अमृत फार्मेसी और एसबीआई] से संबंधित मीटर रीडिंग की रिकॉर्डिंग और कार्यालय कार्य (मीटर रीडिंग के आधार पर बिजली बिल तैयार करना, मासिक खपत पैटर्न में किसी भी असामान्य परिवर्तन का विश्लेषण करना, यदि बिलों को अग्रेषित करने के लिए आईओएम की कोई तैयारी हो) लेखा अनुभाग आदि)।
9. एनबीसीसी और एनसीसी के समन्वय से विभिन्न उपयोगकर्ता विभागों द्वारा की गई विद्युत संबंधी शिकायतों पर ध्यान देना।
10. आवासीय क्वार्टरों के लिए एनडीएनसी को घरेलू आपूर्ति श्रेणी में परिवर्तित करने से संबंधित एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
11. तीन नंबर अस्थायी 11 केवी बिजली कनेक्शन काटे गए।
12. एनबीसीसी के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही एम्स बिलासपुर परियोजना के प्रथम चरण में लंबित विद्युत कार्य की परियोजना निगरानी, गुणवत्ता आश्वासन/गुणवत्ता नियंत्रण।
13. एनबीसीसी सर्विस लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत संचालन और रखरखाव प्रस्ताव पर टिप्पणियों/सिफारिशों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
14. सभी विषयों के संबंध में शैक्षणिक ब्लॉक, अस्पताल ब्लॉक ए, बी, सी और डी के छत क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न रुकावट बिंदु प्रस्तुत किए गए।

15. विभिन्न भवनों/छात्रावासों में गर्म पानी की अनुपलब्धता का मुद्दा उठाया गया है और स्नातकोत्तरबॉयज, स्नातकोत्तरगर्ल्स, स्नातकोत्तरविवाहित हॉस्टल, प्रशासनिक और शैक्षणिक ब्लॉक और अस्पताल भवन आदि के अंदर गर्म पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए काम प्रगति पर है।
16. गर्म पानी के ताप पंपों के चालू होने तक अस्थायी उपाय के रूप में 2 नग गीजर प्रदान करके नर्सिंग हॉस्टल के अंदर गर्म पानी सुनिश्चित किया गया।
17. अस्पताल ब्लॉक-डी का इन्वेंटरी सत्यापन और उसे ठीक करने के लिए एनबीसीसी को समस्या बिंदु प्रस्तुत करना।
18. विभिन्न अस्पताल भवनों और छात्रावासों की छतों पर छत पर सौर ऊर्जा स्थापना के लिए सीपीडब्ल्यूडी द्वारा दिए गए प्रस्ताव अनुमान को मंत्रालय को प्रस्तुत करना।
19. भवनों को समय पर सौंपने के लिए पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए लंबित कार्यों की सूची तैयार करना और एनबीसीसी को प्रस्तुत करना।
20. डीजी यार्ड में दोषपूर्ण डीजल बफर टैंक स्तर संकेतकों का अवलोकन और उन्हें नए स्तर संकेतकों के साथ बदलना।
21. मास्टर प्लान और डिजाइन आधार रिपोर्ट (डीबीआर) के संदर्भ में तुलना विवरण तैयार करना और मंत्रालय को प्रस्तुत करना।
22. फायर अलार्म एवं मॉक ड्रिल टेस्ट आयोजित किया गया।
23. स्नातक छात्र छात्रावास में विद्युत उपकरणों और उपकरणों की स्थापना के लिए अपेक्षित तकनीकी सहायता प्रदान की गई।
24. मासिक विद्युत बिल में परिलक्षित होने वाले निर्धारित विद्युत शुल्क को कम करने के लिए वर्तमान अधिकतम मांग के अनुसार विद्युत भार अनुबंध मांग की समीक्षा।
25. घरेलू एमओयू एम्स बिलासपुर के लिए एनडीएनसी, एचपीएसईबीएल को अवलोकन और वे-आउट संबंधी संचार

**B. नागरिक (सीविल)**

1. निम्नलिखित भवनों से संबंधित इन्वेंट्री रिपोर्ट का सत्यापन और प्रस्तुतीकरण ( अभियांत्रिकी के सभी विषयों में):
   a. स्नातकोत्तरछात्र, हॉस्टल ब्लॉक-बी
   b. प्रकार चतुर्थ
   c. टाइप-वी
   d. टाइप II ब्लॉक II
   e. हॉस्पिटल ब्लॉक-सी
   f. हॉस्पिटल ब्लॉक डी
   g. हॉस्पिटल ब्लॉक ई
   h. अस्पताल ब्लॉक डी फर्नीचर।
   i. नर्सिंग छात्रावास
   j. स्नातकोत्तरविवाहित बी
2. पूर्ण भवनों से संबंधित समस्याओं की सूची , लंबित सूची और दोषपूर्ण सूची तैयार करना, जिनकी सूची अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सत्यापित की गई है।
3. एम्स बिलासपुर परियोजना के पहले चरण में एनबीसीसी और एचएससीसी के माध्यम से निष्पादित किए जा रहे लंबित निर्माण कार्यों की परियोजना निगरानी, गुणवत्ता आश्वासन/गुणवत्ता नियंत्रण।
4. उपयोगकर्ता विभागों द्वारा प्रस्तुत निम्नलिखित कार्यों/अतिरिक्त आवश्यकताओं के लिए अनुमान प्रस्ताव तैयार करना और प्रस्तुत करना:

a. रैपिड एंटीजन टेस्ट कियॉस्क बूथ [2 नंबर]।
b. बीएमटी कक्ष
c. हॉस्टल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के बीच बाड़ लगाने का काम।
d. एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के लिए ईसीआर लैब अनुमान का अनुमोदन और प्रस्तुतिकरण।
e. दूसरे चरण में यूजी-गर्ल्स और यूजी- छात्र हॉस्टल का अनुमान।
f. अनुमोदन के बाद आरओ की सर्विसिंग की गई

5. निम्नलिखित सेवा बिलों का प्रमाणीकरण:
   a. सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रस्तुत किये गये पानी के बिल।
   b. एचपी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचपीएससीपीबी) द्वारा प्रस्तुत एसटीपी और ईटीपी नमूना परीक्षण बिल।
   c. एचपी राज्य विद्युत बोर्ड (एचपीएसईबीएल) द्वारा प्रस्तुत बिजली बिल।
6. उपयोगकर्ता विभाग द्वारा प्रस्तुत अतिरिक्त कार्य (ओटी पृथक्करण दरवाजे प्रदान करना और ठीक करना) आवश्यकताओं को पूरा करना।
7. स्वचालित कंपोस्टर मशीन, ई-रिक्शा जैसे विभिन्न निविदाओं के लिए तकनीकी सहायता/सहायता/सहायता प्रदान करना।
8. एम्स बिलासपुर में विकासात्मक कार्यों हेतु प्रारंभिक अनुमान की स्वीकृति दिनांक 03.03.2023।
9. फर्नीचर समिति को खरीद के लिए चिकित्सा और गैर-चिकित्सा फर्नीचर का विवरण प्रस्तुत करना।
10. विभिन्न आरओ की सेवाओं की खरीद के लिए मंजूरी।
11. एचआईटीईएस, एनबीसीसी, एनसीसी, सीमेंस, एचपीएसईबीएल, एनएचएआई, एचपीएसपीसीबी, उपायुक्त (बीएलएस), राजस्व अधिकारी (बीएलएस), आईपीएच, एचएससीसी, आईसीटी (एनएचएआई सलाहकार) एचपीएसटीसी (परिवहन सहयोग), एचपीपीडब्ल्यूडी, एनएचपीडब्ल्यूडी, टाउन के साथ समन्वय और समन्वय। विभिन्न मुद्दों से संबंधित योजना अधिकारी (बीएलएस) आदि।
12. तत्कालीन मेस ठेकेदार द्वारा नुकसान की सीमा के संबंध में विश्लेषण, पहचान, भौतिक सर्वेक्षण किया गया और उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
13. डाइनिंग हॉल-ए की चारदीवारी के बगल में फैले अतिक्रमण (निर्माण कार्य) का भौतिक सर्वेक्षण किया और तथ्य प्रस्तुत किए।
14. बंगारू राम के दावे और एम्स-बिलासपुर के खिलाफ उनके द्वारा दायर कानूनी मामले के संबंध में कानूनी विभाग द्वारा आवश्यक विवरण (फोटो और ततीमा ) प्रस्तुत किए गए।
15. एम्स बिलासपुर परिसर के अंदर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी की स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल स्थान की पहचान करने में अपेक्षित समर्थन प्रदान किया गया।
16. एम्स बिलासपुर परिसर में सौर पैनलों की स्थापना के लिए स्थल निरीक्षण के संबंध में हिमऊर्जा के साथ समन्वय।
17. एम्स बिलासपुर द्वारा एसबीआई, हिंद लैब, अमृत फार्मेसी आदि जैसे विभिन्न विक्रेताओं को पट्टे पर दिए गए क्षेत्रों की भौतिक माप की गई और पट्टा किराया तय करने के लिए संयुक्त माप रिकॉर्ड पर हस्ताक्षर प्राप्त किए गए।

**C. एचवीएसी (हीटींग,वेंटिलेशन एवं एयर कंडीशनिंग)**

1. कूलिंग टॉवर और बाष्पीकरणकर्ता में उपयोग किए जाने वाले पानी की अनुमेय सीमा से अधिक कठोरता का अवलोकन किया गया और एनबीसीसी को अपेक्षित मापदंडों यानी 60 पीपीएम से कम के साथ शीतल जल का उपयोग करने का निर्देश दिया गया और इसे लागू किया गया है।
2. गैर-परिचालन सॉफ़्नर संयंत्र का अवलोकन किया और एनसीसी को एसटीपी-1 पर सॉफ़्नर संयंत्र को चार्ज करने का निर्देश दिया और वह अब चालू है।

3. कूलिंग टावर और चिलिंग वॉटर पाइपलाइन में पानी की निकासी संचालन और रखरखाव, दिशा निर्देशों के अनुसार किया गया था और यह सुनिश्चित किया गया था कि कठोर पानी के उपयोग के स्थान पर स्केलिंग प्रभाव से बचने के लिए नरम पानी का उपयोग किया जा रहा है।
4. एचवीएसी प्लांट रूम में नियमित आधार पर केवल 2 चिलर के उपयोग के स्थान पर 5 चिलर का क्रमवार उपयोग लागू किया गया।
5. दो चिलरों के बेलोज़ में लीकेज के बारे में एनसीसी को बताया गया था और उस पर ध्यान दिया जा रहा है।
6. एचवीएसी संयंत्र कक्ष में माध्यमिक पंपों और प्राथमिक पंपों की मरम्मत की गई है।
7. शैक्षणिक ब्लॉक और अस्पताल ब्लॉक ए, बी और सी के एएचयू और एफसीयू का निवारक रखरखाव और निरीक्षण किया गया है।
8. विभिन्न एएचयू कमरों में खुले शाफ्टों का अवलोकन किया और एनसीसी को एएचयू कमरों के शाफ्टों को बंद करने का निर्देश दिया ताकि प्रभावी तापमान बनाए रखा जा सके और यह प्रगति पर है।
9. गैर-परिचालन वेंटिलेशन पंखों का अवलोकन किया और एनसीसी को वेंटिलेशन पंखे, लिफ्ट प्रेशराइजेशन यूनिट और सीढ़ी प्रेशराइजेशन यूनिट शुरू करने का निर्देश दिया और यह अकादमिक ब्लॉक, अस्पताल ब्लॉक-ए में पूरा हो गया है और अस्पताल ब्लॉक-बी में भी यही प्रगति पर है।
10. डाइनिंग हॉल ए और शैक्षणिक ब्लॉक के एयर स्क्रबर और एयर वॉशर की तकनीकी समस्या का समाधान कर दिया गया है।
11. एएचयू ड्रेन यू-ट्रैप ठीक से स्थापित नहीं किया गया था और आगे के निर्देश पर भी इसे बनाए रखा गया था।
12. वीआरवी हीट पंप सिस्टम और एएचयू लीकेज थे और ऑडिटोरियम में इसे ठीक कर दिया गया है।
13. एचवीएसी प्रणाली से संबंधित दैनिक रखरखाव और संचालन, उदाहरण के लिए चेकलिस्ट, निवारक रखरखाव, ब्रेकडाउन स्लिप और लॉग बुक रखरखाव आदि का रखरखाव किया जा रहा है।
14. एलएमओ टैंक और एमजीपीएस प्रणाली से संबंधित चार अलग-अलग एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत एमओयू का विश्लेषण, अध्ययन और तुलनात्मक विवरण सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत किया गया।

**D. प्रशासन**

1. बीईसीआईएल के माध्यम से नियुक्त/नियुक्त स्थायी/संविदा कर्मचारियों के अवकाश रिकॉर्ड को बनाए रखना और अद्यतन करना और मासिक आधार पर उनकी उपस्थिति को स्थापना/प्रशासन अनुभाग को अग्रेषित करना सुनिश्चित करना।
2. एनएचएआई सलाहकार द्वारा प्रस्तुत पुराने PROW (रास्ते का सार्वजनिक अधिकार )के अंदर निर्मित बुनियादी ढांचे (गेट नंबर 3 और संबंधित सिविल वर्क्स) को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और एम्स-बिलासपुर के हितों की रक्षा के लिए पुराने PROW में अपेक्षित बदलाव सुनिश्चित किए।
3. अभियांत्रिकी विभाग ने निम्नलिखित अनुमोदन नोट शुरू किए थे:
   a. अभियांत्रिकी से संबंधित वस्तुओं/सेवाओं की खरीद के लिए विभिन्न समितियों को मंजूरी; दिनांक 14 दिसंबर 2022।
   b. अभियांत्रिकी कार्यालय के लिए विविध वस्तुओं की खरीद को मंजूरी; दिनांक 29 दिसंबर 2022।
   c. स्नातकोत्तर विवाहित छात्रावास (एनओ रजनी देवी) में पृथक आवास आवंटन के संबंध में अनुमोदन; दिनांक 29 दिसंबर 2022।
   d. इंजीनियरिंग से संबंधित वस्तुओं/कार्यों/सेवाओं की खरीद के लिए विभिन्न समितियों को मंजूरी; दिनांक 31 दिसम्बर 2022।
   e. आवास परिवर्तन की स्वीकृति ( डॉ. नवदीप सिंह सिधू); दिनांक 6 जनवरी 2023।
   f. एचएसडी की खरीद के औचित्य को मंजूरी और एलपीसी का गठन; दिनांक 10 जनवरी 2023।

g. एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश में स्थापित डीजी सेटों के लिए हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की खरीद को मंजूरी; दिनांक 10 जनवरी 2023।
h. एम्स बिलासपुर में हाई-स्पीड डीजल की खरीद हेतु अनुमोदन; दिनांक 20-01-2023।
i. एम्स बिलासपुर में स्नातकोत्तर विवाहित हॉस्टल-ए (एम्स-बीएलएस-एच-23-एचएसजी/03) में एकल कक्ष आवंटन की स्वीकृति; दिनांक 25-01-2023।
j. एम्स बिलासपुर में विकासात्मक कार्यों हेतु प्रारंभिक अनुमान की स्वीकृति; दिनांक 03.03.2023।
k. एम्स बिलासपुर में हाई-स्पीड डीजल खरीद हेतु अनुमोदन; दिनांक 04-02-2023।
l. एम्स बिलासपुर में स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित भित्तिचित्र/योजना के कार्यान्वयन हेतु अनुमोदन; दिनांक 09-02-2023।
m. एम्स बिलासपुर में पूर्णतः स्वचालित मैकेनिकल कार पार्किंग के निर्माण हेतु स्वीकृति; दिनांक 11.02.2023।
n. एम्स बिलासपुर के नोडल अधिकारी/उप-नोडल अधिकारियों द्वारा एनआईसी के ई-प्रोक्योरमेंट मॉड्यूल का उपयोग करने के लिए प्राधिकरण प्रदान करने या केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपीपी) के उपयोग के लिए इंजीनियरिंग विभाग के लिए लॉगिन आईडी/लॉगिन आईडी बनाने की मंजूरी; दिनांक 15.02.2023.
o. वार्षिक आधार पर दिनांक 17.02.2023 को एम्स बिलासपुर में मेडिकल गैस पाइपलाइन प्रणाली के संचालन की स्वीकृति।
p. एम्स बिलासपुर में हाई-स्पीड डीजल की खरीद के लिए मंजूरी; दिनांक 25.02.2023।
q. एम्स बिलासपुर के लिए टॉयलेट ब्लॉक के निर्माण की स्वीकृति; दिनांक 25.02.2023।
r. जल (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 एवं वायु अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत संचालन हेतु सहमति हेतु अनुमोदन; दिनांक 01.03.2023।
s. इंजीनियरिंग कार्यालय के लिए विविध वस्तुओं की खरीद को मंजूरी; दिनांक 18 मार्च 2023.
t. स्नातकोत्तर- छात्रा हॉस्टल (सुश्री रजनी देवी) में एकल कक्ष आवंटन की स्वीकृति; दिनांक 30 मार्च 2023।

## संपदा अनुभाग

| क्र. | प्रभारी अधिकारी |
|---|---|
| 1 | उप निदेशक (प्रशासन) |

1. विभिन्न अधिकारियों अर्थात् संकाय/गैर-संकाय, जेआर, एसआर, नर्सिंग अधिकारियों को आवास और आवेदकों को अतिथि गृह आवंटित किए गए। इसका विवरण इस प्रकार सारणीबद्ध है:

**आवास /छात्रावासों के आवंटन का विवरण (07 दिसंबर 2022 से 31 मार्च 2023 के बाद ):**

| क्र. | पद का नाम | आवंटियों की संख्या. | आवास /छात्रावास का प्रकार |
|---|---|---|---|
| 1 | संकाय | 02 | प्रकार द्वितीय |
| 2 | गैर-संकाय | 00 | |
| 3 | एस. आर. | 05 | स्नातकोत्तर छात्र और स्नातकोत्तर छात्रा |
| 4 | एन.ओ. | 09 | स्नातकोत्तर छात्र और स्नातकोत्तर छात्रा |

**6 दिसंबर 2022 से 31 मार्च 2023 के बाद अतिथि गृह बुकिंग का विवरण**

| क्र. | अतिथि गृह विवरण | बुकिंग की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | स्नातकोत्तर छात्र छात्रावास | 75 |
| 2 | स्नातकोत्तर छात्रा छात्रावास | 98 |

2. स्नातकोत्तर -विवाहित छात्रावास में अतिथि कक्ष से संबंधित सामग्री की खरीद के लिए अपेक्षित तकनीकी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
3. टाइप- II आवास और अस्पताल ब्लॉक में रिसाव सुधार करने के लिए एनबीसीसी और एनसीसी के साथ समन्वय किया गया, अभियांत्रिकी विभाग के ध्यान में लाया गया।
4. एम्स बिलासपुर द्वारा उन्हें प्रदान किए गए क्षेत्रों/स्थान का पट्टा किराया शीघ्र जमा करना सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय/समन्वय करना।
5. नर्सिंग हॉस्टल से संबंधित एनसीसी द्वारा प्रदान की गई फर्नीचर सूची का सत्यापन किया गया और आपात्कालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर नर्सिंग छात्रों को आवश्यक कमरों का आवंटन सुनिश्चित किया गया।
6. जब भी आवश्यकता/अनुरोध किया गया, विभिन्न विभागों को लॉकिंग कुंजी सेवाएं प्रदान की गईं और जब भी अभियांत्रिकी विभाग के ध्यान में लाया गया,एनसीसी के माध्यम से प्रमुख संबंधित मुद्दों पर ध्यान दिया गया ।
7. सी ब्लॉक, डी ब्लॉक, ई ब्लॉक, अतिथि गृह , टाइप II ब्लॉक II, ऑडिटोरियम, नर्सेज हॉस्टल, डाइनिंग हॉल ए और बी से संबंधित मुख्य डेटा तैयार किया गया।

# अस्पताल सेवाएँ

## अस्पताल सेवाएँ

### अस्पताल प्रशासन

| पद | | प्रभारी संकाय |
|---|---|---|
| चिकित्सा अधीक्षक | : | डॉ. दिनेश वर्मा |
| अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (प्रथम) | : | डॉ. मुनिंदर कुमार |
| अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (द्वितीय) | : | डॉ. पूजन डोगरा |
| उप चिकित्सा अधीक्षक (प्रथम) | : | डॉ. मोहम्मद कौसर |
| उप चिकित्सा अधीक्षक (द्वितीय) | : | डॉ. चंद्रदीप शर्मा |
| उप चिकित्सा अधीक्षक (तृतीय) | : | डॉ. विक्रांत कंवर |
| उप चिकित्सा अधीक्षक (चतुर्थ) | : | डॉ. अजय जरयाल |

### अस्पताल सेवाएं

आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ एम्स बिलासपुर में नैदानिक सेवाएं 5 दिसंबर 2021 को कार्यात्मक हो गईं। ओपीडी सेवाओं को अगस्त 2022 में मुख्य अस्पताल भवन में स्थानांतरित कर दिया गया था और कुछ हफ्तों के भीतर, हजारों रोगियों को विशेषज्ञों द्वारा ओपीडी परामर्श प्राप्त हुआ। 5 अक्टूबर 2022 को संस्थान के राष्ट्र को समर्पित करने के साथ अस्पताल में आंतरिक और आपातकालीन सेवाएं कार्यात्मक हो गईं। उस समय से, संस्थान ने ओपीडी, आईपीडी, ओटी और आपातकालीन सेवाओं के साथ हजारों रोगियों को लाभान्वित किया है। संस्थान आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजनाओं के तहत रोगियों को मुफ्त उपचार प्रदान करके महत्वाकांक्षी पीएम-जेएवाई योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद रोगियों को भी लाभान्वित कर रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे, विशेष रूप से आपातकालीन स्थिति में, एम्स बिलासपुर आपातकालीन विभाग में आने वाले सभी रोगियों को जांच और उपचार मुफ्त प्रदान कर रहा है।

### बाह्य रोगी सेवाएँ

संस्थान ने लोगों की सेवा के लिए सभी स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी ओपीडी शुरू की हैं। मुख्य अस्पताल भवन के कार्यशील होने के पश्चात् छह महीने की छोटी सी अवधि में, मरीजों की संख्या में तीन गुना वृद्धि हुई है। एम्स बिलासपुर में ओपीडी सेवाएं दिसंबर 2021 में शुरू हुईं और अगस्त 2022 में मुख्य अस्पताल भवन में स्थानांतरित हो गईं। ओपीडी परामर्श के साथ-साथ, संस्थान अत्याधुनिक नैदानिक सेवाएं और रोगी प्रबंधन उपकरण प्रदान करता है, जो इस आधुनिक संस्थान की दक्षता और रोगी अनुभव को बढ़ाता है। चिकित्सा आवश्यकताओं के विविध स्पेक्ट्रम को पूरा करने के लिए रचित किया गया बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, एम्स बिलासपुर ने केवल छह महीनों में 1.25 लाख से अधिक रोगियों की सेवा की है।

नई शुरू की गई ओपीडी सेवाएं हमारे रोगियों के लिए समग्र स्वास्थ्य सेवा अनुभव को बढ़ाने के लिए संस्थान के अटूट समर्पण का प्रमाण हैं। मरीजों ने सामान्य चिकित्सा, आर्थोपेडिक्स, त्वचा विज्ञान, ईएनटी, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागों में जबरदस्त विश्वास दिखाया है, जिन्होंने संबंधित ओपीडी में दस हजार से अधिक रोगियों का ईलाज किया है। नई ओपीडी सेवाएं समय पर, दयालु और विशेषज्ञ चिकित्सा पर ध्यान देने के लिए संस्थान के समर्पण का उदाहरण देती हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के प्रारंभिक निदान और कुशल उपचार की सुविधा मिलती है।

## ओपीडी डेटा

| क्र. | माह | कुल ओपीडी |
|---|---|---|
| 1. | अप्रैल 2022 | 5,384 |
| 2. | मई 2022 | 6,787 |
| 3. | जून 2022 | 8,728 |
| 4. | जुलाई 2022 | 9,404 |
| 5. | अगस्त 2022 | 9,590 |
| 6. | सितंबर 2022 | 10,360 |
| 7. | अक्टूबर 2022 | 10,626 |
| 8. | नवंबर 2022 | 13,240 |
| 9. | दिसंबर 2022 | 13,040 |
| 10. | जनवरी 2023 | 11,640 |
| 11. | फरवरी 2023 | 12,423 |
| 12. | मार्च 2023 | 14,290 |
| | **कुल** | **1,25,512** |

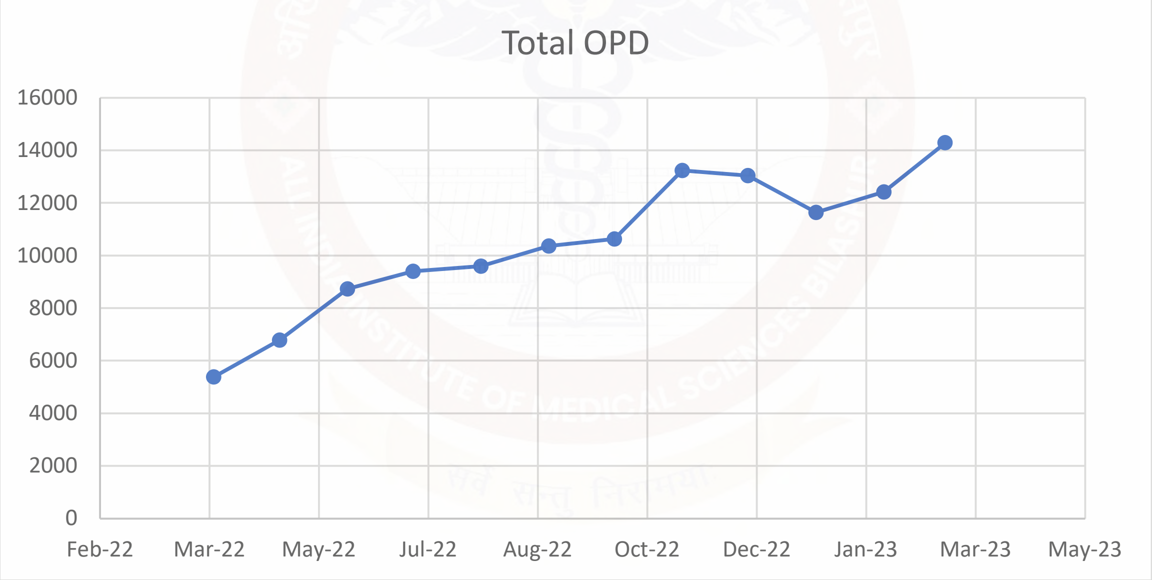


## आपातकालीन सेवाएं

एम्स बिलासपुर में आपातकालीन सेवाओं को सितंबर 2022 से 24 घंटे की सेवा के रूप में शुरू किया गया था, जो किसी भी गंभीर रूप से बीमार रोगी के लिए संपर्क का पहला बिंदु है I आपातकालीन विभाग का प्रबंधन आपातकालीन विभाग के डॉक्टरों और नर्सिंग अधिकारियों द्वारा आंतरिक चिकित्सा, सर्जरी, आर्थोपेडिक्स, प्रसूति और स्त्री रोग, बाल चिकित्सा, मनोचिकित्सा और न्यूरोसर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, एंडोक्रिनोलॉजी, यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी सहित अन्य विभागों के साथ अंतर-विभागीय सहयोग के साथ किया जाता है। वर्तमान में, आपातकालीन विभाग में, 8-बेड ट्राइएज रूम, एक 20-बेड ऑब्जर्वेशन एरिया और 6-बेड पीडियाट्रिक इमरजेंसी है, जिसमें सीनियर रेजिडेंट और फैकल्टी, 35 नर्सिंग ऑफिसर, 3 एमटीएस के साथ अन्य सहायक कर्मचारियों के साथ 6 जूनियर रेजिडेंट की जनशक्ति है। आपातकालीन स्थिति में आने वाले सभी रोगियों को पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण के साथ 24 घंटे की सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिसमें गंभीर स्थिति वाले रोगियों की तत्काल देखभाल भी शामिल है। आपातकाल में संभालने वाली महत्वपूर्ण

स्थितियों में सड़क यातायात दुर्घटनाएं, स्ट्रोक, कार्डियक अरेस्ट और मायोकार्डियल रोधगलन शामिल हैं। प्राथमिक देखभाल के बाद रोगी को अवलोकन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया जाता है और फिर स्थिरीकरण और आगे के हस्तक्षेप के लिए आईपीडी में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

| | आपातकालीन प्रवेश मुख्य ट्राइएज (2023) | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| माह | चोट | जलना | सांप ने काटा | तीव्र हृदय आपातकाल | आघात | अन्य कारण | मृत लाया गया | अवसान | कुल |
| सितंबर | 7 | 0 | 0 | 5 | 0 | 45 | 0 | | 57 |
| अक्टूबर | 36 | 0 | 2 | 36 | 0 | 314 | 0 | | 388 |
| नवंबर | 56 | 0 | 2 | 50 | 1 | 353 | 1 | | 463 |
| दिसंबर | 81 | 0 | 0 | 41 | 0 | 319 | 1 | | 442 |
| जनवरी | 96 | 0 | 0 | 27 | 5 | 455 | 3 | 3 | 589 |
| फ़रवरी | 86 | 1 | 0 | 42 | 4 | 473 | 1 | 5 | 612 |
| मार्च | 118 | 1 | 1 | 19 | 1 | 524 | 1 | 5 | 670 |
| **कुल** | **480** | **2** | **5** | **220** | **11** | **2483** | **7** | **13** | **3221** |

| | आपातकालीन प्रवेश मुख्य ट्राइएज बाल चिकित्सा (2023) | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| माह | चोट | जलना | सांप ने काटा | तीव्र हृदय आपातकाल | आघात | अन्य कारण | मृत लाया गया | अवसान | कुल |
| जनवरी | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 47 | 0 | 0 | 49 |
| फ़रवरी | 20 | 2 | 0 | 0 | 0 | 69 | 0 | 0 | 91 |
| मार्च | 11 | 0 | 0 | 0 | 0 | 57 | 0 | 0 | 68 |
| **कुल** | **33** | **2** | **0** | **0** | **0** | **173** | **0** | **0** | **208** |

### ओटी सेवाएं

रोगी देखभाल और सर्जिकल परिणामों को बढ़ाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम में, एम्स बिलासपुर ने व्यापक और सुपर स्पेशियलिटी के लिए ओटी सेवाएं शुरू की। अत्याधुनिक सुविधा के साथ उच्चतम गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं संस्थान की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ी है। परिशुद्धता के साथ डिज़ाइन किया गया और अत्याधुनिक तकनीक से लैस, ओटी कॉम्प्लेक्स में कई ऑपरेटिंग कमरे होते हैं, जिनमें से प्रत्येक सर्जिकल विशिष्टताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को समायोजित करने के लिए तैयार होता है।

एम्स बिलासपुर में प्रत्येक दिन एक वैकल्पिक ओटी के साथ चौबीसों घंटे काम करने वाली आपातकालीन ओटी है। प्रसव परिसर में प्रसूति सेवाओं के लिए समर्पित एक कार्यात्मक ओटी है। ऑपरेटिंग रूम नवीनतम सर्जिकल तकनीक से सुसज्जित हैं, जिसमें हाई-डेफिनिशन मॉनिटर, न्यूनतम इनवेसिव उपकरण और उन्नत एनेस्थीसिया डिलीवरी सिस्टम शामिल हैं। यह तकनीक न केवल हमारी सर्जिकल टीमों को सशक्त बनाती है, बल्कि इष्टतम रोगी सुरक्षा और आराम भी सुनिश्चित करती है।

अब कई ऑपरेटिंग कमरे उपलब्ध होने के साथ, हमारे अस्पताल ने अपनी शल्य चिकित्सा क्षमता में काफी वृद्धि की है। इसका मतलब है कि सर्जरी के लिए प्रतीक्षा समय कम हो गया है और आपातकालीन मामलों में शीघ्र ध्यान दिया जा रहा है। सितंबर 2022 में ओटी सेवाओं के उद्घाटन के बाद से, संस्थान ने 500 से अधिक जटिल और नियमित सर्जरी की है। संस्थान का रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण परिसर के डिजाइन के हर पहलू में परिलक्षित होता है। प्री-ऑपरेटिव और पोस्ट-ऑपरेटिव क्षेत्रों को रोगियों और उनके परिवारों के लिए आराम, गोपनीयता और सुखदायक वातावरण प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है।

नए ओटी कॉम्प्लेक्स ने मरीजों को विशेष सर्जरी के लिए लंबी दूरी की यात्रा करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। इसने रोगियों को अपने स्वयं के समुदाय के भीतर शीर्ष स्तरीय चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में सक्षम बनाया है, जिससे हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में विश्वास और विश्वास की भावना को बढ़ावा मिलता है।

अंत में, हमारे अत्याधुनिक ऑपरेटिंग थिएटर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन स्वास्थ्य सेवा वितरण में एक नए युग का प्रतीक है। उन्नत प्रौद्योगिकी, रोगी-केंद्रित डिजाइन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के समामेलन के परिणामस्वरूप रोगी के परिणामों में सुधार हुआ है और हमारे समुदाय के समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान है।

| क्र. | माह | प्रमुख सर्जरी की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | अक्टूबर 2022 | 12 |
| 2. | नवंबर 2022 | 52 |
| 3. | दिसंबर 2022 | 93 |
| 4. | जनवरी 2023 | 90 |
| 5. | फरवरी 2023 | 110 |
| 6. | मार्च 2023 | 135 |
| **कुल** | | **492** |

**अंत: रोगी सेवाएँ**

व्यापक देखभाल की यात्रा शुरू करते हुए, हमारे संस्थान की आईपीडी सेवाएं वर्तमान में समर्पित और विशेषज्ञ रोगी उपचार प्रदान करने के लिए 250 से अधिक बिस्तरों का उपयोग कर रही हैं। इसे जबरदस्त सफलता मिली है, जैसा कि आश्चर्यजनक संख्या से पता चलता है - इसके उद्घाटन के बाद से केवल छह महीनों में 2000 से अधिक। आईपीडी सेवाओं की प्रमुख विशेषताओं में से एक एक छत के नीचे चिकित्सा विशिष्टताओं की एक विविध सरणी का प्रावधान है। आंतरिक चिकित्सा, कार्डियोलॉजी और आर्थोपेडिक्स से लेकर ऑन्कोलॉजी, न्यूरोलॉजी और बहुत कुछ तक, एम्स बिलासपुर स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करता है। रोगियों को अत्यधिक कुशल चिकित्सा पेशेवरों, और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं तक पहुंच से लाभ होता है जो उनकी अनूठी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हैं। जबकि संख्याएं एक प्रभावशाली तस्वीर चित्रित करती हैं, आईपीडी सेवाओं की वास्तविक सफलता हमारे रोगियों के सकारात्मक परिणामों और अनुभवों में निहित है। एम्स बिलासपुर ने न केवल उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, बल्कि व्यापक और रोगी-केंद्रित देखभाल के लिए एक नया बेंचमार्क भी स्थापित किया है। संस्थान जनता की बदलती स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार नवाचार और विकास करने के लिए समर्पित है।

**बिस्तर वितरण**

| मंजिल (ए ब्लॉक) | विभाग | कुल बेड |
|---|---|---|
| **भूतल** | डायलिसिस + नेफ्रोलॉजी | 29 |
| **पहली मंजिल** | विकलांग-चिकित्सा | 30 |
| **दूसरी मंजिल** | दंत-चिकित्सा | 04 |
| | मनःचिकित्सा | 04 |
| | त्वचा-विज्ञान | 04 |
| | CTVS | 04 |
| | प्लास्टिक सर्जरी | 06 |
| | जनरल सर्जरी | 14 |
| | नेत्र विज्ञान | 04 |
| | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी | 03 |
| | ईएनटी। | 10 |
| | SICU | 04 |
| **तीसरी मंजिल** | दवाई | 34 |
| | नेफ्रोलॉजी | 04 |
| | एंडोक्रिनोलॉजी | 08 |
| | कार्डियोलोजी | 04 |
| | क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी | 10 |
| **चौथी मंजिल** | बाल चिकित्सा | 12 |
| | बाल चिकित्सा सर्जरी | 03 |
| | मेडिकल ऑन्कोलॉजी | 08 |
| | मूत्रविज्ञान | 04 |
| | स्नायु-विज्ञान | 04 |
| | न्युरोसर्जरी | 03 |
| | ओबीजी | 15 |
| **5 वीं मंजिल** | कोविड वार्ड | 30 |

कुल कार्यात्मक बिस्तर: 266

**कुल प्रवेश: 2000 से अधिक (उद्घाटन के बाद से)**

**ब्लड बैंक सेवाएं**

एम्स बिलासपुर में 21.09.2022 को ब्लड स्टोरेज यूनिट की स्थापना की गई और 462 यूनिट रक्त जारी किया गया है।

| क्र. | माह | रक्त जारी किया गया |
|---|---|---|
| 1. | सितंबर 2022 | 05 |
| 2. | अक्टूबर 2022 | 46 |
| 3. | नवंबर 2022 | 71 |
| 4. | दिसंबर 2022 | 47 |
| 5. | जनवरी 2023 | 98 |
| 6. | फरवरी 2023 | 82 |
| 7. | मार्च 2023 | 113 |
| **कुल** | | **462** |

विभाग सभी रोगियों को समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। वर्तमान में, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एंड ब्लड सेंटर विभाग रक्त केंद्र के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

**डायलिसिस सेवाएं:**

क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर ने अक्टूबर 2022 में रोगियों को उन्नत डायलिसिस सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है।

डायलिसिस सेवाओं के शुभारंभ के साथ, एम्स बिलासपुर अब गुर्दे से संबंधित बीमारियों के निदान और उपचार के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है।

| क्र. | माह | कुल हेमोडायलिसिस | कुल किडनी बायोप्सी | कुल कैथेटर सम्मिलन (डबल लुमेन + कैथेटर) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अक्टूबर 2022 | 37 | 03 | 10 |
| 2. | नवंबर 2022 | 96 | 06 | 24 |
| 3. | दिसंबर 2022 | 93 | 06 | 26 |
| 4. | जनवरी 2023 | 92 | 04 | 21 |
| 5. | फरवरी 2023 | 86 | 06 | 21 |
| 6. | मार्च 2023 | 84 | 02 | 20 |
| **कुल** | | **488** | **27** | **122** |

**अस्पताल संक्रमण नियंत्रण गतिविधियाँ**

2022-23 में अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों ने परिचालन शुरू कर दिया और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण टीम ने इन क्षेत्रों की शुरुआती और बाद में नियमित निगरानी के लिए अपना समर्थन प्रदान किया। अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों में संक्रमण नियंत्रण निगरानी गतिविधियों के कुल 11 दौर किए गए। आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर, प्रसूति और स्त्री रोग ऑपरेशन थिएटर और सामान्य ऑपरेशन थिएटर सहित विभिन्न गहन देखभाल इकाइयों और ऑपरेशन थिएटरों पर एक प्रमुख जोर दिया गया था। निगरानी गतिविधियों के अलावा, संस्थान के संकाय, नर्सिंग अधिकारियों, एमबीबीएस, नर्सिंग और बीएससी पैरामेडिकल छात्रों सहित स्नातक छात्रों और विभिन्न अस्पताल और स्वच्छता कर्मचारियों के लिए 35 एकीकृत प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए थे। इन प्रशिक्षण सत्रों में एचआईसीसी अभिविन्यास (04 सत्र), मानक और सार्वभौमिक सावधानियां (08 सत्र), अलगाव प्रक्रियाएं (03 सत्र), सफाई, कीटाणुशोधन और नसबंदी (05 सत्र),

व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया, जिसमें पीपीई पहनने और उतारने की सही प्रक्रिया (06 सत्र), सुई स्टिक की चोटें और उनका प्रबंधन (03 सत्र), स्पिल प्रबंधन (05 सत्र), डिवाइस से जुड़े संक्रमण (03 सत्र) और बायोमेडिकल अपशिष्ट पृथक्करण और प्रबंधन (08 सत्र) शामिल हैं। पहली तिमाही में 06 सत्र (337 उपस्थित), दूसरी तिमाही में 10 सत्र (606 उपस्थित), तीसरी तिमाही में 03 सत्र (571 उपस्थित) और 2022-23 की चौथी तिमाही में 15 सत्र (1252 उपस्थित) में फैले इन प्रशिक्षण सत्रों में कुल 2766 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

**बीमा लाभार्थी**

| क्र. | माह | आयुष्मान भारत | हिमकेयर |
|---|---|---|---|
| 1. | सितंबर 2022 | -- | 05 |
| 2. | अक्टूबर 2022 | -- | 57 |
| 3. | नवंबर 2022 | 58 | 186 |
| 4. | दिसंबर 2022 | 86 | 262 |
| 5. | जनवरी 2023 | 82 | 304 |
| 6. | फरवरी 2023 | 77 | 311 |
| 7. | मार्च 2023 | 61 | 405 |
| **कुल** | | **364** | **1,530** |

**प्रसूति सेवाएं (प्रसव आयोजित)**

| क्र. | माह | सामान्य | सिजेरियन | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1. | नवंबर 2022 | 01 | 02 | 03 |
| 2. | दिसंबर 2022 | 03 | 03 | 06 |
| 3. | जनवरी 2023 | 13 | 07 | 20 |
| 4. | फरवरी 2023 | 16 | 09 | 25 |
| 5. | मार्च 2023 | 22 | 12 | 34 |
| **कुल** | | **55** | **33** | **88** |

## मृत्यु दर

| क्र. | माह | कुल मौतें |
|---|---|---|
| 1. | अक्टूबर 2022 | 04 |
| 2. | नवंबर 2022 | 15 |
| 3. | दिसंबर 2022 | 20 |
| 4. | जनवरी 2023 | 23 |
| 5. | फरवरी 2023 | 25 |
| 6. | मार्च 2023 | 21 |
| | **कुल** | **108** |

## बायोमेडिकल कचरा

| क्र. | माह | उत्पादित बीएमडब्ल्यू की कुल मात्रा (किग्रा में) | |
|---|---|---|---|
| | | कुल ठोस अपशिष्ट (किग्रा में) | रासायनिक तरल अपशिष्ट (लीटर में) |
| 1. | अप्रैल 2022 | 95.2 | 50 |
| 2. | मई 2022 | 141.8 | 50 |
| 3. | जून 2022 | 158.1 | 50 |
| 4. | जुलाई 2022 | 155.7 | 50 |
| 5. | अगस्त 2022 | 177.6 | 50 |
| 6. | सितंबर 2022 | 309.5 | 50 |
| 7. | अक्टूबर 2022 | 631.5 | 50 |
| 8. | नवंबर 2022 | 1971.3 | 50 |
| 9. | दिसंबर 2022 | 2087.5 | 50 |
| 10. | जनवरी 2023 | 2255.1 | 50 |
| 11. | फरवरी 2023 | 2495.9 | 50 |
| 12. | मार्च 2023 | 2,777.5 | 50 |

## प्रयोगशाला सेवाएँ

एम्स बिलासपुर ने 05.12.2021 से HINDLAB के सहयोग से प्रयोगशाला सेवाएं शुरू कीं। प्रयोगशाला नवीनतम नैदानिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है, जो पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी और अन्य सहित विभिन्न चिकित्सा परीक्षणों के लिए सटीक और समय पर परिणाम सुनिश्चित करती है। प्रयोगशाला अंतरराष्ट्रीय मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए सभी परीक्षण परिणामों की सटीकता और विश्वसनीयता की गारंटी के लिए कठोर गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को बनाए रखती है।

पैथोलॉजी प्रयोगशाला

जीव रसायन प्रयोगशाला

कीटाणु विज्ञान प्रयोगशाला

<u>पैथोलॉजी विभाग</u>

पैथोलॉजी विभाग ने 01.12.22 से प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। इन-हाउस डायग्नोस्टिक क्षमताओं में हेमेटोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी शामिल हैं। क्लिनिकल पैथोलॉजी में नियमित मूत्र परीक्षण और गर्भावस्था परीक्षण शामिल हैं। हेमेटोलॉजी प्रभाग सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें रक्त समूहन के साथ-साथ पूर्ण हेमोग्राम, ईएसआर, जमावट प्रोफाइल और अस्थि मज्जा परीक्षण शामिल हैं। साइटोपैथोलॉजी अनुभाग प्रत्यक्ष और यूएसजी-निर्देशित एफएनएसी, शरीर द्रव विश्लेषण (कोशिका गणना और घातक कोशिका कोशिका विज्ञान सहित), और वीर्य विश्लेषण जैसी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए सुसज्जित है। अंत में, हिस्टोपैथोलॉजी प्रभाग जमे हुए वर्गों सहित छोटे और बड़े नमूनों के लिए परिश्रमपूर्वक नैदानिकएं संभालता है और प्रदान करता है। इस अवधि में अब तक लगभग 2,18,223 जांच की जा चुकी हैं।

| अनुभाग | जांच | औसत कार्यभार |
|---|---|---|
| हेमेटोलॉजी | पूर्ण रक्त गणना | 14000 |
| | अस्थि मज्जा | 24 |
| | पीटी, एपीटीटी, INR | 984 |

| | | |
|---|---|---|
| | ईएसआर | 1375 |
| कोशिका विज्ञान | एफएनएसी | 388 |
| | टीएलसी/डीएलसी विभिन्न शारीरिक तरल पदार्थ | 50 |
| | घातक कोशिका विज्ञान के लिए विभिन्न शारीरिक तरल पदार्थ | 60 |
| | मस्तिष्कमेरु द्रव | 10 |
| | वीर्य विश्लेषण | 20 |
| | मूत्र विश्लेषण | 7500 |
| हिस्टोपैथोलॉजी | बड़े और छोटे नमूने | 302 |
| | जमे हुए खंड | 10 |

<u>जैव रसायन विभाग</u>

बायोकैमिस्ट्री विभाग हिंडलैब्स और अस्पताल के सी-ब्लॉक में इन-हाउस क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री लैब के माध्यम से नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। हिंडलैब्स सेवाओं के बायोकैमिस्ट्री अनुभाग का प्रबंधन एम्स बिलासपुर के संकाय द्वारा किया जा रहा है, जो हिंडलैब्स के दिन-प्रतिदिन के कामकाज की देखरेख और हिंडलैब्स के माध्यम से रिपोर्टों के प्रमाणीकरण में लगे हुए हैं। संकाय ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 3 लाख से अधिक जांचों की समीक्षा की है। प्रयोगशाला की गुणवत्ता की निगरानी प्रतिदिन आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण सामग्री चलाकर और मासिक रूप से बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में भाग लेकर की जा रही है। विभाग ने क्लिनिकल डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला (सी-ब्लॉक) के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से कई नैदानिक परीक्षण शुरू किए हैं। एचबीएचपीएलसी, आरएफ, एएसओ, प्रोटीन के लिए मूत्र, माइक्रोएल्ब्यूमिन और द्रव विश्लेषण के लिए इन-हाउस परीक्षण 17 सितंबर, 2019 से शुरू किए गए थे। अक्टूबर 2022, जबकि एंटी-सीसीपी और एंटी-टीटीजी आईजीए एंटीबॉडी के लिए एलिसा-आधारित परीक्षण शुरू किया गया था। मार्च 2023। विभाग ने अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक हिंडलैब में लगभग 303708 और डायग्नोस्टिक सी-ब्लॉक में 1789 जांच की हैं।

| क्र. | अनुभाग जांच | औसत कार्यभार |
|---|---|---|
| 1. | एचबी एचपीएलसी | 253 |
| 2. | गठिया का कारक | 473 |
| 3. | आसो | 01 |
| 4. | मूत्र प्रोटीन (24 घंटे) | 56 |
| 5. | मूत्र संबंधी माइक्रोएल्ब्यूमिन | 340 |
| 6. | मूत्र प्रोटीन (स्पॉट) | 13 |
| 7. | द्रव (प्रोटीन) | 46 |
| 8. | द्रव (ग्लूकोज) | 45 |
| 9. | द्रव (एल्ब्यूमिन) | 20 |
| 10. | द्रव (एडीए) | 46 |

| | | |
|---|---|---|
| 11. | द्रव (एलडीएच) | 35 |
| 12. | सीरम प्रोटीन (द्रव के साथ) | 01 |
| 13. | सीरम एल्बुमिन (द्रव के साथ) | 09 |
| 14. | सीरम एलडीएच (द्रव के साथ) | 14 |
| 15. | सीसीपी विरोधी | 78 |
| 16. | विरोधी टीटीजी | 06 |
| | **कुल** | **1789** |

माइक्रोबायोलॉजी विभाग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग संस्थान के शैक्षणिक और डायग्नोस्टिक ब्लॉक में हिंद लैब के सहयोग से 5 दिसंबर 2022 को एम्स ओपीडी के उद्घाटन के बाद से मरीजों को प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान कर रहा है। सेवाओं में एसिड फास्ट बेसिली के लिए प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी परीक्षा के साथ-साथ BacT/ALERT 3D और VITEK 2 माइक्रोबियल डिटेक्शन, पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण प्रणालियों को नियोजित करने वाली स्वचालित रक्त संस्कृति सेवाओं को शुरू करने की प्रक्रिया शामिल है। समानांतर में, विभाग वायरोलॉजी (एचएवी, एचबीवी, एचसीवी, एचईवी, एचआईवी -1) की बुनियादी माइक्रोबायोलॉजी परीक्षण सेवाएं प्रदान कर रहा है।

| क्र. | जांच पड़ताल | औसत कार्यभार |
|---|---|---|
| 1. | डीएमसी माइक्रोस्कोपी (ज़ीह्ल-नील्सन स्टेनिंग) | 493 |
| 2. | एचबीएसएजी | 3478 |
| 3. | विरोधी एचसीवी | 3501 |
| 4. | एचआईवी I और II | 3141 |
| 5. | एंटी-एचएवी आईजीएम | 41 |
| 6. | एंटी-एचईवी आईजीएम | 35 |
| 7. | वीडीआरएल | 406 |
| 8. | विडाल/टाइफ़ी डॉट | 262 |
| 9. | डेंगू आईजीएम | 279 |
| 10. | डेंगू एनएस1 | 304 |
| 11. | मलेरिया (कार्ड परीक्षण) | 179 |
| 12. | मलेरिया (धब्बा) | 31 |
| 13. | मल (ओवा/सिस्ट के लिए नियमित) | 228 |
| 14. | एएफबी और मंटौक्स के लिए ZN | 16 |
| 15. | स्क्रब टाइफस आईजीजी/आईजीएम | 291 |
| 16. | कवक के लिए KOH माउंट | 13 |
| 17. | कोविड-19 आरएटी | 1762 |
| | **कुल** | **14460** |

**रेडियोलॉजी सेवाएं**

संस्थान 6 दिसंबर, 2021 से बाह्य रोगी आधार पर अत्याधुनिक नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। इससे पहले क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में अल्ट्रासाउंड सेवाएं प्रदान की गई थीं।

संस्थान 24 घंटे गंभीर रोगी और आईसीयू रोगियों के लिए सिर से पैर तक, बाह्य रोगी, रोगी चलने और पोर्टेबल बेस पर एक्स-रे सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

अल्ट्रासाउंड और डॉप्लर सेवाएं 24/7 उपलब्ध हैं। अल्ट्रासाउंड प्रकारों में नियमित पेट, श्रोणि, छोटे भाग, जोड़ों, न्यूरोसोनोग्राम और प्रसूति मामले शामिल हैं। डॉपलर सेवाओं में कैरोटिड, गुर्दे, यकृत और अंग डॉपलर शामिल हैं। विभिन्न न्यूनतम इनवेसिव अल्ट्रासाउंड-निर्देशित हस्तक्षेप, जैसे अल्ट्रासाउंड-निर्देशित एफएनएसी और बायोप्सी, निर्देशित नैदानिक और चिकित्सीय फुफ्फुस और एसिटिक नल, प्लुरोडेसिस, ड्रेनिंग संग्रह के लिए निर्देशित पिगटेल प्लेसमेंट, पीसीएन प्लेसमेंट, निर्देशित ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी, निर्देशित पीआईसी लाइन सम्मिलन, निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक और वैरिकोसिस के शिरापरक पृथक्करण नियमित रूप से किए जा रहे हैं। एंडोबिलरी स्टेंट प्लेसमेंट के कई मामलों को अल्ट्रासाउंड और फ्लोरोस्कोपी मार्गदर्शन दोनों के तहत किया गया है।

सीटी और एमआरआई सेवाएं 06.10.2022 को शुरू की गई थीं। विभाग में एक अत्याधुनिक दोहरी ऊर्जा 256-स्लाइस सीटी मशीन है जो ओपीडी, आईपीडी और आपातकालीन रोगियों की सेवा के लिए चौबीसों घंटे काम करती है। नियमित स्कैन से परे, यह मशीन न्यूनतम समय सीमा में उच्च गुणवत्ता वाले एंजियोग्राफी और छिड़काव अध्ययन का उत्पादन करने में सक्षम है। कोरोनरी एंजियोग्राफी, कार्डियक सीटी, सेरेब्रल, पल्मोनरी, रीनल, ब्रोन्कियल और परिधीय एंजियोग्राफी और वेनोग्राफी जैसे विशेष अध्ययन नियमित रूप से किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, सीटी एंटरोग्राफी, सीटी यूरोग्राफी, और सीटी वर्चुअल ब्रोंकोस्कोपी जैसे अन्य विशेष अध्ययन भी नियमित आधार पर किए जाते हैं। इसके अलावा, विभाग सीटी निर्देशित एफएनए, बायोप्सी और संग्रह के पिगटेल जल निकासी सहित विभिन्न पारंपरिक प्रक्रियाओं का संचालन करता है।

विभाग नवीनतम 3 टेस्ला एमआरआई मशीन से लैस है, जो शरीर के विभिन्न हिस्सों की उच्च गुणवत्ता वाली छवियों का उत्पादन करने में सक्षम है। नियमित अध्ययनों के अलावा, छिड़काव, इलास्टोग्राफी, डीटीआई, फाइबर ट्रैकिंग, न्यूरोग्राफी और कार्डियक एमआरआई स्कैन जैसे उन्नत स्कैन भी किए जाते हैं।

| क्र. | माह | एक्स रे | अल्ट्रासाउंड | सीटी | एमआरआई |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अप्रैल 2022 | 524 | 378 | - | - |
| 2. | मई 2022 | 565 | 399 | - | - |
| 3. | जून 2022 | 612 | 495 | - | - |
| 4. | जुलाई 2022 | 476 | 443 | - | - |
| 5. | अगस्त 2022 | 519 | 410 | - | - |
| 6. | सितंबर 2022 | 506 | 413 | - | - |
| 7. | अक्टूबर 2022 | 1247 | 448 | 137 | 84 |
| 8. | नवंबर 2022 | 1800 | 622 | 207 | 159 |
| 9. | दिसंबर 2022 | 2219 | 479 | 251 | 175 |
| 10. | जनवरी 2023 | 2063 | 491 | 279 | 131 |
| 11. | फरवरी 2023 | 2232 | 466 | 281 | 172 |
| 12. | मार्च 2023 | 2162 | 546 | 266 | 196 |
| **कुल** | | **14925** | **5590** | **1421** | **917** |

## फार्मेसी

एम्स मेंअमृत फार्मेसी स्थापित करने के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के साथ 28.07.2021 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

## हॉस्पिटल ड्रग्स एंड फॉर्मूलरी कमेटी

समिति का गठन संस्थान की दवा एवं उपभोग्य सामग्रियों की आवश्यकताओं को तैयार करने तथा उपभोग्य सामग्रियों और दवाओं के उपयोग के पैटर्न और मात्रा का ऑडिट करने के लिए किया गया था। समीति अमृत फार्मेसी तथा पीएम जन औषधि केंद्र के कार्यप्रणाली का निरीक्षण भी करेगी।समिति ने अमृत फार्मेसी और जन औषधि केन्द्र का साप्ताहिक तथा मासिक निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि दवाओं की कीमतें एमओयू के अनुसार तय हों।समिति अमृत फार्मेसी को दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों के मानक निर्माताओं की एक सूची प्रदान करेगी। समीति का कार्य चिकित्सा अधीक्षक को निरीक्षण रिपोर्ट और सिफारिशें प्रस्तुत करना तथा आगे की कार्रवाई के लिए कार्यकारी निदेशक को मासिक आधार पर अनुशंसा के साथ एक समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।

| क्र. | नाम | पद | भूमिका |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. मुनिंदर कुमार | अतिरिक्त प्राध्यापक | अध्यक्ष |
| 2. | डॉ. मीनाक्षी मीनू | सहायक प्राध्यापक | सदस्य सचिव |
| 3. | डॉ. भूपेन्दर कुमार | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 4. | डॉ. अस्मिता | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 5. | डॉ. जसबीर | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 6. | डॉ. सुरभि प्रिय | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 7. | श्री प्रवीण कुमार | भेषजज्ञ | सदस्य |
| 8. | डॉ. माखन सिंह | भेषजज्ञ | सदस्य |
| 9. | डॉ. लक्ष्मी संख्यान | सहायक प्राध्यापक | विशेष आमंत्रित |
| 10. | डॉ. अनुराग नेगी | सहायक प्राध्यापक | विशेष आमंत्रित |
| 11. | डॉ. अमित कुमार सलारिया | सहायक प्राध्यापक | विशेष आमंत्रित |
| 12. | डॉ. पायल चौहान | सहायक प्राध्यापक | विशेष आमंत्रित |
| 13. | डॉ. कुलदीप ठाकुर | सहायक प्राध्यापक | विशेष आमंत्रित |
| 14. | मिस आंचल कुमार | नर्सिंग अधिकारी | विशेष आमंत्रित |
| 15. | विभागीय प्रतिनिधि | संकाय | विशेष आमंत्रित |

## टीकाकरण क्लिनिक

संस्थान में टीकाकरण क्लिनिक का उद्घाटन 17.08.2022 को किया गया। वर्तमान में यह नियमित टीकाकरण (आरआई) और वयस्क टीकाकरण सेवाएं दोनों प्रदान करता है। आरआई सेवाओं के लाभार्थियों में शिशु, बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं, जबकि वयस्क टीकाकरण सेवाएं स्वस्थ वयस्कों, रोगियों और स्वास्थ्य कर्मियों को प्रदान की जाती हैं। हम स्वास्थ्य कर्मियों और छात्रों सहित वयस्कों के लिए कोविड टीकाकरण सेवाएं भी प्रदान कर रहे हैं।

## नियमित टीकाकरण

नियमित टीकाकरण (आरआई) सत्र महीने के हर तीसरे बुधवार को आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय प्रतिरक्षण अनुसूची (एनआईएस) के अंतर्गत उपलब्ध टीके अर्थात बीसीजी, ओपीवी, हेपेटाइटिस-बी, एफ-आईपीवी, पीसीवी, रोटा वायरस वैक्सीन, पेंटावेलेंट वैक्सीन, खसरा रूबेला (एमआर), डीपीटी, टीडी और विटामिन ए लाभार्थियों को प्रदान किए जाते हैं। टीकों को हर महीने के पहले या दूसरे सप्ताह के दौरान इंडेंट किया जाता है।

वयस्कों के लिए प्रतिरक्षण सेवाएं प्रतिदिन उपलब्ध हैं। पिछले साल लगभग 285 स्टाफ सदस्यों और छात्रों को हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन के साथ प्रतिरक्षित किया गया था।

| क्र. | शिशु और बच्चे | कुल | प्रसवपूर्व महिलाएँ | कुल | वयस्क | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | बीसीजी | 78 | टीडी-1 | 14 | हेपेटाइटिस बी | 372 |
| 2. | ओपीवी - 0 | 78 | टीडी -2 | 16 | न्यूमोवैक | 17 |
| 3. | हेपेटाइटिस बी | 77 | टीडी बूस्टर | 1 | टिटनस टॉक्सॉइड | 8 |
| 4. | ओपीवी - 1 | 3 | | | एचपीवी | 6 |
| 5. | ओपीवी - 2 | 4 | | | इंफ्लुएंजा | 13 |
| 6. | ओपीवी - 3 | 5 | | | एमएमआर | 1 |
| 7. | ओपीवी बूस्टर | 4 | | | मेनिंगोकोक्सल | 1 |
| 8. | रोटावायरस वैक्सीन-1 | 3 | | | हेपेटाइटिस ए | 1 |
| 9. | रोटावायरस वैक्सीन-2 | 3 | | | वेरिसेला | 1 |
| 10. | रोटावायरस वैक्सीन-3 | 5 | | | एंटी-डी इम्युनोग्लोबुलिन | 2 |
| 11. | एफआईपीवी -1 | 3 | | | | |
| 12. | एफआईपीवी -2 | 5 | | | | |
| 13. | एफआईपीवी -3 | 1 | | | | |
| 14. | पीसीवी -1 | 3 | | | | |
| 15. | पीसीवी -2 | 5 | | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 16. | पीसीवी बूस्टर | 1 | | | | |
| 17. | पेंटावेलेंट वैक्सीन-1 | 3 | | | | |
| 18. | पेंटावेलेंट वैक्सीन-2 | 3 | | | | |
| 19. | पेंटावेलेंट वैक्सीन-3 | 5 | | | | |
| 20. | खसरा रूबेला-1 | 2 | | | | |
| 21. | खसरा रूबेला-2 | 4 | | | | |
| 22. | डीपीटी बूस्टर-1 | 4 | | | | |
| 23. | डीपीटी बूस्टर-2 | 3 | | | | |
| 24. | विटामिन ए | 34 | | | | |
| | **कुल** | **336** | **कुल** | **31** | **कुल** | **422** |

**कोविड टीकाकरण**

कोविड टीकाकरण केंद्र को टीकाकरण क्लिनिक के साथ मिला दिया गया है। हमने जागरूकता पैदा करने और कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की पूरी कोशिश की है।

| क्र. | लाभार्थि | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | 18 से 44 वर्ष | 46 |
| 2. | 45 से 59 वर्ष | 3 |
| 3. | 60 वर्ष और उससे अधिक | 30 |
| 4. | स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता | 335 |
| 5. | अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता | 95 |
| | **खुराक की संख्या** | |
| 1. | पहली खुराक | 7 |
| 2. | दूसरी खुराक | 18 |
| 3. | एहतियात की खुराक | 484 |
| | **कुल लाभार्थियों को टीका लगाया गया** | **509** |
| | **आयोजित कुल सत्र** | 15 |
| | **टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं (एईएफआई) की सूचना दी गई** | ---- |
| | **कुल संख्या प्रयुक्त शीशियों का** | 51 |
| | **खुराक प्रति शीशी प्रति सत्र** | 10 |
| | **वैक्सीन की बर्बादी** | ---- |

## सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ

आयुष ब्लॉक में डिजिटल स्वास्थ्य के लिए एक केंद्र स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) हिमाचल प्रदेश के सहयोग से ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाओं का उद्घाटन मई 2021 के महीने में किया गया था। प्रारंभ में, 17 विशिष्टताएं और सुपर स्पेशियलिटीज टेली परामर्श प्रदान कर रहे थे। इसके बाद, 4 विशिष्टताएं टेली-परामर्श प्रदान कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों के मरीज इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। विभागवार/जिलावार टेलीकंसल्टेशन का ब्यौरा निम्नानुसार दर्शाया गया है-

**एम्स बिलासपुर द्वारा दिए गए जिलावार टेलीकंसल्टेशन**
**(31 मई 2022 से 31 मार्च 2023)**

| क्र. | जिला | टेली-परामर्श दिया गया |
|---|---|---|
| 1. | हमीरपुर | 01 |
| 2. | मंडी | 56 |
| 3. | शिमला | 05 |
| 4. | बिलासपुर | 1335 |
| 5. | कांगड़ा | 32 |
| 6. | कुल्लू | 06 |
| 7. | सोलन | 4484 |
| 8. | ऊना | 03 |
| 9. | चंबा | 1031 |
| 10. | सिरमौर | 01 |
| 11. | किन्नौर | 01 |
| 12. | लाहौल और स्पीति | 14 |
| **कुल** | | **6969** |

जिला प्रशासन के अनुरोध पर, नीति आयोग के आकांक्षी जिले में टेलीमेडिसिन सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए चंबा जिले में एक दौरा आयोजित किया गया था। लगभग 20 स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन किया गया और ऑनसाइट प्रशिक्षण दिया गया। एक व्यापक रिपोर्ट साझा की गई और टेली-परामर्श में सुधार देखा गया। इसके बाद, लाहौल और स्पीति के दूरस्थ जनजातीय जिले में भी इसी तरह के प्रयास किए गए।

एम्स बिलासपुर के परिसर में टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया (टीएसआई) हिमाचल चैप्टर के उद्घाटन के साथ "टेलीहेल्थ प्रैक्टिस दिशानिर्देश और भारत में नवीनतम रुझान" पर एक हाइब्रिड कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक सह टीएसआई की अध्यक्ष डॉ. मीनू सिंह ने टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया (टीएसआई) की मानद सचिव डॉ. मूर्ति रेमिला के साथ किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन निदेशक के संबोधन द्वारा की गई, जिसे डीन एकेडमिक्स डॉ. संजय विक्रांत ने बताया। उन्होंने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) से संबंधित प्रौद्योगिकियों को अपनाने और डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में एम्स बिलासपुर की उपलब्धियों के बारे में एम्स बिलासपुर की आगे की राह बताई।

एम्स बिलासपुर को स्वास्थ्य श्रेणी में एक स्वतंत्र राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार, स्कोच अवार्ड 2023 में सेमीफाइनलिस्ट के रूप में चुना गया था।

**भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी के साथ समझौता**

संस्थान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) दिशानिर्देशों के अनुसार निर्बाध पेपरलेस ओपीडी सेवाएं शुरू करने पर विचार कर रहा है। जिसे एम्स ओपीडी में भाग लेने वाले सभी रोगियों के लिए व्यापक टेली-फॉलो-अप सेवाओं तक बढ़ाया जा सकता है। केंद्र आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के प्रभावी कार्यान्वयन में संयुक्त रूप से योगदान देने के लिए राज्य सरकार के साथ संभावना तलाश रहा है।

## नर्सिंग सेवाएँ

**नर्सिंग अधीक्षक: -** श्रीमती किरण मिश्रा

नर्सिंग विभाग एक संगठनात्मक संरचना है जिसके माध्यम से नर्सिंग अधिकारी संस्थान के अधिकार क्षेत्र के तहत रोगियों को नर्सिंग देखभाल प्रदान करते हैं। नर्सिंग का उद्देश्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, बीमारी को रोकना, बीमारों की देखभाल करना और विकलांगता और लाइलाज बीमारी से निपटने में सहायता करना है। नर्सिंग में सभी विभागों में सभी उम्र वर्ग, परिवारों, समूहों और समुदायों के व्यक्तियों की स्वायत्त और सहयोगात्मक देखभाल शामिल है। नर्सिंग सेवाएं किसी भी स्वास्थ्य देखभाल सुविधा का अभिन्न अंग हैं। नर्सिंग टास्क फोर्स को रोगी देखभाल की रीढ़ की हड्डी माना जाता है।

### सेवा-कालीन शिक्षा कार्यक्रम

| क्र. | वक्ता | विषय | घटना स्थल | तिथि | समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सुश्री किरण मिश्रा | अनुशासनात्मक नियम | एलटी 5 | 21.02.2023 | दोपहर 03:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक |
| 2. | सुश्री किरण मिश्रा | तनाव प्रबंधन | एलटी 5 | 27.02.2023 | दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक |

### भर्ती अभियान

a. नर्सिंग अधिकारियों का तीसरा बैच: 182 नर्सिंग अधिकारी संस्थान में शामिल हुए जो नैदानिक और गैर-नैदानिक क्षेत्रों में भी तैनात थे।

b. NORCET-4 में 180 नर्सिंग अधिकारियों की आवश्यकता भेजी गई है।

### वार्ड मुख्य अस्पताल भवन की स्थापना

a. नर्सिंग अधिकारी आईपीडी,ओटी, ट्रॉमा और इमरजेंसी की स्थापना के लिए टीम के महत्वपूर्ण सदस्य थे। जिसका बाद में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 5 अक्टूबर 2022 को उद्घाटन किया।

### कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

a. नर्सिंग अधिकारियों ने संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया जिसमें शामिल हैं:
- माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह।
- आंतरिक चिकित्सा और आर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा विश्व गठिया दिवस का आयोजन किया गया।
- आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व ल्यूपस दिवस का आयोजन।
- आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व उच्च रक्तचाप दिवस।
- विश्व पर्यावरण दिवस
- स्वतंत्रता दिवस
- गणतंत्र दिवस जिस पर नर्सिंग अधिकारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्य क्रम भी तैयार किए गए थे।
- रक्तदान शिविर।

*b.* नर्सिंग अधिकारियों को विभिन्न आयोजनो पर आयोजित स्लोगन, ई-स्लोगन और पोस्टर मेकिंग में भी विभिन्न स्थान प्राप्त हुए।

*c.* नर्सिंग अधिकारी नियमित आधार पर आईपीडी और ओपीडी सेटिंग्स में स्वास्थ्य शिक्षा भी दे रहें हैं।

d. विश्व उच्च रक्त चाप दिवस के अवसर पर लखनपुर के पुलिस लाइन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भी शामिल थे।

e. सभी नर्सिंग बैच अधिकारियों का आगमन प्रशिक्षण आयोजित किया गया जो लंबे समय से लंबित था।

f. क्षेत्र प्रभारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए जैसे-सी.सी.एस. आचरण नियमों में गुणवत्ता, नेतृत्व की गुणवत्ता, नर्सिंग कर्मियों का नौकरी विवरण।

**नर्स सप्ताह समारोह**

एम्स बिलासपुर में मई माह 2022 में नर्स सप्ताह मनाया गया। एम्स बिलासपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ वीर सिंह नेगी को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने इस समारोह मे अपने विचार सांझा किये।

**अन्य गतिविधियाँ**

a. बिलासपुर की सेवा भारती इकाई द्वारा आयोजित पौधारोपण अभियान में नर्सिंग अधिकारियों ने भी भाग लिया।

b. नर्सिंग अधिकारियों ने भी मरीजों को प्रेरित किया और रोगियों और उनके परिचारकों के आभा कार्ड भी बनाए।

**अनुसंधान प्रकाशन**

1. **चौधरी एस.**, एट अल. चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण फैलाना पैरेन्काइमल फेफड़ों की असामान्यताओं के लिए जोखिम कारक गंभीर कोविड-19 निमोनिया के बाद भी बना रहना। द इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च 2023,157(5):पी427-37. यहां उपलब्ध है: http://doi.org/10.4103/ijmr.ijmr_2360_22
2. कंवर वीणए **चौधरी एस ,कुमार ए**, ग्रामीण में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को लागू करने में चुनौतियां । भारत टेलीमेडिसिन और ई.हेल्थ के लिए इंटरनेशनल सोसायटी का जर्नल। http://doi.org/10.29086/JISfTeH.11.e.3
3. **चौधरी एस.,** एट अलण् पोस्ट के साथ रोगसूचक रोगियों में उच्च खुराक बनाम कम खुराक प्रेडनिसोन कोविड -19 फैलाना पैरेन्काइमल फेफड़े की असामान्यताएंरू एक खुला लेबलए यादृच्छिक परीक्षण। http://doi.org/10.1183/13993003.02930-2021
4. **चौधरी एस, उर्वशी, कुमारी ए.,** बोध एसण् ज्ञान और दृष्टिकोण पर एसटीपी की प्रभावशीलता। भारत के उत्तरी भाग के शिक्षण संस्थानों में नर्सिंग छात्रों के बीच अंग दान के संबंध में। विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नलण् 2022;11;(2).
5. **चौधरी एस., कुमारी ए.,** बोध एसणए ज्ञान और दृष्टिकोण पर एसटीपी की प्रभावशीलता स्कूली। छात्रों में यौवन के दौरान शारीरिक परिवर्तन। विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और अनुसंधान। 2022; 11(2).
6. नितिन एम., **सैनी पी., वर्मा पी.**, नियमित मोतियाबिंद सर्जरी के बाद एक सामान्य जटिलता। भारतीय नेत्र विज्ञान जर्नलण् खंड 3(3),901
7. **शर्मा एस.,** स्नातक नर्सिंग अधिकारियों के बीच फाइव फेसेट माइंडफुलनेस। अंतर्राष्ट्रीय जर्नलविज्ञान और अनुसंधान के. यहां उपलब्ध है: http://doi.org/ 10.36106/ijsr/8904852

# शैक्षणिक कार्यक्रम

## शैक्षणिक कार्यक्रम

### बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस)

एम्स बिलासपुर में एमबीबीएस छात्रों को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के माध्यम से योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया गया था और सीट आवंटन एक केंद्रीकृत प्रणाली के माध्यम से आयोजित किया गया था। तीसरा शैक्षणिक एमबीबीएस सत्र नवंबर 2022 में 100 छात्रों के प्रवेश के साथ शुरू हुआ।

### शैक्षिक पाठ्यक्रम

- एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू होने की तिथि : 01.01.2021
- बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम की शुरुआत : अक्टूबर 2022
- संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रमों की शुरुआत : अक्टूबर 2022
- प्री-क्लिनिकल विषयों में पीजी पाठ्यक्रम : अक्टूबर 2022

### स्नातक पाठ्यक्रम

| पाठ्यक्रम | | 2020 | 2021 | 2022 |
|---|---|---|---|---|
| एमबीबीएस | प्रस्तावित | 50 | 50 | 100 |
| | भर्ती कराया | 50 | 49 | 100 |
| बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग | प्रस्तावित | -- | -- | 40 |
| | भर्ती कराया | -- | -- | 26 |
| संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान | प्रस्तावित | -- | -- | 20 |
| | भर्ती कराया | -- | -- | 10 |

### स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

| क्र. | विभाग | सत्र प्रारंभ करना | स्वीकृत सीटें | सीटें भर गईं |
|---|---|---|---|---|
| 1. | शरीर रचना विज्ञान | जनवरी 23 | 1 | 0 |
| 2. | जीव रसायन | जनवरी 23 | 1 | 0 |
| 3. | शरीर क्रिया-विज्ञान | जनवरी 23 | 1 | 0 |

## नर्सिंग विज्ञान में स्नातक

B.Sc (ऑनर्स) नर्सिंग, वर्ष 2022 से 40 छात्रों की स्वीकृत संख्या के साथ शुरू हुई। B.Sc (ऑनर्स) पैरामेडिकल, वर्ष 2022 से शुरू हुआ, जिसमें 20 छात्रों की स्वीकृत संख्या थी। बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रम a) B.Sc मेडिकल टेक्नोलॉजी डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी (एमडीटीटी) b) B.Sc मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी) और c) B.Sc मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (एमआरआईटी) में शुरू किए गए थे।

## नर्सिंग कॉलेज ने नर्सिंग प्रथम वर्ष के B.Sc छात्रों के लिए अपना पहला शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया

कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने अक्टूबर, 2022 में 40 छात्रों के अपने अग्रणी B.Sc (ऑनर्स) नर्सिंग बैच की शुरुआत के साथ एक मील का पत्थर हासिल किया। विभाग B.Sc (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम के विकास और जनशक्ति की भर्ती, मानदंडों के अनुसार बुनियादी ढांचे के निर्माण के संदर्भ में विभाग की स्थापना में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। नर्सिंग कॉलेज विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को नर्सिंग के क्षेत्र में पेशेवर रूप से सीखने और बढ़ने के महान अवसर प्रदान करना है और नर्सिंग छात्रों के लिए अनुसंधान आधारित और साक्ष्य आधारित नैदानिक प्रथाओं की पेशकश करना है।

## एमबीबीएस के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र के व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र

फिजियोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, पैथोलॉजी, फार्माकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन के विभाग पूरे वर्ष सिद्धांत व्याख्यान और व्यावहारिक सत्रों में लगन से शामिल थे।

## क्लिनिकल पोस्टिंग

दूसरे, तीसरे और अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्र चिकित्सा, सर्जरी, प्रसूति और स्त्री रोग, बाल रोग, ईएनटी, नेत्र विज्ञान जैसे विभिन्न नैदानिक विभागों में नैदानिक पोस्टिंग में भाग लेते हैं। तैनाती बारी-बारी से की जाती है। छात्रों को नैदानिक परीक्षा, इतिहास लेना सिखाया जाता है और विभिन्न केस चर्चाएं आयोजित की जाती हैं।

## ओरिएंटेशन और फाउंडेशन कोर्स

एमबीबीएस सत्र का पहला महीना फाउंडेशन कोर्स के लिए समर्पित था जिसमें छात्रों का कैंपस के लिए अभिविन्यास, एनाटॉमी और फिजियोलॉजी की मूल बातें, डॉक्टर-रोगी संबंध, नैतिकता और संचार और टीम की गतिशीलता शामिल थी।ओरिएंटेशन और फाउंडेशन कोर्स डीन (एकेडमिक्स) के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के संकाय द्वारा आयोजित किया गया था। ओरिएंटेशन प्रोग्राम संस्थान के परिचय और डीन (अकादमिक) द्वारा एमबीबीएस पाठ्यक्रम के अवलोकन के साथ शुरू हुआ। कॉलेजों में रैगिंग से निपटने के लिए रैगिंग विरोधी उपाय भी उन्हें बताए गए। छात्रों को पहले पेशेवर विषयों- एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और सामुदायिक चिकित्सा के लिए उन्मुख किया गया था। इसके अलावा, छात्रों को बायोमेडिकल अनुसंधान की अवधारणाओं से संक्षेप में परिचित कराया गया। जीवन में रोजमर्रा के तनाव का मुकाबला करने के लिए, उन्हें घर और कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन के बारे में सिखाया गया था।फाउंडेशन कोर्स भारतीय चिकित्सा स्नातक की भूमिका और इसके सामाजिक महत्व के परिचय के साथ शुरू हुआ। छात्रों को समाज में डॉक्टर के महत्व और भूमिका और राष्ट्र से एमबीबीएस छात्रों की अपेक्षाओं के बारे में बताया गया।

उन्हें दुनिया और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा दी गई थी। स्वास्थ्य देखभाल वितरण के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका के बारे में बताया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार के पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति भी संवेदनशील बनाया गया।एमबीबीएस छात्रों को विभिन्न शिक्षण और सीखने के तरीकों के साथ-साथ वर्तमान एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन विधियों से संक्षेप में परिचित कराया

गया। उन्हें चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं यानी उपचारात्मक या आंतरिक चिकित्सा और निवारक या सामुदायिक / परिवार चिकित्सा के बारे में बताया गया।

उन्हें देश भर में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य वितरण प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी गई।छात्रों को उनके जीवन और पेशे में विभिन्न संबंधों जैसे पारस्परिक संबंध और डॉक्टर-रोगी संबंध के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा, उन्हें ध्यान और योग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके घर और कार्यस्थल पर तनाव और इसके प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाया गया। छात्रों के लिए योग सत्र आयोजित किए गए और उन्होंने उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया।उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों के बारे में भी सिखाया गया जो उनके पूरे जीवन में उपयोगी होगी।

उन्हें व्यावसायिकता और नैतिकता और पेशेवर और परोपकारी व्यवहार की अवधारणाओं से भी परिचित कराया गया था। उन्हें टीम वर्क और टीम की गतिशीलता के बारे में सिखाया गया था और उसी के लिए रोल प्ले भी किया गया था।उन्हें कंप्यूटर आधारित कौशल, अंग्रेजी सहित विभिन्न भाषाओं में संचार के साथ-साथ स्थानीय बोली और विभिन्न सांस्कृतिक और विकलांगता दक्षताओं जैसी विभिन्न दक्षताओं से परिचित कराया गया। उन्हें सार्वभौमिक संक्रमण सावधानियों, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोने, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में सिखाया और प्रदर्शित किया गया। टीकाकरण और स्वास्थ्य और बीमारी में पर्यावरण की भूमिका पर व्याख्यान लिए गए।

उन्हें व्याख्यान और प्रदर्शन के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल से भी परिचित कराया गया। एटीट्यूड, एथिक्स एंड कम्युनिकेशन (एईटीसीओएम) मॉड्यूल भी 'राष्ट्र से एमबीबीएस छात्रों की अपेक्षाओं का क्या मतलब है' पर आयोजित किया गया था। उन्हें दुनिया और भारत में चिकित्सा के इतिहास की रूपरेखा दी गई थी। स्वास्थ्य देखभाल वितरण के विभिन्न स्तरों पर चिकित्सक की भूमिका के बारे में बताया गया। एलोपैथिक चिकित्सा के अलावा, उन्हें अन्य प्रकार के पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति भी संवेदनशील बनाया गया।

एमबीबीएस छात्रों को विभिन्न शिक्षण और सीखने के तरीकों के साथ-साथ वर्तमान एमबीबीएस पाठ्यक्रम में उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन विधियों से संक्षेप में परिचित कराया गया। उन्हें चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं यानी उपचारात्मक या आंतरिक चिकित्सा और निवारक या सामुदायिक / परिवार चिकित्सा के बारे में बताया गया। उन्हें देश भर में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और स्वास्थ्य वितरण प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी गई।छात्रों को उनके जीवन और पेशे में विभिन्न संबंधों जैसे पारस्परिक संबंध और डॉक्टर-रोगी संबंध के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा, उन्हें ध्यान और योग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके घर और कार्यस्थल पर तनाव और इसके प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाया गया। छात्रों के लिए योग सत्र आयोजित किए गए और उन्होंने उनमें सक्रिय रूप से भाग लिया।उन्हें समय प्रबंधन तकनीकों के बारे में भी सिखाया गया जो उनके पूरे जीवन में उपयोगी होगी। उन्हें व्यावसायिकता और नैतिकता और पेशेवर और परोपकारी व्यवहार की अवधारणाओं से भी परिचित कराया गया था। उन्हें टीम वर्क और टीम की गतिशीलता के बारे में सिखाया गया था और उसी के लिए रोल प्ले भी किया गया था।उन्हें कंप्यूटर आधारित कौशल, अंग्रेजी सहित विभिन्न भाषाओं में संचार के साथ-साथ स्थानीय बोली और विभिन्न सांस्कृतिक और विकलांगता दक्षताओं जैसी विभिन्न दक्षताओं से परिचित कराया गया। उन्हें सार्वभौमिक संक्रमण सावधानियों, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोने, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में सिखाया और प्रदर्शित किया गया। टीकाकरण और स्वास्थ्य और बीमारी में पर्यावरण की भूमिका पर व्याख्यान लिए गए। उन्हें व्याख्यान और प्रदर्शन के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल से भी परिचित कराया गया । एटीट्यूड, एथिक्स एंड कम्युनिकेशन (एईटीसीओएम) मॉड्यूल भी संकाय की एक टीम द्वारा 'डॉक्टर होने का क्या मतलब है?' पर आयोजित किया गया था जिसमें व्याख्यान, स्व-निर्देशित शिक्षा और रोल प्ले शामिल थे

## चिकित्सा शिक्षा इकाई

हिमाचल प्रदेश के एम्स बिलासपुर में शैक्षिक गतिविधियों, संकाय के संवर्धन के लिए चिकित्सा शिक्षा के लिए नई तकनीकों और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की देखरेख के लिए 08.06.2021 को चिकित्सा शिक्षा इकाई का गठन किया गया था। चिकित्सा शिक्षा इकाई चिकित्सा शिक्षा योजना में निरंतर गुणवत्ता सुधार, पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन और मूल्यांकन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संकाय के विकास को सुनिश्चित करेगी। पिछले वर्ष में इन इकाइयों द्वारा विभिन्न गतिविधियां की गई हैं।

चिकित्सा शिक्षा इकाई में निम्नलिखित सदस्य शामिल थे:

| क्र. | नाम | पद | विभाग | भूमिका |
|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. (डॉ.) संजय विक्रांत | संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) | नेफ्रोलॉजी | प्रभारी अधिकारी |
| 2. | डॉ. पूनम वर्मा | अतिरिक्त प्राध्यापक | शरीर क्रिया-विज्ञान | संकाय प्रभारी |
| 3. | डॉ. संजय के. शर्मा | सह-प्राध्यापक | शरीर रचना विज्ञान | सदस्य |
| 4. | डॉ. पुनीत के. गुप्ता | सह-प्राध्यापक | सूक्ष्मजीवविज्ञान | सदस्य |
| 5. | डॉ. आशीष शर्मा | सह-प्राध्यापक | स्नायु-विज्ञान | सदस्य |
| 6. | डॉ. कपिल शर्मा | सहायक प्राध्यापक | दवाई | सदस्य |
| 7. | डॉ. गौरव शर्मा | सहायक प्राध्यापक | विकलांग-चिकित्सा | सदस्य |
| 8. | डॉ. यांगशेन ल्हामो | सहायक प्राध्यापक | भेषजगुणविज्ञान | सदस्य |
| 9. | डॉ. अनुपमा धीमान | सहायक प्राध्यापक | सामुदायिक चिकित्सा | सदस्य |
| 10. | डॉ. जसबीर सिंह | सहायक प्राध्यापक | बाल चिकित्सा | सदस्य |

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश का उद्देश्य विश्व स्तर के शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, तैयार करना तथा विश्व स्तर पर प्रासंगिक चिकित्सा स्नातकों का उत्पादन करना है। इस प्रकार चिकित्सा शिक्षा इकाई का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के शिक्षण कौशल को लगातार उन्नत करना है। चिकित्सा शिक्षा इकाई ने चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकियों से संबंधित बहुत ही प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषयों पर वेबिनार श्रृंखला 2022-2023 शुरू की है। इस वेबिनार श्रृंखला के तहत, 4 वेबिनार आयोजित किए गए हैं

| वेबिनार | विषय | वक्ता |
|---|---|---|
| | चिकित्सा शिक्षा पर मानविकी | गीता नेगी, प्रोफेसर और प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, एम्स, ऋषिकेश |
| 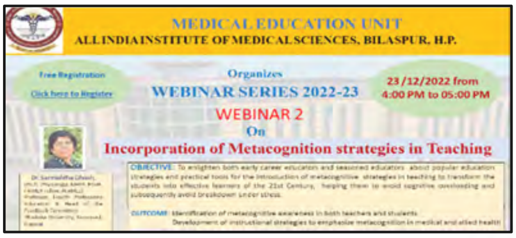 | शिक्षण में मेटाकॉग्निटिव रणनीतियों का समावेश | शर्मिष्ठा गोश, प्रोफेसर, स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा और फीडबैक समिति की प्रमुख, भाईकाका विश्वविद्यालय, गुजरात |

योग्यता उन्मुख चिकित्सा शिक्षा: समय की आवश्यकता?

डॉ निकेत वर्मा, सहायक प्रोफेसर, आंतरिक चिकित्सा, एम्स बठिंडा

चिंतन द्वारा सीखना

डॉ. पूजा डुल्लू, निदेशक आईक्यूएसी, और प्रोफेसर, फिजियोलॉजी विभाग, प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज, करमसद, गुजरात।

सभी वेबिनार में संकाय सदस्य, वरिष्ठ रेजिडेंट, एम्स बिलासपुर, अन्य एम्स, राज्य मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज और सऊदी अरब, पाकिस्तान, ओमान और अन्य विदेशी देशों के मेडिकल कॉलेजों और मेडिकल कॉलेजों के ट्यूटर्स शामिल हुए।

## चिकित्सा शिक्षा पर पहली संकाय कार्यशाला

चिकित्सा शिक्षा इकाई ने 14 से 16 मार्च 23 तक चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी (एमईटी) पर पहली संकाय कार्यशाला का भी  आयोजन किया, जिसका आयोजन चिकित्सा शिक्षा इकाई, एम्स, बिलासपुर द्वारा किया गया और विभिन्न विशिष्टताओं के नैदानिक और पैराक्लिनिकल के 30 संकायों को प्रशिक्षित किया गया। दो अतिथि संकाय, संकाय विकास के लिए एनएमसी नोडल केंद्र के संयोजक डॉ. दिनेश बडयाल, सीएमसीएल-एफएआईएमईआर क्षेत्रीय संस्थान के निदेशक और डॉ. निकेत वर्मा, एफएआईएमईआर फेलो, एसीएमई, सहायक प्रोफेसर, मेडिसिन, एम्स बठिंडा को सत्रों के संचालन के लिए आमंत्रित किया गया था।

## मेंटरशिप प्रोग्राम

मेंटरिंग का अर्थ एक ऐसी प्रक्रिया से होता है जिसके तहत एक अनुभवी एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यक्ति (संरक्षक) अपने स्वयं के विचारों और अनुभवों से किसी दूसरे व्यक्ति (आमतौर पर युवा) का मार्गदर्शन करता है। मेंटर मेंटी को विश्वास में सुनकर या बात करके उसकी समस्या को सुनता है। संरक्षक मेंटी से ज्ञान और अनुभव सांझा करके, निरंतर समर्थन एवं प्रोत्साहन प्रदान करके, अपनी पूरी क्षमता को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसका उद्देश्य पुरुषों को समग्र विकास का अवसर प्रदान करना, उन्हें नए वातावरण में सहज बनाना और कॉलेज जीवन से परिचित कराना है, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें।

प्रोग्राम का उद्देश्य, आने वाले छात्रों के लिए तत्काल समर्थन नेटवर्क पेश करना है। इस प्रकार नए प्रवेशकर्ता, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक रूप से, कॉलेज जीवन से परिचित होंगे, ताकि वे अपनी पूर्ण शैक्षिक क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें। किसी भी कार्यस्थल पर मेंटरिंग रिश्ते होने से कार्य को प्रोत्साहन मिलता है, जिससे यह अधिक प्रभावी हो जाता है। यह बेहतर संचार, नेटवर्किंग और मूल्यों को सांझा करता है।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, 50 एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच की शुरुआत और संकाय के शामिल होने के बाद एम्स-बिलासपुर में एक मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया था। प्रत्येक मेंटी (छात्र) को एक यादृच्छिक चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक संरक्षक (संकाय) आवंटित किया गया था। बेहतर संचार प्रक्रिया के लिए उनके संपर्क नंबर सांझा किए गए थे। प्रत्येक मेंटर-मेंटी को महीने में कम से कम एक बार शारीरिक रूप से एक-दूसरे से मिलना पड़ता था। छात्रों ने इसे एक बहुत ही उपयोगी कार्यक्रम पाया क्योंकि वे अपने सलाहकारों के साथ अपनी दिन-प्रतिदिन की समस्याओं तथा परीक्षा के समय आने वाली विभिन्न कठिनाइयों, जैसे-तनाव , को सांझा करने में सक्षम थे। संरक्षक अपने ज्ञान और ध्यान रखने वाले व्यवहार के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम थे।

यह मेंटरशिप कार्यक्रम भविष्य में अधिक उपयोगी कार्यक्रम के रूप में विकसित होगा। प्रत्येक संरक्षक और मेंटी के परिवर्तनशील दृष्टिकोण एवं विभिन्न अनुभव कार्यक्रम की सफलता और अधिक बढ़ा देंगे।

### छात्रावास सलाहकार समिति

छात्रावास सलाहकार समिति का गठन सभी छात्रावास कर्मचारियों के पर्यवेक्षण सहित छात्रावास से संबंधित मामलों के सुचारू संचालन और दीर्घकालिक योजना के लिए किया गया था। समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

| क्र. | नाम | पद | भूमिका |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. यतिराज सिंगी | सह-प्राध्यापक | चीफ प्रोवोस्ट |
| 2. | डॉ. प्रियंका ठाकुर | सहायक प्राध्यापक | प्रोवोस्ट पीजी विवाहित |
| 3. | डॉ. प्रबल जोशी | सह-प्राध्यापक | प्रोवोस्ट पीजी बॉयज़ |
| 4. | डॉ. स्वाति गुप्ता | सहायक प्राध्यापक | प्रोवोस्ट पीजी गर्ल्स |
| 5. | डॉ. ओनजल के. तायवाडे | सहायक प्राध्यापक | प्रोवोस्ट पीजी बॉयज़ |
| 6. | श्री बलवंत सिंह | सहायक प्राध्यापक | सीनियर वार्डन यूजी/पीजी बॉयज |
| 7. | सुश्री माला नेगी | सहायक प्राध्यापक | वार्डन यूजी लड़कियों / |
| 8. | डॉ. जसबीर सिंह | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 9. | डॉ. लक्ष्मी के. सांखयान | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 10. | डॉ. सचिन सोनी | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |
| 11. | डॉ. मंजू दरोच | सहायक प्राध्यापक | सदस्य |

छात्रावास सलाहकार समिति ने छात्रों के कल्याण के लिए विभिन्न निर्णय लिए। छात्रावास समिति के प्राथमिक कार्यों और जिम्मेदारियों में आमतौर पर शामिल हैं:

1. छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समिति ने स्नातक छात्रों के लिए समय के बारे में विभिन्न नियम बनाए और सुरक्षा कर्मियों और प्रशासन के सहयोग से इसे लागू करना सुनिश्चित किया।
2. छात्रावास के अंदर क्या करें और क्या न करें के बारे में दिशानिर्देश तैयार किए।
3. छात्रों की भलाई का प्रबंधन करने के लिए छात्रावास समिति छात्रों के समग्र कल्याण के लिए व्यायामशाला और खेल के मैदान की स्थापना में सक्रिय रूप से शामिल थी।
4. समिति ने छात्रों की हर प्रकार की चिंता को भी दूर किया।

## परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश का संचालन और समन्वय करता है। यह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरे वर्ष सभी आंतरिक और व्यावसायिक परीक्षाओं का भी आयोजन करता है। यह सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद परिणाम को संकलित और घोषित भी करता है। समिति परीक्षा अनुभाग में परीक्षाओं से संबंधित सभी रिकॉर्ड रखती है और बनाए रखती है। परीक्षा अनुभाग लॉक और कुंजी के तहत प्रत्येक परीक्षा के गोपनीय रिकॉर्ड रखता है। समिति एमबीबीएस और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए प्रश्न बैंक तैयार करने में भी शामिल थी।

### परीक्षा समिति

| क्र. | नाम | पद | विभाग | भूमिका |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. रूपाली पारलेवार | प्राध्यापक एवं विभाग प्रमुख | शरीर क्रिया-विज्ञान | सभापति |
| 2. | डॉ. पुनीत कुमार | सह-प्राध्यापक | सूक्ष्मजीवविज्ञान | सदस्य सचिव |
| 3. | डॉ. तरुण शर्मा | सह-प्राध्यापक | दवाई | सदस्य |
| 4. | डॉ. मंजू दरोच | सहायक प्राध्यापक | त्वचा-विज्ञान | सदस्य |
| 5. | डॉ. ओंजल तायवाडे | सहायक प्राध्यापक | जैवरसायनिकी | सदस्य |
| 6. | डॉ. नलिनी ए. | सहायक प्राध्यापक | नियोनेटोलॉजी | सदस्य |
| 7. | डॉ. लक्ष्मी के. सांख्यान | सहायक प्राध्यापक | CTVS | सदस्य |

### आयोजित

1. एमबीबीएस प्रथम व्यावसायिक परीक्षा एमबीबीएस बैच 2020
2. एमबीबीएस प्रथम व्यावसायिक परीक्षा एमबीबीएस बैच 2021
3. एमबीबीएस द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा एमबीबीएस बैच 2020

परीक्षा अनुभाग के कुछ प्रमुख कार्य और जिम्मेदारियां यहां दी गई हैं:

1. समिति सभी व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पूर्व व्यावसायिक और अंतिम व्यावसायिक परीक्षा की तिथियां निर्धारित करती है।
2. परीक्षा अनुभाग अन्य कॉलेजों के विषय विशेषज्ञों का एक पैनल तैयार करने और परीक्षा तिथियों के दौरान परीक्षकों की उपलब्धता के बारे में संवाद करने के लिए जिम्मेदार है। समिति इन परीक्षकों को पेपर सेट करने के साथ ही बाहरी परीक्षक के रूप में आने के लिए निमंत्रण भी भेजती है।
3. परीक्षा अनुभाग अक्सर संकाय सदस्यों के साथ सहयोग करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक परीक्षा के लिए उपयुक्त और अच्छी तरह से संरचित प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। इसमें लिखित, व्यावहारिक और नैदानिक परीक्षाएं शामिल हैं।
4. वे परीक्षा के लिए छात्र पंजीकरण की प्रक्रिया को संभालते हैं। इसमें योग्य उम्मीदवारों के बारे में जानकारी एकत्र करना, उनकी पात्रता को सत्यापित करना और उन्हें आगामी परीक्षाओं के लिए नामांकित करना शामिल है।
5. समिति ने परीक्षा स्थलों की व्यवस्था की, जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल था कि वे परीक्षा आयोजित करने के लिए उपयुक्त हैं। इसमें आवश्यक उपकरण, सामग्री और निरीक्षक स्थापित करना शामिल है।

6. परीक्षा अनुभाग ने परीक्षा के संचालन की निगरानी करने और एक सुरक्षित और निष्पक्ष परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षक भी नियुक्त किया। वे धोखाधड़ी और अकादमिक कदाचार को रोकने के उपायों को लागू करते हैं।
7. परीक्षा अनुभाग परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्र और अन्य आवश्यक सामग्री के वितरण और परीक्षा के बाद उत्तर स्क्रिप्ट और सामग्री एकत्र करने के लिए भी जिम्मेदार है।
8. परीक्षा के बाद, परीक्षा अनुभाग उत्तर स्क्रिप्ट को इकट्ठा करने और संसाधित करने, परिणामों को सारणीबद्ध करने और व्यक्तिगत स्कोरकार्ड या प्रतिलेख उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार है।
9. परीक्षा अनुभाग परीक्षा परिणामों, छात्र के प्रदर्शन और अन्य प्रासंगिक डेटा का रिकॉर्ड रखता है। ये रिकॉर्ड भविष्य के संदर्भ, गुणवत्ता आश्वासन और मान्यता के लिए महत्वपूर्ण हैं।
10. परीक्षा अनुभाग कॉलेज के शैक्षणिक और प्रशासनिक नेतृत्व के सहयोग से परीक्षा नीतियों और दिशानिर्देशों के विकास में योगदान कर सकता है।

## छात्र कल्याण गतिविधियां: आईसीसीडब्ल्यू

1. **स्वास्थ्य संस्थानों में छात्रों का दौरा**

   सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिलासपुर और खंड चिकित्सा अधिकारी, मारकंद के कार्यालय के समन्वय से परिधीय स्वास्थ्य संस्थानों में एमबीबीएस और पैरामेडिकल विज्ञान के छात्रों के दौरों का समन्वय किया। सामुदायिक स्वास्थ्य संस्थानों में उप केंद्र राजपुरा, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र कोठीपुरा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रौरा, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नम्होल और सिविल अस्पताल मारकंद शामिल थे। यात्राओं के दौरान, छात्रों को संबंधित परिधीय स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध कर्मचारियों और सेवाओं के बारे में संवेदनशील बनाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं यानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) और आशा कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की गई।

2. **छात्रों का स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों का दौरा**

   सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने एमबीबीएस छात्रों के स्वास्थ्य संबंधी संस्थाओं के दौरे का समन्वय किया, जैसे-आंगनवाड़ी केंद्र (पडंगल), बाल देखभाल संस्थान (भगेड़ ब्लॉक, घुमारवीं), विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए संस्थान (कोठी, ब्लॉक घुमारवीं)और वृद्धाश्रम (देवली, ब्लॉक मारकंड) जिला बिलासपुर । विजिट के दौरान विद्यार्थियों ने संस्थानों के कर्मचारियों और लाभार्थियों के साथ बातचीत की। उन्हें सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के संकाय और कर्मचारियों के द्वारा बीमारी के संबंध में रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला व्यवहार को अपनाने के प्रति परामर्श दिया गया। एमबीबीएस और पैरामेडिकल साइंसेज के छात्रों को दूध उपचार संयंत्र (नम्होल), जल उपचार संयंत्र और सीवेज उपचार संयंत्र एम्स-बिलासपुर का दौरा करवाया गया। इन उपचार संयंत्रों के सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के बारे में उन्हें जागरूक किया गया।

3. **समुदाय में परिवारों की पहचान और छात्रों को आवंटन**

सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग ने एमबीबीएस छात्रों के लिए 25 परिवारों की पहचान की और उन्हें गांवों में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद से आवंटित किया, जैसे-कोठीपुरा, राजपुरा, नोआ, मंडी मनवा (ब्लॉक मारकण्ड, बिलासपुर)। परिवार के सदस्यों को संकाय और कर्मचारियों ने निवारक और प्रोत्साहन स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की। इसके अतिरिक्त, गैर-संचारी बीमारियों के लिए स्क्रीनिंग की गई। एंथ्रोपोमेट्री, रक्त शर्करा परीक्षण तथा रक्तचाप मापकर परिवार के सदस्यों की बीमारियों का भी पता लगाया गया। इसके पश्चात् परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। आवश्यकता पड़ने पर परिवार के सदस्यों को एम्स-बिलासपुर में आगे की जांच के संबंध में सलाह दी गई। विभाग ने एम्स दौरे के दौरान भी उनके साथ समन्वय किया, यदि उन्हें कोईआवश्यकता हुई तो सेवाएँ प्राप्त करने में सहायता की।

4. **नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर छात्रों को जागरूक किया**

एम्स बिलासपुर में पारिवारिक चिकित्सा तथा समुदाय विभाग द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर संवेदीकरण सत्र आयोजित किए गए। एमबीबीएस के सभी विद्यार्थियों को विभिन्न बातों से अवगत कराया गया जैसे-मादक द्रव्यों के सेवन के प्रकार अर्थात धुआं रहित तंबाकू, धूम्रपान तंबाकू, शराब आदि, स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव और उनके सामाजिक परिणाम। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ निवारक उपायों पर जोर दिया गया।सत्र के बाद नशीली दवाओं के दुरुपयोग के संबंध में छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

# अनुसंधान

## अनुसंधान

संस्थान के संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान करने और समुदाय के लाभ के लिए इसके आवेदन का अनुवाद करने में शामिल हैं। उनमें से अधिकांश ने विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित किए हैं। कई संकाय सदस्यों को अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अनुदान मिला है। संस्थान को एक पेटेंट प्राप्त हुआ है।

अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक विभिन्न संकाय द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं और प्रकाशनों का विवरण निम्नानुसार है:

| परियोजनाएं/प्रकाशन | सम्पन्न | अविरत |
|---|---|---|
| निधिबद्ध परियोजनाएं | 15 | 0 |
| विभागीय परियोजनाएं | 34 | 03 |
| सहयोगात्मक परियोजनाएं | 30 | 05 |
| शैक्षिक प्रकाशन | -- | 162 |
| पुस्तक अध्याय | -- | 18 |
| पेटेंट | -- | 1 |

### निधिबद्ध परियोजनाएं

कई संकाय सदस्यों को अनुसंधान करने के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से बाह्य अनुदान प्राप्त हुआ है। पिछले एक साल में, इन एजेंसियों द्वारा लगभग 15 परियोजनाओं को निधिबद्ध किया गया है।

## संस्थागत आचारनीति समिति

एम्स बिलासपुर की संस्थागत आचार समिति का गठन दो समितियों के गठन के साथ किया गया था-

- संस्थागत आचार समिति - जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान
- संस्थागत नैतिकता समिति - नैदानिक परीक्षण

### आईईसी-बीएचआर

आईईसी-बीएचआर समिति ने अप्रैल 2022-मार्च 2023 के दौरान पांच बैठकें की थीं। 40 से अधिक नई शोध परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं और कई शोध परियोजनाओं को विचार-विमर्श के बाद फिर से प्रस्तुत किया गया।

संस्थागत नैतिकता समिति (बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान) के सदस्य हैं:

| सदस्यों के नाम | पद |
|---|---|
| डॉ. वी.एम. कटोच | सभापति |
| डॉ. संजय विक्रांत | उपाध्यक्ष |
| न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वीके शर्मा | सदस्य (कानूनी) |
| श्री मनु चतुर्वेदी | वैकल्पिक सदस्य (कानूनी) |
| डॉ. मल्लिका नड्डा | सदस्य (एनजीओ प्रतिनिधि) |

| | |
|---|---|
| श्री जगदीश ठाकुर | सदस्य (शिक्षित समुदाय व्यक्ति) |
| प्रोफेसर अनुराधा शर्मा | सदस्य (मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक) |
| डॉ. ऋचा दीवान | सदस्य (चिकित्सक) |
| प्रो. संतोष मिन्हास | सदस्य (चिकित्सक) |
| डॉ. आशीष शर्मा | सदस्य सचिव |
| डॉ. विजय कुमार सेठी | वैकल्पिक सदस्य सचिव |

**आईईसी – नैदानिक परीक्षण**

संस्थागत आचार समिति – नैदानिक परीक्षण (आईईसी-सीटी) के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार की गई थीं जिन्हें संस्थान के प्रमुख द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। आईईसी-सीटी केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के साथ पंजीकृत होने की प्रक्रिया में है।

संस्थागत आचार समिति (नैदानिक परीक्षण) के सदस्य हैं:

| सदस्यों के नाम | पद |
|---|---|
| लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वीपी चतुर्वेदी | सभापति |
| प्रो. संजय विक्रांत | सदस्य |
| श्री राजेश कुमार वर्मा | सदस्य (कानूनी) |
| श्री चमन ठाकुर | वैकल्पिक सदस्य (कानूनी) |
| श्रीमती बृज बाला सांख्यान | सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक) |
| श्री विनोद कुमार | वैकल्पिक सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक) |
| श्री जगदीश ठाकुर | सदस्य (साधारण व्यक्ति) |
| डॉ. विकास मेधी | सदस्य (मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक) |
| डॉ. प्रशांत सूद | वैकल्पिक सदस्य (मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक) |
| प्रो. आर.के. कौशल | सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक) |
| डॉ. हरप्रीत कौर | सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक) |
| डॉ. यांगशेन ल्हामो | सदस्य |
| डॉ. मीनाक्षी मीनू | सदस्य-सचिव |

# विभागीय वार्षिक रिपोर्ट

## संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. कृति चौधरी | सहायक प्राध्यापक | 04.02.2021 |
| 2. | डॉ. रूपाली ब्रह्मा | सहायक प्राध्यापक | 02.01.2021 |
| 3. | डॉ. अनीता सरन | सहायक प्राध्यापक | 28.01.2021 |
| 4. | डॉ. पूजा गुरनल | सहायक प्राध्यापक | 23.11.2020 |
| 5. | डॉ. सुरभि प्रिया | सहायक प्राध्यापक | 08.08.2022 |

### विभाग के विषय में

उत्कृष्टता की दिशा में हमारे विभाग की यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से चिह्नित की गई है जिसने ओटी सेवाओं की शुरुआत के साथ रोगी देखभाल को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। विभाग की अग्रणी उपलब्धियों में से एक अत्याधुनिक ऑपरेटिंग थिएटर (ओटी) सेवाओं की शुरुआत रही है। हमारे संस्थान की शल्य चिकित्सा क्षमताओं को काफी बढ़ाया है, जिससे सटीकता और दक्षता के साथ प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला करने की अनुमति मिलती है। मरीजों को अब समय पर शल्य चिकित्सा हस्तक्षेप से लाभ होता है, जिससे बेहतर परिणाम और प्रतीक्षा समय कम हो जाता है। ओटी सेवाएं अक्टूबर 2022 में शुरू की गई थीं और 31 मार्च तक, हमने 240 आपातकालीन मामलों और 281 वैकल्पिक मामलों को एनेस्थीसिया प्रदान किया है।

पोस्ट-ऑपरेटिव आईसीयू देखभाल में, हमारे विभाग ने दर्द प्रबंधन को अनुकूलित करने, उन्नत निगरानी तकनीकों को लागू करने और बहु-विषयक सहयोग को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अनुरूप दर्द प्रबंधन रणनीतियों ने असुविधा को कम कर दिया है और वसूली को तेज कर दिया है, जबकि निरंतर निगरानी और अन्य विशिष्टताओं के साथ सहयोग ने रोगी के परिणामों में सुधार किया है। प्री-एनेस्थेटिक क्लिनिक सेवाओं में काफी वृद्धि देखी गई है। अब हम चिकित्सा इतिहास, दवाओं और जोखिम कारकों पर विचार करते हुए व्यापक रोगी मूल्यांकन करते हैं। आपातकालीन विभाग में हमारी उपस्थिति गंभीर रूप से बीमार या घायल रोगियों के लिए उपलब्ध विशेषज्ञता और सहायता के स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण रही है। हमने एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के लिए पीजी पाठ्यक्रम तैयार किया है और बीएससी ओटीटी पाठ्यक्रम की दिशा में काम कर रहे हैं।

हमारे विभाग ने विश्व एनेस्थीसिया और विश्व आघात दिवस पर समुदाय-आधारित गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन महत्वपूर्ण अवसरों पर, हम आउटरीच कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों में संलग्न होते हैं। हमारे प्रयासों में बुनियादी जीवन समर्थन प्रशिक्षण प्रदान करना, सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देना और समय पर आघात देखभाल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना शामिल है। जैसा कि हम विकसित प्रौद्योगिकियों और ज्ञान को गले लगाना जारी रखते हैं, आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में हमारी भूमिका अपरिहार्य बनी हुई है, और उत्कृष्टता के लिए हमारा समर्पण अटूट है।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. अप्रैल 2022 और मार्च 2023 में एम्स, बिलासपुर में एएचए-प्रमाणित बीएलएस और एसीएलएस पाठ्यक्रम पर कार्यशाला।

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. कृति चौधरी | यूएस गाइडेड थोरेसिक एंड एंटीरियर एब्डोमिनल वॉल ब्लॉक्स | अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय एनेस्थीसिया, सीएमई और कार्यशाला | 24.07.2022 | एम्स, मंगलगिरी |
| 2. | डॉ. कृति चौधरी | बुनियादी जीवन समर्थन | आयुष डॉक्टरों के लिए प्राथमिक ट्रॉमा केयर कार्यशाला | 15.09.2022 | क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर |
| 3. | डॉ. कृति चौधरी | एक्स्ट्राकोर्पोरियल सीपीआर | 19 वां उत्तर क्षेत्र ISACON | 31.10.2022 | एम्स, जोधपुर |
| 4. | डॉ. कृति चौधरी | यूएस गाइडेड लंबर पैरा-स्पाइनल ब्लॉक्स | कैंसर रोगियों के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय एनेस्थीसिया | 12.11.2022 | आईजीएमसी, शिमला |
| 5. | डॉ. कृति चौधरी | ईसीजी | एम्स पीजी असेंबली | 5-8 जनवरी 2023 | एम्स, नई दिल्ली |
| 6. | डॉ. रूपाली ब्रह्मा | दर्दनाक ग्रीवा रीढ़ की चोट<br>AHA मान्यता प्राप्त BLS /ACLS प्रशिक्षण | सीएमई<br>प्रशिक्षण प्रदाता पाठ्यक्रम | | इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के अंदर **चौधरी के**, कुमारी के, स्याल आर, कुमार आर. लाइफ। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 जून; 11 (6): 3384-3385.
2. कुमारी के, **चौधरी के**, छाबड़ा एस, भाटिया पी, कमल एम, किशन आर, वर्मा एम, कुमार ए. कोविड-19 महामारी के दौरान पश्चिमी राजस्थान में फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर्स के मनोसामाजिक प्रभाव और मुकाबला रणनीति। जे एनेस्थेसियोल क्लिन कोल। जुलाई 2022; 38 (खुली 1): एस 58-एस 65।
3. कोविड-19 अलगाव में अवसाद का मुकाबला करने के लिए सिहाग पी, **चौधरी के**, कुमारी के, कुमार आर. करुणा और मुस्कान। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। जुलाई 2022; 11 (7): 4111-4112।
4. कुमारी के, **चौधरी के**, सेठी पी, राठौड़ डी, मेश्राम टी, कोठारी एन, शर्मा ए, भाटिया पी, सिंह एस नॉरपेनेफ्रिन बनाम फेनिलफ्राइन सिजेरियन सेक्शन से गुजरने वाले प्रसव में पोस्टस्पाइनल हाइपोटेंशन के लिए: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। मिनर्वा एनेस्टेसियोल। 2022 दिसंबर; 88 (12): 1043-1056।
5. **चौधरी के**, गोयल एस, दीक्षित ए, दीक्षित एसजी, शर्मा वी, नायर एनपी, शर्मा ए, कोठारी एन, भाटिया पी, गोयल ए, मिश्रा एस. कोविड-19 महामारी के दौरान एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के बीच इंटुबैशन और एक्सट्यूबेशन के लिए

प्रोटेक्शन बॉक्स के उपयोग और सुरक्षा का आकलन- एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण। इंडियन जे ओटोलरींगोल हेड नेक सर्ग 2023 मार्च 22:1-8।

**सामुदायिक सेवा**

1. एम्फीथिएटर, एम्स बिलासपुर में 15 अक्टूबर 2022 को विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर गैर-चिकित्सा कर्मचारियों और आम जनता के लिए कार्डियक अरेस्ट पर जागरूकता कार्यक्रम और कम्प्रेशन ओनली सीपीआर का प्रशिक्षण।
2. विश्व आघात दिवस (17-10-2022) पर जागरूकता कार्यक्रम की थीम 'रोकथाम योग्य मृत्यु को रोकें' है। सड़क सुरक्षा, घर और कार्यस्थल पर सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक जीवंत नुक्कण्ड नाटक बना

## शरीर रचना विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. निधि पूरी | अतिरिक्त प्राध्यापक | 16.06.2022 |
| 2. | डॉ. संजय कुमार शर्मा | सह-प्राध्यापक | 23.11.2020 |
| 3. | डॉ. भाग्यश्री | सहायक प्राध्यापक | 11.11.2020 |
| 4. | डॉ. सचिन सोनी | सहायक प्राध्यापक | 23.11.2020 |
| 5. | डॉ. मोनाली हिवारकर | सहायक प्राध्यापक | 14.06.2022 |
| 6. | डॉ. सुशांत स्वरूप दास | सहायक प्राध्यापक | 24.06.2022 |

### विभाग के विषय में

शरीर रचना विभाग क्लिनिकल लर्निंग की इमारत की नींव है। चिकित्सा के आकर्षक क्षेत्र में यात्रा, मानव शरीर की संरचना को समझने की कोशिश से शुरू होती है। शरीर रचना का विषय मानव शरीर के कोशिकीय स्तर से लेकर सहज स्तर तक के अध्ययन से संबंधित है। यह एम्स बिलासपुर के प्रमुख विभागों में से एक है। शरीर रचना विभाग अकादमिक ब्लॉक के दूसरे बेसमेंट फ्लोर में स्थित है।

विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ शिक्षण और अनुसंधान पर केंद्रित हैं। इस वर्ष 100 छात्रों को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। हमारे प्रतिष्ठित संकाय द्वारा पढ़ाया जाने वाला स्नातक पाठ्यक्रम छात्रों को चिकित्सा विज्ञान में एक ठोस आधार प्रदान करता है। एम.डी. शरीर रचना में स्नातकोत्तर को भी मंजूरी दी गई है। स्नातकोत्तर शिक्षण मॉड्यूल में सेमिनार, माइक्रोटीचिंग, जर्नल क्लब, स्नातकोत्तरकक्षाएं, मूल्यांकन, चर्चा और प्रदर्शन शामिल हैं। इस वर्ष, हमने अन्य संबद्ध चिकित्सा शाखाओं जैसे बीएससी नर्सिंग और बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में भी शरीर रचना विज्ञान पढ़ाना शुरू कर दिया है।

विभाग ने नए शैक्षणिक ब्लॉक में हिस्टोलॉजी लैब, डिसेक्शन हॉल, रिसर्च लैब, माइक्रोएनाटॉमी लैब और संग्रहालय शुरू किया है। विभाग की ये प्रयोगशालाएँ प्रायोगिक और नैदानिक सामग्रियों का उपयोग करके बुनियादी और व्यावहारिक दोनों तरह के शोध करती हैं।

विभाग ने 29 मार्च 2023 को एम्स, बिलासपुर में हाइब्रिड मोड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - चिकित्सा विज्ञान में एक उभरती हुई विचारधारा पर सीएमई का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जिसमें दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित वक्ताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते अनुप्रयोगों के बारे में बात करने के लिए चिकित्सा और इंजीनियरिंग के विशेषज्ञों को एक साथ लाने वाला यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था। विभाग ने स्वैच्छिक देहदान कार्यक्रम और ऐंबलमिंग की सुविधा भी शुरू की है। इस कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए, हमने 10 फरवरी 2023 को एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों (बैच 2022) के द्वारा एक रैली और नुक्कड़ नाटक आयोजित करके "देहदान जागरूकता अभियान" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने स्वैच्छिक देहदान का संदेश और इससे जुड़े अंधविश्वासों के बारे में आम जनता में जागरूकता फैलाई।

विभाग ने 15 अक्टूबर 2022 को विश्व शरीर रचना दिवस के उपलक्ष्य पर एमबीबीएस छात्रों के लिए पोस्टर और मॉडल बनाने की प्रतियोगिता और संकाय के लिए स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

भविष्य में, हम मरीजों की देखभाल के लिए एक साइटोजेनेटिक्स लैब और छात्रों और सर्जनों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कैडवेरिक कौशल लैब स्थापित करने की योजना बना रहे हैं ।

**सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन**

1. 29 मार्च 2023 को एम्स, बिलासपुर में हाइब्रिड मोड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - चिकित्सा विज्ञान में एक उभरती हुई विचारधारा पर सीएमई का आयोजन किया गया।
2. 10 फरवरी 2023 को प्रथम वर्ष एमबीबीएस छात्र बैच 2022 द्वारा एक रैली और नुक्कड़ नाटक आयोजित करके "देहदान जागरूकता अभियान" का आयोजन किया गया।
3. 15 अक्टूबर 2022 को विश्व शरीर रचना दिवस पर एमबीबीएस छात्रों के लिए पोस्टर और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता और संकाय के लिए स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. निधि पूरी | हृदय रोगों के लिए वंशानुगत जोखिम कारकों की पहचान और प्रभाव। | कार्डियोलॉजी विश्व सम्मेलन के तीसरे संस्करण में वक्ता | 14.09.2022 - 15.09.2022 | ऑनलाइन सम्मेलन |
| 2. | डॉ. निधि पूरी | संसाधन संकाय के रूप में: वेस्टिबुलर उपकरण की शारीरिक रचना: नैदानिक पहलू | वर्टिगो प्रबंधन पाठ्यक्रम | 27.01.2023 - 28.01.2023 | ईएनटी विभाग, एम्स बिलासपुर |
| 3. | डॉ. संजय कुमार शर्मा, डॉ. भाग्यश्री, डॉ. सुशांत स्वरूप दास | संसाधन संकाय के रूप में: टेम्पोरल हड्डी की शारीरिक रचना | पहली हैंड्स-ऑन ओटोलॉजी सर्जिकल ट्रेनिंग वर्कशॉप (3-डी विजुअलाइज़ेशन के साथ वोज़ेल-मैन सिम्युलेटर का उपयोग करके) | 17.12.2022 | ईएनटी विभाग, एम्स बिलासपुर |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों की मूल आबादी में कद के साथ हाथों और पैरों के आयाम का सहसंबंध। (नैतिक समिति और आईसीएमआर द्वारा तकनीकी रूप से अनुमोदित) स्वीकृति संख्या-2021-13605/F1 दिनांक-17/12/2021 | डॉ संजय कुमार शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | 4,72,794 |

प्रकाशन

## शोधपत्र

1. तिवारी वी, अली एफबी, पात्रा ए, धीमान ए, **शर्मा एसके**। आधुनिक भारतीय आबादी में ओलेक्रानोन एपर्चर की पहेली और ह्यूमरस के दूरस्थ अंत से इसका संबंध: एक शारीरिक और शल्य चिकित्सा परिप्रेक्ष्य। आकृति विज्ञान। https://doi.org/10.1016/j.morfo.2022.08.001
2. चौरसिया आर एस, भदकारिया वी, मार्को आर एस, **सोनी एस**, पाटिल एम। रेडियल धमनी की शारीरिक विविधता और नैदानिक महत्व निर्धारित करने के लिए। हृदय रोग रेस 2022, 13(04): 998-1002 के जे. डीओआई: 10.31838/ jcdr.2022.13.04.120
3. गोयल एन, जोशी आर, चौधरी पी, कुमार ए, **श्री बी**। चौथी पसली के स्टर्नल सिरे से इसकी रूपात्मक भिन्नता द्वारा आयु का अनुमान: एक शव परीक्षण अध्ययन। जे पंजाब एकेड फॉरेंसिक मेड टॉक्सिकोलॉजी 2022; 22(1):44-52.

## पुस्तक में अध्याय

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | **निधि पुरी**, अभिलाषा सेतिया, वीवीजी पटनायक | सौहार्दपूर्ण व्यवहार में पारिवारिक रुझान | कुरी सीएमएच | चिकित्सा एवं चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान विकास | खंड-7. हुगली: बीपी इंटरनेशनल; 2023. पी 145-152 |

## पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

### डॉ. निधि पुरी

1. 8 अक्टूबर 2022 को जीएमसीएच चंडीगढ़ में एनाटोमिस्ट सोसाइटी के नॉर्थ स्टेट चैप्टर के चौथे सीएमई और सम्मेलन में पुरस्कार पोस्टर सत्र के लिए जज के रूप में।
2. 23 नवंबर 2022 को एम्स बिलासपुर में एलएआई संगोष्ठी और लिपिड अपडेट में अध्यक्ष के रूप में।
3. वर्टिगो प्रबंधन पाठ्यक्रम में संसाधन संकाय के रूप में: वेस्टिबुलर उपकरण की शारीरिक रचना: नैदानिक पहलू (विषय) 27-28 जनवरी 2023 को।
4. 19 दिसंबर 2022 को हरियाणा लोक सेवा आयोग में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित करने के लिए सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया।
5. 'इंदरबीर सिंह की मानव शरीर रचना पाठ्य पुस्तक ' के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

### डॉ. भाग्य श्री

1. जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिकल एंड डेंटल साइंसेज रिसर्च में सहायक संपादक।

### डॉ. सुशांत स्वरूप दास

1. 'इंदरबीर सिंह की मानव भ्रूणविज्ञान (13वां संस्करण)' के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

## सामुदायिक सेवा

1. एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र (बैच 2022) द्वारा,10 फरवरी 2023 को, एक रैली निकालकर तथा नुक्कड़ नाटक'' आयोजित कर ,देहदान जागरूकता अभियान'' चलाया गया।

## जीव रसायन विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. सुमिता शर्मा | सह - प्राध्यापक | 16.11.2020 |
| 2. | डॉ. दीप्ति मलिक | सहायक प्राध्यापक | 11.11.2020 |
| 3. | डॉ. मनीष कुमार | सहायक प्राध्यापक | 23.01.2021 |
| 4. | डॉ. ओंजल के तायवाड़े | सहायक प्राध्यापक | 20.11.2020 |
| 5. | डॉ. अनुराग सांख्यान | सहायक प्राध्यापक | 24.06.2021 |

### विभाग के विषय में

जीव रसायन विभाग, एम्स, बिलासपुर की स्थापना रोगी देखभाल में सहायता के लिए नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं के अलावा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और चिकित्सा अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई है।

**शैक्षणिक:** संकाय एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल साइंसेज (मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, मेडिकल रेडियोलॉजी और टेक्नोलॉजी, और डायलिसिस टेक्नोलॉजी) के स्नातक छात्रों के लिए व्याख्यान और व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित करने में शामिल रहा है। बायोकैमिस्ट्री विभाग के लिए एमडी पाठ्यक्रम को भी मंजूरी मिल गई है और विभाग को उम्मीद है कि जल्द ही एक छात्र का नामांकन हो जाएगा। छात्रों के बीच बेहतर शिक्षण और बेहतर समझ के लिए, उपदेशात्मक व्याख्यानों के अलावा, ट्यूटोरियल, केस स्टडीज और प्रारंभिक क्लिनिकल एक्सपोज़र जैसी कई अन्य शिक्षण-सीखने की विधियों को नियोजित किया जा रहा है। विभाग परीक्षणों, प्रस्तुतियों आदि के माध्यम से छात्रों का मासिक रचनात्मक मूल्यांकन कर रहा है। संकाय ने बुनियादी अवधारणाओं में सहायता की आवश्यकता वाले छात्रों की सहायता के लिए नियमित अतिरिक्त कक्षाएं भी ली हैं और उन छात्रों की भी मदद की है जो प्राथमिक शिक्षण भाषा के रूप में अंग्रेजी में पारंगत नहीं हैं।

**डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला सेवाएँ:** संस्थान हिंदलैब्स और अस्पताल के सी ब्लॉक में इन-हाउस क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री लैब के माध्यम से नैदानिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। हिंदलैब्स सेवाओं के जीव रसायन अनुभाग का प्रबंधन विभाग द्वारा किया जा रहा है और संकाय हिंदलैब्स के दिन-प्रतिदिन के कामकाज की देखरेख और हिंदलैब्स के माध्यम से रिपोर्टों के प्रमाणीकरण में संयुक्त है। संकाय ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 3 लाख से अधिक जांचों की समीक्षा की है। प्रयोगशाला की गुणवत्ता की निगरानी प्रतिदिन आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण सामग्री चलाकर और मासिक आधार पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में भाग लेकर की जा रही है। विभाग ने क्लिनिकल डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला (सी-ब्लॉक) के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से कई नैदानिक परीक्षण शुरू किए हैं। एचबीएचपीएलसी, आरएफ, एएसओ, प्रोटीन के लिए मूत्र, माइक्रोएल्ब्यूमिन और द्रव विश्लेषण के लिए इन-हाउस परीक्षण अक्टूबर 2022 से शुरू किए गए थे, जबकि एंटी-सीसीपी और एंटी-टीटीजी आईजीए एंटीबॉडी के लिए एलिसा-आधारित परीक्षण शुरू किया गया था। विभाग ने डायग्नोस्टिक सी-ब्लॉक में अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक लगभग 2000 जांच की हैं।

**चिकित्सा अनुसंधान:** चिकित्सा क्षेत्र में हाल के विकास के बारे में खुद को अपडेट रखने के लिए संकाय सदस्य नियमित रूप से सम्मेलनों/ सीएमई/ वेबिनार/ प्रशिक्षण में भाग लेते हैं। विभाग ने 23 नवंबर 2022 को एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम, 'लिपिड संगोष्ठी और अद्यतन' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वर्ष सरकार द्वारा तीन अनुसंधान प्रस्ताव को अनुमति दी गयी। वर्तमान में जैव रसायन विभाग 3 अनुसंधान प्रस्तावों को क्रियान्वित कर रहा है जिसमें विभाग के संकाय प्रमुख अन्वेषक के रूप में हैं और 2 प्रस्ताव विभाग के संकाय सह अन्वेषक की भूमिका निभा रहे हैं। उपरोक्त परियोजनाओं के माध्यम से, विभाग ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ जैसे आईएनआई के साथ सहकार्यता स्थापित किया है। पिछले वर्ष संकाय सदस्यों ने कई शोध पत्र,

और पुस्तक अध्याय प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं, और अधिक शोध पत्र तैयारी/समीक्षा के अधीन हैं।

**संस्थागत गतिविधियों में सहायता-** जैव रसायन विभाग के संकाय सदस्य विभिन्न समितियों के माध्यम से सक्रिय रूप से योगदान देकर, आवश्यक्तानुसार विभिन्न संस्थागत गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। संकाय स्टोर, लेखा विभाग, छात्र और छात्रावासों, परीक्षा अनुभाग, नैदानिक सेवाओं और सूचना एवं प्रौद्योगिकी सेवाओं को सक्षम करने के प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

**भविष्य योजना:**

**एम्स क्लिनिकल लैब का विस्तार:** अगामी वर्ष में, बायोकैमिस्ट्री विभाग क्लिनिकल लैब, डायग्नोस्टिक ब्लॉक सी में दी जा रही नैदानिक सेवाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है। आईपीडी और आपातकालीन रोगियों के लिए नियमित जांच और हार्मोनल परीक्षण शुरू करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही विभाग एलिज़ा सेवाओं का भी विस्तार करेगा। जीव रसायन विभाग ने एएनए प्रोफाइलिंग उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं प्राप्त की हैं और रूमेटोलॉजी विभाग के सहयोग से जल्द ही एएनए जांच शुरू की जाएगी।

**मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक लैब की शुरुआत:** जीव रसायन विभाग अगामी महीनों में ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी/ बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी/बीएमडी) सेवाएं भी शुरू करने जा रहा है और इसके लिए ज़रूरी सामग्रियों की खरीद चल रही है। इसके अलावा β थैलेसीमिया का मानकीकरण प्रगति पर है और परीक्षण मानकीकृत होने के बाद रोग विश्लेषण के लिए उपभोग्य सामग्रियों की खरीद को शुरू किया जाएगा।

नवजात स्क्रीनिंग सेटअप की शुरुआत: जीव रसायन विभाग, संस्थान द्वारा आवश्यक उपकरण खरीदे जाने के बाद नवजात स्क्रीनिंग परीक्षण शुरू करने की योजना बना रहा है।

**पीएचडी कार्यक्रम का शुभारंभ:** जीव रसायन विभाग आने वाले वर्ष में पीएचडी कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है |

**सी.एम.ई./ कार्यशाला/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन**

1. 23 नवंबर 2022 को एम्स, बिलासपुर में एलएआई संगोष्ठी और लिपिड अपडेट 2022 का आयोजन जीव रसायन विभाग द्वारा किया गया।

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. दीप्ति मलिक | miR-2909 RNomics नामक प्रस्तुत पेपर उत्तरी क्षेत्र ACBICON 2022 में सेलुलर माइटोकॉन्ड्रियल रीमॉडलिंग सुनिश्चित करता है | "जीवनशैली रोगों का जैव रासायनिक और आणविक आधार" उत्तरी क्षेत्र ACBICON 2022 | 22.04.2022 - 23.04.2022 | जीव रसायन विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ |
| 2. | डॉ. अनुराग सांख्यान | पोस्टर –हेपेटाइटिस बी सतह प्रतिजन की लूप में एक नए | इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी का 49वां | 23.11.2022 - 26.11.2022 | भार्तीय इम्यूनोलॉजी सोसायटी, |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | सुलभ एंटीजेनिक एपिटोप की पहचान और मानचित्रण | वार्षिक सम्मेलन, इम्यूनोकॉन 2022 | | पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ |
| 3. | डॉ. दीप्ति मलिक | आमंत्रित वक्ता | फार्माकोजेनोमिक्स पर 5वीं राष्ट्रीय कार्यशाला: बुनियादी से उन्नत तक | 16.12.2022 - 18.12.2022 | पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ |
| 4. | डॉ. दीप्ति मलिक | प्रशंसा पुरस्कार के साथ आमंत्रित वक्ता | प्रायोगिक व्यवहार तंत्रिका विज्ञान में छठा उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम | 19.01.2023 - 21.01.2023 | पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/ आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **1.** | हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में स्वायत्त और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ जीवनशैली से संबंधित रोग बायोमार्कर के संबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन संबंधी क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। | डॉ. सुमिता शर्मा (सह अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 2 वर्ष | जारी | रु. 25,44,126 |
| **2.** | यह बताने के लिए कि कैसे miR-2909 RNomics मानव प्रोस्टेट कैंसर में TGFb signalling कैस्केड को नियंत्रित करता है | डॉ. दीप्ति मलिक (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | रु. 25,00,000/ |
| **3.** | उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस का क्लिनिको मेटाबॉलिक प्रोफाइल-एक संभावित अध्ययन. | डॉ. दीप्ति मलिक (सह अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (CSR) | 6 माह | जारी | रु. 4,99,550/- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **4.** | मौखिक कैंसर कोशिकाओं के एपिथेलियल-मेसेनकाइमल संक्रमण में सर्वव्यापी ट्रांसक्राइब्ड टेट्राट्रिकोपेप्टाइड रिपीट युक्त, वाई-लिंक्ड (यूटीवाई) की भूमिका को समझना | डॉ. मनीष कुमार (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DST-SERB) | 2 वर्ष | जारी | रु. 31,54,970/- |
| **5.** | मौखिक कैंसर कोशिकाओं के प्रवास और आक्रमण में केडीएम5डी (लाइसिन डेमिथाइलस 5डी) जीन की भूमिका का अध्ययन करना | डॉ. मनीष कुमार, (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DST-SERB) | 3 वर्ष | जारी | रु. 36,66,168/- |

**पेटेंट**

1. आशुतोष तिवारी, तरंग शर्मा, चंद्रेश शर्मा, **अनुराग सांख्यान**, शिंजिनी भटनागर, नवीन खन्ना; *कोशिका घातक फैलने वाले विशलु बी पोलीपेप्टाइड प्रकार* एवम *उसका संकेतीकरण कर्ने वाले पॉलीन्यूक्लियोटाइड* (2022) भारतीय पेटेंट संख्या - 409520.

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**


**1.** वर्मा ए, शर्मा के, **शर्मा एस.** मधुमेह न्यूरोपैथी का मूल्यांकन। जे कार्डियो डायबिटीज मेटाब डिसऑर्डर 2022;2:9-14।

**2.** शुक्ला जे, शर्मा पी, शर्मा एस, प्रसाद एसवी, **शर्मा एस**, गर्ग एन। क्या सिनोवियल फ्लूइड में उन्नत प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के साथ एंटीऑक्सीडेंट सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज का स्तर कम हो जाता है? एक पायलट अध्ययन. चिकित्सा अनुसंधान में परिप्रेक्ष्य 2022;10(3):58- 62।

**3.** मोल्केंटाइन डीपी, मोल्केंटाइन जेएम, ब्रिजेस केए, वाल्डेकेनास डीआर, धवन ए, बहरी आर, हेफनर एजे, **कुमार एम**, यांग एल, अब्देलहकीम एम, पिफर पीएम, सैंडुलाचे वी, शेठ ए, बीडल बीएम, टेम्स एचडी, मेसन केए, पिकरिंग सीआर, मीन आरई, स्किनर एचडी। पी16 एक नवीन यूबिकिटिन-डिपेंडेंट सिग्नलिंग कैस्केड के माध्यम से डीएनए क्षति की मरम्मत को दबाता है। कैंसर रेस. 2022 मार्च 1;82(5):916-928। डीओआई: 10.1158/0008-5472.कैन-21-2101। पीएमआईडी: 34965932; पीएमसीआईडी: PMC9136619.

**4.** कुमार वी, कुमार ए, **कुमार एम**, लोन एमआर, मिश्रा डी, चौहान एसएस। एनएफκबी (रिले) मौखिक कैंसर कोशिकाओं में एचएनआरएनपीडी के सक्रियण में मध्यस्थता करता है। विज्ञान प्रतिनिधि 2022 अप्रैल 8;12(1):5944। डीओआई: 10.1038/एस41598-022-09963-7। पीएमआईडी: 35396527; पीएमसीआईडी: पीएमसी8993925।

**5.** कुमार ए, कुमार वी, अरोड़ा एम, **कुमार एम**, अम्माल्ली पी, ठाकुर बी, प्रसाद जे, कुमारी एस, शर्मा एमसी, काले एसएस, चौहान एसएस। ग्लियोमा में प्रोथिमोसिन-α की अधिक अभिव्यक्ति ट्यूमर की आक्रामकता और खराब पूर्वानुमान से जुड़ी है। बायोसाइंस प्रतिनिधि 2022 अप्रैल 29;42(4):बीएसआर20212685। डीओआई: 10.1042/बीएसआर20212685। पीएमआईडी: 35297481; पीएमसीआईडी: PMC9069441.

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **दीप्ति मलिक**, गुरजीत कौर, मनीषा राजपूत, विकास मेधी | कैंसर के लिए बायोमार्कर के रूप में गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका। | | | बी-978-0-323-95116-6.00013-एक्स साल 2022 |

## पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

### डॉ. दीप्ति मलिक

1. फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा 9 जनवरी-21 जनवरी, 2023 को आयोजित प्रायोगिक व्यवहार तंत्रिका विज्ञान में छठे उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

### डॉ. मनीष कुमार

1. जीवन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सोसायटी ऑफ लाइफ साइंसेज से मानद फेलोशिप से सम्मानित किया गया है।

## बर्न एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नवनीत शर्मा | सहायक प्राध्यापक | 23.11.2020 |

### विभाग के बारे मे

बर्न एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग दिसंबर 2021 से सप्ताह में 3 दिन ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। सामान्य, स्थानीय और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया के तहत विभिन्न ओटी प्रक्रियाएं भी की जा रही हैं। इनमें स्प्लिट स्किन ग्राफ्टिंग, फ्लैप कवर, फांक होंठ सर्जरी, संवहनी मरम्मत, तंत्रिका मरम्मत, स्थानीय फ्लैप पुनर्निर्माण के साथ चेहरे की त्वचीय विकृतियों की विभिन्न एक्सिशनल बायोप्सी, लोबुलोप्लास्टी, निशान संशोधन और विभिन्न हाथ प्रक्रियाएं जैसे फ्रैक्चर फिक्सेशन, ट्रिगर फिंगर रिलीज, टेंडन रिपेयर, हाथ के विभिन्न ट्यूमर का छांटना शामिल हैं। विभाग नेफ्रोलॉजी विभाग के साथ मिलकर एवी फिस्टुलस बनाने और एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के साथ मधुमेह के प्रबंधन में विभिन्न प्रक्रियाओं को करने में लगा हुआ है। वर्ष 2022-23 में विभाग द्वारा कुल 202 (बड़ी और छोटी) प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। विभाग ऊर्ध्वाधर एकीकृत कक्षाओं और सामान्य सर्जरी कक्षाओं में स्नातक छात्रों के शिक्षण में भी शामिल है आउटरीच सामुदायिक भागीदारी में, विभाग ने विश्व स्वास्थ्य दिवस 2022 के अवसर पर *'दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्सव - वी केयर'* में भाग लिया। विभाग ने बिलासपुर के विभिन्न स्कूलों में सुरक्षित दिवाली प्रथाओं, पटाखों के खतरों और आकस्मिक जलने की स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक आउटरीच गतिविधि- 'सुरक्षित दिवाली उत्सव' भी आयोजित की।

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई/ सम्मेलन | तिथि | आयोजक एवं स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नवनीत शर्मा | विस्फोट में घायल और पटाखे से घायल | एनएबीआई मिडटर्म सीएमई | 19.01.2022 | एम्स नई दिल्ली |

### सामुदायिक सेवा

1. विश्व स्वास्थ्य दिवस 2022 के अवसर पर 'दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्सव- वी केयर' के लिए शिविर में भाग लिया।
2. बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के विभिन्न स्कूलों में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम 'दिवाली सेलिब्रेशन- आइये इसे सुरक्षित खेलें' आयोजित किया गया।

## कार्डियोलॉजी विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू | सहायक प्राध्यापक | 04.10.2022 |

### विभाग के विषय में

कार्डियोलॉजी विभाग ने अक्टूबर 2022 में डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू के सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल होने के साथ काम करना शुरू कर दिया। उसी महीने ओपीडी सेवाओं और इकोकार्डियोग्राफी की सुविधा को कार्यात्मक बना दिया गया। वर्तमान में विभाग ओपीडी सेवाएं (तीन दिन/सप्ताह), इकोकार्डियोग्राफी सेवाएं (2 दिन/सप्ताह) और सीमित आईपीडी सेवाएं (मेडिसिन विभाग वार्ड के साथ) प्रदान करता है। विभाग में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में विभाग लगभग 400-450 मरीजों/माह को ओपीडी सेवाएं और लगभग 180-200 मरीजों/माह को इकोकार्डियोग्राफी सेवाएं प्रदान करता है। इसके अलावा विभाग अन्य विभागों में भर्ती मरीजों को कार्डियोलॉजी परामर्श और हृदय संबंधी लक्षणों या बीमारी वाले मरीजों को प्री-ऑपरेटिव फिटनेस प्रदान करता है, जिनकी गैर कार्डियक सर्जरी की योजना है। विभाग मेडिसिन विभाग के सहयोग से सीमित आपातकालीन सेवाएं भी प्रदान करता है। विभाग संस्थान के यूजी शिक्षण कार्यक्रम में शामिल है, जिसमें एमबीबीएस छात्रों को नियमित रूप से कार्डियोलॉजी विभाग में उनकी नैदानिक पोस्टिंग के लिए तैनात किया जाता है।

निकट भविष्य में, विभाग का लक्ष्य जरूरतमंद रोगियों के लिए स्टेंटिंग, पेसमेकर आदि सहित हृदय संबंधी हस्तक्षेपों के लिए कार्डियोलॉजी वार्ड और कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला (कैथ लैब) के कामकाज के साथ अपनी स्वयं की आईपीडी सेवाएं शुरू करना है।आने वाले महीनों में ट्रेडमिल परीक्षण (टीएमटी), होल्टर मॉनिटरिंग और अन्य गैर-इनवेसिव जांच की सुविधा भी कार्यात्मक होने की संभावना है। विभाग का लक्ष्य चिकित्सा विभाग के सहयोग से संस्थान के पीजी शिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना भी है|

### पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां:

1. अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
2. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज, बायोटेक्नोलॉजी एंड फार्मा रिसर्च (IJLBPR, EMBASE में अनुक्रमित) के संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में चयनित
3. 9-10 दिसंबर 2022 को कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फर्दीदकोट द्वारा आयोजित स्फीयर (व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल) के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया। एक विशेषज्ञ लेख 'लिंग पूर्वाग्रह' भी प्रकाशित किया। इस्केमिक हृदय रोग में एंटीथ्रॉम्बोटिक थेरेपी: सम्मेलन की स्मारिका में येंटल सिंड्रोम का मुकाबला करने का समय।
4. कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा हृदय रोगों के बारे में आयोजित 'कैच 22' सर्वेक्षण में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
5. विभिन्न सम्मेलनों और वेबिनारों में एक प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी: हार्ट फेल्योर एसोसिएशन ऑफ इंडिया सम्मेलन- फरवरी 2023, इंडिया लाइव (मार्च 2023), योग्यता उन्मुख चिकित्सा शिक्षा- समय की आवश्यकता, वेबिनार (जनवरी 2023), कार्डियोवास्कुलर बायोबैंकिंग वेबिनार (फरवरी 2023).

### सामुदायिक सेवा

डॉ. नवदीप सिंह सिद्धू ने सर्दियों के मौसम में दिल के दौरे सहित हृदय रोगों के बारे में 'पंजाब केसरी' अखबार को एक शैक्षणिक साक्षात्कार दिया (प्रकाशित 7 जनवरी 2023)।

## कार्डियोथोरेसिक शल्य-चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. विकास कुमार | सह-प्राध्यापक | 01.08.2022 |
| 2. | डॉ. लक्ष्मी कुमारी संख्यान | सहायक प्राध्यापक | 09.11.2020 |

### विभाग के विषय में

विभाग कार्डियोथोरेसिक और संवहनी रोगों के रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। ऑपरेशन थिएटर और आंतरिक रोगी सेवाओं को जल्द से जल्द चालू करने के लिए उपकरण और उपकरणों की खरीद की जा रही है। परफ्यूज़निस्टों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। विभागीय योजना कार्डियक एनेस्थेटिस्ट की भर्ती और उपकरणों की खरीद के बाद वयस्क कार्डियोथोरेसिक और संवहनी रोगों के लिए वैकल्पिक सर्जरी और आपातकालीन सेवाएं शुरू करने की है। तदनुसार, नर्सिंग अधिकारियों, परफ्यूज़निस्ट और ओटी तकनीशियनों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। विभाग शरीर रचना विज्ञान और सर्जरी में प्रासंगिक विषयों को कवर करने वाले स्नातक के लिए एकीकृत शिक्षण कार्यक्रम में शामिल रहा है।

### प्रकाशन

1. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, स्पाइसर डीई, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, पांडे एनएन, गोजा एस, चंधिरासेकर बी। ट्रांसपोज़िशन के शारीरिक सुधार में कोरोनरी धमनी पुन: प्रत्यारोपण की तकनीक और नुकसान। कार्डिएक सर्जरी जर्नल. 2022 नवम्बर;37(11):3813-24.
2. चौधरी यूके, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, प्रदीप डी, चिट्टीमुरी सी, चौहान ए, पांडे एनएन, गोजा एस। फॉन्टन विफलता: फेनोटाइप्स, मूल्यांकन, प्रबंधन और भविष्य की दिशाएँ। युवाओं में कार्डियोलॉजी. 2022 अक्टूबर;32(10):1554-63.
3. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, पांडे एनएन, शर्मा एस, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, गोजा एस, अरविंद बी। साइनस वेनोसस दोष का पुनर्मूल्यांकन। कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी के यूरोपीय जर्नल. 2022 जून 1;61(6):1211 22.
4. स्पाइसर डीई, चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, पांडे एनएन, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, गोजा एस, मलिक वी। आइसोमेरिक अलिंद उपांगों के साथ हृदय की सर्जिकल शारीरिक रचना-सर्जिकल प्रबंधन के लिए निहितार्थ। कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी के यूरोपीय जर्नल. 2022 जुलाई 1;62(1):ezac139।
5. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, स्पाइसर डीई, **सांख्यान एलके**, पांडे एनएन, गोजा एस, राजशेखर पी, अरविंद बी, प्रदीप डी. आइसोमेरिक एट्रियल उपांगों के साथ हृदय का सर्जिकल प्रबंधन। कार्डिएक सर्जरी जर्नल. 2022 मई;37(5):1340-52.
6. स्पाइसर डीई, एंडरसन आरएच, चौधरी यूके, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, पांडे एनएन, गुप्ता एसके, गोजा एस। मल्टीपल वेंट्रिकुलर सेप्टल दोषों की शारीरिक विशेषताओं का पुनर्मूल्यांकन। कार्डिएक सर्जरी जर्नल. 2022 मई;37(5):1353-60.
7. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, स्पाइसर डीई, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, पांडे एनएन, गोजा एस, चंधिरासेकर बी। कॉन्कॉर्डेंट वेंट्रिकुलो-धमनी कनेक्शन की सेटिंग में ट्रांसपोज़िशन फिजियोलॉजी। कार्डिएक सर्जरी जर्नल. 2022 सितम्बर;37(9):2823-34.
8. ऐएलो वी, असद आर. जब शरीर विज्ञान का विवरण रूपात्मक निदान में जोड़ता है और नैदानिक और शल्य चिकित्सा प्रबंधन के विश्लेषण का मार्गदर्शन करता है। जर्नल ऑफ़ कार्डिएक सर्जरी, 16 जून 2022, 37(9):2835-2836। डीओआई: 10.1111/जॉक्स.16689 "समवर्ती वेंट्रिकुलो-धमनी कनेक्शन की सेटिंग में ट्रांसपोज़िशन

फिजियोलॉजी" पर आमंत्रित टिप्पणी। जे कार्ड सर्जन. 2022 सितम्बर;37(9):2823-2834

9. "समवर्ती वेंट्रिकुलो-धमनी सम्बन्ध की सेटिंग में ट्रांसपोज़िशन फिजियोलॉजी" पर आमंत्रित टिप्पणी। जे. कार्ड सर्जन 2022;37(9):2823-2834

10. जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, गोजा एस, अवनीश एस, रघुप्रकाश एस, गुप्ता एस, पांडे एनएन, चौधरी यूके। थ्रोम्बोस्ड एओर्टिक मैकेनिकल प्रोस्थेसिस वाले रोगी में सेंट जूड मेडिकल मैकेनिकल प्रोस्थेसिस का उपयोग करके रेडो एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट का तकनीकी विवरण: एक वीडियो प्रस्तुति। जर्नल ऑफ़ कार्डिएक क्रिटिकल केयर टीएसएस। 2022 जुलाई;6(02):162-4. डीओआई: 10.1055/एस-0042-1757367

11. गोजा एस, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, रघुप्रकाश एस, गुप्ता एस, शर्मा एस, कपूर पीएम, चौधरी यूके। विकृत माइट्रल एपिक बायोप्रोस्थेसिस वाले रोगी में ट्रांससेप्टल दृष्टिकोण के माध्यम से सेंट जूड मेडिकल मैकेनिकल प्रोस्थेसिस का उपयोग करके माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट को फिर से करें: एक वीडियो प्रस्तुति। जर्नल ऑफ़ कार्डिएक क्रिटिकल केयर टीएसएस। 2022 जुलाई;6(02):165-7.डीओआई: 10.1055/एस-0042-1757365

## सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. अनुपम पराशर | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | 14.06.2022 |
| 2. | डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे | अतिरिक्त प्राध्यापक | 16.11.2020 |
| 3. | डॉ. नवप्रीत सिंह | सहायक प्राध्यापक | 05.12.2020 |
| 4. | डॉ. अनुपमा धीमान | सहायक प्राध्यापक | 05.12.2020 |
| 5. | डॉ. निकिता शर्मा | सहायक प्राध्यापक | 13.06.2022 |

### विभाग के बारे में

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश की स्थापना के दौरान कार्यात्मक होने वाले विभागों में से एक है। (डॉ) वीर सिंह नेगी, कार्यकारी निदेशक के मार्गदर्शन में, विभाग शिक्षण, अनुसंधान और सेवा के वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए विकसित राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं का जवाब देने की कल्पना करता है, जो ज्ञान को कार्रवाई में बदलने के लिए एक पेशेवर कार्यबल बनाता है और इस प्रकार समुदायों के स्वास्थ्य में सुधार करता है। विभाग में वर्तमान में पांच संकाय सदस्य, एक वरिष्ठ निवासी, दो नर्सिंग अधिकारी, एक लैब तकनीशियन, एक सांख्यिकीविद्, दो लैब अटेंडेंट, एक लोअर डिवीजन क्लर्क और एक स्वच्छता परिचारक है।

स्नातक छात्रों को शिक्षण और प्रशिक्षण के माध्यम से, विभाग का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और समुदाय-उन्मुख, रोगी-केंद्रित, दयालु, उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा पेशेवरों के उत्पादन में उत्कृष्टता प्रदान करना है। सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के लिए, छात्रों को उप स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल और सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों, *जैसे दूध संयंत्र, जल उपचार संयंत्र,* सीवेज उपचार संयंत्र, वृद्धाश्रम, बाल देखभाल संस्थान, बिलासपुर जिले में विशेष रूप से विकलांगों के लिए पुनर्वास केंद्र जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों के बारे में जानकारी दी जाती है। परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के ब्लॉक मारकंद में एमबीबीएस छात्रों के लिए परिवारों की पहचान की जा रही है और उन्हें आवंटित किया जा रहा है।

विभाग ने 17.08.2022 को पांच साल से कम उम्र के बच्चों के नियमित टीकाकरण के लिए एम्स बिलासपुर के ओपीडी ब्लॉक में टीकाकरण क्लिनिक शुरू किया। नियमित टीकाकरण के अलावा, वयस्क टीकाकरण के लिए वैकल्पिक टीके भी किए जा रहे हैं। कुल 1290 लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया है। विभाग ने जून 2021 से कोविड टीकाकरण केंद्र का प्रबंधन किया है, जिसके माध्यम से अब तक 5805 लाभार्थियों को टीका लगाया गया है। सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा संकाय विभाग ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति और चंबा के दूरदराज और जनजातीय जिलों में संस्थान द्वारा आयोजित बहु-विशेषता शिविरों और विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। स्वास्थ्य दिवसों, जैसे विश्व स्तनपान सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व टीबी दिवस, विश्व एड्स दिवस आदि के अवलोकन के माध्यम से समुदाय में सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियां की जा रही हैं, ताकि लोगों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाया जा सके। विभाग राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और वैक्सीन रोकथाम योग्य रोग निगरानी जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सर्वोत्तम कामकाज के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ सहयोग करता है। विभाग सुंदरनगर, मंडी में विकलांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र के साथ सहयोग करता है। सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग को सिविल अस्पताल मारकंद को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र और पीएचसी/हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर रौरा को शहरी स्वास्थ्य केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार से

मंजूरी मिल गई है। यह इन केंद्रों के माध्यम से स्नातक छात्रों को शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है |

**तत्काल भविष्य की दृष्टि:**

1. अनुसंधान की सुविधा के लिए विभाग में एक महामारी विज्ञान इकाई, सांख्यिकीय इकाई, मेडिको-सोशल वर्क सेक्शन और स्वास्थ्य शिक्षा अनुभाग की स्थापना।
2. परिवार गोद लेने के कार्यक्रम के तहत समुदाय में शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों का विस्तार करने और सामुदायिक सेवाओं का विस्तार करने के लिए संकाय सदस्यों, वरिष्ठ निवासियों, सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्सों, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य शिक्षकों की भर्ती।
3. पोर्टेबल/हैंडहेल्ड/प्वाइंट ऑफ केयर उपकरण और रैपिड डायग्नोस्टिक किट की मदद से समुदाय में गैर-संचारी रोगों, संचारी रोगों और पोषण की कमी वाले रोगों के लिए स्क्रीनिंग।
4. ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र में रोगी देखभाल एवं सामुदायिक सेवाओं की स्थापना।
5. विभाग में प्रयोगशाला सेवाओं का विस्तार, अत्याधुनिक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

**सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन**

1. एम्स बिलासपुर में 10.10.2022 को 'फ्रंट ऑफ पैकेज लेबल (एफओपीएल) भारत में एनसीडी बोझ को संबोधित करने के लिए एक आवश्यक उपकरण के रूप में' विषय पर वेबिनार।
2. अखिल भारतीय आयुवज्ञान संस्थान, बिलासपुर के संकाय, स्टाफ और नर्सिंग अधिकारियों के लिए कार्यस्थल पर लैंगिक समानता और यौन उत्पीड़न पर संवेदीकरण कार्यक्रम।
3. इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए राष्ट्रीय आयोजन समिति के सदस्य, 2-4 फरवरी 2023 को हैदराबाद, तेलंगाना में।
4. एम्स बिलासपुर में 14 से 16 मार्च 2023 तक चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी पर पहली संकाय कार्यशाला के लिए आयोजन समिति के सदस्य।

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई/ सम्मेलन | तिथि | आयोजक एवं स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. अनुपम पराशर | कोविड-19 - सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आगे का रास्ता | एचपी चैप्टर: इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन कॉन्फ्रेंस 2022 | 26.11.2022-27.11.2022 | एसएलबीएस सरकारी मेडिकल कॉलेज, नेरचौक मंडी (हिमाचल प्रदेश) |
| 2. | डॉ. अनुपम पराशर | सामुदायिक चिकित्सा अनुशासन में शिक्षाविदों में सुधार | इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन कॉन्फ्रेंस 2022 का उत्तर क्षेत्र अध्याय | 10.12.2022-11.12.2022 | एम्स बठिंडा |
| 3. | डॉ. मीनल म. ठाकरे | वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव | जिला नोडल अधिकारियों के लिए | 22.02.2023 | यूएनईपी और एनसीडीसी, नई दिल्ली के |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | क्षमता निर्माण कार्यक्रम। | | प्रायोजन के तहत आईआईटी कानपुर। |
| 4. | डॉ. मीनल म. ठाकरे | मेडिकल कॉलेजों/ पेशेवरों की भूमिका-भारत में एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण को आगे बढ़ाने के लिए वायु प्रदूषण पर बहुआयामी कार्रवाई | एनसीडी और वायु प्रदूषण पर 7 वां राष्ट्रीय नागरिक समाज परामर्श | 28.03.2023 | स्वस्थ भारत गठबंधन (इंडिया एनसीडी एलायंस) और सीएपीएचईआर-इंडिया। |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हिमाचल प्रदेश राज्य में कृषि पर रहने वाले लोगों के बीच कीटनाशक जोखिम और अनिर्धारित मूल (सीकेडीयू) की क्रोनिक किडनी रोग। | डॉ. अनुपम पराशर (प्रमुख अन्वेषक), डॉ. अनुपमा धीमान (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | 5,60,000/- |
| 2. | भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान एनसीडी सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना: राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं का आकलन। | डॉ. मीनल म. ठाकरे (साइट सह-अन्वेषक और संसाधन संकाय) | बाह्य वित्त पोषित | 2 वर्ष | संपन्न | 15,00,000/- (कुल मिलाकर) |
| 3. | "हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में स्वचालित और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ जीवन शैली से संबंधित रोग बायोमाकर्स के एसोसिएशन का आकलन: एक व्यापक अवलोकन क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन"। | डॉ. मीनल म. ठाकरे (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | 25,00,000/- |
| 4. | हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायडरोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन। | डॉ. नवप्रीत (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 3 वर्ष | जारी | 19,64,880/- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5. | हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने के लिए पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। | डॉ. नवप्रीत (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 16 माह | जारी | 5,37,300/- |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. जयश्री के, थंगराज जे, राडे के, एट अल। भारत में टीबी को समाप्त करने की दिशा में प्रगति की निगरानी के लिए तीन तरीकों का उपयोग करके उप-राष्ट्रीय स्तर पर तपेदिक की घटनाओं का आकलन, 2015-2020। बीएमजे ओपन 2022; 12:e060197. दोई: 10.1136 / bmjopen-2021-06019
2. वर्मा पी, शर्मा एन, गुलाटी ए, शर्मा आर, पराशर ए, कौंडल ए. स्तन कैंसर में सर्जिकल नमूनों के साथ कोर बायोप्सी की आणविक प्रोफाइलिंग की तुलना और उसी पर नियोएडजुवेंट थेरेपी के प्रभाव - एक उत्तर भारतीय अध्ययन। जे कैन रेस थेर 2023; 19: 198-202।
3. कौशल के, पराशर ए, धडवाल डी एस, जसवाल वीएमएस, जेरेट पी, मज्ता एस. एमडीआरएफ आईडीआरएस जोखिम स्कोर सत्यापन के एक भाग के रूप में क्योर -9 प्रश्नावली का उपयोग करके शिमला की वयस्क आबादी के बीच मधुमेह के बारे में जागरूकता और ज्ञान। स्वास्थ्य व्यवसायों में शिक्षा 6 (1): 27-33, जनवरी-अप्रैल 2023। डीओआई: 10.4103 / EHP_24_22
4. गोयल एनके, सिंह जीपी, ठाकरे एमएम, वालिया डीके, शर्मा डी. महामारी विज्ञान सर्वेक्षण चंडीगढ़, भारत के स्कूल जाने वाले ग्रामीण किशोरों में अवसादग्रस्तता के लक्षणों की पहचान करने के लिए। जे मानसिक स्वास्थ्य हम बेहव 2023; 28: 59-64।
5. ठाकरे मीनल एम, नवप्रीत, धीमान ए। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक कोविड टीकाकरण केंद्र में टीकाकरण के लिए आने वाले लाभार्थियों की प्रोफाइल। जर्नल ऑफ इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, चंडीगढ़ स्टेट ब्रांच 2022: 1.
6. ठाकरे मीनल एम, करोल एस एनएमसी का फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम: ए वरदान: इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च। जर्नल ऑफ इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आईपीएचए), चंडीगढ़ राज्य शाखा, चंडीगढ़ (यूटी)। 2023;1:31-32.
7. कंवर एस, नवप्रीत। उत्तर भारत में पहाड़ी राज्य के एक जिले में आयुष्मान भारत के कार्यान्वयन और चुनौतियों का अध्ययन करना। बायोमेडिकल और फार्मास्युटिकल साइंसेज के यूरोपीय जर्नल। 2022; 9(5): 127-31
8. मेहरा आरके, गुप्ता पी, सिंह एन. भारतीय आबादी के बीच कोविड-19 की गंभीरता का आकलन करने में जैव रासायनिक और भड़काऊ मार्करों की भूमिका: एक अवलोकन अध्ययन। जे रेस क्लिन मेड 2022; 10(10):1-7.
9. तिवारी वी, अली एफबी, पात्रा ए, धीमान ए, शर्मा एसके। ओलेक्रैन एपर्चर की पहेली और आधुनिक भारतीय आबादी में ह्यूमरस के बाहर के छोर से इसका संबंध: एक शारीरिक और शल्य चिकित्सा परिप्रेक्ष्य। आकृति विज्ञान। https://doi.org/10.1016/j.morpho.2022.08.001।
10. पाधी बीके, चक्रपाणि वी, गुप्ता एम, शर्मा एन, पात्रो बीके, कर एसएस, एट अल। भारत में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के बीच कोविड-19 टीके प्राप्त करने की इच्छा में रुझान: बार-बार क्रॉस-सेक्शनल राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्ष। फ्रंट पब्लिक हील। 2022;0:3596.

**11.** शर्मा एन, पर्सिस जे, अग्रवाल ए, नड्डा ए. टेलीसाइकेट्री के माध्यम से कोविड-19 महामारी में स्किज़ोफ्रेनिया का प्रबंधन। स्वास्थ्य प्रणाली और कार्यान्वयन अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2022; 6(2):39-46.

**12.** वर्मा एम, शर्मा एन, भट्ट जी, गोयल एस. हरियाणा, भारत के युवा वयस्कों के बीच प्रभावी तंबाकू नियंत्रण के लिए हस्तक्षेप के बारे में तंबाकू विरोधी कानूनों और धारणाओं के बारे में जागरूकता। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ 2023; 67:92

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. अनुपम पराशर**

1. केंद्रीय टीम सदस्य राष्ट्रीय एचआईवी प्रहरी निगरानी संस्थान, एम्स, नई दिल्ली, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, एमओएचएफडब्ल्यू भारत सरकार।
2. सदस्य राज्य टास्क फोर्स राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश सरकार।
3. टीबी मुक्त स्थिति के उप-राष्ट्रीय प्रमाणन की निगरानी के लिए जिला नोडल अधिकारी, एमओएचएफडब्ल्यू सरकार।
4. एमडी सामुदायिक चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग मूल्यांकनकर्ता।

**डॉ. मीनल ठाकरे**

1. वर्ष 2022-23 में प्रदान की गई अनुकरणीय सेवाओं के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन से "प्रेसिडेंशियल सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन" पुरस्कार।
2. "भारत सरकार के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक" के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के आकलन के लिए प्रमाणित राष्ट्रीय बाहरी मूल्यांकनकर्ता दिसंबर 2022।
3. "एनीमिया मुक्त भारत" के लिए मास्टर ट्रेनर अगस्त 2022।
4. "महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लिंग आधारित हिंसा और मानवाधिकार" पर प्रमाणित प्रशिक्षक और विशेषज्ञ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, भारत सरकार, अक्टूबर 2022।

**डॉ. नवप्रीत**

1. एनपीटीईएल-एआईसीटीई संकाय विकास कार्यक्रम के रूप में 'स्वास्थ्य संवर्धन और शिक्षा हस्तक्षेप की मूल बातें' (जुलाई-सितंबर 2022), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।

**डॉ. अनुपमा धीमान**

1. एनपीटीईएल-एआईसीटीई संकाय विकास कार्यक्रम के रूप में 'स्वास्थ्य संवर्धन और शिक्षा हस्तक्षेप की मूल बातें' (जुलाई-सितंबर 2022), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।

**डॉ. निकिता शर्मा**

1. जून 2022 में मेडिकल साइंसेज में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा सामुदायिक चिकित्सा में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) से सम्मानित किया गया।

**सामुदायिक सेवा**

**डॉ. अनुपम पराशर**

1. अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस पर 03.12.2022 को समग्र क्षेत्रीय केंद्र, सुंदरनगर, जिला मंडी में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया
2. जवाहर नवोदय विद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां (नवंबर 2022 से आयोजित मासिक गतिविधि)
3. एम्स बिलासपुर में जुलाई 2022 के दौरान खुले में शौच के प्रति निर्माण श्रमिकों को संवेदनशील बनाना (आयोजित)

4. नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, स्वास्थ्य वार्ता, आंगनवाड़ी, पंचायत घर, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों, स्कूलों में छोटे समूह चर्चा के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के दिनों का अवलोकन।

**डॉ. मीनल म. ठाकरे**

1. गैर-संचारी रोगों के लिए सेवाओं की जांच के लिए सर्वेक्षण जिला बिलासपुर
2. क्षेत्रीय अस्पताल में चिकित्सा शिविर 10-12 मई 2022
3. विकलांगव्यक्तियों के लिए बहु-विषयक शिविर का आयोजन 05.04.2022
4. विश्व जनसंख्या दिवस " 11.07.2022
5. विश्व एड्स दिवस की गतिविधियाँ 01.12.2022

**डॉ. नवप्रीत सिंह**

1. एम्स बिलासपुर में 05.04.2022 को विशेष ओलंपिक भारत के दौरान दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य जांच में सक्रिय भागीदारी
2. सीआरसी सुंदरनगर, जिला मंडी के साथ समझौता ज्ञापन के हिस्से के रूप में एनआईईपीवीडी देहरादून में उपलब्ध मानव संसाधनों और सेवाओं का अवलोकन करने के लिए एम्स बिलासपुर की टीम के एक हिस्से के रूप में राष्ट्रीय दृश्य विकलांग जन सशक्तिकरण संस्थान (दिव्यांगजन), देहरादून, उत्तराखंड (03.05.2022- 04.05.2022) का दौरा किया।
3. विश्व जनसंख्या दिवस 2022 पर 11.07.2022 को पंचायत घर, मंडी मनवा, बिलासपुर में समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया
4. एम्स बिलासपुर में जुलाई 2022 के महीने के दौरान निर्माण श्रमिकों को खुले में शौच के प्रति संवेदनशील बनाना।
5. अपना घर वृद्धाश्रम, *देवली, बिलासपुर* में दिनांक 01.10.2022 को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।
6. जवाहर नवोदय विद्यालय, कोठीपुरा, बिलासपुर में दिनांक 01.12.2022 को विश्व एड्स दिवस पर विद्यार्थियों के बीच क्विज प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता के आयोजन में सक्रिय भागीदारी।
7. समग्र क्षेत्रीय केंद्र, सुंदरनगर, जिला मंडी में दिनांक 03.12.2022 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर में सक्रिय भागीदारी
8. विश्व टीबी दिवस 2023 पर 24.03.2023 को ग्राम पंचायत, कोठीपुरा, ब्लॉक मारकंड और एम्स बिलासपुर में समुदाय को स्वास्थ्य जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
9. जवाहर नवोदय विद्यालय, कोठीपुरा, बिलासपुर में छात्रों के बीच स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों का आयोजन किया।
10. जनवरी से मार्च 2023 के दौरान एसटीईएम के एक हिस्से के रूप में एम्स बिलासपुर का दौरा करने वाले विभिन्न स्कूलों के छात्रों को संवेदनशील बनाना।
11. ग्राम राजपुरा, नोआ और कोठीपुरा, ब्लॉक मारकंद, बिलासपुर में एमबीबीएस छात्रों द्वारा क्षेत्र के दौरे के दौरान समुदाय में परिवार के सदस्यों को निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान करना।
12. बिलासपुर के घुमारवीं और मारकंद ब्लॉक में बाल रोग संस्थान, विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए संस्थान और वृद्धाश्रम के दौरे के दौरान स्वास्थ्य शिक्षा और निवारक स्वास्थ्य के बारे में परामर्श प्रदान करना।

**डॉ. अनुपमा धीमान**

1. एम्स बिलासपुर में 05.04.2022 को विशेष ओलंपिक भारत के दौरान दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य जांच में सक्रिय भागीदारी।

2. पंचायत घर, मंडी मनवा जिला बिलासपुर में 11.07.2022 को "विश्व जनसंख्या दिवस 2022" पर समुदाय को जागरूकता प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।
3. जुलाई 2022 के महीने के दौरान एम्स में खुले में शौच पर निर्माण श्रमिकों को संवेदनशील बनाना।
4. 01.12.2022 को जवाहर नवोदय विद्यालय, कोठीपुरा, बिलासपुर में छात्रों के बीच कुछ स्वास्थ्य शिक्षा सत्र के साथ-साथ "विश्व एड्स दिवस 2022" पर जेएनवी के छात्रों के बीच क्विज और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करने में सक्रिय भागीदारी।
5. जनवरी से मार्च 2023 के दौरान एसटीईएम के एक भाग के रूप में विभिन्न स्कूलों से एम्स आने वाले छात्रों को संवेदनशील बनाना।
6. ग्राम राजपुरा, नोआ और कोठीपुरा, ब्लॉक मारकंद, बिलासपुर में एमबीबीएस छात्रों के क्षेत्र भ्रमण के दौरान परिवार के सदस्यों के बीच रोग की रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले व्यवहार के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान किया।
7. बाल देखभाल संस्थानों, विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए संस्थान और ब्लॉक घुमारवीं और मारकंद, बिलासपुर में वृद्धाश्रम के क्षेत्र दौरे के दौरान रोग की रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले व्यवहार के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श प्रदान किया
8. 24.03.23 को ग्राम पंचायत, कोठीपुरा और एम्स बिलासपुर में "विश्व टीबी दिवस 2023" के अवसर पर समुदाय को जागरूकता प्रदान करने और नुक्कड़ नाटक और रैली आयोजित करने में सक्रिय भागीदारी।
9. एम्स बिलासपुर में स्वच्छता कर्मचारियों के हेपेटाइटिस बी टीकाकरण के संबंध में स्वच्छता प्रभारी के साथ समन्वय किया।
10. ट्रांसजेंडर अधिकारों, समस्याओं, बीमारियों और उपचार के बारे में नर्सिंग अधिकारियों और नर्सिंग छात्रों को संवेदनशील बनाना।

**डॉ. निकिता शर्मा**

1. नवंबर, 2022 में बिलासपुर के कोठीपुरा में जवाहर नवोदय विद्यालय में किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता पर स्वास्थ्य संवर्धन और शिक्षा सत्र प्रदान किया।
2. निर्माण श्रमिकों के लिए खुले में शौच की रोकथाम और जुलाई, 2022 में एम्स को खुले में शौच से मुक्त बनाने पर जागरूकता सत्र आयोजित किया।
3. दिसंबर, 2022 में मादक द्रव्यों के सेवन और इसकी रोकथाम के बारे में एमबीबीएस छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य वार्ता दी।
4. पोस्टर मेकिंग, क्विज प्रतियोगिता, स्कूलों और पंचायत घर में *नुक्कड़ नाटकों* के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के दिनों पर कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

## दंत चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. दिनेश कुमार वर्मा | प्राध्यापक एवं चिकित्सा अधीक्षक(ओ) | 16.11.2020 |
| 2. | डॉ. अनुराग नेगी | सहायक प्राध्यापक | 02.12.2020 |
| 3. | डॉ. नीरज कुमार | सहायक प्राध्यापक | 06.04.2021 |

### विभाग के विषय में

ऑर्थोपेडिक्स और पेडोडॉन्टिक्स और प्रिवेंटिव दंत चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम है। दंत चिकित्सा विभाग का लक्ष्य अत्याधुनिक विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकियों के साथ मौखिक और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स और पेडोडॉन्टिक्स और निवारक दंत चिकित्सा की विशेषज्ञता में एकीकृत और विशिष्ट दंत चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है।

विभाग ने नवंबर 2022 में 3 डेंटल चेयर की स्थापना के साथ अपनी ओपीडी सेवाएं शुरू की हैं। संकाय एमबीबीएस छात्रों के लिए सैद्धांतिक व्याख्यान और नैदानिक प्रदर्शन दोनों सहित शैक्षणिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल है। दंत चिकित्सा विभाग रोगियों और सामान्य आबादी के लाभ के लिए आउटरीच कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से शामिल है। दंत चिकित्सा विभाग के संकाय नियमित रूप से विभिन्न समितियों में योगदान करते हैं।

### सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए:

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. दिनेश कुमार वर्मा | ऑर्थोगैथिक सर्जरी में स्प्लिंट्स- उपयोग करें या न करें | AOMSI 2022, इंदौर के 46 वें वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता | 19.11. 2022 | एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन ऑफ इंडिया |
| 2. | डॉ. दिनेश कुमार वर्मा | डेंटल प्रैक्टिस में मेडिकल आपात स्थितियों के प्रबंधन पर एनपीटीईएल पाठ्यक्रम के लिए संकाय | एनपीटीईएल के तहत एमओओसी पाठ्यक्रम | 21.02. 2022 से 15.04. 2022 | प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम |
| 3. | डॉ. अनुराग नेगी | एक संसाधन संकाय के रूप में व्यवस्थित समीक्षा पर व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित करना | क्राफ्टिंग की कला और विज्ञान असाधारण अनुसंधान | 01.12. 2022 से 02.12. 2022 | जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली |
| 4. | डॉ. नीरज कुमार | पत्र - सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड की वर्तमान अवधारणाएँ: एक साक्ष्य आधारित साहित्य समीक्षा<br>अध्यक्ष- एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की | 18 वां आईएसपीपीडी राष्ट्रीय स्नातकोत्तरसम्मेलन | अप्रैल 2022 | केजीएमसी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 5. | डॉ. नीरज कुमार | पत्र -आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में एक क्रांतिकारी पथ | की तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस | अगस्त 2022 | साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री |
| 6. | डॉ. नीरज कुमार | अध्यक्ष- एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की | 43 वां आईएसपीपीडी राष्ट्रीय सम्मेलन | नवंबर 2022 | पीपुल्स डेंटल कॉलेज और अस्पताल भोपाल (म.प्र.) |
| 7. | डॉ. नीरज कुमार | व्याख्यान देने और कार्यशाला आयोजित करने के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया "नमूने के तरीके और नमूना आकार अनुमान" बाहरी संकाय व्याख्यान श्रृंखला 3 के साथ चैट करें | कार्यशाला और व्यवहार - नमूनाकरण और नमूना आकार अनुमान के तरीके | जनवरी 2023 | श्री रामचन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, चेन्नई, तमिलनाडु |
| 8. | डॉ. नीरज कुमार | पत्र -सोडियम हाइपोक्लोराइट: सिंचाई या जलन<br>अध्यक्ष- एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की | 19वां आईएसपीपीडी राष्ट्रीय स्नातकोत्तरसम्मेलन | फरवरी 2023 | सविता डेंटल कॉलेज<br>चेन्नई, तमिलनाडु |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | एम्स-बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के पास आंगनवाड़ी केंद्रों में जाने वाले 1-6 वर्ष के बच्चों में मौखिक स्वास्थ्य और मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में आंगनवाड़ी शब्दों और माताओं का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास (केएपी): एक पायलट अध्ययन | डॉ. नीरज कुमार (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. दिनेश कुमार वर्मा डॉ. अनुराग नेगी (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 1.5 वर्ष | जारी | 2,15,735/- |
| 2. | उत्तर भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में रहने वाले आदिवासियों के बीच मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति और उपचार की जरूरतों का आकलन | डॉ. अनुराग नेगी(प्रमुख अन्वेषक) डॉ. दिनेश कुमार वर्मा डॉ. नीरज कुमार सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | 12,31,120/- |

**प्रकाशन**

1. **वर्मा डीके**, बंसल एस, पहाड़ी केसी। क्या एमोक्सिसिलिन और क्लैवुलैनिक एसिड संसेचित प्लास्टर ऑफ पेरिस बीड्स तीसरी मोलर सर्जरी के लिए प्रणालीगत एंटीबायोटिक दवाओं के प्रभावी विकल्प के रूप में काम कर सकते हैं? स्प्लिट माउथ रैंडमाइज्ड क्लिनिकल परीक्षण। जे मैक्सिलोफैक ओरल सर्जन। सितम्बर;21(3):1015-1022 I 2022
2. मोहिदीन के, **नेगी ए***, **वर्मा डीके**, **कुमार एन**, सेन्नीमलाई के, नेगी ए। ऑर्थोग्नेथिक सर्जरी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग: एक स्कोपिंग समीक्षा। जे स्टोमेटोल ओरल मैक्सिलोफैक सर्जन। नवंबर;123(6):e962-e972. डीओआई: 10.1016/जे.जोरमास.2022.06.027. ईपीयूबी 2022 जुलाई 6. पीएमआईडी: 35803558. 2022
3. बंसल एस, बंसल एस, अग्रवाल वी, **वर्मा डीके**, पहाड़ी केसी, तालिब एचएस। भारत में टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त आंतरिक डिस्क विक्षोभ के रोगियों के बीच ड्रॉपआउट दर को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन - एक एकल संस्थान का अनुभव। नेटल जे मैक्सिलोफैक सर्जन 2022;13:457-61
4. कुमार जे, लाल बी, राय एजे, **वर्मा डीके**, अलगारसामी आर, शक्ति पी. मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा में ट्रैक्शन के लिए फोले के कैथेटर से निर्मित अनुकूलित इलास्टिक्स। एन नेटल अकैड मेड एससी। अगस्त 2023. डीओआई:10.1055/एस-0043-1772451
5. मोहिदीन के, **नेगी ए*,** सेन्नीमलाई के. ग्रसनी वायुमार्ग अनुभागों के कन्वेन्शनल तंत्रिका नेटवर्क-आधारित स्वचालित विभाजन के संबंध में स्पष्टीकरण। एम जे ऑर्थोड डेंटोफेशियल ऑर्थोप I 2023 फ़रवरी;163(2):143. doi : 10.1016/j.ajodo.2022.11.005. पीएमआईडी: 36710055. (संवाददाता लेखक)
6. **कुमार एन** , कुमारी आर, मिश्रा पी. ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के जोखिम कारकों और नैदानिक गंभीरता के बीच संबंध: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। यूरो जे फार्मा मेड रेस 2022; 9(10)352-357.
7. **कुमार एन** , कुमारी आर. दंत चिकित्सा में सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और नैदानिक निहितार्थ: एक कथात्मक समीक्षा। बीओएचआर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च इन डेंटिस्ट्री 2022; 1(1)49-53
8. **कुमार एन**, कुमारी आर. स्थायी दाढ़ के पूर्व-विस्फोट इंट्राकोरोनल रिसोर्प्टिव लेसियन में असामान्य जड़ विकास: एक दुर्लभ घटना। जे पीडियाट्र डेंट हाइग I 2022;2(1):1007

**सामुदायिक सेवा**

**डॉ. अनुराग नेगी**

1. मल्टीस्पेशलिटी कैंप आरएच केलोंग 10.05.2022 -12.05.2022 तक।
2. 05.04.2022 को एम्स, बिलासपुर में दिव्यांग जन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्सव (आजादी का अमृत महोत्सव) में भागीदारी ।

**डॉ.नीरज कुमार**

1. अप्रैल 2022 को एम्स बिलासपुर में 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव, स्पेशल ओलंपिक भारत अभियान के तहत बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए एक चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर में भाग लिया। इस शिविर में बच्चों और बुजुर्गों के मौखिक स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए 75 रोगियों की जांच की गई।
2. 3 दिसंबर 2022 को कंपोजिट रीजनल सेंटर, सुंदरनगर, हिमाचल प्रदेश में बच्चों, विकलांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस पर एक चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर में भाग लिया। कुल 84 मरीजों की जांच की गई और उपचार (निष्कर्षण, स्केलिंग और फिलिंग) किया गया।
3. मौखिक स्वास्थ्य प्रथाओं और मौखिक रोगों की रोकथाम के संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाली माताओं के ज्ञान का आकलन करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा किया गया । कुल 30 आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा किया गया और आंगनवाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों के मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति की जांच की गई।

## त्वचाविज्ञान, रतिजरोग एवं कुष्ठरोग विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. पायल चौहान | सहायक प्राध्यापक | 19.01.2021 |
| 2. | डॉ. मंजू दारोच | सहायक प्राध्यापक | 11.11.2020 |

### विभाग के विषय में

विभाग में वर्तमान में त्वचाविज्ञान, रतिजरोग एवं कुष्ठरोग के क्षेत्र में विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम है; जिसमें दो सहायक प्रोफेसर और एक वरिष्ठ निवासी शामिल हैं। विभाग वर्तमान में ओपीडी परामर्श, रोगी देखभाल और ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से टेलीकंसल्टेशन के माध्यम से रोगी देखभाल की सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग में विभिन्न त्वचाविज्ञान नैदानिक प्रक्रियाएं की जा रही हैं, जिसमें क्षेत्र में विशेषज्ञ संकाय के साथ त्वचा, बाल, नाखूनों की डर्मोस्कोपी, पैच टेस्ट, त्वचा बायोप्सी, और पैथोलॉजी संकाय के सहयोग से हिस्टोपैथोलॉजी स्लाइड समीक्षा शामिल है। विभिन्न निदानों में सहायता के लिए कोह माउंट, ग्राम दाग, एसिड फास्ट बेसिली, लेपरा दाग, गिम्सा दाग और गीले माउंट सहित त्वचा, बाल और नाखून की सूक्ष्मजीवविज्ञानी जांच प्रदान करने के लिए एक त्वचाविज्ञान साइड लैब भी स्थापित की गई है। मामूली ओटी सेवाएं दैनिक आधार पर प्रदान की जाती हैं जिसमें इलेक्ट्रोकेट्री, इलेक्ट्रोफुल्युरेशन, केमिकल कैटरी, रासायनिक छिलके, एक्सिशनल बायोप्सी, कान लोब की मरम्मत, लिपोमा एक्सिशन और अन्य प्रक्रियात्मक डर्मेटोसर्जरी शामिल हैं। विभाग पीआरपी/जीएफसी थेरेपी, फोटोथेरेपी, पीआरएफ ड्रेसिंग सहित उन्नत त्वचाविज्ञान देखभाल की सेवाएं प्रदान करता है। विभिन्न क्लीनिक चलाए जाते हैं जिनमें वर्णक क्लिनिक, सोरायसिस क्लिनिक, एक्जिमा क्लिनिक, डर्माटोसर्जरी क्लिनिक और बाल चिकित्सा क्लिनिक शामिल हैं।

**शिक्षण और प्रशिक्षण**: विभाग व्याख्यान, सेमिनार और नैदानिक पोस्टिंग लेने वाले स्नातक के शिक्षण में समर्पित रूप से शामिल है। विभाग स्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एकीकृत शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। बुनियादी डर्मेटोसर्जिकल प्रक्रियाएं और प्रयोगशाला प्रक्रियाएं भी यूजी पाठ्यक्रम का एक हिस्सा हैं।

**अनुसंधान:** त्वचाविज्ञान विभाग सक्रिय रूप से अनुसंधान गतिविधियों में शामिल है। संकाय पैथोलॉजी विभाग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग और स्त्री रोग विभाग के साथ समर्पित सहयोगी अनुसंधान में शामिल हैं।

**प्रशासनिक:** विभाग संकाय उपकरणों की खरीद, भर्ती परीक्षाओं के संचालन, परीक्षाओं के संचालन, रैगिंग विरोधी गतिविधियों, छात्रावास सलाहकार बोर्ड, संस्थागत सांस्कृतिक गतिविधियों से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में भी शामिल हैं।

**सामुदायिक भागीदारी:** विभाग विभाग में और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से रोगी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करता है।

**भविष्य की योजना**: पास और दूर से आने वाले मरीजों को लाभ पहुंचाने के लिए ओपीडी स्लॉट बढ़ाए गए हैं। निकट भविष्य में स्कारिंग एलोपेसिया के लिए क्रायोथेरेपी, होल बॉडी फोटोथेरेपी (यूवीए और यूवीबी), हेयर ट्रांसप्लांट की सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों की खरीद की गई है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अगले वर्ष शुरू होने की उम्मीद है, जिसके लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को स्थायी शैक्षणिक समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है ।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

विभागीय संकाय सितंबर 2022, धर्मशाला में आयोजित पहली हिमाचल प्रदेश त्वचाविज्ञान सोसायटी मीट की आयोजन टीम का हिस्सा था

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. पायल चौहान | "विटिलिगो रोग गतिविधि का आकलन करने में डर्मोस्कोपी की भूमिका" पर व्याख्यान | अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य और नैदानिक त्वचाविज्ञान सम्मेलन | 2-3अप्रैल 2022 | जीएमसी अमृतसर |
| 2. | डॉ. पायल चौहान | "संक्रामक विकारों की डर्मोस्कोपी" पर व्याख्यान | 48 वां क्यूटिकॉन पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश | 29, 30 अक्टूबर 2022 | सरकारी मेडिकल कॉलेज, पटियाला |
| 3. | डॉ. पायल चौहान | त्वचीय एंडोमेट्रियोसिस का स्लाइड चर्चा सत्र | डर्माटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन | 18-20 नवंबर, 2022 | पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ |
| 4. | डॉ. पायल चौहान | नवजात शिशु में पैथोलॉजिकल त्वचा की स्थिति | राष्ट्रीय नवजात सप्ताह 2022-नवजात शिशु देखभाल पर सीएमई | 21 नवंबर 2022 | एनएनएफ, भारत के सहयोग से नियोनेटोलॉजी विभाग। ऑनलाइन |
| 5. | डॉ. पायल चौहान | "ग्रैनुलोमैटस विकारों में डर्मोस्कोपी (केस-आधारित चर्चा) पर तीसरा डर्मोस्कोपी मास्टरक्लास | आभासी | 8 सितंबर, 2022 | IADVL EC & SIG DERMOSCOPY (IADVL ACADEMY) |
| 6. | डॉ. मंजू दारोच | नवजात शिशु में शारीरिक त्वचा की स्थिति | राष्ट्रीय नवजात सप्ताह 2022-नवजात शिशु देखभाल पर सीएमई | 21 नवंबर 2022 | एनएनएफ, भारत के सहयोग से नियोनेटोलॉजी विभाग। ऑनलाइन |
| 7. | डॉ. मंजू दारोच | विटिलिगो के पैथोमैकेनिज्म का अवलोकन। | विटिलिगो अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी | 9-11 दिसंबर 2022 | ग्लोबल विटिलिगो फाउंडेशन। बंगलोर |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि( रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस का क्लिनिको-मेटाबोलिक प्रोफाइल- एक संभावित अध्ययन | डॉ. पायल चौहान (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | | जारी | 5 लाख |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 31.23, 10.03.2023 | | | | | |
| 2. | तृतीयक देखभाल क्लिनिक में सामान्य त्वचाविज्ञान क्लीनिक में भाग लेने वाले अनुवर्ती रोगियों में त्वचा रोग के बारे में जागरूकता का आकलन करने के लिए एक केएपी सर्वेक्षण। | डॉ. मंजू दरोच (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. पायल चौहान (सह-अन्वेषक) | स्वयं वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | -- |
| 3. | "एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में ट्रेग कोशिकाओं और प्रोइन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स आईएफएन, आईएल 17, आईएल 23 और आईएल 31 की भूमिका"। | डॉ. मंजू दरोच (सह-अन्वेषक) | 2018 में IADVL लोरियल अनुदान द्वारा वित्त पोषित | | जारी | 4.06 लाख |
| 4. | भारत में अस्पताल आधारित STI निगरानी नेटवर्क की स्थापना (संस्थान के आशय पत्र को शॉर्टलिस्ट किया गया) | डॉ. पायल चौहान (सह-अन्वेषक) डॉ. मंजू दरोच (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित(आई सीएमआर) | | जारी | 3 करोड़. |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. सेठी एस, जिंदल आर, **चौहान पी**। डर्मोस्कोपी ने सामयिक स्टेरॉयड-निर्भर / क्षतिग्रस्त चेहरे (टीएसडीएफ) गंभीरता स्कोर (डीएटीएस स्कोर): विश्वसनीयता मूल्यांकन और एक नई स्कोरिंग विधि का सत्यापन। इंडियन जे डर्माटोल। 2022 मार्च-अप्रैल; 67 (2): 188-190।
2. **चौहान पी**, सेठी एस, जिंदल आर, मीना डी. । एरिथेमा एलिवेटम डियुटिनम के एक मामले मे डर्माटोस्कोपी की जांच की। जे यूर अकैड डर्माटोल वेनेरियोल। 2022 अप्रैल; 36 (4): E316-E317. दोई: 10.1111/jdv.17835.
3. **चौहान पी**, जिंदल आर, शिराजी एन । डर्मोस्कोपी ऑफ राइनोफेशियल एंटोमोफ्थोरोमाइकोसिस इन कलर में: पहली रिपोर्ट। डर्माटोल प्रैक्ट अवधारणा। 2022 1 अप्रैल; 12 (2): e2022051. दोई: 10.5826 / dpc.1202a51।
4. जिंदल आर, सिंह प्रथम, भारद्वाज एस, **चौहान पी**। "क्रोनिक एरिथेमा नोडोसम कुष्ठ रोग के साथ कुष्ठ मामलों में एंटी-कुष्ठ दवाओं के प्रतिरोध का उच्च प्रसार: चिंता का विषय"। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2022 जून 24; 13 (4): 511-513।
5. **चौहान पी**, मीना डी. ।रंग की त्वचा में ग्रैनुलोमा फेशियल की डर्मोस्कोपी। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2022 5 सितंबर; 13 (5): 686-687।
6. **चौहान पी**, जिंदल आर, एरिचेट्टी ई. । त्वचा परजीवी, काटने और डंक की डर्मोस्कोपी: साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा। जे यूर अकैड डर्माटोल वेनेरियोल। 2022 अक्टूबर; 36(10):1722-1734. दोई: 10.1111/jdv.18352.
7. **चौहान पी**, मीना डी, जिंदल आर, रॉय एस, शिराजी एन। "पामोप्लांटर एक्जिमा और पामोप्लांटर सोरायसिस के निदान में डर्मोस्कोपी: उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से एक क्रॉससेक्शनल, तुलनात्मक अध्ययन"। इंडियन जे डर्माटोल 2023; 68:120।
8. जिंदल आर, **चौहान पी**, सेठी एस। डर्मोस्कोपी रंग की त्वचा में त्वचीय तपेदिक के विविध स्पेक्ट्रम। डर्माटोल प्रैक्ट अवधारणा। 2022 1 अक्टूबर; 12 (4): e2022203.
9. **चौहान पी**, मीना डी, एरिचेट्टी ई. । बैक्टीरियल, वायरल और फंगल त्वचा संक्रमण की डर्मोस्कोपी: साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा। डर्माटोल थेर (हीडेलब)। 2023 जनवरी; 13 (1): 51-76।

10. विनय के, अंकड बीएस, नारायण आर वी, चटर्जी डी, भट वाईजे, नीमा एस, शाह एस, **चौहान पी**, एट अल। भारतीय त्वचा में बेसल सेल कार्सिनोमा के डर्मोस्कोपिक पैटर्न और नैदानिक-डर्मोस्कोपिक-हिस्टोलॉजिकल सहसंबंधों पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। क्लिन एक्सप्रेस डर्माटोल। 2022 नवंबर; 47 (11): 1982-1990।
11. मीना डी, हजारिका एन, **चौहान पी**, गोयल पी । "स्टेरॉयड दुरुपयोग, जीवन की गुणवत्ता, और डर्माटोफाइटोसिस में विभिन्न जोखिम कारक: उत्तरी भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र से एक क्रॉस-अनुभागीय अवलोकन अध्ययन"। एक्टा डर्माटोवेनेरोल एल्प पैनोनिका एड्रिएट। 2022 दिसंबर; 31(4):135-140.
12. अंकड बीएस, बेहरा बी, ललास ए, अके बीएन, भट वाईजे, **चौहान पी**। इंटरनेशनल डर्मोस्कोपी सोसाइटी (आईडीएस) त्वचा ट्यूमर के लिए मानदंड: "रंग की त्वचा में इमेजिंग" आईडीएस टास्क फोर्स द्वारा डेल्फी विशेषज्ञ सहमति के माध्यम से रंग की त्वचा के लिए सत्यापन। डर्माटोल प्रैक्ट अवधारणा। 2023 1 जनवरी; 13 (1): e2023067.
13. लल्लास ए, **चौहान पी**, मलानी एस, नीमा एस, भट वाईजे, विनय के, बेहरा बी, खरे एस ।डर्मोस्कोपी: इंटरनेशनल डर्मोस्कोपी सोसाइटी टास्क फोर्स द्वारा "रंग की त्वचा में इमेजिंग" पर एक बहुकेंद्रित अवलोकन नियंत्रित अध्ययन। आईएनटी जे डर्माटोल। 2023 अप्रैल 14
14. एरिचेट्टी ई, अंकड बीएस, ललास ए, **चौहान पी**, नायक एम, उसाटिन आरपी, भट वाई, विनय के, अके बीएन, केलाती ए, एनेचुकवु एनए, ओगुनबियी ए, बेहरा बी। जे यूर अकैड डर्माटोल वेनेरियोल। 2023 जून; 37 (6): e720-e722.
15. दरोच एम, केशवमूर्ति वी, बिश्नोई ए, परसाद दविंदर, मुथु एस कुमारन। एक्स्ट्राफेशियल मेलास्मा: एक परिदृश्य कम खोजा गया। भारतीय त्वचाविज्ञान ऑनलाइन जर्नल, जुलाई-अगस्त 2022; 3: 484-486।
16. हनुमंथु वी, **दारोच एम**, मुथु एस कुमारन। डिफेनसाइक्लोप्रोपेनोन इम्यूनोथेरेपी के बाद डिपिग्मेंटेशन जिससे उपचार बंद हो जाता है- एक अपरिचित घटना। भारतीय त्वचाविज्ञान ऑनलाइन जर्नल; मई जून 2022; 13:390-91।
17. **दारोच एम**, भल्लवी एच, नारंग टी, कुष्ठ रोग के रूप में टिनिया फेशियल का मुखौटा। एन नटल अकैड मेड स्की (इंडिया) 2022; 58:50-51
18. गुप्ता प्रियांश, **दारोच एम**, बिश्नोई ए, केशवमूर्ति वी, । प्लांटर केलोइड्स की डर्मेटोस्कोपी। भारतीय त्वचाविज्ञान ऑनलाइन जर्नल, जुलाई-अगस्त 2022: 13: 532-34।
19. महाजन आर, **दारोच एम**, हांडा एस, नारंग टी। गंभीर गैर प्रगतिशील एलोपेसिया एरीटा में कम खुराक डेक्सामेथासोन ओरल मिनी पल्स बनाम डीपीसीपी संपर्क संवेदीकरण की प्रभावशीलता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डर्माटोल थेर।2022 नवंबर; 35(11)
20. **दारोच एम**, महाजन आर, डी डी, हांडा एस। "एक नवजात शिशु में अफरा टीपी, भारतीय जे डर्माटोल वेनेरियोल लेप्रोल।2022 नवंबर-दिसंबर; 88 (6): 708-716।
21. धीमान ए, **दारोच एम**। कोबनेराइजेशन के साथ लाइकेन निटिडस। कॉस्मोडर्मा 2023; 3:101।
22. **चौहान पी**; धीमान ए; **दारोच एम।**; फिट्ज़पैट्रिक त्वचा प्रकार ।V में निप्पल और / या एरोला के नेवॉइड हाइपरकेराटोसिस की डर्मोस्कोपी। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी (): 10.4103 / JCAS_175_22, 23 जून, 2023।

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. पायल चौहान | पैनिकुलिटिस | डॉ. योगेश मार्फटिया | क्लिनिकल प्रमुख आवश्यकताएं भारत, देखभाल समाधान का बिंदु | एल्सेवियर |
| 2. | डॉ. पायल चौहान | स्कारिंग एलोपेसिया | डॉ. योगेश मार्फटिया | क्लिनिकल प्रमुख आवश्यकताएं भारत, देखभाल समाधान का बिंदु | एल्सेवियर |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. पायल चौहान**

1. अंतर्राष्ट्रीय डर्मोस्कोपी सोसायटी के सदस्य
2. इंटरनेशनल डर्मोस्कोपी सोसाइटी (आईडीएस) टास्क फोर्स के सदस्य: रंग की त्वचा पर इमेजिंग
3. बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के सदस्य
4. विशेष रुचि समूह के सदस्य- आईएडीवीएल ईसी अकादमी के तहत डर्मोस्कोपी
5. विशेष रुचि समूह के सदस्य- आईएडीवीएल ईसी अकादमी के तहत डर्माटोपैथोलॉजी
6. डर्मोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य
7. डर्माटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य, जनवरी 2021 से अब तक
8. इंटरनेशनल डर्मोस्कोपी सोसाइटी (आईडीएस) द्वारा त्वचा ट्यूमर के लिए किए गए मानदंडों में इमेजिंग इन स्किन ऑफ कलर आईडीएस टास्क फोर्स द्वारा डेल्फी विशेषज्ञ आम सहमति के माध्यम से रंग की त्वचा के लिए सत्यापन का हिस्सा बनने के लिए भारत/एशिया के विशेषज्ञों में से एक
9. इंटरनेशनल डर्मोस्कोपी सोसाइटी (आईडीएस) के प्रतिष्ठित "इमेजिंग इन स्किन ऑफ कलर आईडीएस टास्क फोर्स" के हिस्से के रूप में रंग की त्वचा में व्यवस्थित समीक्षा की है
10. प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संकाय की एक टीम के सहयोग से, विभिन्न डर्मेटोसिस की डर्मोस्कोपी पर अध्ययन (व्यवस्थित समीक्षा सहित) किए और प्रकाशित किए हैं।

**डॉ. मंजू दारोच**

1. डर्माटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य
2. एसआईजी के सदस्य - आईएडीवीएल ईसी अकादमी के तहत ट्राइकोलॉजी और हेयर ट्रांसप्लांट
3. भारत के त्वचीय सर्जनों के संघों के आजीवन सदस्य
4. पिगमेंटरी डिसऑर्डर सोसाइटी के आजीवन सदस्य।

**सामुदायिक सेवाएं**

**डॉ. पायल चौहान**

1. विश्व पित्ती दिवस, 1 अक्टूबर 2022 पर रोगी सूचना पुस्तिकाएं वितरित की गईं
2. कुष्ठ रोग पर एक भाषण दिया और कुष्ठ जागरूकता अभियान का आयोजन किया, जिसमें पोस्टर प्रस्तुति, एम्स के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक, जिला कुष्ठ अधिकारियों के सहयोग से एक नारा रैली शामिल थी, 30 जनवरी 2022 को मनाया जाने वाला कुष्ठ रोग विरोधी दिवस।

**डॉ. मंजू दारोच**

1. विकलांग बच्चों के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित शिविर में त्वचा विज्ञान सेवाएं प्रदान कीं।
2. 30 जनवरी 2022 को मनाए गए एंटीलेप्रोसी दिवस पर जिला कुष्ठ अधिकारियों के साथ और संस्थान परिसर में कुष्ठ जागरूकता गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

## अंतस्रावी और उपापचय विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर | सहायक प्राध्यापक | 23.11.2020 |

### विभाग के बारे में

अंतस्रावी और उपापचय विभाग वर्तमान में सप्ताह में 3 दिन ओपीडी सेवाएं और आईपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभिन्न मामूली ओटी प्रक्रियाएं, डे केयर प्रक्रियाएं और अंतस्रावी उत्तेजना परीक्षण भी किए जा रहे हैं। विभाग ऊर्ध्वाधर एकीकृत कक्षाओं में स्नातक छात्रों के शिक्षण में भी शामिल है।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन

1. आयोजन सचिव के रूप में 28 मई 2022 को 'थायराइड अपडेट' विषय पर सीएमई

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक एवं स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर | एसजीएलटी 2 / डीपीपी 4 आई: क्या यह टाइप 2 डीएम के प्रबंधन में सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है? | हिमाचल डायबिटीज स्ट्रोक सोसायटी, पालमपुर का वार्षिक सम्मेलन | 11.06.2022 | एचपी मधुमेह और स्ट्रोक सोसायटी |
| 2. | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर | प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म का एक अस्पष्ट कारण: एक्टोपिक पैराथाइरॉइड एडेनोमा के तीन मामलों की श्रृंखला। | एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया वार्षिक सम्मेलन 2022 | 22.12.2022 | एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया |

### अनुसंधान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र के हाइपोथायरायडिज्म रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (आईसीएमआर) | 3 वर्ष | जारी | 23,04,180 |
| 2. | उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस का क्लिनिको-मेटाबोलिक प्रोफाइल - एक संभावित अध्ययन | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर (सह-अन्वेषक) | एसबीआई (सीएसआर) | 2 वर्ष | जारी | लगभग 5 लाख |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | स्वास्थ्य देखभाल के लिए डिजिटल नाक: कम खर्च में डिजिटल नाक द्वारा मधुमेह और हृदय रोगों का निदान | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर | सहयोग (आईआईटी मंडी) | | | |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. **ठाकुर पी.एस.**, कुमार सी. कुल थायरॉइडेक्टोमी का आलोचनात्मक मूल्यांकन इससे अधिक लागत प्रभावी है- ग्रेव्स रोग के लिए एंटीथायरॉइड दवा के विकल्प के रूप में रेडियोधर्मी आयोडीन। शल्य चिकित्सा। 2023 मई;173(5):1311.doi:10.1016/j.surj.2022.11.019.
2. ठाकुर एस, शर्मा ए, कौशल एस, शर्मा ए, शर्मा एन, **ठाकुर पीएस**. 26 जी क्विंक स्पाइनल नीडल के साथ स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में "पोस्टड्यूरल पंचर सिरदर्द" की घटनाएं और जोखिम कारक, भारत में ग्रामीण सेटिंग्स में मेडिकल कॉलेज का अनुभव 2019: एक संभावित समूह अध्ययन डिजाइन। जे फार्म बायोएलाइड साइंस 2022 जुलाई; 14 (खुली 1): एस 209-एस 213।

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर | बुजुर्गों में मधुमेह | धीरज कपूर | व्यवहार में मधुमेह | पहला संस्करण, 2023, पारस मेडिकल प्रकाशक |

**सामुदायिक सेवा**

1. चिकित्सा विभाग के सहयोग से विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर 14.11.2022 को निम्नलिखित सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन किया -
   a. एम्स परिसर में वॉकथॉन
   b. नर्सिंग छात्रों और मेडिकल अंडरग्रेजुएटस के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
   c. संस्थान के नर्सिंग अधिकारियों के लिए इंसुलिन तकनीक पर कार्यशाला
   d. सीएच मारकण्ड बिलासपुर में मारकण्ड ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं के लिए संवादात्मक सत्र एवं व्याख्यान
   e. आकाशवाणी हमीरपुर में मधुमेह की रोकथाम पर रेडियो वार्ता दी
2. एनडीटीवी पर 9.12.2022 को पैनल चर्चा का हिस्सा – बच्चों में हार्मोनल समस्याएं।
3. ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) धर्मशाला में 8.01.2023 को जनता के साथ इंटरैक्टिव सत्र – हार्मोनल विकार और उन्हें कैसे रोका जाए।

## करणसकंठ विज्ञान एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग

**संकाय**

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. डार्विन | सह-प्राध्यापक | 23.11.2020 |
| 2. | डॉ. नेहा चौहान | सहायक प्राध्यापक | 27.04.2021 |
| 3. | डॉ. कुलदीप ठाकुर | सहायक प्राध्यापक | 17.06.2022 |

**विभाग के विषय में**

करणसकंठ विज्ञान एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग ने बाह्य रोगी, प्रमुख और मामूली ऑपरेशन थिएटर सेवाएं शुरू की हैं।

**नैदानिक सेवाएं:** विभाग कान, नाक, गले की शिकायतों के साथ-साथ सिर गर्दन के कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या को बाह्य रोगी आधार पर पूरा कर रहा है। डे-केयर के आधार पर रोगियों के लिए मामूली शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं की जा रही हैं। विभाग ने प्रमुख ऑपरेशन थिएटर सेवाएं शुरू की हैं और थायरॉयडेक्टोमी, पैरोटिडेक्टोमी और मौखिक और लारेंजियल कैंसर जैसी सिर और गर्दन की सर्जरी सहित सभी प्रमुख ईएनटी मामलों को करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। विभाग नियमित आधार पर पुनर्निर्माण के साथ प्रमुख हेड नेक कैंसर ऑपरेशन कर रहा है। विभाग ईएनटी आघात के साथ-साथ अन्य ईएनटी आपात स्थितियों के रोगियों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान कर रहा है जैसे कि ऊपरी एरोडाइजेस्टिव ट्रैक्ट, स्ट्रिडोर, एपिस्टैक्सिस के विदेशी शरीर। विभाग ने 24.05.2023 को अपना पहला कॉक्लियर इम्प्लांटेशन करके बच्चों में जन्मजात सेंसरिन्यूरल श्रवण हानि के लिए कॉक्लियर इम्प्लांटेशन प्रोग्राम शुरू करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

**शैक्षणिक सेवाएं:** विभाग ने व्याख्यान, क्लीनिक और ट्यूटोरियल के रूप में एमबीबीएस शिक्षण शुरू किया है और साथ ही सेमिनार और जर्नल क्लब के रूप में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू की गई हैं। विभाग ने ओटोलॉजी और वर्टिगो क्लिनिक और ईएनटी-रेडियोलॉजी क्लीनिक के रूप में विशेष क्लीनिक की अनुमति के लिए भी आवेदन किया है।

**शैक्षिक कार्यक्रम:** विभाग ने नए सर्जनों (निवासियों) के सर्जिकल कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं के रूप में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

1. पहली हैंड्स-ऑन ओटोलॉजी सर्जिकल ट्रेनिंग वर्कशॉप (3-डी विज़ुअलाइज़ेशन के साथ वोक्सेल-मैन सिम्युलेटर का उपयोग करना) 17 दिसंबर 2022, एम्स, बिलासपुर
2. वर्टिगो मैनेजमेंट कोर्स – मूल बातें सुदृढ़ करना, 27-28 जनवरी 2023, एम्स, बिलासपुर।

**सामुदायिक भागीदारी:** विभाग विभिन्न समुदाय-आधारित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

1. एम्स, बिलासपुर में 05.04.2022 को दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्सव (आजादी का अमृत महोत्सव) में भाग लेना
2. फिजियोलॉजी विभाग के सहयोग से आयुष ब्लॉक, एम्स, बिलासपुर में 31.05.2023 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया
3. लाहौल सस्पीति में चिकित्सा शिविर 10.05.2022 को
4. 03.12.2022 को सीआरसी, सुंदर नगर में चिकित्सा शिविर
5. ऊना में चिकित्सा शिविर
6. दिनांक 03.03.2023 को विश्व श्रवण दिवस पर जवाहर नवोदय विद्यालय, कोठीपुरा, बिलापसुर (हिमाचल प्रदेश) में स्वास्थ्य जांच
7. जिला विकलांगता पुनर्वास केन्द्र योजना के अंतर्गत ग्राम मारोतन एवं धार तातोह में दिनांक 26.05.2023 एवं 27.05.2023 को 2 दिवसीय बहु-विषयक स्वास्थ्य जांच शिविर

**सी.एम.ई.एस./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित**

1. पहली हैंड्स-ऑन ओटोलॉजी सर्जिकल ट्रेनिंग वर्कशॉप (3-डी विज़ुअलाइज़ेशन के साथ वोक्सेल-मैन सिम्युलेटर का उपयोग करना) 17 दिसंबर 2022, एम्स-बिलासपुर।
2. वर्टिगो मैनेजमेंट कोर्स - मूल बातें को मजबूत करना, 27-28 जनवरी 2023, एम्स-बिलासपुर।

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / पेपर या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | शीर्षक | सीएमई/सम्मेलन | तिथि | आयोजक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. डार्विन कौशल | ई-पोस्टर: सिर और गर्दन में देरी का मूल कारण विश्लेषण कैंसर का उपचार। | हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी पर 10 वीं यूरोपीय कांग्रेस, लिस्बन कांग्रेस सेंटर, पुर्तगाल। | 8-10 मार्च, 2023 | यूरोपीय हेड एंड नेक सोसाइटी - ECHNO |
| | | पैराफरीन्जियल स्पेस के ट्यूमर के लिए ट्रांससर्वाइकल-ट्रांसपैरोटिड दृष्टिकोण | 22 वां राष्ट्रीय सम्मेलन, फाउंडेशन फॉर हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (एफएचएनओ), गुवाहाटी। | 4-6 नवंबर, 2022 | हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी के लिए फाउंडेशन |
| | | मॉन्स्टर थायराइड के लिए मिनीन: एक संस्थागत अनुभव | एपीटीएस 2023, कोच्चि। | 23-26, मार्च 2023 | एशिया-पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जरी |
| | | आमंत्रित संकाय, व्याख्यान (पैरोटिडेक्टोमी) | इंटरनेशनल हेड नेक कैडेवर कोर्स, एम्स नई दिल्ली, 2022। | 24-26 दिसंबर 2022 | एम्स नई दिल्ली |
| | | पेपर प्रस्तुति (थायराइड सर्जरी), कार्यशाला भागीदारी पर हाथ | एपीटीएस 2023, कोच्चि। | 23-26, मार्च 2023 | एशिया-पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जरी की चौथी कांग्रेस और इंडियन सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जन की 5 वीं राष्ट्रीय बैठक की संयुक्त बैठक |
| | | आमंत्रित संकाय, क्विज मास्टर, पैनलिस्ट (पैरोटिडेक्टोमी जटिलताओं) | कॉम्प्लिकॉन, एम्स जोधपुर, 2022। | 30 सितंबर - 02 अक्टूबर, 2022 | एम्स जोधपुर |
| | | संकाय और पोस्टर प्रस्तुति | 22 वां राष्ट्रीय सम्मेलन, फाउंडेशन फॉर हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (एफएचएनओ), गुवाहाटी। | 4-6 नवंबर, 2022 | हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी के लिए फाउंडेशन |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ई-पोस्टर प्रस्तुति: पैराफरीन्जियल स्पेस के ट्यूमर के लिए ट्रांससर्वाइकल-ट्रांसपैरोटिड दृष्टिकोण। | हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी पर 10 वीं यूरोपीय कांग्रेस, लिस्बन कांग्रेस सेंटर, पुर्तगाल। | 8-10 मार्च, 2023 | यूरोपीय हेड एंड नेक सोसाइटी - ECHNO |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | वर्ष प्रारंभ - अंत | स्वीकृत धनराशि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सार्स सीओवी-2 सीरोप्रिवलेंस की क्लिनिकल प्रोफाइलिंग और मूल्यांकन<br>नैदानिक रूप से असंदिग्ध रोगियों में ओटोराइनोलैरींगोलॉजी में भाग लेते हैं।<br>विभाग, एम्स जोधपुर | सह मार्गदर्शक-डॉ डार्विन कौशल | -- | 1 वर्ष | 2021-22 | -- |
| 2. | कोक्लियर डक्ट की लंबाई और प्रीलिंगुअल रूप से बधिर बच्चों में कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद ऑडियोलॉजिकल परिणाम से इसका संबंध, एम्स जोधपुर | सह मार्गदर्शक-डॉ डार्विन कौशल | -- | 2 वर्ष | 2021-22 | -- |
| 3. | एम्स, बिलासपुर में चक्कर के साथ पेश होने वाले रोगी की नैदानिक प्रोफ़ाइल और निदान | डॉ.डार्विन कौशल (प्रमुख अन्वेषक)डॉ नेहा चौहान (सह-अन्वेषक) | स्वंय वित्त पोषित | 3 वर्ष | 2022 | -- |

**प्रकाशन**

1. गुप्ता डी, **कौशल डी**, वेदांत डी, शर्मा आर, विश्वजीत वी, एलसो पीए। पैराथायरायड ऊतक के साथ ग्रीवा थाइमिक पुटी - एक नैदानिक पहेली। ऑटोप्स केस प्रतिनिधि 2022 फरवरी 21; 12: e2021361. दोई: 10.4322/acr.2021.361. पीएमआईडी: 35252053; पीएमसीआईडी: PMC8890759।
2. आलम ए, छाबड़ा एनके, **कौशल डी**, सिंह एस, लाहौरिया यू, नाहर यू बी लक्षणों के साथ टी-सेल लिम्फोमा जैसे चमड़े के नीचे के पैनिकुलिटिस, कम खुराक मेथोट्रेक्सेट पर उत्सर्जित। जे डीटीएस डर्माटोल गेस। 2022 अक्टूबर; 20(10):1372-1374. दोई: 10.1111 / ddg.14866। Epub 2022 9 अक्टूबर. पीएमआईडी: 36210058।
3. शकरावल एन, पात्रो एसके, सोनी के, **कौशल डी**, चौधरी बी, गोयल ए। पश्चिमी राजस्थान के तृतीयक देखभाल केंद्र में लैरींगोट्राचेल ट्रॉमा (एलटीटी) के साथ हमारा अनुभव। इंडियन जे ओटोलरींगोल हेड नेक सर्ग 2022 सितंबर; 74(3):375-382. दोई: 10.1007/s12070-021-02820-5. Epub 2021 1 सितंबर। पीएमआईडी: 36213471; पीएमसीआईडी: PMC9535059।

4. नायर एनपी, शर्मा वी, दीक्षित ए, **कौशल डी**, सोनी के, चौधरी बी, गोयल ए. लैरींजेक्टोमीज़ में आवाज पुनर्वास के लिए भविष्य के समाधान: इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल संकेतों के आधार पर प्रौद्योगिकियों की समीक्षा। इंडियन जे ओटोलरींगोल हेड नेक सर्ग 2022 दिसंबर; 74 (खुली 3): 5082-5090। दोई: 10.1007/s12070-021-02765-9. Epub 2021 जुलाई 21. पीएमआईडी: 36742837; पीएमसीआईडी: PMC9895460।
5. दास एन, पात्रो एसके, **कौशल डी**, पारीक पी, दीक्षित ए, कोम्बाथुला एसएच, सोनी के, शर्मा वी, गोयल ए। वॉल्यूमेट्रिक आर्क थेरेपी। यूरो आर्क ओटोराइनोलारिन्गोल। 2022 अप्रैल; 279(4):2019-2028. दोई: 10.1007/s00405-021-06950-y. Epub 2021 जून 23. पीएमआईडी: 34160665।
6. राजन एन, चौधरी बी, प्रकाश डी, सोनी के, **कौशल डी**, शकरावल एन, नायर एनपी, गोयल ए। क्या एन 95 मास्क का लंबे समय तक उपयोग नाक म्यूकोसिलरी क्लीयरेंस को प्रभावित करता है? एक एकल समूह प्री-पोस्ट अध्ययन। एन ओटोल राइनोल लारिंगोल। जुलाई 2022; 131(7):730-736. दोई: 10.1177/00034894211041821। Epub 2021 अगस्त 28. पीएमआईडी: 34459285।
7. समीमा वीवी, सोनी के, देवड़ा एस, शर्मा जेबी, चौधरी बी, **कौशल डी**, छाबड़ा एस, गोयल ए. एडेनोटोसिलर हाइपरट्रॉफी वाले बच्चों में प्रीऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव कार्डियक फ़ंक्शन का आकलन: एक संभावित कॉहोर्ट अध्ययन। यूरो आर्क ओटोराइनोलारिन्गोल। 2022 जून; 279(6):3013-3019. दोई: 10.1007/s00405-022-07255-4. Epub 2022 जनवरी 12. पीएमआईडी: 35022863।
8. **कौशल डी**, शर्मा वी, गुगलियानी ए, सोनी के, चौधरी बी, पात्रो एसके, सिंघल पी, गोयल ए. ओटोलॉजी ट्रेनिंग इन इंडिया: क्या यह मानकों पर खरा उतरता है? इंडियन जे ओटोलरींगोल हेड नेक सर्ग 2022 अगस्त; 74 (खुली 1): 675-680। दोई: 10.1007/s12070-021-02485-0. Epub 2021 3 मार्च. पीएमआईडी: 36032896; पीएमसीआईडी: PMC9411479।
9. बिस्वास एस, सुरेका बी, **कौशल डी**, एलसो पी, गोयल ए, यादव टी, गोयल ए, खेड़ा पीएस अमेरिकन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी थायरॉयड इमेजिंग रिपोर्टिंग और डेटा सिस्टम स्कोर में घातक थायराइड नोड्यूल्स के निदान में उच्च नैदानिक मूल्य है: एक संभावित एकल-केंद्र क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। एन अफ्र मेड 2022 अक्टूबर-दिसंबर; 21 (4): 377-382.doi: 10.4103/aam.aam_123_21। पीएमआईडी: 36412338; पीएमसीआईडी: PMC9850886।
10. **ठाकुर के**, सिंह सीए, कक्कड़ ए, कुमार आर, शर्मा ए, ठाकर ए. मैंडिबुलर एल्वियोलस के मेटास्टेटिक मैलिग्नेंट फॉस्फेटिक मेसेनकाइमल ट्यूमर: एक दुर्लभ केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। इंडियन जे सुर्ग ओनकोल। 2022 जून; 13(2):305-311. दोई: 10.1007/s13193-021-01449-8. Epub 2021 सितंबर 22. पीएमआईडी: 35782792; पीएमसीआईडी: PMC9240173।
11. एलाप्रोलू एस, मेनन एलआर, पटेल टी, **ठाकुर के**, थंकप्पन के. संपादक को पत्र: लार विकृतियों में मनोगत नोडल मेटास्टेसिस दर। सिर की गर्दन। जुलाई 2022; 44(7):1747-1748. दोई: 10.1002 / Epub 2022 अप्रैल 21. पीएमआईडी: 35445498

## फोरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. यतिराज सिंगी | सह – प्राध्यापक | 23.11.2020 |
| 2. | डॉ. दीपेन डाभी | सहायक प्राध्यापक | 25.11.2020 |

### विभाग के विषय में

सर्वोत्कृष्ट शैक्षणिक, नैदानिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ प्रदान करने हेतु एम्स-बिलासपुर में फोरेंसिक मेडिसिन विभाग की स्थापना की गई है। अपने मूल संस्थान एम्स-नई दिल्ली के तुल्य एम्स-बिलासपुर की स्थापना में विभाग के संकाय विभिन्न क्षमताओं में सक्रिय रहे हैं।

**प्रशासनिक गतिविधियाँ:** संकाय सदस्यों को विभिन्न प्रकार के उत्तरदायित्व सुपुर्द किए गए हैं, जैसे-आईटी सेल, संकाय प्रभारी सुरक्षा, मुख्य प्रोवोस्ट, एंटी-रैगिंग समिति, अनुशासनात्मक समिति, वार्षिक रिर्पोट समिति, यूजी बोर्ड ऑफ स्टडीज इत्यादि।

**शैक्षणिक:** संकाय सदस्य एमबीबीएस के प्रथम बैच के फाउंडेशन कोर्स तथा दूसरे चरण के एमबीबीएस छात्रों की नियमित कक्षाओं के शिक्षण में शामिल थे। संकाय सदस्यों ने फोरेंसिक मेडिसिन विषय के स्नातक पाठ्यक्रम को भी तैयार किया।

**अनुसंधान:** संकाय सदस्यों को आईसीएमआर द्वारा एक बाह्य अनुदान से सम्मानित किया गया है। संकाय रेडियोलॉजी विभाग के सहयोग से अंतरविभागीय अनुसंधान का प्रयास कर रहा है।

**मेडिको-लीगल कार्य:** संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से जिला पुलिस, बिलासपुर, को फोरेंसिक मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान की है तथा शव-परीक्षा भी की है।

**भविष्य दृष्टि:** वर्तमान में विभाग एम्स-बिलासपुर में अत्याधुनिक शवगृह कॉम्प्लेक्स के निर्माण का अनुसरण कर रहा है जिसके लिए स्थायी वित्त समिति की स्वीकृति प्रतीक्षित है। इस बीच विभाग ने शिक्षाविदों एवं सार्वजनिक सेवा के हित में अस्थायी शवगृह शुरू करने का प्रस्ताव रखा है।

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / पेपर या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | शीर्षक | सीएमई/सम्मेलन | तिथि | आयोजक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | एक सत्र की अध्यक्षता की | सम्मानजनक गर्भपात देखभाल-FOGSI & WHO संयुक्त पहल कार्यशाला | 14.08.2022 | OBGyn विभाग, एम्स, बिलासपुर |

### अनुसंधान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य अनुदान/ आंतरिकअनुदान/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | कुल कोष स्वीकृत(रु) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हिमाचल के जनजातीय जिलों के मूल निवासियों | डॉ. यतिराज सिंगी (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. | बाह्य वित्त पोषित (आईसीएमआर) | 1 वर्ष | जारी | 5,45,000/- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | के हाथों का आयाम और पैरों का सहसंबंध | दीपेन डाभी (सह-अन्वेषक) | | | | |
| 2. | उत्तर भारतीय जनसंख्या में क्लिनिकल विश्लेषण से (9वीं और 10वीं वक्षीय मीट्रिक द्वारा कशेरूका में विश्लेषण) से लिंग निर्धारण | डॉ दीपेन डाभी (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. यतिराज सिंगी (सह-अन्वेषक) | स्वयं वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | -- |

**प्रकाशन**

1. आशा के, सिंह वी, **सिंगी वाई**, रंजन आर। द एसोसिएशन ऑफ हेमेटोलॉजिकल एंड बायोकेमिकल पैरामीटर विद् कोविड-19 रोगियों में मृत्यु दर के मानदंडर: उत्तर भारत से एक पूर्वव्यापी अध्ययन। क्यूरियसण् 2022;14(9)
2. सैनी आरके, शर्मा एम, **सिंगी वाई**, शर्मा डी, सैनी एन, मान जीआर, एट अल। आत्महत्या की जनसांख्यिकी,ग्रामीण हरियाणा, उत्तर भारत में हत्या और मोटर वाहन दुर्घटना में मौतें-प्रभाव कोविड-19 लॉकडाउन। यूरोपीय रासायनिक बुलेटिनण् 2023;12 (विशेष 5):3373(8)
3. कृष्णा एचके, **सिंगी वाई**, चंदन वी, डाभी डी, बाल चिकित्सा में जहर की प्रोफाइल पर एक अध्ययन चित्रदुर्ग क्षेत्र के तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में जनसंख्या। क्यूरियसण् 2022;14(12)
4. गोयल ए, **सिंगी वाई**, माल्या पी, भट जी, शंकरनारायण पी, गोयल सीनियर, के बीच एक तुलना इन्फ्राम्बिलिकल के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए इंट्राथेकल लेवोबुपिवाकेन और बुपिवाकेनसर्जरी। क्यूरियस। 2022;14(10)

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन का विवरण(संस्करण, वर्ष,प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ यतिराज सिंगी | -- | डॉ. के.एस.एन. रेड्डी, डॉ. ओ.पी. मूर्ति, डॉ. यतिराज सिंगी, डॉ. महेंदर रेड्डी | फोरेंसिक मेडिसिन और ज़हरज्ञान की अनिवार्यताएँ | 35वां संस्करण (2022) जेपी ब्रदर्स, नई दिल्ली |

## आंतरिक चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. अजय जरयाल | सह – प्राध्यापक | 23.11.2020 |
| 2. | डॉ. तरुण शर्मा | सह – प्राध्यापक | 15.6.2022 |
| 3. | डॉ. भूपेंद्र कुमार | सहायक प्राध्यापक | 25.11.2020 |
| 4. | डॉ. कपिल शर्मा | सहायक प्राध्यापक | 16.11.2020 |
| 5. | डॉ. देवेंद्र | सहायक प्राध्यापक | 17.06.2022 |
| 6. | डॉ. सुभाष चंद्र | सहायक प्राध्यापक | 14.06.2022 |

### विभाग के विषय में

चिकित्सा विभाग 2020-21 में संस्थान की शुरुआत के बाद से स्नातक छात्रों के शिक्षण में शामिल है। इसके तुरंत बाद इसने कोविड महामारी के दौरान दूर-दूर के जरूरतमंद लोगों को ओपीडी टेलीकंसल्टेशन प्रदान करना शुरू कर दिया। कोविड महामारी के कम होने के साथ ही संस्थान के शासनादेश के अनुसार विभाग द्वारा आरएच बिलासपुर और बाद में परिसर में ही आयुष ब्लॉक में फिजिकल ओपीडी परामर्श शुरू किया गया। रोगी देखभाल में उत्कृष्टता को जारी रखते हुए विभाग ने एम्स अस्पताल में रोगी सेवाओं को शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई। वर्तमान में विभाग में यूएसजी, इकोकार्डियोग्राफी, वेंटिलेटर, मल्टीपैरा मॉनिटर, ईसीजी मशीन, एबीजी मशीन आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ 60 बेड का मेडिसिन वार्ड है। इन 60 बेड में 4 बेड वाला आईसीयू और 4 बेड का एचडीयू है। इनडोर सुविधा कार्डियोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी और क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और रुमेटोलॉजी के उप-विशेषता विभागों के लिए भी काम करती है।

विभाग के संकाय और निवासी कैजुअल्टी में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।विभाग चौबीसों घंटे अंतर-विभागीय परामर्श प्रदान कर रहा है। यह विभिन्न स्वास्थ्य सेवा योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त जैविक प्रदान करने में संस्थान में अग्रणी है। पीओसीयूएस, किडनी बायोप्सी, संयुक्त आकांक्षाएं, इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन विभाग में उपलब्ध कुछ अन्य सेवाएं हैं। विभाग आम लोगों के लिए विभिन्न सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों और शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग के मेहनती और सक्षम संकाय, निवासियों और कर्मचारियों ने सार्वजनिक वार्ता, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, स्वास्थ्य शिविरों, रेडियो और टेलीविजन शो के माध्यम से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, एसएलई और रूमेटोइड गठिया जैसी बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है। लगातार बढ़ती रोगी आबादी को पूरा करने के अलावा, विभागीय संकाय ने अनुसंधान के संस्थागत जनादेश को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और अन्य विभागों के सहयोग से कई बाह्य अनुदान प्राप्त किए हैं। वर्तमान क्रेडेंशियल्स का निर्माण और उन्नयन। आंतरिक चिकित्सा विभाग निकट भविष्य में पीजी शिक्षण और प्रशिक्षण शुरू करेगा, गहन देखभाल सेवाओं में वृद्धि करेगा और जेरियाट्रिक्स और गैर-संचारी रोगों में विशेष क्लीनिक शुरू करेगा |

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. राज्य स्तरीय इरा रुमेटोलॉजी क्विज (20.08.2022 )
2. लिपिड अपडेट 2023 (23.11.2022)

### सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान/पेपर/पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक एवं स्थान |
|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. अजय जरयाल | हांग की तकनीक द्वारा "अटके हुए सुरंग वाले हीमोडायलिसिस कैथेटर" को हटाना | एएसएन किडनी वीक 2022 (वर्चुअल) | 10.2022 | ASN virtual |
| 2. | डॉ. तरुण शर्मा | सांप के काटने की विभिन्न प्रस्तुतियां | राष्ट्रीय सम्मेलन | 13.10.22 | आपातकालीन चिकित्सा भारत गोवा |
| 3. | डॉ. कपिल शर्मा | मौखिक जीएलपी -1 रिसेप्टर्स एनालॉग; नैदानिक प्रासंगिकता। | SEDFCON-2022 | 16.10.2022 | SEADF, एम्स ऋषिकेश |
| 4. | डॉ. देवेंद्र | PO. 5.108 गुर्दे हिस्टोपैथोलॉजी और नैदानिक मापदंडों का संयुक्त मॉडल ल्यूपस नेफ्रैटिस में एक साल के गुर्दे के परिणामों की बेहतर भविष्यवाणी करता है: 334 गुर्दे बायोप्सी का विश्लेषण | EULAR 2022 | 10.01.2022 | EULAR 2022 |
| | | सिस्टमिक स्केलेरोसिस में खोजपूर्ण नैदानिक उपसमूह क्लस्टरिंग-भारतीय प्रगतिशील प्रणालीगत स्क्लेरोसिस रजिस्ट्री से परिणाम | ACR 2022 | 01.09.2022 | ACR 2022 |
| | | बेसलाइन पर कंकाल की मांसपेशियों के परिणामों का निर्धारण करने में सेमीक्वांटिटेटिव जांघ चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (टीएमआरआई) और इडियोपैथिक इन्फ्लेमेटरी मायोपैथिस (आईआईएम) में फॉलोअप पर | ACR 2022 | 01.09.2022 | ACR 2022 |
| | | "दीर्घकालिक नैदानिक छूट में प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस के रोगियों के बीच रखरखाव ग्लुकोकोर्टिकोइड बनाम अन्य इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स की वापसी: एक गैर-हीन यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण का अंतरिम विश्लेषण"। | ACR 2022 | 01.09.2022 | ACR 2022 |
| | | अव्यक्त तपेदिक संक्रमण और प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस में नैदानिक और सीरोलॉजिकल मापदंडों के साथ इसके संबंध | ACR 2022 | 01.09.2022 | ACR 2022 |
| | | एबी0558 अव्यक्त तपेदिक संक्रमण की व्यापकता और प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस में नैदानिक और सीरोलॉजिकल मापदंडों के साथ इसके संबंध। | EULAR 2022 | 06.01.2022 | EULAR 2022 |
| | | गुर्दे के हिस्टोपैथोलॉजी और नैदानिक मापदंडों का POS0775 संयुक्त मॉडल ल्यूपस नेफ्रैटिस में एक वर्ष के गुर्दे के परिणामों की बेहतर | EULAR 2022 | 06.01.2022 | EULAR 2022 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | भविष्यवाणी करता है: 334 गुर्दे बायोप्सी का विश्लेषण | | | |
| | | विशेषज्ञ संकाय के रूप में इंट्राआर्टिकुलर कार्यशाला एपीकॉन 2023 | APICON 2023 | 26.01.2023 | एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया |
| | | विशेषज्ञ संकाय के रूप में नेलफोल्ड कैपिलरोस्कोपी कार्यशाला | विश्व रुमेटोलॉजी फोरम शिखर सम्मेलन - रुमेटोलॉजी मास्टर क्लास | 18.03.2023 से 19.03.2023 | इंडियन रुमेटोलॉजी एसोसिएशन |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | संकाय का नाम | बाह्य/आंतरिक/स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ संपन्न) | स्वीकृत धनराशि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अस्पताल आधारित STI निगरानी नेटवर्क की स्थापना | डॉ. अजय जरयाल (सह-अन्वेषक) डॉ. भूपेंद्र कुमार (सह- अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | परियोजना को मंजूरी | 36,225,000/- |
| 2. | स्मार्टफोन टेली स्टोक बनाम स्ट्रोक चिकित्सक के नेतृत्व में तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन स्मार्ट इंडिया | डॉ. तरुण शर्मा (सह- अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | |
| 3. | गैर-इनवेसिव ग्लूकोमीटर | डॉ. भूपेंद्र कुमार (सह- अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित - IIT मंडी iHUB | 2 वर्ष | नमूना संग्रह | 6,748,500/- |
| 4. | हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र के हाइपोथायरायडरोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन | डॉ. कपिल शर्मा (सह- अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | बजट प्राप्त हुआ | 1,964,880/- |

**प्रकाशन**


1. **जारयाल ए**, विक्रांत एस, गुप्ता डी, महामारी विज्ञान और तीव्र किडनी की आवश्यकता वाले डायलिसिस के परिणाम चोटरू एक एकल.केंद्र अध्ययन। चिकित्सीय एफेरेसिस और डायलिसिस। 2022 जून;26(3):594-600
2. **जारयाल ए**, विक्रांत एस, एंटी-ग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन रोग उपचार परिणाम साइक्लोफॉस्फ़ामाइड बनाम रीटक्सिमैब इंडक्शन थेरेपी आहार। क्लिन नेफ्रोलण् 2022 दिसंबर;98(6):280-287.doi:10.5414/CN110851.PMID:36282172.

3. "टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में कुमार आर, सिंह टीपी, **जरयाल ए**, ठाकुर एस रेटिनो-रीनल पृथक्करण: उप-हिमालयी क्षेत्र के तृतीयक देखभाल केंद्र में एक अवलोकन क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन"। द जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया। 2022 मई; 70(5):11-2.
4. प्रसाद एन, यादव एके, कुंडू एम, **जरयाल ए**, सरकार डी, मोदी जी, सहाय एम, गोपालकृष्णन एन, विक्रांत एस, वर्गीज एस, बैद-अग्रवाल एस. रेनिन-एंजियोटेंसिन ब्लॉकर का उपयोग हल्के-मध्यम क्रोनिक किडनी रोग वाले भारतीय रोगियों में कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में सुधार से जुड़ा हुआ है। चिकित्सा में सीमाएँ। 2022; 9:1060148. 2022 दिसम्बर 20; 9: 1060148.
5. **जारयाल ए**, विक्रांत एस, टाइप- 2 मधुमेह वाले रोगी में एंटी-ग्लोमेरुलर बेसमेंट झिल्ली रोग मेलिटस इम्यूनोमॉड्यूलेटरी थेरेपी के बाद दोनों की दीर्घकालिक छूट। थेर एफ़र डायल. 2022 अक्टूबर;26(5):1047-1048.
6. डुंगा, साईकुमार; कावड़ीचंदा, चेंगप्पा; **बैरवा, देवेंद्र**; थाबा, मौली एम; नेगी, वीर सिंह। इडियोपैथिक इन्फ्लेमेटरी मायोपैथी में परिणाम उपायों के रूप में समयबद्ध फ़ंक्शन परीक्षणों का प्रदर्शन - एकल केंद्र समूह पीएमआईडी से परिणाम: 35416957, डीओआई: 10.1093 / रुमेटोलॉजी /
7. **बैरवा, देवेंद्र**; कावड़ीचंदा, चेंगप्पा; डुंगा, साईकुमार; मैथ्यू, अनूप; जी, ऐश्वर्या; गायत्री, एम एस; ममता, गोरिजावोलु; थाबा, मौली; नेगी, वीर। मात्रात्मक नेलफोल्ड कैपिलरोस्कोपी पीएमआईडी पर त्वचा फोटोटाइप का प्रभाव: 36211202, पीएमसीआईएफएनईडी: PMC9537707, डीओआई: 10.1177/23971983221102688
8. गोपाल ए, कावड़ीचंदा सी, **बैरवा डी**, शाह एस, मेहरा एस, श्रीनिवास बीएच, मारियासेल्वम सीएम, थाबा एमएम, नेगी वीएस। "ल्यूपस नेफ्रैटिस में गुर्दे की हिस्टोपैथोलॉजी और एक साल के गुर्दे के परिणाम के भविष्यवाणियों की पहचान करने में नैदानिक और जैव रासायनिक मापदंडों का प्रदर्शन- भारत से एक एकल केंद्र अध्ययन"। डायग्नोस्टिक्स (बेसल)। 2022 14 दिसंबर; 12(12):3163. दोई: 10.3390 / निदान 12123163। पीएमआईडी: 36553169; पीएमसीआईडी: PMC9777017।
9. ममता गोरीजावोलु, **देवेंद्र बैरवा**, सचित गणपति, साईकुमार डुंगा, ऐश्वर्या गोपाल, रमेश अनंतकृष्णन, मौली मैरी थाबा, वीर सिंह नेगी, चेंगप्पा जी कावड़ीचंदा, रोग गतिविधि का आकलन करने और इडियोपैथिक भड़काऊ मायोपैथियों में दीर्घकालिक नैदानिक परिणाम निर्धारित करने में अर्ध-मात्रात्मक जांच चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग स्कोर: एक कारण मध्यस्थता विश्लेषण, रुमेटोलॉजी, 2023; कीड 174, https://doi.org/10.1093/rheumatology/kead174।

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | संकाय का नाम | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण(संस्करण, वर्ष,प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **डॉ. अजय जरयाल** | मधुमेह और गुर्दा रोग | धीरज कपूर | मधुमेह व्यवहार में | प्रथम संस्करण (2023), पारस चिकित्सा प्रकाशक |
| 2. | **डॉ. तरुण शर्मा**, डॉ. आराधना शर्मा | जीवन-शैली संशोधन | धीरज कपूर | मधुमेह व्यवहार में | प्रथम संस्करण (2023), पारस चिकित्सा प्रकाशक |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ**

**डॉ. भूपेन्दर कुमार**

1. 22.11.2022 को SYNEOS हेल्थ द्वारा अच्छी नैदानिक प्रथाओं पर ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल

**डॉ. कपिल शर्मा**

1. आपातकालीन चिकित्सा संघ की सदस्यता

**डॉ. देवेंद्र**

1. 22-11-2022 को SYNEOS हेल्थ द्वारा अच्छी नैदानिक प्रथाओं पर ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल
2. आईआरए की सदस्यता

## सामुदायिक सेवा

**डॉ. अजय जरयाल**

1. 17-02-2023 को आरएच बिलासपुर में आयोजित विकलांगता शिविर के दौरान विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया
2. आरएच केलांग में स्वास्थ्य जांच शिविर
3. 12-10-2022 को आर्थोपेडिक्स विभाग और फिजियोथेरेपिस्ट और मनोचिकित्सकों के सहयोग से गठिया रोगियों के लिए एक परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया

**डॉ. तरूण शर्मा**

1. आर्थोपेडिक्स विभाग और फिजियोथेरेपिस्ट और मनोचिकित्सकों के सहयोग से गठिया रोगियों के लिए एक परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया
2. गठिया के संबंध में कॉलेज के पीजी छात्रों को व्याख्यान
3. 13-02-2023 को एएनवी न्यूज़ हिमाचल पर सूजन संबंधी गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों पर स्वास्थ्य वार्ता प्रसारित की गई
4. 19-02-2023 को आकाशवाणी हमीरपुर पर सूजन संबंधी गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों पर चर्चा प्रसारित हुई
5. 03-12-2022 को सीआरसी सुंदरनगर में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर

**डॉ. भूपेन्दर कुमार**

1. 17-02-2023 को आरएच बिलासपुर में आयोजित विकलांगता शिविर के दौरान विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए

**डॉ. कपिल शर्मा**

1. 12-10-2022 को विश्व गठिया दिवस पर जन जागरूकता गतिविधि

**डॉ. देवेंद्र**

1. गठिया पर समाचार पत्र साक्षात्कार - आम मिथक और गलत धारणाएँ पंजाब केसरी में प्रकाशित 15-01-2023 को हिमाचल संस्करण
2. आर्थोपेडिक्स विभाग और फिजियोथेरेपिस्ट और मनोचिकित्सकों के सहयोग से गठिया रोगियों के लिए एक परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया
3. 03-02-2023 को आरएच बिलासपुर में आयोजित विकलांगता शिविर के दौरान विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए
4. 13-02-2023 को एनएससीबी गवर्नमेंट कॉलेज, हमीरपुर के पीजी छात्रों के लिए सूजन संबंधी गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों पर सामुदायिक व्याख्यान
5. 19-02-2023 को आकाशवाणी हमीरपुर पर सूजन संबंधी गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों पर चर्चा प्रसारित हुई

**डॉ. सुभाष चंद्र**

1. 12-10-2022 को विश्व गठिया दिवस पर जन जागरूकता गतिविधि
2. 03-03-2023 को आरएच बिलासपुर में आयोजित विकलांगता शिविर के दौरान विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए

## सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. मोहिम ठाकुर | सह – प्राध्यापक | 16.03.2021 |
| 2. | डॉ. अजय कुमार धीमान | सहायक प्राध्यापक | 04.07.2022 |

### विभाग के विषय में

वर्ष की प्रारंभिक छमाही में सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग ने आयुष ब्लॉक में बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान की और बुनियादी मामूली ऑपरेशन प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। मुख्य अस्पताल ब्लॉक के पूरा होने के बाद विभाग ने 14 बेड और 2 आईसीयू बेड के साथ रोगी सेवाओं की शुरुआत की। 4 वें और 5 वें सेमेस्टर के स्नातक छात्रों के लिए स्नातक शिक्षण जारी रहा, जिसमें सर्जिकल ओपीडी में व्याख्यान और नैदानिक पोस्टिंग शामिल थी। वर्ष की अंतिम तिमाही तक विभाग ने आपातकालीन और वैकल्पिक प्रमुख ऑपरेटिव सेवाएं शुरू कीं जिसमें खुली सामान्य शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं शामिल थीं। नियमित स्नातक शिक्षण के साथ, विभाग ने कर्मचारियों और स्नातक छात्रों के लिए विभिन्न शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया। विभाग नर्सिंग अधिकारियों के लिए आगमन कक्षाएं आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल था और आपातकालीन स्थिति में तैनात निवासियों और नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित की ताकि उन्हें आघात प्रबंधन की बारीकियों से परिचित कराया जा सके। विभाग ने राज्य के आदिवासी जिलों में चिकित्सा शिविरों में भाग लेकर और बिलासपुर में विकलांगता शिविरों में भाग लेकर क्षेत्र में सामुदायिक सेवाएं सक्रिय रूप से दी हैं, जहां राज्य की प्रमुख सहारा योजना योजना के तहत जरूरतमंद रोगियों को विकलांगता प्रमाण पत्र वितरित किए गए थे। विभाग ने सामुदायिक पहुंच का विस्तार करने के लिए सामान्य शल्य चिकित्सा बीमारियों पर रेडियो वार्ता (एआईआर एफएम) के रूप में सामुदायिक जागरूकता गतिविधियां भी शुरू कीं। इस वर्ष के अंत तक हम इस क्षेत्र में बुनियादी लैप्रोस्कोपिक सर्जिकल सेवाएं शुरू करने में सफल रहे।

विभाग आने वाले वर्ष में सेवाओं का विस्तार करने और हर्निया और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों / कैंसर के प्रबंधन में उन्नत लैप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करने की कल्पना करता है। हमारा लक्ष्य निकट भविष्य में एम्स बिलासपुर में मेटाबोलिक और बेरिएट्रिक सर्जरी शुरू करना है। हमारे विभाग का उद्देश्य शल्य चिकित्सा शिक्षा, रोगी देखभाल और अनुसंधान में उत्कृष्टता का एक प्रकाशस्तंभ बनना है। हम एक मजबूत स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से सर्जनों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने की इच्छा रखते हैं। विभाग सटीक और बेहतर परिणामों के साथ न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रियाएं प्रदान करने के लिए लैप्रोस्कोपी से अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक तक अपनी नैदानिक सेवाओं को आगे बढ़ाएगा।

### सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. **ट्रॉमा प्रशिक्षण कार्यशाला:** 15 सितंबर 2022 को आपातकालीन ट्राइएज में जेआर / एसआर / नर्सिंग अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित

### अनुसंधान

| क. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ठोस अंग कैंसर में पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा की प्रभावकारिता। | डॉ. मोहिम ठाकुर (प्रमुख अन्वेषक) | स्वयं वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | -- |
| 2. | मानव प्रोस्टेट कैंसर में PVT-1 जीन लोकस के miR-2909 पर निर्भर विनियमन की प्रकृति | डॉ. मोहिम ठाकुर (सह-अन्वेषक) | स्वयं वित्त पोषित | 3 वर्ष | जारी | 21 लाख |
| 3. | लाहौल और स्पीति में पारंपरिक आदिवासी चिकित्सकों द्वारा उपयोग की जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों का एथनोफार्माकोलॉजिकल सर्वेक्षण - भारत के उत्तर-पश्चिमी हिमालयी बेल्ट में एक ठंडा रेगिस्तान का क्षेत्र | डॉ. मोहिम ठाकुर (सह-अन्वेषक) | स्वयं वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | -- |
| 4. | कोलेसिस्टेक्टोमी ज्ञान और परिणामों (GECKO) का वैश्विक मूल्यांकन। एक अंतर्राष्ट्रीय समूह अध्ययन | डॉ. मोहिम ठाकुर (प्रमुख अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित मल्टी सेंटर इंटरनेशनल स्टडी | 2 वर्ष | जारी | -- |

**प्रकाशन**

1. **ठाकुर एम, धीमान ए के**, लैप्रोस्कोपिक बनाम अग्राशयी स्यूडोसिस्ट का एंडोस्कोपिक प्रबंधन: एक स्कोपिंग समीक्षा। क्योरस 15 (2): e34694. डीओआई 10.7759/ क्योरस.34694

**सामुदायिक सेवा**
**डॉ. मोहिम ठाकुर**

1. विकलांगता प्रमाणन शिविर झंडूता बिलासपुर हिमाचल प्रदेश -12 अप्रैल 2022
2. केलांग, लाहुल और स्पीति में चिकित्सा शिविर: क्षेत्रीय अस्पताल केलांग में बाह्य रोगी शल्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं और मामूली ऑपरेशन प्रक्रियाएं की गईं।
3. रेडियो वार्ता – आकाशवाणी एफएम हमीरपुर - पित्ताशय की पथरी विषय पर आयोजित सत्र

**डॉ. अजय धीमान**

1. रेडियो वार्ता – आकाशवाणी एफएम हमीरपुर – इंगुइनल हर्निया विषय पर आयोजित सत्र
2. विश्व आघात दिवस 17 अक्टूबर 2022 पर सामुदायिक जागरूकता। स्नातक छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति और ओपीडी में कर्मचारियों और आम जनता को आघात संबंधी सावधानियों और जागरूकता पर पैम्फलेट का वितरण।

## अस्पताल प्रशासन विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. विक्रांत कंवर | सहायक प्राध्यापक | 26.11.2020 |
| 2. | डॉ. मोहम्मद कौसर | सहायक प्राध्यापक | 13.11.2020 से 02.02.2023 |

### विभाग के विषय में

*विभाग का "विजन"*

**We "SAVE" (System, Administer, Values and Economy) with "CARE" (Compassion, Affection, Respect and Empathy)**

*विभाग का " उद्देश्य"*

**एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करना जो मूल्यों और अर्थ प्रबन्धन के माध्यम से प्रशासन करे तथा दयालु, स्नेही, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल सुनिश्चित करे''**

*अस्पताल प्रशासन विभाग के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं:*

- प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने एवं वितरित करने के लिए संस्थान अस्पताल में दिन-प्रतिदिन की प्रशासनिक गतिविधियों को व्यवस्थित और समन्वयित करना।
- प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित स्वास्थ्य प्रणालियों को लागू करना।
- सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए स्वास्थ्य देखभाल कार्य बल का प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण।
- संस्थानों में कानूनी और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देना सुनिश्चित करना।
- तृतीयक देखभाल अस्पतालों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रमों में समन्वय और सुविधा प्रदान करना और राज्य के अन्य अस्पतालों के लिए इन गतिविधियों के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य करना।
- स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन अनुसंधान करना ताकि प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रशासनिक निर्णय लिया जा सके।
- वर्तमान के संबंध में अस्पताल योजना में रुझान और प्रबंधन के बारे में सलाह देना।

### विभाग योजना

| काल | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 5 वर्ष |
|---|---|---|---|
| **रोगी की देखभाल: ओपीडी/आईपीडी/ डायग्रोस्टिक नई सेवाएं** | • ओपीडी सेवाओं की योजना, आयोजन, स्टाफिंग<br>• आंशिक निदान | • चरणबद्ध तरीके से आईपीडी सेवाएं | • पूर्ण विकसित आईपीडी और नैदानिक सेवाएं |
| **शिक्षण और प्रशिक्षण यूजी/पीजी/एसएस** | • एमबीबीएस टीचिंग और फाउंडेशन कोर्स में<br>• वेबिनार और सीएमई<br>• एम्स संकाय के लिए एच-एलएएमपी कार्यक्रम | • एकीकृत स्नातक शिक्षण<br>• एमएचए/एमडी कोर्स<br>• वेबिनार और सीएमई<br>• अन्य संस्थानों के लिए एच-एलएएमपी कार्यक्रम | • पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षण<br>• एमएचए/एमडी प्रशिक्षण<br>• एच-एलएएमपी राष्ट्रीय स्तर पर विभाग के एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में |
| **अनुसंधान क्षेत्र की योजनाएं** | • स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता<br>• टेलीहेल्थ<br>• हेल्थकेयर में मितव्ययी नवाचार<br>• ग्रीन अस्पताल<br>• दुबला प्रबंधन<br>• खरीद पद्धतियों में सुधार | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | • रोगी की सुरक्षा<br>• हेल्थकेयर डिलीवरी मॉडल अनुसंधान<br>• अस्पताल परिचालन अनुसंधान | | |
| **समुदाय की भागीदारी** | • आउटरीच शिविर सेवाएं, विभिन्न रोगी देखभाल सेवाओं के लिए आईईसी गतिविधियाँ | | |
| **राजस्व सृजन**<br>**सेवा शुल्क परियोजना वित्तपोषण** | • स्वास्थ्य डोमेन में वित्त पोषण के लिए अनुसंधान संस्थानों, केंद्रीय / राज्य निकायों के साथ सहयोग | • स्वास्थ्य डोमेन में वित्त पोषण के लिए अनुसंधान संस्थानों, केंद्रीय / राज्य निकायों के साथ सहयोग | • स्वास्थ्य डोमेन में वित्त पोषण के लिए अनुसंधान संस्थानों, केंद्रीय / राज्य निकायों के साथ सहयोग |
| **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व** | • रेड क्रॉस, एसबीआई, एनएचपीसी, एसजेवीएन और अन्य से सीएसआर के तहत दान | | |
| **वैज्ञानिक सहयोग**<br>**अन्य _________**<br>**एम्स/पीजीआई/अन्य मेडिकल कॉलेजों** | • विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के लिए अंतर-विभागीय सहयोग | • राष् ट्रीय और अंतर्राष् ट्रीय महत् व के संस् थानों के साथ बहुकेन् द्र परियोजनाएं। | • राष् ट्रीय और अंतर्राष् ट्रीय महत् व के संस् थानों के साथ बहुकेन् द्र परियोजनाएं। |
| **प्रशासनिक योजना**<br><br>**संकाय की आवश्यकता** | • अस्पताल प्रशासन के शैक्षणिक विभाग की स्थापना<br>• सेवाओं को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए दिन-प्रतिदिन प्रशासनिक गतिविधियाँ<br>• फैकल्टी- 2 पद<br>• सीनियर रेजिडेंट- 2 पद | • रोगी देखभाल सेवाओं को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए दिन-प्रतिदिन प्रशासनिक गतिविधियाँ<br>• फैकल्टी- 2 पद<br>• सीनियर रेजिडेंट- 4 पद<br>• जूनियर रेजिडेंट - 2 पद | • रोगी देखभाल सेवाओं को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए दिन-प्रतिदिन प्रशासनिक गतिविधियाँ<br>• फैकल्टी- 4 पद<br>• सीनियर रेजिडेंट -6<br>• जूनियर रेजिडेंट- 2 पद |

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / पेपर या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / पेपर / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. विक्रांत कंवर | शोधपत्र- | अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | | भारत की टेलीमेडिसिन सोसाइटी, कोच्चि |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. **कंवर, वी.**, चौधरी, एस., और शर्मा, ए. (2023). ग्रामीण भारत में डिजिटल स् वास् थ् य सेवाओं को लागू करने में चुनौतियां। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर टेलीमेडिसिन एंड ईहेल्थ के जर्नल, 11, ई 3 (1-5)। https://doi.org/10.29086/JISfTeH.11.e3

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. विक्रांत कंवर**

1. सदस्य; अस्पताल प्रशासन अकादमी
2. सदस्य; अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा प्रशासन के अनुसंधान फाउंडेशन
3. सदस्य; अमेरिकन कॉलेज ऑफ हेल्थकेयर एग्जीक्यूटिव्स
4. पूर्व सदस्य; आईएसओ बीआईएस, स्वास्थ्य सूचना विज्ञान अनुभागीय समिति
5. सदस्य, टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया

## मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रवेश धीमान | सह-प्राध्यापक | 28.06.2022 |

### विभाग के विषय मे

विभाग ने जुलाई 2022 से आयुष ब्लॉक से मेडिकल ऑन्कोलॉजी और विशेष हेमेटोलॉजी देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया। इनडोर सुविधा सितंबर 2022 में कार्यात्मक हो गई। विभाग ने इनडोर वार्डों के साथ शिफ्ट फंक्शनल डे केयर यूनिट बनाई है। विभाग ने कीमोथेरेपी प्रशासन तकनीकों में नर्सिंग पेशेवरों और कनिष्ठ निवासियों को प्रशिक्षित किया। सितंबर 2022 से मार्च 2023 तक विभाग ने 203 कीमोथेरेपी दी हैं और यह संख्या बढ़ रही है। पीआईसीसी लाइन सम्मिलन से गुजरने वाले रोगियों की संख्या 6 थी। विभाग ने विभिन्न हेमेटोलॉजिकल विकारों के निदान और प्रबंधन के लिए 18 अस्थि मज्जा चूषण और बायोप्सी की है। पांच रोगियों का केमोपोर्ट प्रविष्टि किया. नर्सिंग स्टाफ और जूनियर निवासियों को केंद्रीय शिरापरक कैथेटर की पहुंच और हैंडलिंग सिखाई गई। घातक जलोदर वाले पांच रोगियों को प्लूरेक्स कैथेटर प्रविष्टि के साथ प्रबंधित किया गया। विभाग ने सीएनएस प्रोफिलैक्सिस और लेप्टोमेनिंगियल रोग के प्रबंधन के लिए कीमोथेरेपी दवाओं का इंट्राथेकल प्रशासन शुरू कर दिया है। इसके अलावा, विभाग मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, इम्यून चेक पॉइंट इनहिबिटर और अन्य लक्षित उपचारों को प्रशासित करने में शामिल है। विभाग ने लिखित संस्थागत प्रोटोकॉल विकसित किए हैं, डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजी पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम एसएसी द्वारा अनुमोदित किया गया है। विभाग ने एम्स बिलासपुर में अत्याधुनिक बीएमटी इकाई विकसित करने का प्रस्ताव दिया है जो इन सेवाओं को प्रदान करने वाला राज्य का पहला होगा। बुनियादी ढांचा सीएआर टी सेल थेरेपी जैसे अत्याधुनिक उपचार प्रदान करने में मदद करेगा। विभाग विभिन्न परीक्षणों और अन्य अनुसंधान गतिविधियों के लिए अन्य संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा है |

### प्रकाशन

### शोधपत्र

1. **धीमान पी**, बाप्सी पीपी, पाटिल सीएन, रघुपति आर। क्या इष्टतम साइटोरिडक्शन पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी उन्नत डिम्बग्रंथि के कैंसर में एकमात्र रोगसूचक कारक है? दक्षिण एशियाई जे कैंसर। 2022 30 दिसंबर; 11(3):207-212. दोई: 10.1055/एस-0042-1755291।
2. सैंडल आर, **धीमान पी**, शर्मा पी, गुप्ता एम। विरचो नोड (ट्रोइसियर संकेत) और वृषण कार्सिनोमा। QJM. 2022 नवंबर 14; 115(11):754-755. दोई: 10.1093 / qjmed / hcac175। पीएमआईडी: 35861415।

### पुस्तक में अध्याय

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष,प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | राजीव संदल, आशीष चौहान, आदित्य जंडियाल, कुंदन | एंटरोपैथी-संबद्ध टी-सेल लिम्फोमा-वर्तमान युग में | नीमा रेजाई | अंतःविषय कैंसर अनुसंधान | प्रकाशित 31 जनवरी 2023<br>प्रकाशक: स्प्रिंगर, चाम<br>(https://doi.org/10.1007/16833_2022_114) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | मिश्रा, पुलकित रस्तोगी प्रवेश धीमान और आशीष कुमार | महामारी विज्ञान, प्राकृतिक इतिहास और प्रबंधन। | | | |

## सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रशांत सूद | अतिरिक्त प्राध्यापक | 22.03.2021 |
| 2. | डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता | सह-प्राध्यापक | 08.12.2020 |
| 3. | डॉ. मेघा शर्मा | सहायक प्राध्यापक | 09.11.2020 |
| 4. | डॉ. स्वाति गुप्ता | सहायक प्राध्यापक | 20.11.2020 |

### विभाग के विषय में

2022-23 के दौरान माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने संस्थान के शैक्षणिक और नैदानिक ब्लॉकों में अपनी प्रयोगशालाएँ स्थापित करना शुरू किया। एनटीईपी और हिमाचल राज्य सरकार की सहायता से एक डायरेक्ट माइक्रोस्कोपी सेंटर शुरू किया गया। डायरेक्ट माइक्रोस्कोपी सेंटर ने ज़ीहल-नील्सन माइक्रोस्कोपी सेवाएं प्रदान करना शुरू किया और बिलासपुर और धरमपुर, हिमाचल प्रदेश में राज्य एनटीईपी केंद्रों को अन्य तपेदिक निदान के लिए नमूनों को रेफर करने की सुविधा प्रदान की। इसके साथ ही एनटीईपी कार्यक्रम के तहत जीनएक्सपर्ट (सीबीएनएएटी) सेवाएं शुरू करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई। NACO दिशानिर्देशों के अनुसार रोगियों को मुफ्त एचआईवी परीक्षण प्रदान करने के लिए राज्य एचआईवी केंद्र, हिमाचल प्रदेश के अनुरूप एक एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र (आईसीटीसी) स्थापित करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई थी। विभाग ने BacT/ALERT 3D और VITEK 2 माइक्रोबियल डिटेक्शन, पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण प्रणालियों को नियोजित करके स्वचालित रक्त संस्कृति सेवाएं शुरू करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया। समानांतर में, विभाग वायरोलॉजी (एचएवी, एचबीवी, एचसीवी, एचईवी, एचआईवी-1 और 2, डेंगू), बैक्टीरियल सीरोलॉजी (वीडीआरएल, स्क्रब टाइफस, विडाल, टाइफाइडॉट), पैरासिटोलॉजी (मल माइक्रोस्कोपी,) की बुनियादी माइक्रोबायोलॉजी परीक्षण सेवाएं प्रदान कर रहा है। एम्स, बिलासपुर में स्थापित HIND प्रयोगशालाओं के माध्यम से मलेरिया परिधीय स्मीयर, मलेरिया सेरोलॉजी), और माइकोलॉजी (KOH माइक्रोस्कोपी)। विभाग अपनी रोगी देखभाल सेवाओं को शुरू करने और मजबूत करने के लिए उपकरण और संसाधन खरीद रहा है।विभाग ने एमडी (माइक्रोबायोलॉजी), एमबीबीएस, बीएससी एमएलटी और बीएससी नर्सिंग डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए स्नातकोत्तर और स्नातक पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करने का काम पूरा कर लिया है। विभाग ने एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच (बैच 2020) के प्रशिक्षण और दूसरे वर्ष की और बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के पहले बैच के माइक्रोबायोलॉजी व्यावसायिक परीक्षाओं को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है| बीएससी एमएलटी माइक्रोबायोलॉजी में शिक्षण और प्रशिक्षण भी पहले बैच (बैच 2022) के लिए शुरू किया गया है। इसके अलावा, विभाग ने संस्थान के संकाय, नर्सिंग अधिकारियों, छात्रों और कर्मचारियों के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। माइक्रोबायोलॉजी संकाय को बाहरी परीक्षकों और विषय विशेषज्ञों के रूप में भी आमंत्रित किया गया है, और उन्होंने हिमाचल प्रदेश और पूरे उत्तर भारत में विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय शिक्षण संस्थानों को थीसिस सेवाएं प्रदान की हैं।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग को 2022-23 के दौरान डीएचआर, आईसीएमआर, डीएसटी, यूएनडीपी और एफएआईएमईआर सहित विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से छह अनुसंधान अनुदान से सम्मानित किया गया। इनमें से, विभाग ने डीएचआर-आईसीएमआर के तत्वावधान

में एम्स, बिलासपुर में एक क्षेत्रीय वीआरडीएल की स्थापना के लिए अनुदान सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। इस उन्नत केंद्र की स्थापना का कार्य शुरू किया जा रहा है, जिसमें समर्पित बीएसएल-2 और बीएसएल-3 वायरोलॉजी प्रयोगशालाओं का निर्माण और उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद और कमीशनिंग शामिल है। अनुसंधान अनुदान के अलावा, विभाग के युवा संकाय कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के आयोजन और उनमें भाग लेने मेसक्रिय रहे हैं, और उन्हें नीचे सूचीबद्ध कई उल्लेखनीय सम्मानों से सम्मानित किया गया है।

**सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन**

1. 05.05.2022 को हाथ स्वच्छता दिवस समारोह (संकाय, छात्रों, नर्सिंग स्टाफ और स्वच्छता कर्मचारियों के लिए व्याख्यान, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता)
2. 13.09.2022 को विश्व सेप्सिस दिवस समारोह (संकाय और छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता)
3. 18-19 अक्टूबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह समारोह (व्याख्यान, प्रतिज्ञा, प्रश्नोत्तरी, नारा प्रतियोगिता)

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. मेघा शर्मा | संक्रामक रोगों के निदान के लिए जैवविश्लेषणात्मक तकनीकों में नवाचार। अतिथि व्याख्यान | विश्लेषणात्मक और जैवविश्लेषणात्मक तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 05.09.2022 | हैसेल्ट विश्वविद्यालय, बेल्जियम और कैस्टिला-ला मांचा विश्वविद्यालय, स्पेन। पेरिस, फ्रांस में हाइब्रिड कार्यक्रम। |
| 2. | डॉ. मेघा शर्मा | 5 वर्षों में एजोल एंटीफंगल के खिलाफ रक्तप्रवाह में संक्रमण पैदा करने वाले कैंडिडा अल्बिकन्स की संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। पोस्टर | ISHAM सम्मेलन (मानव और पशु माइकोसेस के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी)20-24 सितंबर 2022 | 21.09.2022 | ISHAM, होटल द अशोक, नई दिल्ली। |
| 3. | डॉ. मेघा शर्मा | माइकोबैक्टीरियम एब्सेसस कॉम्प्लेक्स-एसोसिएटेड क्रोनिक मेनिनजाइटिस: तपेदिक से परे सोचने का समय- पोस्टर | आईएएमएम सम्मेलन (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट) 23-27 नवंबर 2022 | 25.11.2022 | कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज। भुवनेश्वर, उड़ीसा। |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | क्षेत्रीय वीआरडीएल | सह-अन्वेषक: डॉ. प्रशांत सूद, डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. मेघा शर्मा, डॉ. स्वाति गुप्ता | बाह्य वित्त पोषित (DHR-ICMR) | रोलिंग | जारी | रु. 5 साल के लिए 19.4 करोड़ तो ~ रु. 1 करोड़/वर्ष |
| 2. | UNDP-RTI मल से हिमाचल प्रदेश में कृमि संक्रमण का प्रसार | सह-अन्वेषक: डॉ. प्रशांत सूद, डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. स्वाति गुप्ता | बाह्य वित्त पोषित (UNDP-RTI) | 06 दिवस | संपन्न | रु. 1.5 लाख |
| 3. | एम्स बिलासपुर में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग लैब स्थापित करना | सह-अन्वेषक: डॉ. प्रशांत सूद | बाह्य वित्त पोषित (AAPIO, USA) | एकमुश्त अनुदान | जारी | रु 83.9 लाख |
| 4. | मेडिकल स्नातक छात्रों के बीच अंतराल पुनर्प्राप्ति अभ्यास के लिए डिजिटल फार्माकोलॉजी फ्लैशकार्ड का कार्यान्वयन | सह-अन्वेषक: डॉ. प्रशांत सूद | बाह्य वित्त पोषित (गैर-वित्त पोषित), FAIMER | 2 वर्ष | जारी | गैर-वित्त पोषित |
| 5. | अस्पताल आधारित एसटीआई निगरानी नेटवर्क की स्थापना भारत | प्रमुख अन्वेषक: डॉ. पुनीत के गुप्ता; सह-अन्वेषक: डॉ. स्वाति गुप्ता, डॉ. प्रशांत सूद | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | रु. 3.5 करोड़ |
| 6. | मानव ब्रुसेलोसिस के वास्तविक बोझ को उजागर करना: ब्रुसेलोसिस को ब्रुसेला उपनिवेशण से अलग करने के लिए bcsp31क्वांटिटेटिव पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (qपीसीआर) का मूल्यांकन करना। | प्रमुख अन्वेषक: डॉ. मेघा शर्मा | बाह्य वित्त पोषित (DST-SERB) | 2 वर्ष | जारी | रु. 15,31,200 |

## प्रकाशन

### शोधपत्र

1. **शर्मा एम**, रुद्रमूर्ति एसएम, चक्रवर्ती ए. ठोस अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में आक्रामक फंगल संक्रमण की महामारी विज्ञान: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। वर्तमान फंगल संक्रमण प्रतिनिधि [इंटरनेट]। 2022;16(4):179-87. यहां उपलब्ध: https://doi.org/10.1007/s12281-022-00446-w
2. शर्मा के**, शर्मा एम**, अय्यादुरई एन, डोगरा एम, शर्मा ए, गुप्ता वी, एट अल। तपेदिक का पता लगाने और नेत्र क्षय रोग वाले मरीजों के पार्स प्लाना विट्रोक्टोमी नमूनों में रिफैम्पिसिन प्रतिरोध की पहचान करने के लिए जीनएक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ अल्ट्रा और जीनएक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ का तुलनात्मक मूल्यांकन। ओकुल इम्यूनोल इन्फ्लैम [इंटरनेट]। 2022;00(00):1-7. यहां उपलब्ध: https://doi.org/10.1080/09273948.2022.2064880
3. शर्मा के, **शर्मा एम**, शर्मा वी, शर्मा एम, परमार यूपीएस, सामंता जे, एट अल। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल तपेदिक के एक साथ निदान और पहली-पंक्ति और दूसरी-पंक्ति दवा प्रतिरोध का पता लगाने के लिए एमटीबीडीआरप्लस और एमटीबीडीआरएसएल। जर्नल ऑफ़ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी (ऑस्ट्रेलिया)। 2023;38:619–24।
4. सरकार एस, राठो आरके, सिंह एम, सिंह एमपी, सिंह ए, **शर्मा एम**। तीव्र निचले श्वसन संक्रमण वाले श्वसन सिंकाइटियल और मानव मेटान्यूमोवायरस संक्रमित बच्चों की महामारी विज्ञान, नैदानिक विशेषताएं और साइटोकाइन प्रतिक्रिया का तुलनात्मक विश्लेषण। जेपीएन जे संक्रमण रोग। 2022;75:56-62.
5. शर्मा के, शर्मा एम, शर्मा वी, **शर्मा एम**, सामंता जे, शर्मा ए, एट अल। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल तपेदिक के लिए ट्रूनेट एमटीबी प्लस के नैदानिक प्रदर्शन का मूल्यांकन। जेजीएच. 2022
6. शर्मा के**, शर्मा एम**, अय्यादुरई एन, डोगरा एम, शर्मा ए, गुप्ता वी, एट अल। नेत्र क्षय रोग के निदान और दवा प्रतिरोध का पता लगाने के लिए ट्रूनैट परख का मूल्यांकन। ओकुल इम्यूनोल इन्फ्लैम [इंटरनेट]। 2023;फ़रवरी 1:1-7. यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1080/09273948.2023.2170888
7. शर्मा के, **शर्मा एम**, शर्मा ए, ढिल्लों एमएस। वास्तविक समय पोलीमरेज़ श्रृंखला प्रतिक्रिया और उच्च-रिज़ॉल्यूशन पिघल-वक्र विश्लेषण का उपयोग करके ऑस्टियो-आर्टिकुलर तपेदिक और मल्टीड्रग प्रतिरोध का निदान करना। जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक रिसर्च. 2022;(मई):1-6।
8. यादव बी, **शर्मा एम**, सिंगला एन, श्री आर, गोयल एम, मोदी टी, एट अल। ट्यूबरकुलस मैनिंजाइटिस का आणविक निदान: एसडीएए-आधारित बहु-लक्षित लैंप और जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा। क्षय रोग [इंटरनेट]। 2023;140(जनवरी):102339। https://doi.org/10.1016/j.tube.2023.102339
9. सेठी एस, शर्मा एन, **शर्मा एम**, डडवाल आर, सिंह सी, चौधरी एच, एट अल। गर्भाशय-ग्रीवा स्राव वाली महिला रोगियों में गैर-वायरल प्रजनन पथ संक्रमण/यौन संचारित संक्रमण की व्यापकता: उत्तर भारत में एक क्षेत्रीय संदर्भ केंद्र से अंश। इंडियन जे सेक्स ट्रांसम डिस एड्स। 2022;43(2):135-40।
10. गोयल जी, कौर यू, **शर्मा एम**, सहगल आर. परजीवी संक्रमण के न्यूरोसाइकिएट्रिक पहलू-एक समीक्षा। न्यूरोल इंडिया. 2023;71(2):228-32.
11. **शर्मा एम**, चक्रवर्ती ए. कैंडिडिआसिस और अन्य उभरते यीस्ट। कर्र फंगल इंफेक्शन प्रतिनिधि 2023;17(1):15-24।
12. मेघा के, **शर्मा एम**, गुप्ता ए, सहगल आर, खुराना एस. एकैंथामीबा टी4 कॉम्प्लेक्स की उप-जीनोटाइपिंग: उत्तर भारत से अनुभव। पैरासिटोलोगिया। 2023;3(1):69-78.
13. कनौजिया आर, रामनाथन एस, सरोदे आर, कनौजिया आर, रुद्रमूर्ति एसएम, **गुप्ता एस**। तीव्र ल्यूकेमिया वाले बच्चे में बडिंग यीस्ट: इसके बारे में कुछ भी CRYPT(O)IC नहीं। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2022;65:468-71

### पुस्तक में अध्याय

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **शर्मा एम**, शर्मा के | स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस का माइक्रोबायोलॉजिकल निदान। | सर्वदीप सिंह धट्ट | स्पाइन का ट्यूबरकुलोसिस | प्रथम संस्करण, 2022 स्प्रिंगर |
| 2. | **शर्मा एम**, चक्रवर्ती ए | कैंडिडा ऑरिस - जांच, रोकथाम और प्रबंधन | सुभाष टोडी | क्रिटिकल केयर अपडेट | पाँचवाँ संस्करण, 2023 जेपी ब्रदर्स |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. मेघा शर्मा**

1. NAMSCON नवंबर 2022 में MAMS (NAMS की सदस्यता) से सम्मानित किया गया।
2. ISHAM सितंबर 2022 में यंग ISHAM पुरस्कार (पंजीकरण) से सम्मानित किया गया।
3. प्रकाशन को नवंबर 2022 में माइक्रोवॉन में माइकोबैक्टीरियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए प्रोफेसर ए.एन. चक्रवर्ती पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
4. ISHAM (अंतर्राष्ट्रीय) की सदस्यता सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल मायकोसेस) 2022
5. फरवरी 2023 में लाइफ मेंबरशिप एपिडेमियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया।
6. अक्टूबर 2022 में एम्स बिलासपुर के एनाटॉमी विभाग द्वारा विश्व एनाटॉमी दिवस समारोह में कविता के लिए प्रथम पुरस्कार।
7. विश्व गठिया दिवस पर ई-स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अक्टूबर 2022 में आंतरिक चिकित्सा और हड्डी रोग विभाग, एम्स बिलासपुर द्वारा उत्सव।

**सामुदायिक सेवा**

**डॉ. प्रशांत सूद, डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. स्वाति गुप्ता**

1. यूएनडीपी-आरटीआई द्वारा वित्त पोषित एसटीएच कार्यक्रम के तहत 13-18 मई 2022 तक हिमाचल प्रदेश के चार जिलों (सोलन, मंडी, शिमला और किन्नौर) में मिट्टी से प्रसारित कृमि की समुदाय-आधारित निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन किया गया।

**डॉ. मेघा शर्मा**

1. 22.03.2023 को एम्स बिलासपुर में एचपीजीजीईसी कांगड़ा के बी.आर्क के 30 छात्रों का लाइव अध्ययन दौरा आयोजित किया गया।
2. जीएसएसएस संघवाई जिला के कक्षा 9 और 10 के 27 छात्रों का लाइव अध्ययन दौरा एम्स बिलासपुर 09.02.2023आयोजित किया गया।.
3. हाथ की स्वच्छता पर एक ऑनलाइन बातचीत की, 10.05.2022 को "फ्रंटियर मुख्यालय, बीएसएफ एसबी कोलकाता की सभी महिलाओं" के विभिन्न केंद्रों पर 300 से अधिक ऑनलाइन प्रतिभागियों के साथ सक्रिय बातचीत हुई।

## नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नलिनी ए. | सहायक प्राध्यापक | 08.02.2021 |

### विभाग के बारे में

विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली बाह्य रोगी सेवाएं अच्छी तरह से नवजात शिशु, उच्च जोखिम वाले शिशु और प्रसवपूर्व परामर्श का पालन करती हैं। नियमित नवजात देखभाल और आपातकालीन नवजात देखभाल और नवजात स्क्रीनिंग, नवजात शिशु की स्तर 2 देखभाल के साथ रोगी सेवाएं शुरू हो गई थीं। संकाय आवश्यक और आपातकालीन नवजात देखभाल पर स्नातक चिकित्सा छात्रों, एसआर, जेआर और बाल रोग और नियोनेटोलॉजी के नर्सिंग अधिकारी को पढ़ा और प्रशिक्षण दे रहा है। संकाय नीति और प्रोटोकॉल तैयारी, एनआईसीयू डिजाइन, नैदानिक और शिक्षण सामग्री, खरीद में भी शामिल था। विभाग को 1 आईसीएमआर बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ था। सामुदायिक गतिविधियों जैसे नवजात शिशुओं की घर-आधारित देखभाल पर समुदाय में माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम और स्तनपान की अनन्य और प्रारंभिक शुरुआत पर टीकाकरण क्लिनिक में भाग लेने वाली माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। संकाय सदस्य भी विभिन्न समितियों के सदस्य हैं।

विभाग का दृष्टिकोण व्यापक सामुदायिक देखभाल सहित साक्ष्य आधारित, गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल प्रदान करना, उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ उच्चतम मानक के एनआईसीयू की स्थापना करना, स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अभिनव शिक्षण और डीएम नियोनेटोलॉजी और फैलोशिप पाठ्यक्रम का सुपर स्पेशियलिटी कोर्स शुरू करना, अनुसंधान परियोजनाओं, पेटेंट और प्रतिष्ठित अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशनों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुदान प्राप्त करना है। साक्ष्य-आधारित रोगी देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण की गतिविधियों में संस्थान को उच्चतम स्तर तक ऊपर उठाएं।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. विश्व स्तनपान सप्ताह पर, स्तनपान पर सीएमई का आयोजन किया गया, स्नातक और नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।
2. राष्ट्रीय नवजात सप्ताह समारोह के दौरान, आवश्यक नवजात देखभाल पर सीएमई का आयोजन किया गया, स्नातक और नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।
3. बाल चिकित्सा क्षय रोग पर सीएमई बाल रोग विभाग के साथ सह-आयोजित किया गया था।

### शोध परियोजना

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | बिलासपुर जिले के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने के लिए पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग और फेमोरल पल्स पैल्पेशन का | डॉ. नलिनी ए. (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 15 माह | जारी | 4,84,826 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संयोजन- एक संभावित अवलोकन क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, अध्ययन संख्या: 2021-13072 | | | | | |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. नलिनी ए.**

1. NPTEL स्टार बिलीवर पुरस्कार प्राप्त किया

**सामुदायिक सेवा**

1. विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर अगस्त के प्रथम सप्ताह में मारकंड के सिविल अस्पताल में जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।
2. नवंबर के तीसरे सप्ताह में राष्ट्रीय नवजात सप्ताह समारोह के दौरान, मार्कंड ब्लॉक के कर्मचारियों के लिए नवजात पुनर्जीवन पर कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ घर आधारित नवजात देखभाल पर जन जागरूकता कार्यक्रम दिया गया।
3. संकाय ने 05.04.2022 को आयोजित दिव्यांगों के लिए विशेष ओलंपिक भारत शिविर के रोगियों को परामर्श प्रदान करने वाले स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया था।
4. राज्य चिकित्सा अधिकारियों के सहयोग से एम्स के आयुष ब्लॉक में 07.5.2022 को कुपोषित बच्चों के लिए शिविर (एसएएम शिविर) भी आयोजित किया गया था।
5. आयुष ब्लॉक में 04.05.2022 को जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम के साथ बाल चिकित्सा अस्थमा दिवस मनाया गया।

## वृक्क रोग विज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. संजय विक्रांत | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | 21.11.2020 |

### विभाग के विषय में

21 नवंबर, 2020 को संकाय के शामिल होने के साथ एम्स बिलासपुर में वृक्क रोग विज्ञान विभाग शुरू हुआ।

**रोगी देखभाल सेवाएँ:** गुर्दे के रोगियों के लिए बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी के आधार पर नियमित और आपातकालीन देखभाल। 05 अक्टूबर, 2022 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा एम्स बिलासपुर के उद्घाटन के साथ डायलिसिस यूनिट चालू कर दी गई। वृक्क रोग विज्ञान ओपीडी सप्ताह में तीन दिन आयोजित की जाती है। अस्थायी और सुरंगयुक्त संवहनी पहुंच प्रक्रियाओं की नियुक्ति हेमोडायलिसिस कैथेटर, धमनीविस्फार फिस्टुला और किडनी बायोप्सी शुरू की गई। इस अवधि के दौरान किया गया नैदानिक कार्य इस प्रकार है: कुल ओपीडी उपस्थिति 2827, आईपीडी 170, हेमोडायलिसिस 493, सीएपीडी 1, एचडी 69 के लिए कुल लाइन सम्मिलन, टनल्ड एचडी कैथेटर प्लेसमेंट 09, एवी फिस्टुला = 36, किडनी बायोप्सी 27।

**शिक्षण और प्रशिक्षण:** *स्नातक शिक्षण:* स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार वृक्क रोग विज्ञान और डायलिसिस में एमबीबीएस का शिक्षण।

*स्नातकोत्तर शिक्षण:* आंतरिक चिकित्सा विभाग, बाल चिकित्सा और विकृति विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों के वृक्क रोग विज्ञान में घूर्णी प्रशिक्षण।विभाग में स्नातकोत्तर डीएम (वृक्क रोग विज्ञान) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होगा।

*पैरामेडिकल विज्ञान के लिए पाठ्यक्रम* **:** बी.एससी. पांच छात्रों के वार्षिक प्रवेश के साथ डायलिसिस थेरेपी प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम नवंबर 2022 में शुरू किया गया था।

**अनुसंधान:** अनुसंधान के क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय एकेआई, सीकेडी, ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और वास्कुलिटिस, गुर्दे की पथरी की बीमारी, एडीपीकेडी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह गुर्दे की बीमारी, इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस विकार, क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी, पेरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस , किडनी प्रत्यारोपण और उच्च ऊंचाई वाली चिकित्सा।

### सीएमई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिए गए व्याख्यान पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए सम्मेलन

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान का शीर्षकध/पत्र/ पोस्टर | सीएमई/ सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | विक्रांत एस., जरयाल ए | पीओएस-128 संक्रमणसंबंधीस्त वकवृक्कशोथ रगड़ने के कारण टाइफसरू की एक रिपोर्ट-दो मामले | आईएसएन फ्रंटियर्स – “संक्रमण और यह गुर्दे” पर बैठक | 22-25 सितम्बर,2022 | अंतरराष्ट्रीय नेफ्रोलॉजी समिति और भारतीय नेफ्रोलॉजीए समिति पीओएस-042 नई दिल्ली |
| | | पीओएस-042 नई दिल्ली क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम और संक्रमण से संबंधित गुर्दे की बीमारी का परिणाम: भारत से एकल केंद्र का अध्ययन | | | |

## अनुसंधान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कीटनाशक जोखिम और क्रोनिक किडनी रोग अनिर्धारित एटियलजि (CKDu) हिमाचल प्रदेश राज्य में कृषि पर जीवन यापन कर रहे लोगों के बीच | डॉ. विक्रांत एस. (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (एचपी काउंसिलविज्ञान कीए तकनीकी-पर्यावरण) | | जारी | |
| 2. | सीवीडी के लिए एलोप्यूरिनॉल सीकेडी (AvoiD-CKD) डबल ब्लाइंडए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणए एक बहु-केन्द्रित परीक्षण | डॉ. विक्रांत एस. (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DBT-वेलकम ट्रस्ट भारत गठबंधन बहु-केन्द्रित परियोजना) | | जारी | |
| 3. | पीकेडी में जीनोमिक अध्ययन में बहुकेन्द्रीय अध्ययन बी.एच.यू. के साथ सहयोग | डॉ. विक्रांत एस. (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DBT) | | जारी | |
| 4. | बहुकेन्द्रित "भारतीय दीर्घकालिक वृक्क रोग" अध्ययनश् समूह अध्ययन | डॉ. विक्रांत एस. (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DBT) | | सम्पन्न | |

## प्रकाशन

### शोधपत्र

1. जरयाल ए, **विक्रांत एस**, गुप्ता डी. महामारी विज्ञान और तीव्र गुर्दे की चोट की आवश्यकता वाले डायलिसिस के परिणाम: एक एकल- केंद्र अध्ययन। थेर एफ़र डायल. 2022 जून;26(3):594-600।
2. जरयाल ए, **विक्रांत एस**. एंटी-ग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन रोग: साइक्लोफॉस्फेमाइड बनाम रीटक्सिमैब इंडक्शन थेरेपी आहार का उपचार परिणाम। क्लिन नेफ्रोल. 2022 दिसम्बर;98(6):280-287.
3. जरयाल ए, **विक्रांत एस**। टाइप 2 डायबिटिक मेलिटस वाले रोगी में एंटी-ग्लोमेरुलर बेसमेंट मेम्ब्रेन रोग: इम्यूनोमॉड्यूलेटरी थेरेपी के बाद दोनों की दीर्घकालिक छूट। एफ़र डायल. 2022 अक्टूबर;26(5):1047-1048।
4. प्रसाद एन, यादव एके, कुंडू एम, जारयाल ए, सरकार डी, मोदी जी, सहाय एम, गोपालकृष्णन एन, **विक्रांत एस** वरुघीस एस, बैद-अग्रवाल एस, सिंह एस, गैंग एस, परमेश्वरन एस, घोष ए, कुमार वी, झा वी. रेनिन-एंजियोटेंसिन ब्लॉकर का उपयोग आईसीकेडी अध्ययन से हल्के-मध्यम क्रोनिक किडनी रोग-निष्कर्षों वाले भारतीय रोगियों में हृदय मृत्यु दर में सुधार के साथ जुड़ा हुआ है। फ्रंट मेड (लॉज़ेन)। 2022 दिसंबर 20;9:1060148

## सामुदायिक सेवा

1. नेफ्रोलॉजी विभाग और किडनी केयर सोसायटी द्वारा विश्व किडनी 2022 समारोह, 10 मार्च 2022 को स्वास्थ्य कर्मचारियों और रोगियों में सीकेडी जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया।

# तंत्रिका विज्ञान विभाग

## संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. आशीष शर्मा | अतिरिक्त प्राध्यापक | 14.06.2023 |
| | | सह प्राध्यापक | 23.11.2020 (13.06.2022 पर्यत) |

## विभाग के बारे में

वर्तमान में तंत्रिका विज्ञान विभाग में एक एकल संकाय, अतिरिक्त प्रोफेसर और एक नर्सिंग अधिकारी ग्रेड द्वितीय है। विभाग ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सप्ताह में दो बार और फिजिकल ओपीडी के माध्यम से सप्ताह में तीन बार रोगियों को परामर्श प्रदान कर रहा है। विभाग रोगियों को चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है जैसे समर्पित उप-विशेषता क्लीनिक (जैसे सिरदर्द/मिर्गी/स्ट्रोक/मूवमेंट डिसऑर्डर/कॉग्निटिव एंड बिहेवियर न्यूरोलॉजी/न्यूरो-इम्यूनोलॉजी), विशिष्ट न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों के लिए समर्पित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसे स्ट्रोक रिस्पांस टीम और नैदानिक सेवाएं जैसे ईईजी/ईएमजी-एनसीएस और ईएमजी/ईपी/टीसीडी/बेसिक आरटीएमएस/डे केयर प्रक्रियाएं, इनपेशेंट लैब सेवाएं (3): ईएमयू-वीईईजी/स्लीप लैब-पीएसजी/एडवांस्ड आरटीएमएस। विभाग फाउंडेशन कोर्स और एईटीसीओएम में स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। विभाग पोस्ट डॉक्टोरल कोर्स (डीएम न्यूरोलॉजी) शुरू करेगा। विभाग अन्य संस्थानों के प्रतिष्ठित संकायों को विजिटिंग फैकल्टी के रूप में शामिल करने के लिए विभागीय बोर्ड ऑफ स्टडीज स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। इच्छुक चिकित्सा छात्रों और चिकित्सा पेशेवरों के लिए अल्पकालिक नैदानिक पर्यवेक्षक शिप प्रदान की जाएगी। संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल है और इसके साथ कई वित्त पोषित परियोजनाएं हैं। विभाग आउटरीच शिविरों और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है ।

## सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन

1. बीएनएआई के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक 10-12 जून, 2022 से चैल, सोलन (हिमाचल प्रदेश) में।
2. 10-12 जून 2022 तक मंथन के आयोजक, चैल, सोलन (हिमाचल प्रदेश)।

## सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक एवं स्थल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. आशीष शर्मा | सारांश | AOCN-IANCON 2022 | 2-6 नवंबर, 2022 | नई दिल्ली |
| | | सारांश | डब्ल्यूएससी 2022 | 26-29 अक्टूबर, 2022 | सिंगापुर |
| | | सारांश | ईकॉन 2022 | 5-7 अगस्त, 2022 | त्रिवेन्द्रम |
| | | सारांश | एपीएससी 2022 | 25-27 नवंबर, 2022 | ताइवान |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | सारांश | NSICON 2022 | दिसंबर-7-11, 2022 | आगरा |
| | | चार सारांश | आईएएन-सीएनपीकॉन 2022 | 9-11 सितंबर, 2022 | तिरुपति (एपी)। |
| | | सत्र के अध्यक्ष | NCNO | 10-12 फरवरी, 2023 | पीजीआई चंडीगढ़- |
| | | संसाधन संकाय | श्रेणीकरण | दिसम्बर 16-18,22 | रिम्स रांची |
| | | वक्ता | न्यूरोलॉजी और न्यूरोलॉजिकल विकारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 16-17 जून, 2022 | रोम (इटली) |
| | | वक्ता | न्यूरोजोन | 2-3 जुलाई, 2022 | शिमला |
| | | वक्ता | मास्टरक्लास | 3 सितंबर-2022 | आभासी |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | पार्किंसंस रोग, मधुमेह मेलेटस और माइग्रेन रोगियों में ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्ट (तीन परियोजनाएं): 40/23, 41/23 और 42/23 | डॉ. आशीष शर्मा (प्रमुख अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं) | 3 वर्ष | जारी | -- |
| 2. | माइग्रेन, पार्किंसंस रोग और कार्यात्मक न्यूरोलॉजिकल विकार (तीन परियोजनाएं): 43/23, 44/23, 45/23 में योग मॉड्यूल | डॉ. आशीष शर्मा (प्रमुख अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं) | 3 वर्ष | जारी | -- |
| 3. | न्यूरोलॉजी ओपीडी रोगियों के स्वस्थ परिचरों में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) स्क्रीनिंग के लिए अन्वेषक-शुरू किया गया कार्यान्वयन अनुसंधान | डॉ. आशीष शर्मा (प्रमुख अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं) | -- | जारी | -- |
| 4. | तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप प्रबंधन: एक क्लस्टर यादृच्छिक | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DHR) | 4 वर्ष | जारी | 1785250/- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | नियंत्रित परीक्षण (स्ट्रोक केयर अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार) FeSSH / InQuIST: SWG / न्यूरो / 35/2018-NCD-I | | | | | |
| 5. | रक्त बायोबैंक स्ट्रोक और नियंत्रण / रोगी (FeSSH / InQuIST की शाखा) | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DHR) | 4 वर्ष | जारी | -- |
| 6. | स्मार्टफोन आधारित टेली स्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' के नेतृत्व में तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया): एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DHR) | 2 वर्ष | जारी | 492340 /- |
| 7. | इंडियन स्ट्रोक क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क चरण II (INSTRUCT नेटवर्क चरण II) की स्थापना | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | -- | जारी | 411600 / वर्ष |
| 8. | सहज इंट्रासेरेब्रल रक्तस्राव में ट्रैनेक्सैमिक एसिड का भारतीय परीक्षण (आंतरिक परीक्षण) | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 4 वर्ष | जारी | 576800 /- |
| 9. | आईसीएमआर-एनसीडीआईआर, बेंगलुरु के राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री कार्यक्रम के तहत अस्पताल आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्रियों (एचबीएसआर) का विकास | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR-NCDIR) | -- | जारी | कोई नहीं (तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी) |
| 10. | स्टेनोसिस: इंट्राक्रैनील एथेरोस्क्लेरोटिक रोग के कारण इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में दीर्घकालिक एकल बनाम दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी: एक यादृच्छिक परीक्षण। | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | 558672 /- |
| 11. | प्रोत्साहन: मेडिकल कॉलेजों में समान स्ट्रोक देखभाल और परिणामों के लिए एक | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | 269336 /- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन। एक अवलोकन और कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन। | | | | | |
| 12. | भारत-वास्तविक विश्व अवलोकन अध्ययन -2 (ईपीओएन 2) में नए निदान मिर्गी रोगियों के पर्चे पैटर्न का मूल्यांकन: पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (CRO) | 1 वर्ष | संपन्न | 80,000/- |
| 13. | हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन (वर्ष 2021 के लिए एक्स्ट्राम्यूरल रिसर्च प्रोग्राम के तहत तदर्थ परियोजना के लिए आईसीएमआर द्वारा अनुमोदित अधिसूचना संख्या बीएमआई/ई-पीएमएस/एडहॉक एंड फैलोशिप/2021/02 | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | 1964880/- |
| 14. | "कम बनाम हिमालयी उच्च-लैंडर्स में मनोभ्रंश के इलाज में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलैटन (आरटीएमएस) की आणविक प्रभावकारिता को समझना"। | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (SERB) | -- | जारी | -- |
| 15. | "पोस्ट स्ट्रोक दौरे (प्रोलेविस) की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी लेवेटिरैसेटम का एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन- अन्वेषक ने अकादमिक परीक्षण शुरू किया": (दो परियोजनाएं: इस्केमिक स्ट्रोक आर्म और रक्तस्रावी स्ट्रोक आर्म)। | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 3 वर्ष | जारी | 2,21,000 प्रति वर्ष |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 16. | "इंट्राक्रैनील सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेटिरैसेटम के साथ पोस्ट-स्ट्रोक दौरे की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण' (दो परियोजनाएं: प्राथमिक रोकथाम शाखा और माध्यमिक रोकथाम शाखा) | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | -- | -- | जारी | -- |
| 17. | इंडियन मल्टीपल स्केलेरोसिस और संबद्ध डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क (IMSRN) | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | 5 वर्ष | जारी | 1500 रुपये/ रोगी |
| 18. | भारत में पीडी रोगियों का व्यापक आनुवंशिक विश्लेषण | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (मेडजीनोम) | 1 वर्ष | -- | रु. 2000/ रोगी |
| 19. | राष्ट्रीय अपासिया सामुदायिक परियोजना: विशेषज्ञ समूह टीम का हिस्सा | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | स्वयं शुरू की गई परियोजना | -- | -- | -- |
| 20. | एम्स, बिलासपुर में चक्कर के साथ आने वाले रोगियों की व्यापकता, नैदानिक प्रोफ़ाइल और निदान | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | वित्त रहित (अन्वेषक द्वारा शुरू की गई) | 2 वर्ष | जारी | -- |
| 21. | केंद्रीय और परिधीय न्यूरोपैथिक दर्द -2 (चॉइस पी -2) की आवृत्ति और चैटेरिस्टिक्स का विश्लेषण करने के लिए वास्तविक विश्व अवलोकन अध्ययन जून-जुलाई 22 | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (CRO) | 2 माह | संपन्न | -- |
| 22. | केंद्रीय और परिधीय न्यूरोपैथिक दर्द -3 (चॉइस पी -3) की आवृत्ति और चैटेरिस्टिक्स का विश्लेषण करने के लिए वास्तविक | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (CRO) | 2 माह | संपन्न | -- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विश्व अवलोकन अध्ययन 23 मई: केंद्र पीआई | | | | | |
| 23. | भारत-वास्तविक विश्व अवलोकन अध्ययन -3 (ईपीओएन -3) जून-जुलाई 23 में नए निदान मिर्गी रोगियों के पर्चे पैटर्न का मूल्यांकन: केंद्र पीआई | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (CRO) | 2 माह | जारी | - |
| 24. | उन भारतीय रोगियों की प्रोफाइल जिन्हें जब्ती प्रबंधन (ब्रिवाज़ेन) में बीआरआईवारैसेटम टैबलेट निर्धारित किया जाता है: जुलाई-अगस्त 23: केंद्र पीआई | डॉ. आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (CRO) | 2 माह | जारी | - |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. सुलेना, कटारिया यू, भट्ट आर, **शर्मा ए**, अरोड़ा एच, कौशल एच. 2019 कोरोनावायरस संक्रामक रोग (सीओवीआईडी -19) महामारी का प्रभाव घर-घर पर शुरू होने और उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल स्तर के अस्पताल में नए शुरू तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के प्रवेश पर। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 जून; 11(6):3217-3223. doi: 10.4103/jfmpc.jfmpc_2398_21। Epub 2022 जून 30. पीएमआईडी: 36119293; पीएमसीआईडी: PMC9480786।
2. 26 ग्राम क्विंक स्पाइनल सुई के साथ स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में "पोस्टड्यूरल पंचर सिरदर्द" की घटनाएं और जोखिम कारक, भारत में ग्रामीण सेटिंग्स में मेडिकल कॉलेज का अनुभव 2019: एक संभावित समूह अध्ययन डिजाइन। जे फार्म बायोल साइंस 2022; 14, सपल एस 1: 209-13।
3. शर्मा ए, **शर्मा ए**, चौहान आर, एट अल. पेरियोडोंटल रोग और इस्केमिक स्ट्रोक / टीआईए रोगियों में आवर्तक संवहनी घटनाएं। डीओआई: 10.7759 /
4. शर्मा ए, **शर्मा ए**, बंसल एके, गोयल सी, मनकोटिया एस, परमार एम, महंत एस। हिमाचल प्रदेश के ऊना के हरोली ब्लॉक में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु की उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच मौखिक प्रीमैलिग्नेंट और घातक घावों के विज़ुअलाइज़ेशन में ऊतक ऑटोफ्लोरेसेंस (वेलस्कोप) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना। जे इन्ट सोक प्रिवेंट कम्युनिकेट डेंट 2022; 12:365-75
5. विष्णु वीवाई, भाटिया आर, खुराना डी, रे एस, शर्मा एस, कुलकर्णी जीबी, राव जीएन, मैलांकोडी पी, गरुड़ बीआर, भारद्वाज ए, अंगरा एम, फरेरा टी, **शर्मा ए**, विल्सन वीपी, कुठियाला एन, शर्मा एस, भसीन ए, मुखर्जी ए, अग्रवाल ए, मुरली एस, नीलिमा एन, पद्मा श्रीवास्तव एमवी स्मार्टफोन-आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम "स्ट्रोक फिजिशियन" ने तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया) का नेतृत्व किया: क्लस्टर-यादृच्छिक परीक्षण के लिए एक प्रोटोकॉल। एन इंडियन अकैड न्यूरोल 2022; 25:422-7
6. कौर डी, कौर के, **शर्मा ए**, एट अल. पानी में फ्लोराइड सामग्री का आकलन और 12-13 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के बुद्धिमत्ता भागफल पर इसका प्रभाव। क्योरस 14 (10): e30157. doi: 10.7759 /
7. "टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में स्पाइरोमेट्रिक फेफड़े के कार्य: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन"। क्योरस 15 (5): e38919. डीओआई 10.7759/

8. **शर्मा ए**, शर्मा ए, भारद्वाज ए। स्ट्रोक रोगियों में प्रभावित ऊपरी अंग के मोटर फ़ंक्शन को बढ़ाने में मिरर थेरेपी की प्रभावशीलता: एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन। इलाज (): ई. doi: 10.7759 /

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. आशीष शर्मा**

1. संबंधित सदस्यता, यूरोपीय एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (वार्षिक रूप से नवीनीकृत)
2. सदस्य, अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (वार्षिक नवीनीकृत)
3. एनजीओ-नेशनल मेडिको संगठन के आजीवन सदस्य बने
4. वाईएसएस (योगदा सत्संग सोसाइटी) ऑफ इंडिया के एसआरएफ (सेल्फ रियलाइजेशन फैलोशिप) को सफलतापूर्वक पास किया और योगी उपनाम दिया
5. एशियन स्ट्रोक समर स्कूल के लिए चयनित
6. एमडीएस 2022-सितंबर 15-18: मैड्रिड, स्पेन-वर्चुअल (मुफ्त पंजीकरण के साथ चयनित प्रतिभागी)
7. एपीएससी 2022-नवंबर 25-27: ताइवान (पेपर प्रस्तुत-1) - वर्चुअल (मुफ्त पंजीकरण के साथ चयनित प्रतिभागी)
8. टीआईसी-पीडीएमडी- 25-27 नवंबर: ताइवान-वर्चुअल (मुफ्त पंजीकरण के साथ चयनित प्रतिभागी)

**सामुदायिक सेवा**

**डॉ. आशीष शर्मा**

1. डॉक्टर लाइव / समाचार योद्धा 23-02-2022
2. मिर्गी जागरूकता पर प्रिंट मीडिया लेख फरवरी 2023
3. दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर के रूप मेंआउटरीच गतिविधि का हिस्सा केलांग में स्पीति घाटी
4. विश्व पीडी दिवस, विश्व मस्तिष्क दिवस पर साक्षात्कार; विश्व स्ट्रोक दिवस11-04-22, 22-07-22, 29-10-22 ऑल इंडिया रेडियो, हमीरपुर में

## तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. अर्जुन धर | सहायक प्राध्यापक | 07.09.2022 |

### विभाग के विषय में

**इतिहास:** तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश, सितंबर 2022 में एक सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति के साथ अस्तित्व में आया। एक नवजात सुपर-स्पेशियलिटी शल्य चिकित्सा शाखा होने के नाते, बुनियादी ढांचे (उपकरण, उपभोग्य सामग्रियों, चिकित्सा फर्नीचर और प्रशिक्षित जनशक्ति) का निर्माण शून्य से किया जा रहा है। बाह्य रोगी सेवाएं विभाग की स्थापना के पहले दिन से शुरू हुईं और प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) चरण-5 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अस्पताल की अनुसूची के अनुसार चल रही हैं।

**ताकत:** विभाग में एम्स नई दिल्ली और विदेश (जापान) से एक पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप (पीडीएफ) प्रशिक्षित संकाय है, जिसमें ट्यूमर (खोपड़ी के आधार और रीढ़), संवहनी विकृतियों (कपाल और रीढ़ की हड्डी), चियारी विकृति और क्रैनियो-वर्टेब्रल जंक्शन विकृति के लिए सर्जरी, रीढ़ की हड्डी की विकृति सुधारात्मक प्रक्रियाएं, अपक्षयी रीढ़ की हड्डी के विकारों के अलावा कपाल और रीढ़ की हड्डी के आघात जैसे विभिन्न जटिल मामलों को करने की क्षमता है। उपलब्ध सीमित संसाधनों के साथ, मामला-दर-मामला आधार पर, नियोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा मामले शुरू किए गए हैं। आंतरिक क्षमता निर्माण के भाग के रूप में, तंत्रिका शल्य चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने में नर्सिंग अधिकारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम और व्याख्यान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

**कमजोरियां:** सख्त खरीद प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न प्राधिकरणों से अनुमोदन सहित आवश्यक बुनियादी ढांचे की खरीद की प्रक्रिया चल रही है। वर्तमान में, एम्स बिलासपुर की तंत्रिका शल्य चिकित्सा डीपीआर सूची के हिस्से के रूप में आवश्यक ऑपरेटिव तंत्रिका शल्य चिकित्सा उपकरण नहीं आए हैं।

**भविष्य के निर्देश**: आवश्यक बुनियादी ढांचा और संकाय शक्ति प्राप्त करने पर, विभाग ने पोस्ट-डॉक्टरेट सुपर-स्पेशियलिटी रेजीडेंसी कार्यक्रम और पूर्ण विभागीय गतिविधियों को शुरू करने का प्रस्ताव रखा है ।

### सामुदायिक सेवा

11 से 17 जनवरी, 2023 तक सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान पुलिस विभाग, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के लिए एक जागरूकता सह प्रथम उत्तरदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम्स बिलासपुर के लिए महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, सड़क सुरक्षा और फर्स्ट रेस्पॉन्डर प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। एम्स बिलासपुर के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर वीएस नेगी के मार्गदर्शन में तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग के डॉ. अर्जुन धर जागरूकता सत्र में लगभग 50 वरिष्ठ पुलिस कर्मियों ने भाग लिया, जहां सड़क सुरक्षा के महत्व और प्रबंधन में जनशक्ति प्रशिक्षण में एम्स की भूमिका पर जोर दिया गया।

## प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | अतिरिक्त प्राध्यापक | 20.06.2022 |
| 2. | डॉ. चंद्रदीप शर्मा | सह-प्राध्यापक | 14.06.2022 |
| 3. | डॉ. हरप्रीत कौर | सह-प्राध्यापक | 20.11.2020 |
| 4. | डॉ. निशा मलिक | सहायक प्राध्यापक | 05.02.2021 |
| 5. | डॉ. सुश्रुति कौशल | सहायक प्राध्यापक | 28.11.2020 |
| 6. | डॉ. अस्मिता | सहायक प्राध्यापक | 11.12.2020 |

### विभाग के विषय में

प्रसूति और स्त्री रोग विभाग इस वर्ष नैदानिक कार्य, शिक्षाविदों, अनुसंधान और सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। विभाग ने 5 दिसंबर 2022 को राष्ट्र को इस संस्थान के समर्पण के साथ लेबर रूम सेवाओं सहित इनडोर और आपातकालीन सेवाएं शुरू की हैं । वर्तमान में, विभाग एक प्रसव कक्ष, स्त्री रोग सर्जरी के लिए कार्यात्मक वैकल्पिक ओटी और 24x7 आपातकालीन ओटी सेवाओं सहित स्त्री रोग और प्रसूति आपातकालीन सेवाओं के साथ पूरी तरह से कार्यात्मक है। विभाग ओपीडी, आईपीडी और आपातकालीन सेवाओं के अलावा टेलीमेडिसिन सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

विभाग एमबीबीएस छात्रों के तीन बैचों को पढ़ा रहा है जिसमें थ्योरी क्लास, क्लिनिकल क्लासेस और ट्यूटोरियल शामिल हैं। विभाग ने एमबीबीएस छात्रों के लिए एक योग्यता आधारित पाठ्यक्रम और पीजी छात्रों के लिए ईपीए आधारित पाठ्यक्रम और सुपर-स्पेशियलिटी फैलोशिप विकसित की है। स्नातकोत्तर छात्रों को अगले वर्ष के भीतर शामिल होने की उम्मीद है।

संकाय सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल है और विभाग के पास कई प्रकाशन और वित्त पोषित परियोजनाएं हैं।

विभाग संस्थान के सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। विभाग हिमाचल प्रदेश के जनजातीय और कठिन क्षेत्रों के लिए अद्वितीय समस्याओं के अनुसंधान में भी शामिल है।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्षमताओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सीएमई/ सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और साथ ही सीएमई का आयोजन किया है और सामुदायिक जागरूकता गतिविधि आयोजित की है।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. सम्मानजनक गर्भपात देखभाल: एफओजीएसआई और डब्ल्यूएचओ के तहत वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम, एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), 14.08.2022
2. किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, एम्स, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), 22.11.2022

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | अध्यक्ष | सम्मानजनक गर्भपात देखभाल | 14.08.2022 | ओबीजी विभाग, एम्स बिलासपुर |
| 2. | डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | अध्यक्ष - गाइन ऑन्कोलॉजी में प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाली सर्जरी | गायनी ऑन्कोलॉजी | | एमएमयू, सोलन |
| 3. | डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | प्रशिक्षक | सीयू-टी प्रशिक्षण | 18.03.2023 | आरएच, बिलासपुर |
| 4. | डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | | सीएमई-सह-लाइव कार्यशाला पहला वार्षिक सम्मेलन | | IAGES हिमाचल अध्याय |
| 5. | डॉ. हरप्रीत कौर | "प्रलेखन और डीब्रीफिंग" पर व्याख्यान | एनजेड-आरसीओजी द्वारा "प्रसूति आपात स्थिति- कौशल और अभ्यास पाठ्यक्रम"। | 21.08.2022 | नई दिल्ली में एनजेड-आरसीओजी सम्मेलन |
| 6. | डॉ. हरप्रीत कौर | अध्यक्ष | सम्मानजनक गर्भपात देखभाल - FOGSI और WHO संयुक्त पहल कार्यशाला | 14.08.2022 | एम्स, बिलासपुर |
| 7. | डॉ. हरप्रीत कौर | पुरुष बांझपन में सीबीडी के लिए पैनलिस्ट। | एआईसीओजी, एफओजीएसआई के राष्ट्रीय सम्मेलन, जनवरी 2023 में संकाय आमंत्रित | 5-8.01.2022 | एआईसीओजी, कोलकाता, एफओजीएसआई राष्ट्रीय सम्मेलन |
| 8. | डॉ. हरप्रीत कौर | प्री-एक्लेमप्सिया पर सत्र के लिए अध्यक्ष | राष्ट्रीय सम्मेलन एओए, दिसंबर 2022 में आमंत्रित संकाय | 08-10.12.2022 | पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एओए, राष्ट्रीय सम्मेलन |
| 9. | डॉ. निशा मलिक | गहरे अनुप्रस्थ गिरफ्तारी के लिए सिजेरियन सेक्शन के दौरान प्रभावित भ्रूण के सिर के प्रसव के मातृ और नवजात परिणाम ई-पोस्टर | एआईसीसी उत्तर क्षेत्र आरसीओजी सम्मेलन | 19.08.2022 | आभासी |
| 10. | डॉ. निशा मलिक | सुरक्षित गर्भपात अपडेट: एमटीपी के तरीके व्याख्यान | सम्मानजनक गर्भपात देखभाल पर WHO-FOGSI द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम | 14.08.2022 | आभासी |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 11. | डॉ. सुश्रुति कौशल | व्याख्यान: डब्ल्यूएचओ सेवर टूलकिट | डब्ल्यूएचओ-एफओजीएसआई आरएसी प्रशिक्षण | 14.08.2022 | ओबीजी विभाग, एम्स बिलासपुर |
| 12. | डॉ. सुश्रुति कौशल | सभापति | पहला थायराइड अपडेट | 28.05.2022 | एंडोक्रिनोलॉजी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर |
| 13. | डॉ. सुश्रुति कौशल | पोस्टर प्रस्तुति: हिमाचल प्रदेश में प्रसवकालीन अवसाद के बारे में स्वास्थ्य कर्मियों का केएपी | एआईसीसी-आरसीओजी उत्तर क्षेत्र सम्मेलन | 19.09.2022 | एआईसीसी-आरओजी |
| 14. | डॉ. अस्मिता | व्याख्यान: प्री-पोस्ट गर्भपात, गर्भनिरोधक परामर्श और रेफरल और ऑनलाइन परामर्श के लिए लेवरेजिंग टेक्नोलॉजी | सम्मानजनक गर्भपात देखभाल | 14.08.2022 | ओबीजी विभाग, एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश |
| 15. | डॉ. अस्मिता | व्याख्यान: अपने शरीर को जानें | किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम | 22.11.2022 | ओबीजी विभाग, एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश |
| 16. | डॉ. अस्मिता | मौखिक प्रस्तुति: एचपीवी टीकाकरण कवरेज, 100% टीकाकरण प्राप्त करने में स्थिरता और बाधाएं: जनसंख्या आधारित अध्ययन | RCOG विश्व सम्मेलन | 13-15.06.2022 | ऑनलाइन |
| 17. | डॉ. अस्मिता | मौखिक प्रस्तुति: तृतीयक देखभाल केंद्र में पोस्ट गर्भपात गर्भनिरोधक स्वीकृति पोस्ट प्रेरणा। | एआईसीओजी-आरसीओजी, उत्तर क्षेत्र 2022 | 19.08.2022 | ऑनलाइन |
| 18. | डॉ. अस्मिता | मौखिक पेपर प्रस्तुति पर एक सत्र के लिए जज के रूप में | NARCHICON 2022 (15वां विश्व सम्मेलन) | 25.09.2022 | |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सबलिंगुअल मिसोप्रोस्टोल बनाम इंट्रासर्विकल फोलीकैथेटर के बाद प्रसव प्रेरण के लिए मिसोप्रोस्टोल: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण (आईईसी - 22/23)। | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. सुश्रुति कौशल<br>डॉ. निशा मलिक<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | - |
| 2. | हिमाचल प्रदेश के तृतीयक देखभाल केंद्र में भाग लेने वाली महिलाओं के बीच गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। (आईईसी-23/23) | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. सुश्रुति कौशल<br>डॉ. निशा मलिक<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | - |
| 3. | हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के उप-हिमालयी क्षेत्र में प्रसवपूर्व महिलाओं में टीबी और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध की व्यापकता का आकलन करने के लिए फुफ्फुसीय तपेदिक के लिए प्रसवपूर्व महिलाओं की नियमित जांच। (आईईसी-21/23) | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. सुश्रुति कौशल<br>डॉ. निशा मलिक<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | - |
| 4. | हिमाचल प्रदेश के तृतीयक केंद्र में स्त्री रोग संबंधी ओपीडी में भाग लेने वाली महिलाओं में महिला जननांग तपेदिक की व्यापकता: एक संभावित अध्ययन। | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. सुश्रुति कौशल<br>डॉ. निशा मलिक<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | - |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5. | उत्तर भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र में पीसीओएस का क्लिनिको-मेटाबोलिक प्रोफाइल- एक संभावित अध्ययन | **प्रमुख अन्वेषक** डॉ. हरप्रीत कौर **सह-अन्वेषक** डॉ चंद्रदीप शर्मा | बाह्य वित्त पोषित | नमूना आकार पूरा होने तक 06 माह | जारी | 4,99,550/- |
| 6. | भारत में आरएच-नकारात्मक महिलाओं के प्रसार, संवेदीकरण दर और रोगनिरोधी उपचार के उपयोग के भौगोलिक वितरण का मूल्यांकन करने के लिए एक वास्तविक दुनिया का भावी अध्ययन। | **प्रमुख अन्वेषक** डॉ. हरप्रीत कौर | बाह्य वित्त पोषित | वांछित नमूना आकार तक | जारी | रु. 1500/- प्रति रोगी पंजीकृत |
| 7. | उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों की महिलाओं में असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव का स्पेक्ट्रम: क्लिनिको-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल और प्रबंधन विकल्प | **प्रमुख अन्वेषक** डॉ. हरप्रीत कौर **सह-अन्वेषक** डॉ. निशा मलिक डॉ सुश्रुति कौशल डॉ. अस्मिता | गैर-वित्त पोषित | वांछित नमूना आकार तक | जारी | - |
| 8. | एम्स, बिलासपुर में रॉबसन के मानदंडों के अनुसार सीज़ेरियन सेक्शन दर का प्रवृत्ति विश्लेषण: भावी अध्ययन | **प्रमुख अन्वेषक** डॉ. हरप्रीत कौर | गैर-वित्त पोषित | वांछित नमूना आकार तक | जारी | - |
| 9. | आईएम-एफआईएनई (भारतीय पुरुष कारक बांझपन मूल्यांकन): एक अखिल भारतीय मल्टीसेंट्रिक सर्वेक्षण | **प्रमुख अन्वेषक** डॉ. हरप्रीत कौर **सह-अन्वेषक** डॉ चंद्रदीप शर्मा डॉ. निशा मलिक | गैर-वित्त पोषित | वांछित नमूना आकार तक | जारी | - |
| 10. | इंट्राऑपरेटिव परामर्श में जमे हुए अनुभाग बनाम स्क्रैप साइटोलॉजी: एक तुलनात्मक विश्लेषण | **सह-अन्वेषक** डॉ चंद्रदीप शर्मा | आंतरिक वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | - |
| 11. | सीरस बहाव में प्लाज्मा थ्रोम्बिन और सोडियम एल्गिनेट सेल ब्लॉक का तुलनात्मक विश्लेषण | **सह-अन्वेषक** डॉ चंद्रदीप शर्मा | आंतरिक वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | - |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 12. | श्रम के प्रेरण के लिए मिफेप्रिस्टोन के साथ या उसके बिना पीजीई 2 की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (आईईसी 33/22)। | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ निशा मलिक<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन मारवाह<br>डॉ हरप्रीत कौर<br>डॉ चंद्रदीप शर्मा<br>डॉ. अस्मिता<br>डॉ सुश्रुति कौशल | आंतरिक वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | गैर-वित्त पोषित |
| 13. | आयोडीन की कमी की व्यापकता का अनुमान लगाएं और हिमाचल प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में थायराइड फ़ंक्शन और थायराइड ऑटोइम्यूनिटी के साथ आयोडीन की स्थिति और सेलेनियम की स्थिति के बीच संबंध की जांच करें। (आईईसी 30/22) | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ सुश्रुति कौशल<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन मारवाह<br>डॉ हरप्रीत कौर<br>डॉ चंद्रदीप शर्मा<br>डॉ निशा मलिक<br>डॉ. अस्मिता | बाह्य वित्त पोषित (DHR) | 3 वर्ष | फंड का इंतजार | 32 लाख |
| 14. | गैर-मादक फैटी यकृत रोग (एनएएफएलडी) की व्यापकता का अनुमान लगाना।<br>गर्भावस्था के दौरान और मृत जन्म के लिए जोखिम कारक के रूप में एनएएफएलडी का अध्ययन करना। | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ सुश्रुति कौशल<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ पूजन डोगरा मारवाह | स्वयं वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | - |
| 15. | भारत में अस्पताल आधारित एसटीआई निगरानी नेटवर्क की स्थापना। | **सह-अन्वेषक**<br>डॉ निशा मलिक<br>डॉ सुश्रुति कौशल<br>डॉ. अस्मिता | बाह्य वित्त पोषित (ICMR) | - | अभी तक शुरू नहीं हुआ | प्रतीक्षा |
| 16. | ग्रामीण और अर्धशहरी सेटिंग्स में नैदानिक और यूएसजी मापदंडों के आधार पर मानकीकृत स्टिल बर्थ स्क्रीनिंग मॉड्यूल का कार्यान्वयन - एक बहुकेंद्रीय अध्ययन | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 17. | उच्च जोखिम वाले भ्रूण के निदान और मृत जन्म की रोकथाम के लिए तीसरी तिमाही में कम जोखिम वाली माताओं की ट्राइजिंग: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. अस्मिता<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | स्वयं वित्त पोषित | | | |
| 18. | बाल कुपोषण को कम करने के लिए जीवन के पहले 1000 दिनों में घर-आधारित व्यक्तिगत पोषण परामर्श हस्तक्षेप की प्रभावशीलता - हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन<br>आईईसी 08/23<br>11/02/23 | **सह-अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह | स्वयं वित्त पोषित | | | |
| 19. | टीडीएपी और इन्फ्लूएंजा टीकाकरण के बारे में स्त्री रोग विशेषज्ञों का ज्ञान और अभ्यास: एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन<br>आईईसी | **प्रमुख अन्वेषक**<br>डॉ. हरप्रीत कौर<br>**सह-अन्वेषक**<br>डॉ निशा मलिक<br>डॉ सुश्रुति कौशल<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | | | |
| 20. | उत्तर भारत के एक पहाड़ी क्षेत्र में घर आधारित एचपीवी स्व-नमूनाकरण पर आधारित सामुदायिक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम की व्यवहार्यता: एक मिश्रित विधि अध्ययन | **सह-अन्वेषक**<br>डॉ. पूजन डोगरा मारवाह<br>डॉ. अस्मिता | स्वयं वित्त पोषित | | | |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. शर्माएस, **डोगरा पी**, शर्माआर। सीज़ेरियन निशान गर्भावस्था- एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। आईएनटी जे क्लिन ट्रायल 2022; 9(1):50-2.
2. चौहान एन, **डोगरा पी**, शर्मा आर, कांत एस, सोनी एम गर्भावस्था में आयरन की कमी वाले एनीमिया में फेरस सल्फेट और आयरन सुक्रोज की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। क्योरस। 2023 11 फरवरी; 15 (2): e34858. दोई: 10.7759 / पीएमआईडी: 36923182; पीएमसीआईडी: PMC10010153।

3. **डोगरा पी**, चौहान एन, सोनी एम. एक किशोर लड़की में दुर्लभ अनुप्रस्थ योनि सेप्टम। क्योरस। 2022 नवंबर 17; 14 (11): e31623. दोई: 10.7759 / पीएमआईडी: 36540471; पीएमसीआईडी: PMC9759615।
4. **डोगरा, पी।**; "पहली तिमाही में सिजेरियन स्कार गर्भावस्था के सर्जिकल, मेडिकल और बैलून प्रबंधन की सुरक्षा और प्रभावकारिता: इंटरनेशनल सिजेरियन स्कार प्रेग्नेंसी रजिस्ट्री से डेटा"।
5. 47 का एक मामला, XXX द्वितीयक एमेनोरिया के रूप में प्रस्तुत, एक केस रिपोर्ट। प्रजनन और प्रतिनिधि 2022; 4(1):45-48.
6. **कौशल एस**, प्रिया टी, ठाकुर एस, **मारवाह पी** और **कौर एच**। उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी राज्य में गर्भवती महिलाओं के बीच एनीमिया का एटियलजि: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। क्योरस 2022। 14 (1): e21444, DOI: 10.7759/
7. कौर पी, **कौर एच**, सिंह ए, सिंह एम. कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षण के बारे में छात्रों और शिक्षकों की धारणाएं: दूरस्थ शिक्षा 2022 का एक सर्वेक्षण ऑनलाइन जे; 10(2): 292-300
8. **शर्मा सी*** सोनी ए, फोली कैथेटर (80 बनाम 60 एमएल) और शून्य महिलाओं में श्रम प्रेरण के लिए मिसोप्रोस्टोल: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। **एम जे ओब्सटेट गाइनकोल एमएफएम**। 2023 19 मई; 5(8):101026. दोई: 10.1016/j.ajogmf.2023.101026. पीएमआईडी: 37211088
9. **शर्मा सी ***, डढवाल ए, सोनी ए। प्रारंभिक मध्य-तिमाही गर्भपात (13-20 सप्ताह) के लिए संयुक्त चिकित्सा और यांत्रिक विधि की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। **आईएनटी जे गाइनेकोल ओब्सटेट** 2023 मई; 161(2):624-630. दोई: 10.1002/ ijgo.14616. पीएमआईडी: 36495245।
10. सोनी ए, शर्मा ए, **शर्मा सी *,** वर्मा एस अशक्त महिलाओं में श्रम प्रेरण के लिए उच्च मात्रा वाले फोले कैथेटर (60 मिलीलीटर) और मिसोप्रोस्टोल का एक साथ उपयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। **आईएनटी जे गाइनेकोल ओब्स्टेट**। जुलाई 2022; 158(1):44-49. दोई: 10.1002/ ijgo.13943. पीएमआईडी: 34561872.)
11. हुड्डा आर, **मलिक एन *,** पाठक पी, मोर एच, सिंह वी. सिजेरियन सेक्शन के बाद स्तनपान और प्रसव की शुरुआत पर पोस्टऑपरेटिव दर्द का प्रभाव: एक यादृच्छिक परीक्षण। स्तनपान 2023; 18 (2): 132-137.
12. गौतम एस, **मलिक एन**, चौहान एम, मल्होत्रा वी, सिंघल एसआर, मलिक आर, नंदा एस। बेसलाइन से योनि प्रसव करने वाले डॉक्टरों के लिए 2 मिनट के लिए सही 7-चरण तकनीक के साथ हाथ धोने के अभ्यास को 4 सप्ताह में 80% तक बढ़ाने के लिए रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता सुधार के जर्नल। 2022; 10 (4): 123-130।
13. गुप्ता जे, **कौशल एस *,** प्रिया टी हिमाचल प्रदेश में प्रसवकालीन अवसाद के बारे में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाएं- एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2023 मार्च; 12(3):478-483. दोई: 10.4103/jfmpc.jfmpc_1170_22। Epub 2023 मार्च 17. पीएमआईडी: 37122653; पीएमसीआईडी: PMC10131966।
14. भावना, पठानिया के, गुप्ता केबी, **कौशल एस**। तृतीयक देखभाल केंद्र में अस्थानिक गर्भावस्था के प्रबंधन का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन। आईएनटी जे रेप्रोड कॉन्ट्रासेप्ट ऑब्सटेट गाइनेकोल 2022; 11: 3324-7। दोई: 10.18203/2320-1770.ijrcog20223124
15. 26 जी क्विंक स्पाइनल नीडल के साथ स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में "पोस्टड्यूरल पंचर सिरदर्द" की घटनाएं और जोखिम कारक, भारत में ग्रामीण सेटिंग्स में मेडिकल कॉलेज का अनुभव 2019: एक संभावित कोहोर्ट स्टडी डिजाइन। जे फार्म बायोएलाइड साइंस 2022 जुलाई; 14 (खुली 1): एस 209-एस 213। दोई: 10.4103/jpbs.jpbs_72_22। Epub 2022 जुलाई 13. पीएमआईडी: 36110769; पीएमसीआईडी: PMC9469433।

16. **कौंडल ए**, रेनजेन पी, कुमारी आर (29 मार्च, 2023) पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के प्रबंधन में जीवन शैली संशोधनों के बारे में जागरूकता: एक अस्पताल-आधारित वर्णनात्मक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। क्योरस 15 (3): e36889. दोई: 10.7759 /

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कौशल एस, कौर एच | गर्भावस्था और कोविड 19। | एमएम बद्दौर | कोविड-19 महामारी से लड़ना | 2022.1:1-13. इंटेक ओपन, लंदन यूके द्वारा। |
| 2. | कौर एच | एमेनोरिया के मामले का काम | कामिनी ए राव और हरप्रीत कौर। | बांझपन और प्रजनन चिकित्सा में एल्गोरिदम | जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली। 2023 |
| 3. | कौर एच, कौंडल ए | चिकित्सा स्थितियों के उपचार में कोविड -19 प्रेरित देरी का भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव | सारा पलेर्मो | कोविड -19 महामारी: मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान- समझने में नए परिदृश्य | इंटेक ओपन, लंदन यूके। 2022 |
| 4. | डॉ. अस्मिता | प्रेरणा: एक जिम्मेदार पितृत्व रणनीति, अध्याय 21 | शालिनी वार्मन, स्वाति अग्रवाल | सामाजिक प्रसूति और स्त्री रोग पर एक पुस्तिका | प्रकाशक इवांजेल। पहला संस्करण 2022। |
| 5. | डॉ. अस्मिता, डॉ. के. अपर्णा शर्मा | फेरल वृद्धि ने प्रसव में रोगी को प्रतिबंधित कर दिया। | पूनम गोयल, कविता मेंड्रेले भट्टी, भावना मित्तल | श्रम प्रबंधन में वर्तमान रुझान। | प्रकाशक Meripustak पहला संस्करण 2022 |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. हरप्रीत कौर**

1. जेपी द्वारा "बांझपन और प्रजनन चिकित्सा में एल्गोरिदम" पुस्तक के संपादक, 2023

**डॉ. चंद्रदीप शर्मा**

1. एफआईजीओ इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 2022; 158: 44-49
2. जॉन जे स्किरा पुरस्कार पत्र पुरस्कार 2022 (सम्मानजनक उल्लेख) - कम / मध्यम आय वाले देश से सर्वश्रेष्ठ नैदानिक अनुसंधान लेख

**डॉ. सुश्रुति कौशल**

1. लाइफ-मेंबरशिप - टेलीमेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया
2. एएचए प्रमाणित बीएलएस और एसीएलएस प्रमाणन।

**डॉ. अस्मिता कौंडल**

1. फेलो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सर्वाइकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी)
2. इंडियन कॉलेज ऑफ मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ (एफआईसीएमसीएच)
3. इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (एफआईसीओजी)
4. फोग्सी-आरएसी चैंपियन 2022

**सामुदायिक सेवा**

**डॉ. पूजन डोगरा मारवाह**

1. किशोर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम
2. हिमाचल प्रदेश के मारकंद में परिधि में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच।

**डॉ. हरप्रीत कौर**

1. जन जागरूकता के लिए 25 जुलाई, 2022 को *विश्व आईवीएफ दिवस* पर स्थानीय दैनिक जागरण *में* समाचार पत्र लेख

**डॉ. सुश्रुति कौशल**

1. केलांग में मल्टी-स्पेशलिटी चिकित्सा शिविर में सेवाएं प्रदान कीं। 10-12 मई 2022
2. 16 अप्रैल 2022 को ऊना में सांसद स्वास्थ्य सेवा मोबाइल वैन शिविर
3. किशोर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

**डॉ. अस्मिता कौंडल**

1. सम्मानजनक गर्भपात देखभाल कार्यक्रम
2. किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम
3. आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बौद्धिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए पूरे दिन का चिकित्सा शिविर

# नेत्र रोग विभाग

## संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नृपेन गौर | सहायक प्राध्यापक | 19.11.2020 |

## विभाग के बारे में

नेत्र विज्ञान विभाग वर्तमान में ओपीडी सेवाएं दे रहा है। मरीजों को ग्लूकोमा, रेटिनल रोगों का विश्व स्तरीय निदान किया जा रहा है। आईबैंक की स्थापना की प्रक्रिया जारी है। सर्जिकल सेवाएं जल्द से जल्द शुरू करने के लिए खरीद जारी है। अगले वर्ष से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा।

## सी.एम.ई./ कार्यशाला/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नृपेन गौर | न्यूरोऑप्थाल्मोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता | सम्मेलन | 27.11.2022 | इनोस, एम्स, नई दिल्ली |

## अनुसंधान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/ आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | बाह्य रोगी सेटिंग में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में टीओडी की व्यापकता: एक अवलोकन अध्ययन | डॉ. नृपेन गौर (सह-अन्वेषक) | स्वयं वित्त पोषित | 3 वर्ष | जारी | गैर वित्त पोषित |

## प्रकाशन

### शोध पत्र

1. शीमर ए, **गौर एन**, ठाकुर पीएस, शर्मा पी, टक्कर बी, खंडूजा एस। ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी फीचर्स ऑफ ओकुलर सिस्टीसरकोसिस: ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर विद ऑब्जर्वर वेरिएशन। नेत्र शल्य चिकित्सा लेजर इमेजिंग रेटिना। 2022 अगस्त;53(8):446-454. डीओआई: 10.3928/23258160-20220629-02। ईपीयूबी 2022 अगस्त 1. पीएमआईडी: 35951713
2. लोकदर्शी जी, **गौर एन**, पुष्कर एन, कश्यप एस. ऑर्बिटल एंजियोलिपोमा: ऑर्बिट का एक दुर्लभ ट्यूमर।बीएमजे केस प्रतिनिधि 2022 सितंबर 30;15(9):ई250343। डीओआई: 10.1136/बीसीआर-2022-250343। पीएमआईडी: 36180105; पीएमसीआईडी: 9528476.
3. लोकदर्शी जी, कश्यप एस, **गौर एन।** डेक्रियोसिस्टाइटिस के रूप में पेश होने वाले तपेदिक के एक असामान्य मामले का निदान: सैक बायोप्सी और जीनएक्सपर्ट। रोम जे ओफ्थाल्मोल। 2022 अक्टूबर-दिसंबर;66(4):356-359। डीओआई: 10.22336/आरजेओ.2022.63। पीएमआईडी: 36589325; पीएमसीआईडी: 9773117.
4. **गौर एन**, रावत डी, धस्माना आर, लोकदर्शी जी। लाईसेज़-फेयर तकनीक का उपयोग करके पलक और मीडियल कैन्थस नेक्रोटाइजिंग फासिसाइटिस का प्रबंधन। बीएमजे केस प्रतिनिधि 2023 जनवरी 25;16(1):ई252462। डीओआई: 10.1136/बीसीआर-2022-252462। पीएमआईडी: 36697114; पीएमसीआईडी: 9884855.

## पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

## सामुदायिक सेवा

1. केलांग लाहौल स्पीति में शिविर

## अस्थिरोग विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. सौरभ | सह प्राध्यापक | 02.08.2022 |
| 2. | डॉ. गौरव कुमार शर्मा | सहायक प्राध्यापक | 08.12.2020 |
| 3. | डॉ. रमेश कुमार | सहायक प्राध्यापक | 14.06.2022 |
| 4. | डॉ. अमित कुमार सलारिया | सहायक प्राध्यापक | 29.06.2022 |

### विभाग के बारे में

आर्थोपेडिक्स विभाग ने ऐच्छिक ऑपरेटिव सर्जरी, आईपीडी और ओपीडी सेवाओं के साथ-साथ आपातकालीन ट्रॉमा सेवाएं शुरू की हैं, जिसमें फ्रेक्चर कटौती/पीओपी आवेदन/आईए इंजेक्शन/संयुक्त आकांक्षा जैसे हस्तक्षेप शामिल हैं। एम्स बिलासपुर में ओटी सेवाएं शुरू होने के बाद से विभाग ने छह महीने की छोटी अवधि में 150 से अधिक सर्जरी की हैं, साथ ही गुणवत्ता सुधार पहल के कार्यान्वयन के साथ-साथ रोगी के प्रतीक्षा समय को कम किया है, रोगी की संतुष्टि में वृद्धि हुई है, और समग्र देखभाल की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। विभाग ने विभिन्न आउटरीच शिविरों और विकलांगता शिविरों में भाग लिया है। आर्थोपेडिक्स विभाग ने चिकित्सा विभाग के साथ रोगी जागरूकता और शिक्षा के लिए विश्व गठिया दिवस का आयोजन किया। अपक्षयी विकारों के लिए स्थानीय आबादी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, आर्थोपेडिक्स विभाग ने वृद्ध आबादी के लिए संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी की पेशकश शुरू कर दी है। रोगियों को विभाग के संकायों द्वारा की जाने वाली जटिल रीढ़ और श्रोणि एसिटाबुलम सर्जरी से लाभ होता है, विभाग वर्तमान में स्थानीय आबादी को पूरा करने के लिए विशेष खेल चोट और न्यूनतम इनवेसिव स्पाइन सर्जरी शुरू करने के लिए काम कर रहा है। संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों की हालिया वृद्धि ने आर्थोपेडिक्स विभाग की रोगी सहायता क्षमताओं को मजबूत किया है। विभाग रोगी-केंद्रित देखभाल, अभिनव अनुसंधान, शैक्षिक उत्कृष्टता और सामुदायिक जुड़ाव को प्राथमिकता।

### सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

1. 12 अक्टूबर 2022 को विश्व गठिया दिवस समारोह (250 रोगियों ने भाग लिया)

### प्रकाशन

### शोधपत्र


1. **कुमार आर**, चौहान डी, नारंग ए, कालरा एम, चौधरी आर, कुमार ए. चार स्ट्रैंड पृथक सेमीटेंडिनोस ग्राफ्ट और चौगुनी संयुक्त हैमस्ट्रिंग ग्राफ्ट का उपयोग करके आर्थोस्कोपिक टाइट रस्सी एसीएल पुनर्निर्माण का तुलनात्मक विश्लेषण। हड्डी और संयुक्त सर्जरी के अभिलेखागार, 2022 मई दोई: 10.22038/ abjs.2021.49619.2463.
2. चौधरी आर 1, किशोर के 2, सूद आलोक 3, **कुमार आर** 4, मुंडे के 2, रॉय एस 2। किशोरों और युवा वयस्कों में जेनु वाल्गम के लिए वी ओस्टियोटॉमी के बाद नैदानिक परिणाम और सुधार: एक व्यवस्थित समीक्षा। जे क्लिन ऑर्थोप ट्रॉमा। 2022 9 फरवरी; 26:101803. डीओआई: 10.1016/j.jcot.2022.101803.2022 मार्च.
3. सुरेश पीबी, धट्ट एसएस, कुमार वी, **सलारिया एके**, नेराडी डी, समरा टी, जैन के. "तीव्र दर्दनाक ग्रीवा रीढ़ की चोट वाले रोगियों में मामूली हाइपोथर्मिया का अनुप्रयोग: एक पायलट अध्ययन". रीढ़ की हड्डी का विकास 10 फरवरी

2022 से होगा। 6(5):453-459. दोई: 10.22603/ssrr.2021-0137. पीएमआईडी: 36348686; पीएमसीआईडी: पीएमसी9605763।
4. धट्ट एस, कुमार वी, डागर ए, **सलारिया ए**, नेराडी डी. क्लीनिको-काठ की रीढ़ की हड्डी के स्टेनोसिस का रेडियोलॉजिकल आकलन और इसके शल्य चिकित्सा उपचार का मूल्यांकन। रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के जर्नल. 2022 1 जनवरी; 9(1):32-.
5. कुमारी सी, साहनी डी, जिंदल आर, **सलारिया ए**, जिंदल आर, सलारिया ए। रीढ़ की हड्डी का क्षय रोग 2022 अप्रैल 28 (पीपी 31-51)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

## पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

### डॉ. सौरभ

1. रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन, एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड के सदस्य के रूप में चुने गए।

### डॉ. अमित सलारिया

1. नवंबर 2022 में बायोमेडिकल रिसर्च का बेसिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया

## सामुदायिक सेवा

### डॉ. सौरभ

1. कूल्हे और घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस की रोकथाम और प्रबंधन पर बात -12 अक्टूबर 2022 को विश्व गठिया दिवस समारोह (250 रोगियों ने भाग लिया)

### डॉ. अमित सलारिया

1. अपक्षयी रीढ़ विकारों पर बात -12 अक्टूबर 2022 को विश्व गठिया दिवस समारोह (250 रोगियों ने भाग लिया)

## पैथोलॉजी विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. मनु प्रिया | सह - प्राध्यापक | 15.06.2022 |
| 2. | डॉ. गुरविंदर कौर | सहायक प्राध्यापक | 11.11.2020 |
| 3. | डॉ. सुषमा भारती | सहायक प्राध्यापक | 07.07.2022 |
| 4. | डॉ. एकता राहुल | सहायक प्राध्यापक | 17.06.2022 |

### विभाग के विषय में

एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में पैथोलॉजी विभाग की स्थापना गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के प्राथमिक मिशन के साथ की गई थी जो तीन मुख्य स्तंभों के आसपास घूमती है: गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा, नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं और चिकित्सा अनुसंधान सुविधाएं।

**शैक्षणिक:**संकाय स्नातक छात्रों, बीएससी पैरामेडिकल और बीएससी नर्सिंग छात्रों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है।नियोजित शैक्षिक पद्धतियों में ट्यूटोरियल, केस स्टडीज और सेमिनार जैसी नई तकनीकों द्वारा पूरक पारंपरिक उपदेशात्मक व्याख्यानों का मिश्रण शामिल है।

व्यावहारिक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि छात्र विभिन्न प्रकार की विकृतियों को प्रदर्शित करने वाले स्थूल नमूनों और सूक्ष्म स्लाइडों की जांच करके व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करें। हमें इस तथ्य पर गर्व है कि हमारे स्नातक छात्रों के पहले बैच ने अपना पैथोलॉजी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और अंतिम व्यावसायिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। वर्तमान में, हमारा विभाग पैथोलॉजी छात्रों के अपने दूसरे बैच को शिक्षित करने के बीच में है। बीएससी पैरामेडिकल और बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों की पढ़ाई भी साथ-साथ चल रही है।

इसके अलावा, विभाग ने एमडी पैथोलॉजी पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देकर, भविष्य के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की नींव रखकर शैक्षणिक योजना में प्रगति की है।

**नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएँ:** हमारे विभाग की इन-हाउस डायग्नोस्टिक क्षमताओं में हेमेटोलॉजी, साइटोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशालाएं शामिल हैं। हम आयुष ब्लॉक में प्रयोगशाला के माध्यम से कुछ नैदानिक सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

हेमेटोलॉजी प्रभाग संपूर्ण हेमोग्राम, ईएसआर, जमावट प्रोफाइल और अस्थि मज्जा परीक्षाओं सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।साइटोपैथोलॉजी अनुभाग प्रत्यक्ष और यूएसजी-निर्देशित एफएनएसी, शरीर द्रव विश्लेषण (कोशिका गणना और घातक कोशिका कोशिका विज्ञान सहित), और वीर्य विश्लेषण जैसी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए सुसज्जित है।

अंत में, हिस्टोपैथोलॉजी प्रभाग छोटे और बड़े दोनों प्रकार के ऑपरेटिंग थिएटरों से प्राप्त जमे हुए वर्गों सहित छोटे और बड़े नमूनों के लिए परिश्रमपूर्वक नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है।

*डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार* : हमारी सेवाओं के स्पेक्ट्रम को व्यापक बनाने के लिए, विभाग अगले कुछ महीनों में लिक्विड-बेस्ड साइटोलॉजी (एलबीसी) के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू करेगा। यह सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र पता लगाने और उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

**अनुसंधान पहल:** संकाय, सम्मेलनों, सीएमई और अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनका ज्ञान क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के साथ अद्यतन रहे । इस वर्ष, संकाय सदस्यों ने चार शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं जो वर्तमान में विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा विचाराधीन हैं। वर्तमान में, विभाग पांच अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहा है। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान पहलों पर अन्य विभागों के सहयोगियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

*घटनाएँ और शैक्षिक पहल:* आणविक विकृति विज्ञान पर ऑनलाइन सीएमई विभाग ने 'आणविक विकृति विज्ञान में अद्यतन' विषय पर एक ऑनलाइन सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सत्र में भारत के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक प्रतिनिधियों की जबरदस्त भागीदारी देखी गई।

*स्नातकोत्तर छात्रों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी:* विभाग ने आणविक विकृति विज्ञान के बारे में एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की। इस आयोजन को खूब सराहा गया और पूरे भारत से स्नातकोत्तर छात्रों ने इसमें भाग लिया।

**सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए:**

1. **सीएमई:** आण्विक विकृति विज्ञान पर अद्यतन दिनांक: 15.11.22
2. **ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी:** आणविक विकृति विज्ञान पर, दिनांक: 15.11.22

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आंतरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि ( वर्ष ) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | यह बताने के लिए कि कैसे miR-2909 RNomics मानव प्रोस्टेट कैंसर में TGFβ सिग्नलिंग कैस्केड को नियंत्रित करता है। (तकनीकी रूप से आईसीएमआर द्वारा अनुमोदित) यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, एचपी और स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, चंडीगढ़ के बीच एक सहयोगात्मक अध्ययन है। | डॉ. गुरविंदर कौर (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित | 3 वर्ष | जारी | 25 लाख |
| 2. | रंग की त्वचा में एक्स्ट्राफेशियल मेलास्मा का नैदानिक, डर्मोस्कोपिक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन | डॉ. गुरविंदर कौर (सह-अन्वेषक) | बाह्य बाह्य वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | 1 लाख |
| 3. | Im-FInE (भारतीय पुरुष कारक बांझपन मूल्यांकन): एक अखिल भारतीय बहुकेंद्रित | डॉ. मनु प्रिया (सह-अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | -- |
| 4. | फ्रोजन सेक्शन बनाम स्क्रैप साइटोलॉजी इंट्रा-ऑपरेटिव परामर्श: एक तुलनात्मक विश्लेषण। | डॉ. मनु प्रिया (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. सुषमा भारती डॉ. गुरविंदर कौर (सह-अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | -- |
| 5. | सर्वेक्षण सीरस प्रवाह में प्लाज्मा थ्रोम्बिन और सोडियम एल्गिनेट सेल ब्लॉक का तुलनात्मक विश्लेषण | डॉ. मनु प्रिया (प्रमुख अन्वेषक) डॉ. सुषमा भारती | गैर वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | -- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | डॉ. गुरविंदर कौर (सह-अन्वेषक) | | | | |
| 6. | विभिन्न तरीकों का उपयोग करके प्लेटलेट काउंट की प्रभावकारिता का मूल्यांकन और तुलना | डॉ. सुषमा भारती (प्रमुख अन्वेषक) डॉ मनु प्रिया डॉ गुरविंदर कौर (सह-अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | -- |
| 7. | सिर और गर्दन के घावों के शीघ्र निदान में फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी की नैदानिक उपयोगिता। | डॉ. सुषमा भारती (प्रमुख अन्वेषक) डॉ मनु प्रिया डॉ गुरविंदर कौर (सह-अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | -- |
| 8. | प्रमुख लार ग्रंथि के कैंसर में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की व्यापकता | डॉ. सुषमा भारती (सह-अन्वेषक) | गैर वित्त पोषित | 1 वर्ष | जारी | -- |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. कुमारी एन, कौल आर, **शर्मा एम** एट अल। फुफ्फुस बहाव में पारंपरिक स्मीयर और सेल ब्लॉक विधि द्वारा द्रव कोशिका विज्ञान की नैदानिक उपयोगिता। जीव विज्ञान और चिकित्सा में हालिया प्रगति खंड (8) 2022:100-105
2. चौहान पी, डारोच एम, **कौर जी** नाभि गांठ की पहेली 10.4103/idoj.idoj_456_22
3. **भारती एस**, नलवा ए, एल्हेंस पी एट अल। तृतीयक देखभाल केंद्र में सीरस द्रव कोशिका विज्ञान की रिपोर्टिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के आधार पर फुफ्फुस द्रव कोशिका विज्ञान का जोखिम स्तरीकरण। एक्टा साइटोल. 2022.
4. **भारती एस**, भारती जे. स्फेनोइड साइनस द्रव्यमान के रूप में प्रस्तुत कॉर्डोमा की एक केस रिपोर्ट: एक नैदानिक चुनौती। कर्र मेड इमेजिंग। 2022. डीओआई : 10.2174/1573405618666220901123032।
5. भारती जेएन, **भारती एस**, निगम जेएस। गुर्दे की बीमारियों में लिसेगैंग बजता है-एक व्यवस्थित समीक्षा। कर्र मेड इमेजिंग। 2023. डीओआई: 10.2174/1573405620666230817094600।

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ:**

**डॉ. मनु प्रिया**

1. नॉर्थ वेस्ट चैप्टर IAPM-ओरल पेपर प्रेजेंटेशन के सम्मेलन में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया
2. उत्तरी क्षेत्र एसीबीआई सम्मेलन 2023 में श्प्रिसिजन मेडिसिन में जीनोमिक्सश् पर एक सत्र की अध्यक्षता की
3. जर्नल-क्यूरियस के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य किया

**डॉ. गुरविंदर कौर**

1. जर्नल- इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य किया।

**डॉ. सुषमा भारती**

1. जर्नल-मिडलाइफ हेल्थ जर्नल और एल्सेवियर जर्नल के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य किया।

## बालरोग विज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. स्मृति गुप्ता | सहायक प्राध्यापक | 23.11.2020 से 30.12.2022 |
| 2. | डॉ. जसबीर सिंह | सहायक प्राध्यापक | 13.11.2020 |

### विभाग के विषय में

**रोगी देखभाल सेवाएं**: वर्तमान में, बाल रोग विभाग वर्तमान में एक संकाय सदस्य और दो वरिष्ठ निवासियों द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। विभाग नियमित ओपीडी, आईपीडी के साथ-साथ आपातकालीन रोगी देखभाल सेवाएं दे रहा है। इन सेवाओं के अलावा, ई-संजीवनी पोर्टल पर दूरदराज के क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन परामर्श भी प्रदान किया जाता है। ओपीडी ब्लॉक में टीकाकरण क्लिनिक में नियमित बाल चिकित्सा टीकाकरण भी किया जा रहा है। विभाग एम्स बिलासपुर में अन्य विभागों (नेत्र विज्ञान, ओटोलरींगोलॉजी, मनोचिकित्सा और फिजियोथेरेपी इकाई) के साथ विशेष जरूरतों वाले रोगियों को बहु-विषयक देखभाल प्रदान करने के लिए शामिल है। साथ ही, जरूरतमंद रोगियों को समग्र देखभाल प्रदान करने के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र सुंदर नगर जैसे अन्य संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया गया है।

**शिक्षाविद**: विभाग पहले से ही योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। हम जुलाई 2023 में बाल चिकित्सा (एमडी बाल रोग) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने के इच्छुक हैं।

**सामुदायिक सेवाएं:** विभाग बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में जिला और राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से काम कर रहा है। विभाग में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी), गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) की जांच और प्रबंधन और वैक्सीन-रोकथाम योग्य रोग (वीपीडी) निगरानी हस्तक्षेप लागू किए जा रहे हैं।

**भविष्य की दृष्टि:** विभाग में अतिरिक्त जनशक्ति की भर्ती और बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई की स्थापना के साथ, उन्नत बाल चिकित्सा देखभाल प्रदान की जाएगी।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. बाल चिकित्सा टीबी पर वर्चुअल सीएमई - 4 अप्रैल, 2022
2. बचपन के निमोनिया पर वर्चुअल सीएमई - 17 नवंबर, 2022

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. स्मृति गुप्ता | व्याख्यान- बाल चिकित्सा एम्पाइमा- मूल्यांकन और प्रबंधन में हालिया प्रगति। | बहुत बढ़िया पल्मोनोलॉजी 2022- श्वसन अध्याय, बीकानेर द्वारा बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी सीएमई | 16-17 जुलाई, 2022 | श्वसन अध्याय, बीकानेर, बीकानेर, राजस्थान में |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2. | डॉ. स्मृति गुप्ता | ई-पोस्टर- तृतीयक देखभाल केंद्र के नवजात और बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाइयों में वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया की घटना, एटियलजि और जोखिम कारक | डब्ल्यूएफपीआईसीएस, 2022, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका (वर्चुअल सम्मेलन) | 12-16 जुलाई, 2022 | वर्चुअल सम्मेलन केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | उप-हिमालयी क्षेत्र में कोविड महामारी की दूसरी और तीसरी लहर के बाद बच्चों में पोस्ट कोविड लक्षण (नई शुरुआत या बने रहना) - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन | डॉ. स्मृति गुप्ता , (प्रमुख अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (द ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया) | 6-12 माह | जारी | 30000 |
| 2. | मानव ब्रुसेलोसिस के वास्तविक बोझ का उपचार करना: बीसीएसपी 31 का मूल्यांकन करना। ब्रूसेलोसिस को ब्रुसेला उपनिवेशीकरण से अलग करने के लिए मात्रात्मक पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (क्यूपीसीआर)। | डॉ. स्मृति गुप्ता (सह-अन्वेषक) | बाह्य वित्त पोषित (DST-SRG) | 2 वर्ष | जारी | 1531200 |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. **गुप्ता एस**, शंकर जे बच्चों में शॉक मैनेजमेंट और द्रव पुनर्जीवन में प्रगति। भारतीय जे पेडियाटर। 2023 मार्च; 90(3):280-288. दोई: 10.1007/s12098-022-04434-3.
2. **गुप्ता एस**, मंडल ए, जाट केआर. एक किशोर में अंतरालीय फेफड़े की बीमारी एक नए एसटीएटी 5 बी उत्परिवर्तन से जुड़ी हुई है। भारत पेडीएटर 2023: 60, 237-238।
3. कुमार ए, सिंह आर, चौहान ए, शर्मा डी, संदल आर, चौहान एन, **गुप्ता एस**, वर्मा बी. कोविड महामारी की तीन लहरों के दौरान झिल्लीदार ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के लिए उपचार के परिणाम। इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी 2023: मार्च; 10.4103/ijn.ijn_162_22, डीओआई: 10.4103/ijn.ijn_162_22
4. **गुप्ता एस**, मुखर्जी ए, गुप्ता एस, जाट केआर, शंकर जे, लोढ़ा आर, काबरा एसके इम्पल्स ऑसिलोमेट्री (आईओएस) 6-15 वर्ष की आयु के अस्थमा से पीड़ित बच्चों में व्यायाम प्रेरित ब्रोन्कोकन्सट्रिक्शन का पता लगाने के लिए। जे अस्थमा। जुलाई 2023; 60(7):1336-1346. दोई: 10.1080/02770903.2022.2145219. (नवंबर, 2022 में ऑनलाइन प्रकाशित)
5. मेहता एस, **सिंह जे**, सेठी ए, एट अल. प्रीटरम मदर के दूध की मैक्रोन्यूट्रिएंट संरचना: उत्तर भारत में तृतीयक स्तर की विशेष नवजात देखभाल इकाई में एक संभावित अवलोकन अध्ययन। जे नियोनाटोल। 2022; 36 (4): 280-287।

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र . | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **डॉ. स्मृति गुप्ता**, एस.के. काबरा | बच्चों में फेफड़े का फोड़ा | धन्य धर्मपालन | बाल चिकित्सा में संक्रामक रोगों के प्रबंधन में साक्ष्य आधारित प्रथाएं | पहला संस्करण, 2022, इवेंजेल पब्लिशर्स |
| 2. | **डॉ. स्मृति गुप्ता**, केतन शाह | क्रोनिक श्वसन विकारों का घरेलू प्रबंधन | एन.के. सुब्रमण्य, जगदीश गोयल | आईएपी राष्ट्रीय श्वसन अध्याय बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी की पाठ्यपुस्तक। | पहला संस्करण, 2023, जयपी पब्लिशर्स |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**डॉ. स्मृति गुप्ता**

1. बाल चिकित्सा श्वसन चिकित्सा, 2021 (बाल चिकित्सा हर्मेस) में यूरोपीय परीक्षा में पहली रैंक हासिल की (सितंबर, 2022 में सम्मानित)

**सामुदायिक सेवा**

**डॉ. स्मृति गुप्ता**

1. एम्स बिलासपुर में विश्व अस्थमा दिवस, 2022 (4 मई, 2022) पर सामुदायिक जागरूकता सत्र (आयोजक व्यक्ति)
2. एम्स बिलासपुर में मेडिकल कैंप, स्पेशल ओलंपिक भारत (5 अप्रैल, 2022) में भाग लिया
3. एम्स बिलासपुर में गंभीर कुपोषण शिविर में भाग लिया (7 मई, 2022)
4. चिकित्सा शिविर, केलांग में भाग लिया (10-12 मई, 2022)
5. एम्स बिलासपुर में विश्व स्तनपान सप्ताह, 2022 (1-7 अगस्त, 2022) पर सामुदायिक जागरूकता सत्र और यूजी प्रश्नोत्तरी (आयोजन सदस्य)
6. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर में बाल दिवस (14 नवंबर, 2022) पर बाल स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र (आयोजक व्यक्ति)
7. सीआरसी, सुंदरनगर, मंडी में चिकित्सा शिविर (3 दिसंबर, 2022) में भाग लिया

## बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. बिजय कुमार सेठी | सह - प्राध्यापक | 12.01.2021 |
| 2. | डॉ. संदीप सिंह सेन | सहायक प्राध्यापक | 12.12.2022 |

### विभाग के विषय में

नियमित और आपातकालीन दोनों तरह से बाल शल्य चिकित्सा सेवा प्रदान करना। नियमित बाल चिकित्सा सर्जरी ओपीडी चलाना। विभाग संस्थान के यूजी शिक्षण कार्यक्रम बाल चिकित्सा सर्जरी कक्षाएं लेता है। 50 से अधिक प्रमुख बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा मामले निष्पादित किये । बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान और सामान्य बाल चिकित्सा सर्जरी के मामले में सबसे उल्लेखनीय न्यूनतम एक्सेस सर्जरी जैसे लैरोस्कोपिक पाइलोप्लास्टी, लैप डुप्लेक्स किडनी पाइलोप्लास्टी। यूरेटेरेक रीइम्प्लांटियन, बी/एल लैप ऑर्किडोपेक्सी आदि।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. बिजय कुमार सेठी | वैज्ञानिक सलाहकार | थायराइड अपडेट | 28 मई 2022 | एम्स बिलासपुर |
| 2. | डॉ. बिजय कुमार सेठी | | 25वां वार्षिक बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिकल सम्मेलन | 18-20 नवंबर 2022, | एम्स नई-दिल्ली |
| 3. | डॉ. संदीप सिंह सेन | | एसपीएसएस के उपयोग के दौरान बुनियादी जैव सांख्यिकी डेटा विश्लेषण और अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला | 21-27-दिसम्बर 2022 | साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ (ऑनलाइन मोड) |

### प्रकाशन

#### शोधपत्र

1. **सेठी बीके**, बिस्वास एसके-नवीन परिवर्तन के लिए हयाशी-कोयानागी मरम्मत का संशोधन समीपस्थ हाइपोस्पेडिया: प्रारंभिक रिपोर्ट कोक सेर डर्ग/तुर्की जे पेड सर्जन 2022; 36(1): 26-31doi:10.228/JTAPS.53854

## भेषगुण विज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. दीप्ति चोपड़ा | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | 27.07.2022 |
| 2. | डॉ. मीनाक्षी मीनू | सहायक प्राध्यापक | 25.11.2020 |
| 3. | डॉ यांगशेन ल्हामो | सहायक प्राध्यापक | 25.11.2020 |

### विभाग के विषय में

एम्स बिलासपुर के फार्माकोलॉजी विभाग ने अपनी स्थापना के बाद से ही विकास जारी रखा है, जिससे चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संस्थान की दृष्टि को मजबूत किया गया है। विभाग ने मजबूत साक्ष्य-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने और चिकित्सा शिक्षा में समकालीन आवश्यकताओं और उन्नति से मेल खाने के लिए शिक्षा में अभिनव तरीकों को अपनाया है। स्नातक छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के अलावा, विभाग युवा दिमाग को पेशेवर नैतिकता, संचार और करुणा सीखने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की रिपोर्टिंग के महत्व पर समुदाय, रोगियों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के संवेदीकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग रोगी देखभाल में उत्कृष्टता के लिए संस्थान के दृष्टिकोण को साझा करता है। विभाग दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अस्पताल के लिए प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट में सक्रिय रूप से शामिल है। संकाय सदस्य खुद को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लेने और अनुक्रमित पत्रिका में प्रकाशित करके वैज्ञानिक दुनिया में योगदान दिया है।

फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, बिलासपुर 2021 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के संरक्षण में भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त एक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र (एएमसी) है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रमों में लगन से योगदान दे रहा है।

**भविष्य के लिए दृष्टि:**

फार्माकोलॉजी विभाग का उद्देश्य एक गतिशील और विशिष्ट सीखने का माहौल प्रदान करना है जो बुनियादी और नैदानिक फार्माकोलॉजी, चिकित्सीय और विष विज्ञान में अभिनव, ग्राउंडब्रेकिंग अनुसंधान का पोषण करेगा। हम बुनियादी और नैदानिक अनुसंधान को एकीकृत करने पर जोर देंगे। हमारे प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्रों में फार्माकोजेनोमिक्स, थेराप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग, एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप, दवाओं का तर्कसंगत उपयोग और विष विज्ञान शामिल हैं, जो इस देश के प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझ पर ध्यान केंद्रित करते हैं। विभाग नए चिकित्सीय तौर-तरीकों की खोज और विकास को बढ़ावा देने और दवा पुन: उपयोग करने की कल्पना करता है। संस्थागत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों और सामुदायिक संगठनों में प्रशासनिक जिम्मेदारियों को ग्रहण करके हम संस्थान और हमारे देश की प्रगति में योगदान देंगे।

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. **राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह** -17 से 23 सितंबर 2022 को फार्माकोलॉजी विभाग एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित "रोगियों द्वारा एडीआर की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना" विषय के साथ

### अनुसन्धान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | "लाहुल और स्पीति में पारंपरिक जनजातीय चिकित्सकों द्वारा उपयोग की जाने वाली औषधीय जड़ी बूटियों का एथनोफार्माकोलॉजिकल सर्वेक्षण - भारत के उत्तरी पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक ठंडा रेगिस्तानी क्षेत्र- एक खोजपूर्ण सर्वेक्षण" | डॉ. यांगशेन (प्रमुख अन्वेषक) | -- | 2 वर्ष | जारी | -- |
| 2. | "ठोस अंग कैंसर में पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा की प्रभावकारिता" | डॉ. यांगशेन (सह-अन्वेषक) | -- | 2 वर्ष | जारी | -- |

### प्रकाशन
### शोधपत्र

1. सिद्धू जेके, जाखड़ के, **चोपड़ा डी,** धोटे ए, बब्बर वी, शादमान एम, त्रिपाठी सीडी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के मनोचिकित्सा बाह्य रोगी विभाग में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं: एक अवलोकन अध्ययन। जे रेस फार्म प्रैक्ट। 24 मार्च 2023; 11(3):99-102. दोई: 10.4103/jrpp.jrpp_51_22।

### पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ
### डॉ. दीप्ति चोपड़ा

1. FAIMER (फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च)
2. द एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की गई सदस्यता
3. "नेशनल एसोसिएशन ऑफ फार्माकोलॉजी एंड थेरेप्यूटिक्स" द्वारा प्रदान की गई सदस्यता

### डॉ. मीनाक्षी मीनू

1. सीएमसी, लुधियाना के सहयोग से एम्स, बिलासपुर द्वारा आयोजित "मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज" में प्रमाणित
2. सदस्यता से सम्मानित (3184) "द एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया"

### डॉ. यांगशेन ल्हामो

1. सदस्यता से सम्मानित- "नेशनल एसोसिएशन ऑफ फार्माकोलॉजी एंड थेरेप्यूटिक्स"
2. सदस्यता से सम्मानित- "द एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया"

### सामुदायिक सेवा

1. एडीआर रिपोर्टिंग और ऐसा करने के लिए विभिन्न टोलों के बारे में रोगियों की जागरूकता पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, रोगियों और समुदाय के लिए क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में 17 से 22 सितंबर 2022 तक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग पर सार्वजनिक संवेदीकरण व्याख्यान, 17 से 22 सितंबर 2022
2. एम्स बिलासपुर में विभिन्न ओपीडी में पैम्फलेट वितरण और जागरूकता वार्ता
3. एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में ई-पोस्टर प्रस्तुति
4. संस्थान में सुरक्षित और सर्वोत्तम चिकित्सा पद्धति के एक भाग के रूप में रोगियों द्वारा प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्ट करने के लिए ओपीडी टिकटों और आपातकालीन टिकटों पर भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के टोल फ्री नंबर (18001803024) को शामिल करना।

## शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. रूपाली पार्लेवार | प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष | 08.02.2021 |
| 2. | डॉ. पूनम वर्मा | अतिरिक्त प्राध्यापक | 01.01.2021 |
| 3. | डॉ. प्रबल जोशी | सह- प्राध्यापक | 20.11.2020 |
| 4. | डॉ. हितेश जानी | सहायक प्राध्यापक | 09.12.2020 |
| 5. | डॉ. प्रीति भंडेरी | सहायक प्राध्यापक | 09.12.2020 |
| 6. | डॉ. भूपेन्द्र पटेल | सहायक प्राध्यापक | 14.12.2020 |
| 7. | डॉ. सुमन दास | सहायक प्राध्यापक | 16.06.2022 |

### विभाग के विषय में

### शिक्षण

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग एमबीबीएस और नर्सिंग एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। वर्ष 2022-23 में चिकित्सक शिक्षकों द्वारा एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए कुल 673 घंटे तथा नर्सिंग/पैरामेडिकल के लिए 125 घंटे की शैक्षणिक गतिविधियाँ कराईं । इसमें व्याख्यान/बुनियादीप्रशिक्षण/प्रदर्शन/सेमिनार/प्रश्नोत्तरी/एस.डी.एल./ई.सी.ई./छोटे समूह शिक्षण आदि शामिल हैं।

विभाग ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए एक एम.डी. शरीर क्रिया विज्ञान सीट हासिल कर ली है और काउंसलिंग के अगले दौर में एक उम्मीदवार के भर्ती होने की उम्मीद है। इस विभाग में विभिन्न स्नातकोत्तर प्रयोगशालाएँ भी स्थापित करने का प्रस्ताव है जैसे व्यायाम फिजियोलॉजी प्रयोगशाला, पल्मोनरी कार्य प्रयोगशाला, जीवन शैली में संशोधन और एकीकृत क्लिनिक, न्यूरोफिज़ियोलॉजी प्रयोगशाला आदि जिनका उपयोग अनुसंधान और प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए किया जाएगा।

### अनुसंधान

विभाग के चिकित्सक शिक्षकों ने आई.सी.एम.आर. से रुपये 45,09,006/- की दो वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं हासिल कीं।

- एक परियोजना जो कि प्रधान शोधकर्ता डॉ. रूपाली पारलेवार के अधीन है, का शीर्षक था, "हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायराइड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन"।
- दूसरी परियोजना जो कि प्रधान शोधकर्ता डॉ. पूनम वर्मा के अधीन है, का शीर्षक था "हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में ऑटोनोमिक एवं कॉग्निटिव फंक्शन्स के साथ जीवनशैली से संबंधित रोग बायोमार्कर के बीच सबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन संबंधी क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन"।
- विभाग ने इन परियोजनाओं से एक रिएक्शन टाइम उपकरण हासिल कर लिया है और एक वायरलेस एच.आर.वी. उपकरण प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

हिमाचल प्रदेश की जनजातीय आबादी के बीच "थायराइड फ़ंक्शन, मूत्र आयोडीन और एंटीथायरॉइड पेरोक्सीडेज एंटीबॉडी स्थिति का आकलन" नामक एक परियोजना: प्रधान शोधकर्ता डॉ. पूनम वर्मा के तहत एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन को हिमाचल प्रदेश जनजातीय विकास विभाग द्वारा 14,24,380/- रुपये की कीमत पर शॉर्टलिस्ट किया गया है।

अन्य दो निम्नलिखित गैर-वित्त पोषित शोध परियोजनाएं भी आई.ई.सी अनुमोदन के बाद विभाग में चल रही थीं:

- प्रधान शोधकर्ता, डॉ. प्रबल जोशी के अधीन "स्कूली बच्चों में प्रतिक्रिया समय, स्मृति और संज्ञान के ध्यान क्षेत्रों पर मंत्र जप का प्रभाव".

- प्रधान शोधकर्ता डॉ. पूनम वर्मा के अधीन "कोविड-19 लॉकडाउन के बीच आयोजित प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा का एक अध्ययन"।
- संकाय सदस्यों ने छात्रों को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की अल्पावधि छात्रवृति परियोजनाएं प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

  इसके अतिरिक्त, चार और शोध प्रस्ताव आई.सी.एम.आर. को भेजे गए हैं और इनके परिणाम की प्रतीक्षा है। विभाग एक शोध परियोजना के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी (हि. प्र.) के साथ क्रियान्वयन करने की प्रक्रिया में भी है। शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, विभिन्न स्नात्तकोत्तर अनुसंधान प्रयोगशालाएं स्थापित करने की दिशा में भी काम कर रहा है।

**निदान सेवाएँ**

- विभाग ने नवंबर 2022 में अपनी ऑटोनोमिक फंक्शंस टेस्टिंग लैब शुरू की और मार्च 2023 तक कुल 12 मरीजों का परीक्षण किया गया। विभाग ने पहले न्यूरोफिज़ियोलॉजी लैब के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया था और यह लैब स्थापित होने के बाद विभाग के चिकित्सक शिक्षकों द्वारा इसमें सेवाएं प्रदान की जाएँगी।

  31.05.2022 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विभाग द्वारा एक सी.एम.ई. का आयोजन किया गया, जिसमें ओ.पी.डी. में उपस्थित मरीजों/तीमारदारों के बीच तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। विभाग ने छात्रों/संकाय के लिए पूर्व योग सत्रों और अंतर्राष्ट्रीय दिवस के आयोजन का भी समन्वय किया।

**सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित**

1. 31 मई 2022 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विभाग द्वारा एक सी.एम.ई. का आयोजन किया गया।
2. 21 जून 2022 को विभाग द्वारा योग दिवस समारोह में समन्वय।
3. बतौर विभागाध्यक्ष सी.एफ.एम. डॉ. रूपाली पार्लेवार ने 7 अप्रैल 2022 को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर क्विज का आयोजन किया।
4. जीव रसायन विभाग विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ. रूपाली पार्लेवार ने 23 नवंबर 2022 को "एल.ए.आई. संगोष्ठी और लिपिड अपडेट-2022" पर सी.एम.ई. का आयोजन किया।

**सी.एम.ई./राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान/पत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए**

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. प्रीति भंडेरी | पुरुषों और महिलाओं में थर्मोटैक्टाइल और दर्द संवेदना का तुलनात्मक अध्ययन | भारत के फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट एसोसिएशन का 68वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन | 14.12.2022 | शरीर क्रिया विज्ञान विभाग और भेषजगुण विज्ञान विभाग, जीएमसीएच चंडीगढ़ और भेषजगुण विज्ञान विभाग पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, चंडीगढ़ में |
| 2 | डॉ. पूनम वर्मा | कोविड-19 लॉकडाउन के बीच मेडिकल छात्रों आयोजित की गयी ऑनलाइन परीक्षा के लिए एक नया तरीका। | स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा पर 13वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएचपीई) | 02.11.2023 से 03.11.2023 | हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, स्वामी राम, हिमालयन यूनिवर्सिटी , जॉली ग्रांट, देहरादून |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 3 | डॉ. भूपेन्द्र पटेल | मानव मस्तिष्क का कार्य मॉडल; मिरर न्यूरॉन सिस्टम का एक्सोटिका | न्यूरोलॉजी और न्यूरोफिज़ियोलॉजी पर 26वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 04.04.2022 | कॉन्फ्रेंस सीरीज़ एलएलसी लिमिटेड, यूके द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया। |
| 4 | डॉ. भूपेन्द्र पटेल | एम्स नई दिल्ली में कार्यशाला "एमबीबीएस छात्रों के क्लिनिकल फिजियोलॉजी प्रैक्टिकल के लिए माइक्रोफोन के साथ स्टेथोस्कोप का उपयोग" वीडियो प्रस्तुति। | टिप्स 2023 में स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए फिजियोलॉजी बुनियादी प्रशिक्षण के क्षेत्र में अभिनव प्रस्तावों के तहत प्रस्तुत किया गया | 18-20 जनवरी 2023 | डब्ल्यूएचओ एस.ई.ए.आर. देशों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज (टी.आई.पी.एस.) 2023 कार्यशाला में तकनीक फिजियोलॉजी विभाग, एम्स नई दिल्ली। |

**अनुसंधान**

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य / आतंरिक / स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी / संपन्न) | स्वीकृत निधि (रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायराइड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन | प्रमुख अन्वेषक: डॉ. रूपाली पार्लेवार<br>सह- अन्वेषक: डॉ. पुनम वर्मा<br>डॉ. प्रबल जोशी<br>डॉ. हितेश जानी<br>डॉ. प्रीति भंडेरी<br>डॉ. भूपेन्द्र पटेल | बाह्य वित्त पोषित | 3 वर्ष | जारी | 19,64,880 |
| 2. | हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में ऑटोनोमिक एवं कॉग्निटिव फंक्शन्स के साथ जीवनशैली से संबंधित रोग बायोमार्कर के बीच सबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन संबंधी क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन | प्रमुख अन्वेषक: डॉ. पुनम वर्मा<br>सह- अन्वेषक: डॉ. रूपाली पारलेवार<br>डॉ. प्रबल जोशी<br>डॉ. हितेश जानी<br>डॉ. प्रीति भंडेरी<br>डॉ. भूपेन्द्र पटेल | बाह्य वित्त पोषित | 2 वर्ष | जारी | 25,44,126 |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. कुमार टी, भूषण डी, कुमार एस, झा के, वर्मा पी, गांगुली ए, कुमार वाई, मोहम्मद जेड। एक समर्पित कोविड देखभाल सुविधा में भर्ती किए गए कोविड-19 रोगियों में संभावित प्रारंभिक रोगसूचक बायोमार्कर के रूप में सिस्टैटिन सी और कैलप्रोटेक्टिन की भूमिका। जर्नल ऑफ़ फ़ैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर 2022;11:39719

**2.** कुमारी एन, यादव ए, गर्ग एन, संखला एम, यादव के, गुप्ता आईडी, जेफ डी, पटेल बी। अवसाद के रोगियों में योग हस्तक्षेप और पारंपरिक उपचार के साथ इसकी तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हेल्थ एंड क्लिनिकल रिसर्च, 2022;5(1):1-6

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन विवरण (संस्करण, वर्ष, प्रकाशक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | भंडारी एस, टाक ए, सिंघल एस, शुक्ला जे, शक्तावत एएस, गुप्ता जे, **पटेल बी** एट. अल.। | कोविड-19 के समय में अस्पताल प्रणालियों में रोगी प्रवाह की गतिशीलता: कॉक्स आनुपातिक खतरा प्रतिगमन विश्लेषण | क्लिम्चुक ए, बेर्डे ई, डोवी डीए, क्लिम्चुक-कोचांस्का एम, स्पिनेली जी | कोरोनावायरस रोग (कोविड-19): सामाजिक-आर्थिक प्रणालियाँ-वैश्विक महामारी के पश्चात विश्व: डिज़ाइन थिंकिंग, रणनीतिक योजना, प्रबंधन और सार्वजनिक नीति। | लॉज़ेन: फ्रंटियर्स मीडिया एस.ए. 2022. पृ. 128-134. |

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ**

**डॉ. पूनम वर्मा**

1. 31 अक्टूबर 2022 को हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, स्वामी राम, हिमालयन यूनिवर्सिटी, जॉली ग्रांट, देहरादून द्वारा स्वास्थ्य व्यवसायों की शिक्षा पर आयोजित 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "छात्रों और संकाय को स्व-निर्देशित सीखने के लिए तैयार करना" विषय पर कार्यशाला के लिए अतिथि वक्ता (संसाधन संकाय).

**डॉ. भूपेन्द्र पटेल**

1. शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली द्वारा टिप्स 2022 के तहत आयोजित इनोवेटिव शरीर क्रिया विज्ञान प्रैक्टिकल सत्र में वीडियो प्रस्तुति के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र।
2. "परिचयात्मक तंत्रिका विज्ञान और तंत्रिका-इंस्ट्रूमेंटेशन' पर 12 सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया - 77% अंक प्राप्त किए (टॉपर)।
3. 12 सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम "इंजीनियरों के लिए उन्नत तंत्रिका विज्ञान" पूरा किया - 79% अंक प्राप्त किए।

**सामुदायिक सेवा**

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2023 पर फिजियोलॉजी विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा जागरूकता सत्र आयुष ओपीडी में।
2. डॉ. रूपाली पार्लेवार, डॉ. पूनम वर्मा और डॉ. भूपेन्द्र पटेल ने अप्रैल 2023 को संस्थान में दिव्यांगजनों के लिए आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्सव - वी केयर "रिटर्न टू प्ले" में योगदान दिया।

**डॉ. रुपाली पार्लेवार पी.आर.ओ. के रूप में**

1. संस्थान में होने वाली सभी क्रियाकलापों की नियमित प्रेस विज्ञप्तियाँ सुनिश्चित की।
2. केलांग में मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का समन्वय किया।
3. संस्थान में होने वाले विभिन्न आयोजनों एवं वी.आई.पी. दौरों के संबंध में जिला पी.आर.ओ. एवं जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित किया।

4. 12 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय अध्यक्ष (भाजपा) श्री जगत प्रकाश नड्डा की यात्रा के दौरान, उन्होंने व्यवस्थाओं की देखभाल की और कार्यक्रम के सुचारू समन्वय के लिए जिला अधिकारियों के साथ संवाद किया।
5. माननीय प्रधान मंत्री के दौरे के लिए मीडिया इंटरेक्शन समिति के अध्यक्ष/समन्वयक के तौर पर कार्य किया।
6. संस्थान के पी.आर.ओ. के रूप में, लाहौल और स्पीति जैसे जनजातीय क्षेत्रों में शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव शुरू किया।
7. माननीय प्रधान मंत्री की यात्रा के दौरान दिल्ली के पत्रकारों की टीम के साथ बैठक का आयोजन किया।
8. माननीय प्रधान मंत्री की यात्रा के दौरान सप्ताह में 2 या 3 बार विभिन्न विभागों के बारे में एक प्रेस नोट जारी किया गया।
9. सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग के संकाय को विभिन्न क्षेत्रीय दौरों के साथ-साथ सामुदायिक और सामाजिक कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया।

**डॉ. रुपाली पार्लेवार सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष के रूप में**

1. स्वतंत्रता दिवस 2022 के समारोह का आयोजन एवं संचालन किया
2. गणतंत्र दिवस 2023 के समारोह का आयोजन एवं संचालन किया
3. 16 दिसंबर 2022 को बैच 2021 के लिए व्हाइट कोट समारोह का आयोजन किया गया

## मनोचिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. ज्योति गुप्ता | सहायक प्राध्यापक | 28.11.2020 |

### विभाग के विषय में

वर्तमान में विभाग में एक संकाय और एक वरिष्ठ निवासी है। एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक की भर्ती की गई है और मनोचिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है। इनडोर सुविधा शुरू कर दी गई है। हम सामान्य मनोचिकित्सा, नशा मुक्ति और बाल मार्गदर्शन और परामर्श संपर्क सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। हम स्नातक शिक्षण में शामिल हैं। हम समय-समय पर बुलाए गए क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में जिला विकलांगता बोर्ड में विकलांगता प्रमाणन के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। विभाग ने आरएच बिलासपुर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आयोजित मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया है और आर्थराइटिस में तनाव प्रबंधन पर जानकारी प्रदान करने के लिए संसाधन-व्यक्ति के रूप में चिकित्सा और हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित विश्व आर्थिराइटिस जागरूकता दिवस समारोह में भाग लिया है।

हम मनोवैज्ञानिक परीक्षणों, ईसीटी मशीन और बायोफीडबैक मशीन की प्रतीक्षा कर रहे हैं और बेहतर नैदानिक और चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने में सहायता के लिए निकट भविष्य में साइकोमेट्री, ईसीटी और बायोफीडबैक शुरू करने की योजना बना रहे हैं। अतिरिक्त संकाय की भर्ती के साथ हम निकट भविष्य में एमडी मनोचिकित्सा पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं जिसके लिए विभाग पाठ्यक्रम के विकास में लगा हुआ है। हम प्रसूति और स्त्री रोग और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के साथ अंतर-विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने की प्रक्रिया में हैं।

### प्रकाशन

### शोधपत्र

1. **जे गुप्ता**, एस कौशल, टी प्रिया। हिमाचल प्रदेश में प्रसवकालीन अवसाद के बारे में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाएं - एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2023; 12: 478-83

### सामुदायिक सेवा

1. क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में समय-समय पर बुलाए गए सदस्य के रूप में जिला विकलांगता बोर्ड में मानसिक विकलांगता प्रमाणन में भागीदारी।

## विकिरण-निदान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. लोकेश राणा | सहायक प्राध्यापक | 21.11.2020 |
| 2. | डॉ. प्रतीक सिहाग | सहायक प्राध्यापक | 04.02.2021 |
| 3. | डॉ. करमवीर चंदेल | सहायक प्राध्यापक | 13.08.2022 |

### विभाग के विषय में

**ओपीडी सेवाएं:** विभाग ओपीडी आधार पर अत्याधुनिक नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। इनमें शामिल हैं: • 3 टेस्ला मशीन पर उन्नत एमआरआई अनुप्रयोग जैसे कि डीटीआई, फाइबर ट्रैकिंग, न्यूरोग्राफी, कार्डियक एमआरआई स्कैन के अलावा नियमित एमआरआई स्कैन • अत्याधुनिक दोहरी ऊर्जा वाले सीटी पर, विभाग शरीर के विभिन्न हिस्सों के नियमित सीटी स्कैन के अलावा कोरोनरी एंजियोग्राफी, और सेरेब्रल, पल्मोनरी, रीनल और पेरिफेरल एंजियोग्राफी, सीटी यूरोग्राफी और सीटी एंटरोग्राफी जैसे अन्य एंजियोग्राफी जैसे विशेष अध्ययन कर रहा है। • नैदानिक अल्ट्रासाउंड और विभिन्न डॉपलर अध्ययन • शरीर के विभिन्न अंगों के नियमित रेडियोग्राफी

**आपातकालीन सेवाएं:** विभाग आपातकालीन घंटों के दौरान उपलब्ध सीटी स्कैन, सीटी एंजियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड और डॉप्लर की सुविधाओं के साथ चौबीसों घंटे प्रदान कर रहा है।

**इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी:** विभाग इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहा है। इनमें शामिल हैं: सीटी और यूएसजी निर्देशित एफएनएसी और बायोप्सी, यूएसजी निर्देशित पिगटेल प्लेसमेंट, यूएसजी निर्देशित पीसीएन प्लेसमेंट, यूएसजी निर्देशित शिरापरक एब्लेशन, पीआईसी लाइन सम्मिलन, केमोपोर्ट सम्मिलन, प्लुरोडेसिस, नैदानिक और चिकित्सीय फुफ्फुस।

**पाठ्यक्रम शुरू:** विभाग ने सालाना 5 छात्रों के प्रवेश के साथ बीएससी एमआरआईटी कोर्स शुरू किया है।

**भविष्य के लिए दृष्टि**: विभाग डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी सेवाओं के बेहतर और व्यापक कवरेज को सक्षम करने और आपातकालीन रेडियोलॉजी सेवाओं को मजबूत करने के लिए क्रमशः आपातकालीन ब्लॉक और आयुष ब्लॉक में अत्याधुनिक नई 128 स्लाइस सीटी मशीन और 1.5 टेस्ला मशीन स्थापित करके नैदानिक सेवाओं का विस्तार करेगा। विभाग इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेवाओं को मजबूत करने और कोल्ड आरएफए एब्लेटर और ओजोन जनरेटर जैसे नए उपकरण जोड़ने की प्रक्रिया में है ताकि इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेवाओं का एक पूरा स्पेक्ट्रम प्रदान किया जा सके। विभाग एक अकादमिक वातावरण विकसित करने और अकादमिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नियमित रेडियोलॉजी सीएमई आयोजित करने का इरादा रखता है।

### प्रकाशन

#### शोधपत्र


1. सिंह जे, त्रिपाठी टी, पटेल आर, **चंदेल के**। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट के दृष्टिकोण से यकृत फोड़ा का प्रबंधन। अकादमिक रेडियोलॉजी के चीनी जर्नल. 2023 मार्च; 6(1): 18-31.
2. सिंह जे, त्रिपाठी टीपी, पटेल आर, **चंदेल के**। क्या अल्ट्रासाउंड-निर्देशित बेडसाइड पर्क्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक बाइलरी ड्रेनेज गंभीर चोलंगाइटिस वाले गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सुरक्षित और व्यवहार्य है? एक प्रारंभिक एकल-केंद्र अनुभव। इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2023 जनवरी; 27(1):16-21. दोई: 10.5005 / jp-journals-10071-24379। पीएमआईडी: 36756467; पीएमसीआईडी: PMC9886041।

3. कौर एम, **चंदेल के**, रेड्डी पी, गुप्ता पी, सामंत जे, मांडवधरे एच, शर्मा वी, सिंह एच, नसीम एस, सिन्हा एसके, गुप्ता वी. । न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात तीव्र चोलंगाइटिस में पर्क्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी के लिए नैदानिक प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करता है। क्लिनिकल और प्रायोगिक हेपेटोलॉजी के जर्नल. 2023 जनवरी 6.
4. शर्मा एन, कर्मकार एस**, राणा एल**, धीमान यू। पोस्टीरियर इंटरोसियस नस का श्वाननोमा: ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। वर्ल्ड जे प्लास्ट सर्ग 2023; 12 (1): 86-89.
5. **सिहाग पी**, चौधरी के, कुमारी के, कुमार आर.। कोविड-19 अलगाव में अवसाद का मुकाबला करने के लिए करुणा और मुस्कान। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर। 2022 1 जुलाई; 11 (7): 4111-2.

**पुस्तक में अध्याय**

| क्र. | लेखक | अध्याय | संपादक का नाम | पुस्तक का शीर्षक | प्रकाशन का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. प्रतीक सिहाग | 3 डी क्रानियोफेशियल इमेजिंग में सुरक्षा और संरक्षण। | | क्रानियोफेशियल क्षेत्र में 3 डी इमेजिंग के अनुप्रयोग | स्प्रिंगर प्रकृति (प्रकाशन के तहत) |

**सामुदायिक सेवा**

1. 08.11.2022 को अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस मनाया और विकिरण के लाभों और खतरों के बारे में सामुदायिक जागरूकता पैदा की।

## विकिरण चिकित्सा विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. मुनिंदर कुमार नेगी | अतिरिक्त प्राध्यापक | 14.06.2022 |
| 2. | डॉ. प्रियंका ठाकुर | सहायक प्राध्यापक | 23.11.2020 |

### विभाग के विषय में

विकिरण चिकित्सा विभाग निर्माणाधीन है, और विभिन्न मशीनों के लिए विक्रेता सक्रिय रूप से सिविल कार्य में शामिल हैं। इसमें विशेष उपकरणों की स्थापना का समन्वय करना और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि विभाग का भौतिक बुनियादी ढांचा तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।

विभाग ऑन्कोलॉजी रोगियों को बाह्य रोगी (ओपीडी) और रोगी (आईपीडी) सेवाएं प्रदान कर रहा है। संकाय सदस्य अस्पताल और स्नातक छात्रावास में प्रशासनिक कार्य सहित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जो विभागीय जिम्मेदारियों से परे संस्थान के विभिन्न पहलुओं में भागीदारी का सुझाव देते हैं।

हमारा विभाग रोगी देखभाल में एक बहु-विषयक दृष्टिकोण का पालन करने के लिए मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और अन्य जैसे अन्य विभागों के सहयोग से काम कर रहा है, जो ऑन्कोलॉजी उपचार में आवश्यक है। संकाय सदस्य छात्र मेंटरशिप कार्यक्रमों में भी शामिल हैं, छात्रों की शिक्षा और व्यावसायिक विकास में निवेश करते हैं। अगली पीढ़ी के चिकित्सा पेशेवरों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है।

विभाग के भीतर मानकीकृत और सुरक्षित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का विकास किया जा रहा है, जो उच्च गुणवत्ता वाले रोगी देखभाल को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चिकित्सा भौतिकविदों की भर्ती की गई है, जो विकिरण सुरक्षा अधिकारी के रूप में भी काम करेंगे, जो रोगियों और कर्मचारियों दोनों के लिए विकिरण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग स्थापित करने के लिए एईआरबी से नियामक अनुमति प्राप्त की जा सके।

### अनुसंधान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि(रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री | डॉ. मुनिंदर कुमार | -- | अनिश्चितकालीन | जारी | -- |

### प्रकाशन

1. गुप्ता एन, कुमार एस, सरीन पी, **नेगी एम**, कौर एम, सिंह एम. । संदिग्ध न्यूरोलॉजिकल पैरानियोप्लास्टिक सिंड्रोम में 18 एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी का मूल्य। बंगाल जर्नल ऑफ कैंसर। 2022 1 जुलाई; 2 (2): 66.
2. चंद बी, **कुमार एम**, पराशर एस, शर्मा ए, कुमार एम. । विभिन्न पौधों से क्लोरोफिल के निष्कर्षण के लिए एप्रोटिक और प्रोटिक विलायक: रासायनिक विशेषता और विश्लेषण। भौतिकी के जर्नल: सम्मेलन श्रृंखला 2022 1 मई (वॉल्यूम 2267, नंबर 1, पी 012143। आईओपी प्रकाशन।
3. चंद बी, **कुमार एम**, पराशर एस, कुमार एम. । विकिरण चिकित्सा खुराक गणना पर विभिन्न ट्यूब वोल्टेज और करंट पर प्राप्त सापेक्ष इलेक्ट्रॉन घनत्व वक्रों के लिए सीटी संख्या का प्रभाव। भौतिकी के जर्नल: सम्मेलन श्रृंखला 2022 1 मई (वॉल्यूम 2267, नंबर 1, पी। आईओपी प्रकाशन

## सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. चित्रेश कुमार | सह प्राध्यापक | 09.12.2020 |

### विभाग के विषय में

वर्तमान में विभाग में केवल एक संकाय है। सहायक प्रोफेसर का एक संकाय पद आज तक रिक्त है। विभाग में सप्ताह में छह दिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक ओपीडी हो रही है। विभाग जीए के तहत कैंसर की बड़ी सर्जरी और माइनर ओटी में लोकल एनेस्थीसिया के तहत छोटी प्रक्रिया कर रहा है। विभाग में रोटेशन के आधार पर एक नर्सिंग अधिकारी और एक जूनियर रेजिडेंट है |

### सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में 28 मई 2022 को प्रथम थायराइड अपडेट के आयोजन अध्यक्ष

### सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

| क्र. | संकाय का नाम | उपाधि | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. चित्रेश कुमार | स्तन कैंसर की जांच के संबंध में चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग अधिकारियों का प्रशिक्षण | इको | 27.04.2022 04.05.2022 | राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा |
| 2. | डॉ. चित्रेश कुमार | न्यायाधीश | विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर नारा लेखन | 05.05.2022 | माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स, बिलासपुर |
| 3. | डॉ. चित्रेश कुमार | "फ्लोरेसेंस गाइडेड स्तन संरक्षण सर्जरी: एक कम लागत वाली तकनीक " पर आमंत्रित व्याख्यान | 7 वीं विश्व कैंसर कांग्रेस-डब्ल्यूसीसी 2022 | 20.11.2022 | विश्व कैंसर कांग्रेस |
| 4. | डॉ. चित्रेश कुमार | प्रतिस्पर्धी पोस्टर प्रस्तुति के न्यायाधीश | एएसआई-ASICON22 का 82वां वार्षिक सम्मेलन | 22.12.2022 | एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया |

### अनुसंधान

| क्र. | परियोजना का शीर्षक | नाम (भूमिका) | बाह्य/आंतरिक/ स्वयं वित्त पोषित | अवधि (वर्ष) | स्थिति (जारी/ सम्पन्न) | स्वीकृत निधि(रु.) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | जमे हुए अनुभाग बनाम स्क्रैप इंट्राऑपरेटिव में | डॉ. चित्रेश | | | जारी | -- |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | साइटोलॉजी परामर्श एक तुलनात्मक अध्ययन विश्लेषण | कुमार (सह-I) | | | | |
| 2. | स्क्रेप/इम्प्रीन्ट साईटोलॉजी की इंट्रा ऑपरेटिव विश्लेषण में भूमिका | डॉ चित्रेश कुमार (सह-I) | | | जारी | -- |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. ठाकुर पीएस, **कुमार सी**। ग्रेव्स रोग के लिए एंटीथायराइड दवा के विकल्प के रूप में रेडियोधर्मी आयोडीन की तुलना में कुल थायरॉयडेक्टोमी का महत्वपूर्ण मूल्यांकन अधिक लागत प्रभावी है। शल्यचिकित्सा। 2023 मई; 173(5):1311. दोई: 10.1016/j.surg.2022.11.019. Epub 2022 दिसंबर 15. पीएमआईडी: 36528405।
2. पुरी जी, गुप्ता के, **कुमार सी**। हाइपरपैराथायरायडिज्म का पैनोरमा। इंडियन जे एंडोक सर्ग रेस 2022; 17 (1): 40–51।
3. कुमार ए, बाघमार एस, मेहता पी, तिवारी पी, कुमार एल, बख्शी एस, अग्रवाल ए, गुप्ता आई, त्रिखा ए, भटनागर एस, गोगिया ए, मलिक पीएस, साहू आरके, रस्तोगी एस, प्रमाणिक आर, बत्रा ए, पुष्पम डी, **शर्मा सीके**, शर्मा वी, कटारिया बी, गोयल के, समागा एस, बोथरा एसजे, शर्मा ए. । कोविड-19 के कैंसर रोगियों की विशेषताएं और परिणाम: भारत से एक बहुकेंद्र पूर्वव्यापी अध्ययन। इंडियन जे मेड रेस 2022 मई-जून; 155(5&6):546-553. दोई: 10.4103/ijmr.ijmr_1703_21। पीएमआईडी: 36348601; पीएमसीआईडी: PMC9807197।
4. बोरो एच, खाटीवाड़ा एस, आलम एस, कुबिहल एस, डोगरा वी, मल्ला एस, **कुमार सी**। "बच्चों और किशोरों में प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म की अभिव्यक्तियों का स्पेक्ट्रम"। एंडोक्रिनॉल डायबिटीज मेटाब। 2022; 28(3):178-187. दोई: 10.5114 / pedm.2022.118315. पीएमआईडी: 35942826; पीएमसीआईडी: PMC10214945।
5. गांवकर, वी.बी., माथुर, एस., हुसैन, एस., अनामिका प्रियदर्शिनी ए., **शर्मा सीके**, मेहरोत्रा आर., कटारिया के., रंजन पी., धर ए., सीनू वी., हरि एस., श्रीवास्तव ए. । एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर्स फाइब्रोएडीनोमा में सेंट्रोमैन-ए सेलेक्टिव एस्ट्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर (एसईआरएम) के जवाब में। इंडियन जे सुर्ग (2022)। दोई: 10.1007/s12262-022-03496-z
6. पुरी जी, खड़का एस, **कुमार सी**। मेटास्टेसिस के 10 साल बाद एक मनोगत कूपिक थायराइड कार्सिनोमा की खोज की गई। इंडियन जे एंडोक सर्ग रेस 2021; 16(1):48-50. दोई: 10.5005 / jp-जर्नल्स-10088-11157

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम**

1. 20 नवंबर 2022 को बेंगलुरु, भारत में 7 वीं विश्व कैंसर कांग्रेस में एडवर्ड कैनेडी मेमोरियल अवार्ड।
2. एमएस जनरल सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली के लिए स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद "स्तन कैंसर के स्थानीयकरण के लिए सिलिकॉन ट्यूब टिप की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन" शीर्षक से थीसिस का मूल्यांकन किया।

## रक्तआधान औषधि एवं रक्तकोष विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. राकेश कुमार | सहायक प्राध्यापक | 27.11.2020 |

### विभाग के बारे में

विभाग ने सितंबर 2022 में रक्त स्टोरेज यूनिट शुरू की और अब तक 1050 यूनिट पूरे रक्त जारी किया है। विभाग ने रक्त केंद्र लाइसेंसिंग के लिए आवेदन किया है और जल्द ही रोगियों को रक्त घटक सुविधाएं प्रदान करना शुरू कर देगा।

### सामुदायिक सेवा

1. दिनांक 14.10.22, 14.02.2023 और 14.06.2023 को तीन स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया।
2. विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14.06.2023 को एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

## मूत्रविज्ञान विभाग

### संकाय

| क्र. | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. उमाकांत दत्त | सहायक प्राध्यापक | 28.6.20222 |

### विभाग के विषय में

यूरोलॉजी विभाग ने बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी दोनों सेवाएं शुरू की हैं। ओपीडी सेवाएं सप्ताह में दो बार और ऑपरेटिव सेवाएं सप्ताह में तीन बार चल रही हैं, जिसमें आपातकालीन और वैकल्पिक दोनों प्रक्रियाएं शामिल हैं। विभाग गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट, मूत्राशय रोगों के लिए एंडोरोलॉजी और सभी यूरोलॉजी रोगों के लिए बुनियादी और उन्नत लैपरोस-कॉपी जैसी सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग ने 200 से अधिक ऑपरेटिव प्रक्रियाएं निष्पादित की हैं जिनमें प्रोस्टेट का बाइपोलर ट्रांसयूरथ्रल रिसेक्शन, मूत्राशय ट्यूमर, परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोट्रिप्सी, लेप्रोस्कोपिक पाइलोप्लास्टी, लेप्रोस्कोपिक नेफरेक्टोमी आदि शामिल हैं। वर्तमान में यूरोलॉजी विभाग सभी मूत्र संबंधी घातक और भविष्य में प्रबंधन प्रदान कर रहा है। प्रोस्टेट रोग और यूरोलिथियासिस के लिए होलियम लेजर उपचार जैसी सेवाएं शुरू करने जा रहा है। विभाग के लिए तत्काल भविष्य का दृष्टिकोण व्यापक सार्वजनिक हित के लिए रीनल ट्रांसप्लांट सेवाएं शुरू करना है।

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | सीएमई / सम्मेलन | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. उमाकांत दत्त | | लाइव किडनी ट्रांसप्लांट पर कार्यशाला का संचालन | 25.11. 2022 | यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, औरंगाबाद |

### सामुदायिक सेवा

1. यूरोलॉजी विभाग ने 12 और 13 दिसंबर 2022 को जिला कुल्लू में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया और लगभग 100 रोगियों की जांच की।
2. प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता पर 17 सितंबर 2022 को हमीरपुर में लाइव आकाशवाणी रेडियो कार्यक्रम में भाग लिया।

## नर्सिंग कॉलेज विभाग

### संकाय

| क्र . | नाम | पद | कार्यग्रहण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ.आदित्य शर्मा | प्राध्यापक - एवं - प्रधानाचार्य | 28.05.22 |
| 2. | सुश्री शबनम | शिक्षक | 01.08.22 |
| 3. | सुश्री अनुजा शर्मा | शिक्षक | 25.07.22 |
| 4. | सुश्री उपमा शर्मा | शिक्षक | 27.07.22 |
| 5. | सुश्री कविता शर्मा | शिक्षक | 21.07.22 |
| 6. | सुश्री चंचल रानी | शिक्षक | 25.07.22 |

### विभाग के विषय में

कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स बिलासपुर का विभाग 2022 में प्रिंसिपल और सात ट्यूटर्स की भर्ती और एक नए संस्थान को शुरू करने के लिए कोडल गतिविधियों को अंतिम रूप देने के साथ शुरू हुआ। नर्सिंग कॉलेज ने अक्टूबर, 2022 में 40 छात्रों के अपने अग्रणी बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग बैच की शुरुआत के साथ एक मील का पत्थर हासिल किया। विभाग बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम के विकास एवं स्थापना में तथा मानदंडों के अनुसार जनशक्ति की भर्ती और शर्तों के अनुसार बुनियादी ढांचे के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। । कॉलेज ऑफ नर्सिंग विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को नर्सिंग के क्षेत्र में पेशेवर रूप से सीखने और बढ़ने के बेहतरीन अवसर प्रदान करना और नर्सिंग छात्रों के लिए अनुसंधान आधारित और साक्ष्य आधारित नैदानिक प्रथाओं की पेशकश करना है। विभाग ने विभिन्न नर्सिंग प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए GeM सर्च के माध्यम से विभिन्न उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू की थी। प्रयोगशालाएँ नर्सिंग प्रीक्लिनिकल प्रयोगशाला, नर्सिंग फाउंडेशन प्रयोगशाला, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य प्रयोगशाला, सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला और विभागीय पुस्तकालय हैं। बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग की अंतिम परीक्षा सितंबर के तीसरे सप्ताह में आयोजित होने वाली है। बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग के पहले बैच के चलने के साथ, विभाग अगस्त, 2023 के आने वाले दूसरे सप्ताह में बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग के दूसरे बैच के लिए भी तैयारी कर रहा है।

### सीएमई /राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान / शोधपत्र या पोस्टर प्रस्तुत किए गए

| क्र. | संकाय का नाम | व्याख्यान / शोधपत्र / पोस्टर का शीर्षक | तिथि | आयोजक और स्थान |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. आदित्य शर्मा | • संचार पारस्परिक कौशल समझौता योग्य और गैर समझौता योग्य व्यवहार और टेलीफोन शिष्टाचार<br>• नर्सिंग नैतिकता और पेशेवर आचरण | फ़रवरी, मार्च 2023 | नर्सिंग सेवा विभाग एम्स बिलासपुर स्थान एलटी-5 एम्स बिलासपुर |
| 2. | सुश्री शबनम | • वेंटीलेटर<br>• रोगी चार्टिंग और इसका प्रकार रोगी मूल्यांकन उपकरण | फ़रवरी मार्च 2023 | नर्सिंग सेवा विभाग एम्स बिलासपुर |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | • मेडिकोलीगल मामला और घटना रिपोर्टिंग | | स्थान एलटी-5 एम्स बिलासपुर |
| 3. | सुश्री उपमा शर्मा | • एबीजी विश्लेषण<br>• रोगी शिफ्ट रिपोर्ट एवं स्थानांतरण | फ़रवरी मार्च 2023 | नर्सिंग सेवा विभाग, एम्स बिलासपुर |
| 4. | सुश्री कविता शर्मा | • प्रवेश छुट्टी स्थानांतरण रेफरल और मृत्यु प्रोटोकॉल<br>• नर्सिंग गुणवत्ता संकेतक | फ़रवरी मार्च 2023 | नर्सिंग सेवा विभाग, एम्स बिलासपुर |
| 5. | सुश्री चंचल रानी | • सर्जिकल सुरक्षा चेकलिस्ट<br>• मेरा अस्पताल एवं नर्सिंग देखभाल इकाई<br>• सहित रोगी की संतुष्टि<br>• क्रैश कार्ट सामग्री और नीति इसकी आपूर्ति का रखरखाव | फ़रवरी मार्च 202 | नर्सिंग सेवा विभाग एम्स बिलासपुर |

**प्रकाशन**

**शोधपत्र**

1. **शर्मा यू.**, राणा वी., सोलन (एच.पी.) में चयनित क्षेत्र में 5 साल से कम उम्र की माताओं के बीच खेल की आवश्यकता के महत्व के बारे में ज्ञान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च 2023; कोडेन: आईजेएआरपीएफ, इम्पैक्ट फैक्टर (आरजेआईएफ):8.4

**पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

**सुश्री कविता शर्मा**

1. ई-स्लोगन के लिए आंतरिक चिकित्सा और आर्थोपेडिक्स विभाग एम्स बिलासपुर द्वारा आयोजित विश्व गठिया दिवस में भाग लिया और तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

**सामुदायिक सेवा**

1. स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा: संतुलित आहार एवं नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम पर।गवर्नमेंट सेन. सेक् स्कूल जबलि में डॉ. आदित्य शर्मा, सुश्री चंचल रानी एवं सुश्री शबनम द्वारा।
2. समूह स्वास्थ्य शिक्षा: गठिया की रोकथाम, मधुमेह मेलिटस का प्रबंधन, रंगभूमि, एम्स- बिलासपुर में सुश्री उपमा शर्मा तथा सुश्री कविता शर्मा द्वारा।
3. कुष्ठ रोग दिवस,2023: कुष्ठ रोग से जुड़े मिथकों और तथ्यों पर भूमिकाएँ। कुष्ठ रोग पर सूचना, शिक्षा एवं संचार पर जागरूकता रैली,जोनल अस्पताल बिलासपुर- डॉ. आदित्य शर्मा, सुश्री उपमा शर्मा तथा सुश्री कविता शर्मा द्वारा।

# वार्षिक विवरण समिति

*(बाएं से दांये: श्री उमेश, डॉ सुमनदीप, डॉ निकिता, डॉ सुषमा, डॉ यतिराज, डॉ सुश्रुति डॉ यांगशेन, डॉ वरुण एवं डॉ सुशांत)*

| क्र. | नाम | पद | विभाग | दायित्व |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ यतिराज सिंगी | सह प्राध्यापक | फॉरेंसिक मेडिसिन | अध्क्षय |
| 2. | डॉ सुश्रुति कौशल | सहायक प्राध्यापक | प्रसूति एवं स्त्री रोग | सदस्य सचिव |
| 3. | डॉ यांगशेन ल्हामो | सहायक प्राध्यापक | औषद विज्ञान | सदस्य |
| 4. | डॉ निकिता शर्मा | सहायक प्राध्यापक | सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा | सदस्य |
| 5. | डॉ सुशांत दास | सहायक प्राध्यापक | शरीर रचना | सदस्य |
| 6. | डॉ सुषमा भारती | सहायक प्राध्यापक | पैथोलॉजी | सदस्य |
| 7. | डॉ वरुण बंसल | सहायक प्राध्यापक | रेडियोलोजी | सदस्य |
| 8. | डॉ सुमनदीप कौर | सहायक प्राध्यापक | नर्सिंग कॉलेज | सदस्य |
| 9. | श्री उमेश | पुस्तकालय सहायक ग्रेड II | पुस्तकालय | सदस्य |

ग्राफ़िक डिज़ाइनर: श्री अंकितेश

# सामुदायिक भागीदारी

## सामुदायिक भागीदारी गतिविधियाँ

**एम्स बिलासपुर मेंआजादी काअमृत महोत्सव - 5 अप्रैल 2022**

एम्स, बिलासपुर ने विशेष ओलंपिक भारत की एक पहल 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया। "दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्सव: वी केयर" के तहत एक मल्टी-स्पेशलिटी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बौद्धिक विकलांगता वाले लगभग 350 एथलीटों की जांच की गई। एथलीटों के लिए "रिटर्न टू प्ले इन्क्लूजन रिवोल्यूशन" के तहत फिट 5 रेजिमेन गतिविधि भी आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में मोबाइल डेंटल क्लिनिक की सुविधा भी उपलब्ध थी।

**विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 2022**

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग ने हमारा ग्रह हमारा स्वास्थ्य विषय पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन करके विश्व स्वास्थ्य दिवस 2022 मनाया। प्रश्नोत्तरी में एमबीबीएस छात्रों की छह टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रश्नोत्तरी के विजेता व उपविजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। एमबीबीएस छात्रों न एम्स में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी दौरा किया।

**झंडूता, जिला बिलासपुर में विकलांगता शिविर - 12 अप्रैल 2022**

पीएचसी, झंडूता में आयोजित विकलांगता शिविर में अस्थिरोग और सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग ने भाग लिया। हिमाचल सरकार की सहारा योजना योजना के तहत लाभार्थियों को विकलांगता प्रमाण पत्र दिए गए।

**गंभीर तीव्र कुपोषण शिविर - 7 मई 2022**

बाल रोग विभाग ने जिला प्रशासन के सहयोग से एम्स, बिलासपुर में गंभीर कुपोषण (एसएएम) वाले बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

**मृदा-संचारित कृमि की व्यापकता पर सामुदायिक सर्वेक्षण – 13 से 18 मई 2022**

एम्स बिलासपुर को हिमाचल प्रदेश में मृदा-संचारित कृमि की व्यापकता पर यूएनडीपी और आरटीआई इंटरनेशनल द्वारा वित्त पोषित सर्वेक्षण में बाहरी गुणवत्ता नियंत्रण भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। सोलन (सीएचसी सिरी, पीएचसी सुभाटू), शिमला (डीडीयू जेडएच शिमला), मंडी (सीएच सरकाघाट, सीएचसी गोहर), और किन्नौर (सीएचसी सांगला, सीएचसी पूह) में परीक्षण किए जा रहे सर्वेक्षण नमूनों के बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए डॉ. पुनीत कुमार गुप्ता, डॉ. विक्रांत कंवर, डॉ. स्वाति गुप्ता और डॉ. प्रशांत सूद को तैनात किया गया था। 13-18 मई, 2022 तक इन केंद्रों में टीम द्वारा 500 से अधिक नमूनों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की आबादी में मृदा-संचारित कृमि के संचरण में पर्याप्त गिरावट पाई।

**केलांग, लाहौल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में मल्टी-स्पेशलिटी शिविर – 10-12 मई 2022**

एम्स बिलासपुर ने 10 से 12 मई 2022 तक आउटरीच मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया। समुद्र तल से 10,100 फीट की ऊंचाई पर स्थित लाहौल और स्पीति के जिला मुख्यालय केलांग में 9 विशेषज्ञ और सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की एक टीम द्वारा लगभग 537 परामर्श और 5 छोटी ओटी प्रक्रियाएं की गईं।

**विश्व उच्च रक्तचाप दिवस – 17 मई 2022**

एम्स बिलासपुर में आंतरिक चिकित्सा विभाग ने 'अपने रक्तचाप को सही ढंग से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहें' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मरीजों ने स्वयं प्रशिक्षित नर्सिंग अधिकारियों की देखरेख में स्वचालित बीपी उपकरणों का उपयोग करके अपने रक्तचाप को मापा। उन्हें पर्चे भी दिए गए, जिसमें घर पर उनके बीपी को सही ढंग से मापने के कदमों का वर्णन किया गया था। नर्सिंग अधिकारियों और एमबीबीएस छात्र के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नर्सिंग अधिकारी कविता और एमबीबीएस की छात्रा शिवानी ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार जीता।

**विश्व जनसंख्या दिवस - 11 जुलाई 2022**

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग ने चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, मंडी मांडवा और ग्राम प्रधान के समर्थन से पंचायत भवन मंडी मांडवा में "8 अरब की दुनिया: सभी के लिए एक लचीला भविष्य की ओर - अवसरों का उपयोग करना और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना" विषय पर विश्वजनसंख्या दिवस मनाया। एमबीबीएस छात्रों (द्वितीय वर्ष) ने परिवार नियोजन के तरीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं सहित पचास प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। एमबीबीएस छात्रों (प्रथम वर्ष) द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों को एम्स के ओपीडी क्षेत्र में मरीजों और उनके साथ आए परिवार के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए प्रदर्शित किया गया था।

**खुले में शौच के बारे में निर्माण श्रमिकों को संवेदनशील बनाना - 11 जुलाई 2022**

एम्स के भीतर निर्माण श्रमिकों के लिए लेबर कॉलोनी का दौरा सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा श्रमिकों के लिए शौचालय सुविधाओं (गड्ढे प्रकार) और मलमूत्र के निपटान की जांच करने के लिए किया गया था। इसके बाद खुले में शौच (ओएफडी) के संबंध में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। स्वास्थ्य और पर्यावरण पर ओएफडी के हानिकारक प्रभावों के बारे में श्रमिकों को संवेदनशील बनाया गया। ओएफडी को रोकने और शौचालयों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन द्वारा "खुले में शौच" पर प्रेरक वीडियो भी मजदूरों को दिखाए गए।

**विश्व स्तनपान सप्ताह – 1 से 7 अगस्त 2022**

नवजात शिशु रोग विभाग ने 3 अगस्त 2022 को सीएचसी मार्कंड, बिलासपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि माताओं को विशेष स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके और निरंतर भोजन के साथ पूरक आहार कैसे शुरू किया जा सके।

**राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह - 17 से 23 सितंबर 2022**

भेषगुणज विज्ञान विभाग ने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में जनता और फार्मासिस्टों के लिए जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

**समुदाय आधारित गठिया जाँच शिविर - 27 से 30 सितंबर 2022**

चिकित्सा विभाग ने मस्कुलोस्केलेटल शिकायतों की उपस्थिति के लिए उच्च ऊंचाई पर रहने वाली आबादी की जांच की। टीम द्वारा 10 गांवों में दो सन्निहित दिनों की अवधि में एक क्रॉस सेक्शनल सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें एक प्रशिक्षित रुमेटोलॉजिस्ट, एक सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नियुक्त चिकित्सा अधिकारी और सहायक कर्मचारी शामिल थे। नैदानिक इतिहास और शारीरिक परीक्षा के माध्यम से कुल 60 प्रतिभागियों की जांच की गई। सबसे आम निदान में गैर-विशिष्ट मस्कुलोस्केलेटल दर्द (46.7%) शामिल था, इसके बाद ऑस्टियोआर्थराइटिस घुटने (30%) और कटिस्नायुशूल (21.7%) थे।

**वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस – 1 अक्तूबर 2022**

सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग ने मानव सेवा ट्रस्ट, सुंदरनगर (हिमाचल प्रदेश) के समन्वय से अपना घर वृद्ध आश्रम (वृद्धाश्रम), देवली, जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। गैर-संचारी रोगों के लिए बुजुर्गों की चिकित्सा जांच और स्क्रीनिंग की गई। एमबीबीएस छात्रों के लिए "वृद्ध महिलाओं का लचीलापन और योगदान" विषय पर एक स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किया गया था।

**"भारत में गैर-संचारी रोग बोझ को संबोधित करने के लिए एक आवश्यक उपकरण के रूप में फ्रंट ऑफ पैकेज लेबल (एफओपीएल) पर वेबिनार" - 10 अक्तूबर 2022**

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग ने इस जागरूकता पैदा करने वाली परियोजना 'सभी के लिए स्वस्थ भोजन' के लिए राष्ट्रीय वेबिनार की एक श्रृंखला के रूप में एम्स ऋषिकेश के सहयोग से राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। भारत भर के प्रख्यात वक्ताओं ने पैकेज लेबलिंग और सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका के सामने गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला।

**विश्व गठिया दिवस – 12 अक्तूबर 2022**

आंतरिक चिकित्सा विभाग और अस्थिरोग विभाग ने संयुक्त रूप से इस दिन एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। एक ई-पोस्टर मेकिंग और ई-स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें संकाय सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों और एमबीबीएस छात्र ने भाग लिया और गठिया के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। रोगियों ने गठिया के साथ रहने के अपने अनुभव को साझा किया और विस्तार से बताया कि उपचार ने उनके रोग के बोझ को कैसे कम किया।

**विश्व संवेदनाहरण दिवस – 15 अक्तूबर 2022**

संवेदनाहरण विभाग ने "हर नागरिक जीवन रक्षक है" विषय पर "नुक्कड़ नाटक" का आयोजन किया। नाटक ने आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के सक्रियण के साथ कार्डियक अरेस्ट की शुरुआती पहचान पर ध्यान केंद्रित किया और यह भी दिखाया कि केवल छाती के संपीड़न के साथ कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन कैसे किया जाए। गैर-चिकित्सा कर्मचारियों और रोगी परिचारकों को एक पुतले पर छाती दबाने का प्रदर्शन करने के लिए हाथ दिया गया था। कार्यक्रम लोगों में जागरूकता पैदा करने में सफल रहा कि कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन एक जीवनरक्षक प्रक्रिया है और किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने के लिए छाती संपीड़न करना हर किसी के द्वारा किया जा सकता है।

**विश्व आघात दिवस – 17 अक्तूबर 2022**

संवेदनाहरण और अस्थिरोग विभागों के सहयोग से सर्जरी विभाग ने 'रोकथाम योग्य मृत्यु को रोकें' विषय पर इस दिन को मनाया। एमबीबीएस छात्रों और नर्सिंग अधिकारियों द्वारा सड़क सुरक्षा, घर और कार्यस्थल पर सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक जीवंत नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।

**"सुरक्षित दिवाली प्रथाएं" - 27 अक्तूबर 2022**

एम्स बिलासपुर के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने सेवा भारती के साथ मिलकर एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के तहत छह स्कूलों को शामिल किया गया था और 2500 से अधिक छात्रों को सुरक्षित दिवाली प्रथाओं के बारे में शिक्षित किया गया था।

**राष्ट्रीय नवजात सप्ताह - 15 से 21 नवंबर 2022**

नवजात शिशु रोग विभाग ने माताओं, सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए बिलासपुर के मार्कंड ब्लॉक के दनोह और बड़सौर गांव में आवश्यक नवजात देखभाल और घर-आधारित नवजात देखभाल के बारे में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।सामुदायिक नर्स, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच घर आधारित नवजात देखभाल के बारे में एक प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

**स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधि – 16 नवंबर 2022**

जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), कोठीपुरा, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में एक स्वास्थ्य शिक्षा सत्र का आयोजन किया गया। कक्षा 6 से 12 तक के लगभग 230 छात्रों ने व्यक्तिगत स्वच्छता पर स्वास्थ्य वार्ता में भाग लिया। हाथ धोने के चरणों का प्रदर्शन किया गया जो बाद में छात्रों द्वारा किया गया। महिला छात्रों के लिए, मासिक धर्म स्वच्छता के विषय पर एक स्वास्थ्य वार्ता की गई थी। कक्षा 6 से 12 तक की लगभग 200 छात्राओं ने सत्र में भाग लिया। सत्र के बाद, मासिक धर्म के बारे में छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

**किशोर स्वास्थ्य जागरूकता – 17 नवंबर 2022**

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने किशोर स्वास्थ्य जागरूकता का आयोजन किया, सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 12 वीं की छात्राओं ने एम्स बिलासपुर का दौरा किया और गर्भावस्था, स्वच्छता, एनीमिया और एचपीवी टीकाकरण में पोषण और व्यायाम के बारे में शिक्षित किया गया।

**विश्व एड्स दिवस – 1 दिसंबर 2022**

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग ने जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), कोठीपुरा में स्कूली छात्रों के बीच "खुद को परीक्षा में डालना: एचआईवी को समाप्त करने के लिए समानता प्राप्त करना" विषय पर एक प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। एम्स के एमबीबीएस छात्रों (द्वितीय वर्ष) ने जेएनवी के छात्रों और कर्मचारियों के बीच एड्स से जुड़े कलंक और एचआईवी के साथ रहने वाले लोगों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों को उजागर करने के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं और पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

**विकलांग लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस – 3 दिसंबर 2022**

अखिल भारतीय आयुवज्ञान संस्थान बिलासपुर ने कम्पोजिट रीजनल सेंटर, सुंदरनगर, जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) में स्वास्थ्य जांच शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा कुल 504 परामर्श दिए गए थे। उपचारात्मक सेवाओं के अलावा, लाभार्थियों और उनके साथ आने वाले परिवार के सदस्यों को उचित स्वस्थ जीवन शैली उपायों और विशेष रूप से विकलांगों के लिए पुनर्वास सेवाओं के बारे में परामर्श और स्वास्थ्य शिक्षा के रूप में निवारक सेवाओं पर भी उचित जोर दिया गया।

**उप राष्ट्रीय प्रमाणन टीबी सर्वेक्षण - 20 दिसंबर, 2022 से 10 जनवरी, 2023 तक**

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग ने वर्ष 2022 के लिए टीबी मुक्त स्थिति की दिशा में प्रगति के उप-राष्ट्रीय प्रमाणन के लिए जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) द्वारा दावों के सत्यापन में सक्रिय रूप से भाग लिया। माध्यमिक डेटा सत्यापन जिला टीबी केंद्र, बिलासपुर में किया गया था। चारों ब्लॉकों (मारकण्ड, घुमारवीं, झंडूता, श्री नैना देवी जी) में सर्वे टीमों का मैदानी दौरा किया गया। जानकारी प्राप्त करने के लिए चिकित्सकों, रसायनज्ञों, दवा निरीक्षकों के साथ प्रमुख मुखबिर साक्षात्कार और नाममात्र समूह तकनीक आयोजित की गई थी। रोगी साक्षात्कार व्यक्तिगत रूप से और साथ ही टेलीफोन पर आयोजित किए गए थे। सत्यापन प्रक्रिया के बाद, जिला बिलासपुर को कांस्य पदक (वर्ष 2015 की तुलना में टीबी की घटनाओं में 20-40% की कमी) के लिए अनुशंसित किया गया था।

**सड़क सुरक्षा सप्ताह – 11 से 17 जनवरी 2023**

न्यूरोसर्जरी विभाग ने पुलिस विभाग के लिए एक जागरूकता सह प्रथम उत्तरदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसे श्री दिवाकर शर्मा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर द्वारा पुलिस लाइन, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में समान रूप से समर्थन दिया गया। जागरूकता सत्र में लगभग 50 वरिष्ठ पुलिस कर्मियों ने भाग लिया, जहां उन्होंने सड़क सुरक्षा के महत्व और आपातकालीन स्थितियों के प्रबंधन में जनशक्ति प्रशिक्षण में एम्स की भूमिका पर जोर दिया।

**कुष्ठ रोग विरोधी दिवस - 30 जनवरी 2023**

त्वचा विज्ञान विभाग ने जिला कुष्ठ अधिकारियों के सहयोग से कुष्ठ रोग विरोधी दिवस मनाया। कुष्ठ रोग विरोधी दिवस 2023 का विषय 'एक्ट नाउ, एंड लेप्रोसी' था, जिसका उद्देश्य कुष्ठ रोग के बारे में जागरूकता पैदा करना और लोगों को सिखाना था कि अगर हम अभी कार्य करते हैं तो उन्मूलन संभव है। इस अवसर पर क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर और एम्स बिलासपुर में पोस्टर प्रदर्शित किए गए। एमबीबीएस और बी.एससी. नर्सिंग छात्रों द्वारा बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक रैली का आयोजन किया गया था। नर्सिंग छात्रों ने कुष्ठ रोग के विभिन्न पहलुओं के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया। कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों की सेवा करने का संकल्प लिया गया और इसके बाद महात्मा गांधी जी की याद में 2 मिनट का मौन रखा गया।

**विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को संवेदनशील बनाना**

समुदाय और परिवार चिकित्सा विभाग ने एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के तहत शैक्षिक संस्थानों के दौरे का समन्वय किया। जनवरी 2023 और मार्च 2023 के बीच जिला बिलासपुर, हमिरपुर, कांगड़ा और सोलन (हिमाचल प्रदेश) से 11 से 300 से अधिक छात्रों ने एम्स का दौरा किया। छात्रों को एम्स बिलासपुर में प्रदान किए गए बुनियादी ढांचे और सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। किशोर स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गई। छात्रों ने एम्स के अकादमिक ब्लॉक में विभिन्न विभागों का दौरा किया। छात्रों को स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराया गया।

**देह दान जागरूकता अभियान – 10 फरवरी 2023**शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) ने 10 फरवरी 2023 को प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के बैच 2022 द्वारा एक रैली और नुक्कड़ नाटक आयोजित करके "देह दान जागरूकता अभियान" का आयोजन किया।

**सूजन गठिया और ऑटोइम्यून रोगों पर सामुदायिक व्याख्यान – 13 से 16 फरवरी 2023**

एम्स, बिलासपुर ने सूजन गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए असतत ओपीडी और आईपीडी सेवाएं शुरू की हैं। समुदाय को प्रारंभिक निदान, प्रारंभिक उपचार और बेहतर परिणामों के लिए इन घटनाओं के दौरान उसी के बारे में भी परिचित कराया गया है। निम्न तालिका निष्पादित घटनाओं का सारांश प्रदान करती है:

| क्र. | घटना | समय और तिथि | कार्यक्रम-स्थल | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|
| 1. | ऑल इंडिया रेडियो, हमीपुर स्टेशन, हिमाचल प्रदेश पर सूजन गठिया और ऑटोइम्यून रोगों पर बात करें | 16.02.2023 दोपहर 2:00 बजे | आकाशवाणी स्टेशन, हमीरपुर | यह शो 18.03.2023 को प्रसारित किया गया था। |
| 2. | नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल गवर्नमेंट कॉलेज, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश में सूजन गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों पर सामुदायिक व्याख्यान | 13.02.2023 दोपहर 12:30 बजे | नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल गवर्नमेंट कॉलेज, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश | छात्रों और संकाय सहित 150 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।<br>(स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित) |
| 3. | एएनवी न्यूज पर सूजन गठिया और ऑटोइम्यून बीमारियों पर स्वास्थ्य वार्ता | 13.02.2023 दोपहर 3:00 बजे | एएनवी समाचार पंजाब हरियाणा और हिमाचल, हिमाचल प्रमुख, एएनवी समाचार, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के साथ साक्षात्कार। | प्रसारण एएनवी समाचार पर 13.02.2023 को किया गया था। |

**विश्व क्षय रोग दिवस – 24 मार्च 2023**

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग ने राज्य टास्क फोर्स, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी), हिमाचल प्रदेश और जिला क्षय रोग केंद्र, बिलासपुर के समर्थन से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। एमबीबीएस के छात्रों (द्वितीय वर्ष) ने पंचायत घर कोठीपुरा में 'हां ! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं' विषय पर समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

एम्स परिसर में एमबीबीएस छात्रों (प्रथम वर्ष) द्वारा प्रस्तुत विषय पर एक रैली और नुक्कड़ नाटक और एनटीईपी पर पैरामेडिकल विज्ञान के छात्रों (प्रथम वर्ष) को संवेदनशील बनाने का काम किया गया।

## मीडिया में एम्स बिलासपुर

| क्र. | समाचार | अख़बार | तिथि |
|---|---|---|---|
| 1. | एम्स कोठीपुरा में एक ही छत के नीचे 354 अक्षम बच्चों का जांचा स्वास्थ्य | पंजाब केसरी | 06.04.2023 |
| 2. | शिविर में 354 बौद्धिक दिव्यांग बच्चों का जांचा स्वास्थ्य | अमर उजाला | 06.04.2023 |
| 3. | जून-जुलाई तक पूरी तरह शुरू होगा एम्स: नड्डा | पंजाब केसरी | 13.04.2023 |
| 4. | एम्स कोठीपुरा में अकादमिक भवन तैयार | दैनिक भास्कर | 19.04.2023 |
| 5. | रैफरल ओ.पी.डी. साबित हो रही एम्स की ओ.पी.डी. | पंजाब केसरी | 23.04.2022 |
| 6. | एम्स बिलासपुर में अस्थमा पहचान व उपचार बारे दी जानकारी | पंजाब केसरी | 05.05.2022 |
| 7. | पोस्टर मेकिंग में सृजन अव्वल | दिव्य हिमाचल | 05.05.2022 |
| 8. | पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में सृजन को पहला स्थान | अमर उजाला | 05.05.2022 |
| 9. | केंद्रीय विद्यालय को कदमताल जोरों पर | दिव्य हिमाचल | 06.05.2022 |
| 10. | एम्स बिलासपुर ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर | पंजाब केसरी | 19.05.2022 |
| 11. | एम्स बिलासपुर और चम्बा प्रशासन के बीच करार | अमर उजाला | 19.05.2022 |
| 12. | बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए चंबा प्रशासन-एम्स समझौता | द ट्रिब्यून | 21.05.2023 |
| 13. | एम्स में पहले चरण में 125 बिस्तरों की मिलेगी सुविधा | अमर उजाला | 24.05.2022 |
| 14. | एम्स के निर्माणधीन नर्सिंग होस्टल से तार चोरी | दिव्य हिमाचल | 31.05.2022 |
| 15. | जून अंत तक तैयार हो जाएंगे एम्स कोठीपुरा के सभी भवन | अमर उजाला | 02.06.2022 |
| 16. | मोदी 30 को करेंगे एम्स की आइपीडी सेवाओं का शुभारंभ | दैनिक भास्कर | 04.06.2022 |
| 17. | बिलासपुर एम्स में योगासन का अभ्यास किया | दैनिक भास्कर | 18.06.2022 |
| 18. | एम्स में प्रशिक्षु चिकित्सकों ने किया योग का अभ्यास | दिव्य हिमाचल | 18.06.2022 |
| 19. | एम्स व आइसीएमआर, आरएमआरसी फील्ड स्टेशन केलंग में समझौता | दैनिक भास्कर | 20.06.2022 |
| 20. | हर साल 80 लाख लोग तंबाकू के सेवन से गंवा रहे जान | अमर उजाला | 02.06.2022 |
| 21. | दैनिक जीवन में अपनाएं योग | दिव्य हिमाचल | 22.06.2022 |
| 22. | बिलासपुर एम्स में आयोजित कार्यक्रम में योग करते राज्य आपदा प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष रणधीर शर्मा और अन्य | अमर उजाला | 22.06.2022 |
| 23. | एम्स बिलासपुर परिसर में योगासन करते रणधीर शर्मा व स्टाफ सदस्य | दैनिक जागरण | 22.06.2022 |
| 24. | एम्स में ब्लड बैंक शुरू होने तक जिला अस्पताल ही मुहैया करवाएगा खून | अमर उजाला | 17.07.2022 |
| 25. | एम्स में 24 और चिकित्सकों 100 नर्सिंग स्टाफ की तैनाती | अमर उजाला | 19.07.2022 |
| 26. | एम्स बिलासपुर में मिलेंगी आईपीडी सुविधा | दिव्य हिमाचल | 19.07.2022 |
| 27. | एम्स बिलासपुर में आज से ब्लाक बी में शुरू होगी ओपीडी सेवाएं | दैनिक जागरण | 08.08.2022 |
| 28. | जनता को सेवाएं देने के लिए एम्स तैयार | अमर उजाला | 09.08.2022 |
| 29. | एम्स बिलासपुर के पांचों ब्लाक तैयार, उद्घाटन का इंतजार | दैनिक जागरण | 09.08.2022 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 30. | एम्स में बढ़ेगा डॉक्टर्स का कुनबा | दिव्य हिमाचल | 09.08.2022 |
| 31. | एम्स भवन में 25 ओपीडी शुरू, 8 ऑपरेशन थियेटर तैयार | अमर उजाला | 09.08.2022 |
| 32. | एम्स में शुरू होगा कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसिज | पंजाब केसरी | 11.08.2022 |
| 33. | अब एम्स में मिलेगी आईपीडी सुविधा | दिव्य हिमाचल | 19.08.2022 |
| 34. | एम्स ने शुरू किया नियमित टीकाकरण | दिव्य हिमाचल | 20.08.2022 |
| 35. | एम्स में वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम | दिव्य हिमाचल | 22.08.2022 |
| 36. | क्विज प्रतियोगिता में डॉ. अनूप और डॉ. शादिल पहले स्थान पर | अमर उजाला | 22.08.2022 |
| 37. | एम्स में एक हफ्ते में 2000 तक पहुंच रही मरीजों की ओपीडी | अमर उजाला | 24.08.2022 |
| 38. | पांच साल से कम आयु के बच्चों के लिए एम्स बिलासपुर में क्लीनिक शुरू | दैनिक जागरण | 25.08.2022 |
| 39. | एम्स में कम्युनिटी मेडिसिन में पीजी जल्द | दिव्य हिमाचल | 25.08.2022 |
| 40. | स्वास्थ्य देखभाल के लिए हर वर्ष एक गाँव गोद लेगा एम्स | अमर उजाला | 25.08.2022 |
| 41. | एम्स बिलासपुर में नर्सिंग व पैरामेडिकल साइंसिज संस्थान इस सत्र से | दैनिक जागरण | 26.08.2022 |
| 42. | सुविधा: पांच अक्टूबर से एम्स बिलासपुर में भर्ती हो सकेंगे मरीज | दैनिक जागरण | 13.09.2022 |
| 43. | पांच को एम्स का उद्घाटन, बल्क ड्रग पार्क का शिलान्यास | दिव्य हिमाचल | 14.09.2022 |
| 44. | अब किडनी रोगों का एम्स में होगा इलाज | दैनिक जागरण | 16.09.2022 |
| 45. | एम्स में जल्द शुरू हो जाएगी बायोकेमिस्ट्री डायग्नोस्टिक लैब | अमर उजाला | 21.09.2022 |
| 46. | एम्स में अब बायो केमिस्ट्री व पैथोलाजी लैब शुरू | दैनिक जागरण | 21.09.2022 |
| 47. | एम्स में बायोकेमिस्ट्री में एमडी और पैरामेडिकल कोर्स शुरू करने की तैयारी | दिव्य हिमाचल | 21.09.2022 |
| 48. | एम्स में टेस्ट के साथ होगी बिमारियों पर रिसर्च | दिव्य हिमाचल | 22.09.2022 |
| 49. | एम्स बिलासपुर में प्रमुख मेडिसिन डिपार्टमेंट शुरू | दैनिक जागरण | 22.09.2022 |
| 50. | एम्स में आईसीयू सेवाएं जल्द | दिव्य हिमाचल | 22.09.2022 |
| 51. | रिक्ति की सूचना | अमर उजाला | 24.09.2022 |
| 52. | राज्यपाल ने एम्स परियोजना के बारे में जानकारी दी | द ट्रिब्यून | 28.09.2022 |
| 53. | रिक्ति की सूचना | द ट्रिब्यून | 28.09.2022 |
| 54. | एक लाख से अधिक लोगों को संबोधित करेंगे मोदी | दैनिक जागरण | 28.09.2022 |
| 55. | राज्यपाल आर्लेकर ने किया एम्स बिलासपुर का निरीक्षण | अमर उजाला | 28.09.2022 |
| 56. | हेलिकाप्टर से एम्स में उतरेंगे पीएम मोदी, लुहणू मैदान में होगी जनसभा | अमर उजाला | 28.09.2022 |
| 57. | एम्स में शुरू होंगी आईपीडी- आपातकालीन सेवाएं | दिव्य हिमाचल | 28.09.2022 |
| 58. | प्रधानमंत्री करेंगे एम्स का उद्घाटन, शिमला को मिला अटल संस्थान | द टाइम्स ऑफ इंडिया | 29.09.2023 |
| 59. | एम्स में मनाया राष्ट्रीय औषध सतर्कता सप्ताह | दिव्य हिमाचल | 29.09.2022 |
| 60. | एम्स फिजियोलॉजी में देगा बेहतर अवसर | दिव्य हिमाचल | 30.09.2022 |
| 61. | एम्स में तैयारियां का जायजा | दिव्य हिमाचल | 30.09.2022 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 62. | एम्स में फिजियोलॉजी में एमडी का स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू | अमर उजाला | 30.09.2022 |
| 63. | एम्स में पांच अक्तूबर से पहले तैयार हो जाएगा ऑडिटोरियम | अमर उजाला | 01.10.2022 |
| 64. | एम्स में लोकार्पण से पहले उप डाकघर की सुविधा शुरू | अमर उजाला | 02.10.2022 |
| 65. | एम्स बिलासपुर में हिमकेयर कार्ड से मिलेगा निशुल्क उपचार | अमर उजाला | 03.10.2022 |
| 66. | मोदी के दौरे से पहले नड्डा ने किया एम्स का निरीक्षण | अमर उजाला | 03.10.2022 |
| 67. | प्रधानमंत्री ने बिलासपुर एम्स का उद्घाटन किया | द ट्रिब्यून | 06.10.2022 |
| 68. | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एम्स बिलासपुर का दौरा किया | टाइम्सऑफइंडिया | 06.10.2022 |
| 69. | आज से एम्स बिलासपुर में मरीजों को मिलेंगी सभी आपात सुविधाएं | अमर उजाला | 06.10.2022 |
| 70. | शिलान्यास के पांच साल दो दिन बाद एम्स बिलासपुर का मोदी ने किया उद्धघाटन | दैनिक जागरण | 06.10.2022 |
| 71. | एम्स बिलासपुर में आज से शुरू होंगी कार्डियोलॉजिस्ट की सेवाएं | अमर उजाला | 07.10.2022 |
| 72. | अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा के लिए शीर्ष निकाय होगा बिलासपुर एम्स | द ट्रिब्यून | 07.10.2022 |
| 73. | एम्स बिलासपुर में पहले दिन 520 मरीज पहुंचे | दैनिक जागरण | 07.10.2022 |
| 74. | जंक फूड पर भी अंकित की जानी चाहिए चेतावनी | दैनिक जागरण | 12.10.2022 |
| 75. | शवगृह न होने से एम्स बिलासपुर में अभी नहीं हो सकेंगे पोस्टमार्टम | दिव्य हिमाचल | 12.10.2022 |
| 76. | गठिया के मरीजों ने अनुभव किए साझा | अमर उजाला | 13.10.2022 |
| 77. | अब शिमला व चंडीगढ़ की दौड़ खत्म, एम्स में आधुनिक मशीनों से स्वास्थ्य जाँच शुरू | दैनिक जागरण | 13.10.2022 |
| 78. | एम्स बिलासपुर में हुए सर्जरी ट्रामा में चार मेजर ऑपरेशन | अमर उजाला | 16.10.2022 |
| 79. | अब एम्स बिलासपुर में हिमकेयर और आयुष्मान कार्ड से इलाज की सुविधा | दैनिक जागरण | 18.10.2022 |
| 80. | एम्स में एसोसिएट, असिस्टेंट प्रोफेसर के भरे जाएंगे 89 पद | अमर उजाला | 26.10.2022 |
| 81. | एम्स में मरीजों को मिलेगी बैटरी से चलने वाले वाहनों की सुविधा | अमर उजाला | 28.10.2022 |
| 82. | एम्स में मरीजों को पैदल चलने की जरूरत नहीं | दैनिक जागरण | 29.10.2022 |
| 83. | एम्स बिलासपुर में किया रोगी सहायता डेस्क का शुभारंभ | अमर उजाला | 11.11.2022 |
| 84. | एम्स बिलासपुर में चिकित्स्कों ने किडनी की सफल बायोप्सी की | अमर उजाला | 17.11.2022 |
| 85. | क्विज में ऐम्स दिल्ली की डॉ. सुभाषिनी अव्वल | अमर उजाला | 18.11.2022 |
| 86. | एम्स में आने वालो को नहीं रहेगी भोजन की चिंता | दैनिक जागरण | 21.11.2022 |
| 87. | एम्स में दी स्कूली छात्राओं को स्वास्थ्य की जानकारी | अमर उजाला | 23.11.2022 |
| 88. | स्कूल की छात्राओं ने घुमा एम्स परिसर | दैनिक जागरण | 23.11.2022 |
| 89. | गर्ल्ज़ स्कूल की छत्राओं ने निहारा एम्स | दिव्य हिमाचल | 23.11.2022 |
| 90. | एम्स में स्वस्थ्य जीवन अपनाने के दिए टिप्स | अमर उजाला | 26.11.2022 |
| 91. | एम्स डॉक्टर कम मरीज तंग | दिव्य हिमाचल | 30.11.2022 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 92. | संदीप सांख्यान ने उठाए व्यवस्था पर सवाल | दैनिक जागरण | 30.11.2022 |
| 93. | एम्स में एक माह तक न्यूरोलॉजी और मेडिसिन विभाग के सभी स्लॉट बुक | अमर उजाला | 01.12.2022 |
| 94. | एम्स में एड्स के खिलाफ किया जागरूक | दैनिक जागरण | 02.12.2022 |
| 95. | एम्स में जांचा 319 लोगों का स्वास्थ्य | अमर उजाला | 04.12.2022 |
| 96. | सीआरसी में एम्स के चिकित्सकों ने दिव्यांगों का जांचा स्वास्थ्य | दिव्य हिमाचल | 04.12.2022 |
| 97. | 319 दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य जांचा | हिमाचलदस्तक | 04.12.2022 |
| 98. | सुंदरनगर में जांची दिव्यांगजनों की सेहत | पंजाब केसरी | 04.12.2022 |
| 99. | निशुल्क शिविर में जांचा 319 दिव्यांगजनों एवं वृद्धों का स्वास्थ्य, परामर्श भी दिया | दैनिक भास्कर | 04.12.2022 |
| 100. | एम्स बिलासपुर में वैरिकोज नसों का उपचार हुआ शुरू | अमर उजाला | 07.12.2022 |
| 101. | एम्स में वैरिकोज नसों का एंडोवस्कुलर उपचार शुरू | दिव्य हिमाचल | 07.12.2022 |
| 102. | एम्स में ई-संजीवनी से अब तक छह हजार लोगों को दिया टेली परामर्श | अमर उजाला | 14.12.2022 |
| 103. | पूरा होने के करीब एम्स में पहले चरण का काम | अमर उजाला | 05.01.2023 |
| 104. | एम्स के लिए नवजात गहन चिकित्सा इकाई मंजूर | अमर उजाला | 15.01.2022 |
| 105. | एम्स के डॉक्टरों ने दी फर्स्ट रेस्पॉन्डर ट्रेनिंग | अमर उजाला | 20.01.2023 |
| 106. | पद्मश्री डॉ. रणदीप गुलेरिया एम्स बिलासपुर में गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष नियुक्त | दैनिक जागरण | 06.02.2023 |
| 107. | पद्मश्री डॉ. रणदीप गुलेरिया एम्स बिलासपुर में गवर्निंग बॉडी के पहले अध्यक्ष नियुक्त | अमर उजाला | 06.02.2023 |
| 108. | बिलासपुर एम्स के अध्यक्ष होंगे डॉ. रणदीप गुलेरिया | दिव्य हिमाचल | 06.02.2023 |
| 109. | एम्स में क्यूआर कोड स्कैन कर बनेगी पर्ची, लाइन में लगने से मिलेगी निजात | अमर उजाला | 08.02.2023 |
| 110. | एम्स में शुरू हुआ लेबर रूम-उच्च जोखिम प्रसव की मिलेगी सुविधा | अमर उजाला | 17.02.2023 |
| 111. | बिलासपुर एम्स में न्यूरो विशेषज्ञ छुट्टी पर, नहीं हो रही ओपीडी | अमर उजाला | 20.02.2023 |
| 112. | एम्स बिलासपुर की पुलिस चौकी बहाल | दिव्य हिमाचल | 21.02.2023 |
| 113. | 50 लोगों के स्वास्थ्य की मुफ्त जांच की | अमर उजाला | 21.02.2023 |
| 114. | एम्स बिलासपुर में पुलिस चौकी की अधिसूचना जारी | दैनिक जागरण | 21.02.2023 |
| 115. | एनीमिया को लेकर किया जागरूक | अमर उजाला | 22.02.2023 |
| 116. | एम्स में सुरक्षाकर्मियों स्टाफ को दिया आपदा प्रशिक्षण | अमर उजाला | 23.02.2023 |
| 117. | बजट न मिलने से समय पर नहीं हो पाई एम्स में उपकरणों की खरीद | अमर उजाला | 01.03.2023 |
| 118. | एम्स शुरू होने के बाद पीजीआई क्यों जा रहे मरीज | दैनिक जागरण | 01.03.2023 |
| 119. | एम्स बिलासपुर में अब गर्दन और सिर के कैंसर की जटिल सर्जरी उपलब्ध | अमर उजाला | 02.03.2023 |
| 120. | देश के वरिष्ठ चिकित्सकों ने एम्स के प्रशिक्षुओं का किया मार्गदर्शन | अमर उजाला | 11.03.2023 |

# वार्षिक लेखा (वित्तीय वर्ष २०२२-२३)

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
**कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़**
Indian Audit & Accounts Department
**Office of The Director General of Audit (Central), Chandigarh**

सत्यमेव जयते

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
Dedicated to Truth in Public Interest

स०/No: डी.जी.ए.,सी/के. व्यय/SAR/ 2022-23/AIIMS Bilaspur /2022-23/ 1766 दि०/Dated: 12-09-2023

सेवा मे,

सचिव,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली – 110001

विषय: All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2022-23 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

कृप्या All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2022-23 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पाएं। संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए।

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएं।

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें

भवदीय

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

महानिदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2022-23 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु Director, All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur, Changar Palasiyan, Village Kothipura, Tehsil Sadar, Distt. Bilaspur, Himachal Pradesh - 174001 को प्रेषित की जाती है।

भवदीय,

उप निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

**Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) for the year ended 31 March 2023**

We have audited the Balance Sheet of All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2023, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19 (2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Power and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 18 (2) of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Act, 1956.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the Uniform format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India;

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that: -

A. **Balance Sheet**
**Assets**
**Fixed Assets (Schedule-8)**
**Equipment (DPR): ₹ 8013.80 lakh**

Above included a medical equipment (Upper and Lower Urinary Tract Instrument) which was procured through HITES for ₹ 33,52,349/-. However, this equipment was commissioned/ installed on 06.04.2023 (2023-24), as such the same should have been booked under Capital Work in Progress. This has resulted in overstatement of Equipment (DPR) by ₹ 31.01 lakh, overstatement depreciation by ₹ 2.51 lakh (33.52 x 15/200) and understatement of Capital Work in Progress by ₹ 33.52 lakh.

B. **General**

NBCC is working as executing agency for construction works in the Institute to which funds are being provided by the Government on behalf of the Institute. As per clause 11.2 & 11.3 of the Memorandum of Understanding signed, a separate bank account was to be opened by NBCC for the funds received from Ministry of Health & Family Welfare and any interest earned on the deposit received/ advance was to be added to the deposit received/advance from Govt. of India.

It was pointed out in the previous year Separate Audit Report for the year 2021-22 (comment No. A.4) that the Institute had not booked interest earned of ₹ 18,34,28,342/- on the Mobilization Advances released by NBCC to its contractor. However, the Institute has still not booked this interest income in its accountsbooks.

C. **Grant-in-Aid**

The position of the grant-in-aid of the Institute for the year 2022-23 was as under: -

**Amount in crore**

| **Head of Accounts** | **OH-'31' General** | **OH-'35' Capital** | **OH-'36' Salary** | **Total** |
|---|---|---|---|---|
| Opening Balance as on 01.04.2022 | 1.08 | 2.50 | 1.29 | **4.87** |
| Grant received during the year | 23.50 | 21.72 | 70.00 | **115.22** |
| Grant surrendered/ lapsed | 0 | 13.61 | 0.41 | **14.02** |
| Total funds available | 24.58 | 10.61 | 70.88 | **106.07** |

2

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Expenditure | 19.08 | 3.50[1] | 70.59 | **93.17** |
| Unspent as on 31.03.2023 | **5.50** | **7.11** | **0.29** | **12.90** |

**D. Management letter**

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and other significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2023; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

**For and on behalf of the C & AG of India**

**Director General of Audit (Central),Chandigarh**

**Place: Chandigarh**

**Date:** 11/09/2023

[1] 2.89 + 0.61 (Schedule 3C)

3

## Annexure to Separate Audit Report

**1. Adequacy of Internal Audit System**

Internal Audit has been conducted by the Internal Audit Team of Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of Indiafor the period commencing since inception to 3.03.2023 covering entire period, the report is still awaited.

**2. Adequacy on Internal Control System**

Internal Control System was found inadequate to the extent that:-

a) The Institute has not prepared its Accounting Manual;

b) There is shortage of Controlling Officersat key positions such as Financial advisor' Registrar, Accounts Officer, Office Superintendent, Assistant Administrative Officer. Further, non-recruitment of staff has resulted in non-conducting of internal audit.

c) As per Sl. No. 4(1) of the All India Institute of Medical Sciences Regulations 2019, meetings of the Institute (body) are required to be conducted at least twice in a year. Sl. No. 8 of these regulations prescribes that the Governing body of the Institute should ordinarily meet at least thrice in a year. Only one meeting each of the Institute body and governing body was held during 2022-23, resulting in contravention of the prescribed regulations.

**3. System of Physical verification of Fixed Assets**

Physical verification of Fixed Assets for the year 2022-23 was conducted.

**4. System of Physical verification of Library Books**

Physical verification of Library books for the year 2022-23 was conducted.

**5. System of Physical verification of Inventory**

Physical verification of inventories for the year 2022-23 was conducted.

**6. Regularity in Payment of Statutory dues**

The Institute was regular in depositing statutory dues.

**Dy.Director (CE)**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश -१७४००१
All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur
Himachal Pradesh-174001
https://aiimsbilaspur.edu.in
e-mail:- establishment.aiimsbilaspur@gmail.com
01978-292575

सत्यमेव जयते

File No: AIIMS-BLS-(C)/7/06/21/3877 Bilaspur, the 04 Nov, 2023

To

Ms. Chawnglienmawi,
Assistant Section officer (PMSSY-V),
Government of India,
Ministry of Health & Family Welfare,
New Delhi 110011.

**Subject: - Utilization Certificate in respect of AIIMS-Bilaspur for the Financial year 2022-23.**

Sir/Madam,

Please find enclosed herewith Statement of Utilization Certificate for the Financial Year 2022-23 in respect of AIIMS, Bilaspur for favour of further necessary action at your end please.

This is issued with the approval of Executive Director, AIIMS Bilaspur.

Yours faithfully,

04-11-23

Accounts Officer,
AIIMS, Bilaspur (H.P.)

**Enclosure**: As Above.
**Copy to:-**

1. PA to ED AIIMS Bilaspur HP for information please.
2. Financial Advisor, AIIMS Bilaspur.
3. Deputy Director (Administration),AIIMS Bilaspur HP.

# GFR 12 – A

[(See Rule 238 (1)]

**FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE**

**FINAL UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2022-23 (as on 31-03-2023) in respect of recurring/non-recurring**

**GRANTS-IN-AID/SALARIES/CREATION OF CAPITAL ASSETS**

(In Crores)

1. Name of the Scheme - Grants-in-Aid/ Salaries/ General/ Creation of capital assets
2. Whether recurring or non-recurring grants - Recurring
3. **Grants position at the beginning of the Financial year**

(i) Cash in Hand/Bank Rs. 4.87

(ii) Unadjusted advances Rs. 0.03

(iii) Total Rs. 4.90

4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actuals)

| | Unspent Balances of Grants received years [figure as at Sl. No. 3 (iii)] | Intt. earned thereon | Interest deposited back to the Government | Grant received during the year | | | Total Funds (2+7) | Exp. Up to 31-03-2023 | Funds surrendered/ lapsed | Closing balance (8-9-10) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| | | | | Sanction No. | Date | Amount | | | | |
| GIA-General | 1.08 | 0.87 | 0.87 | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 22-04-22 | 2.50 | 24.58 | 19.08 | 0 | 5.50 |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 04-08-22 | 7.00 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 15-11-22 | 14.00 | | | | |
| CCA | 2.50 | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 22-04-22 | 2.00 | 24.22 | 3.50 | 13.61 | 7.11 |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 04-08-22 | 13.00 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 15-11-22 | 6.72 | | | | |
| Salary | 1.29 | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 22-04-22 | 15.00 | 70.88 | 70.59 | 0 | 0.29 |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 28-07-22 | 16.00 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 15-09-22 | 1.00 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 27-10-22 | 11.50 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 15-11-22 | 11.50 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 25-01-23 | 5.00 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 10-02-23 | 5.00 | | | | |
| | | | | G-22011/02/2022-PMSSY-V | 22.03.23 | 4.59 | | | | |
| Total:- | 4.87 | 0.87 | 0.87 | | | 114.81 | 119.68 | 93.17 | 13.61 | 12.90 |

5. **Component wise utilization of grants:**

| Grant-in-aid– General | Grant-in-aid–Salary | Grant-in-aid–creation of capital assets | Total |
|---|---|---|---|
| 19.08 | 70.59 | 3.50 | 93.17 |

**Details of grants position at the end of the year:**

(i) Cash in Hand/Bank Rs. 12.90

(ii) Unadjusted Advances Rs. 0.05

**(iii) Total Rs. 12.95**

Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the period i/e evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/Rules/standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under................ (name of the scheme has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

(viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.)

(ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure –II (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications).

**Date:**

**Place:** Abhay 03/XI/23

**Signature** कुमार अभय,आई.ए.ए.एस/Kumar Abhay,IAAS
**Name**.........वित्तीय सलाहकार/Financial Advisor
**(Head of the** Finance**/AIIMS, Bilaspur

**Signature**
**Name**.................................................
**Head of the Organisation**
Executive Director
AIIMS Bilaspur-H.P.

# अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

राष्ट्र की सेवा में

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर

All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur

कोठीपुरा, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश १७४०३७

(प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान,
स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)